SAMPLE QUESTION PAPER—2025 (Solved)

(Issued by Central Board of Secondary Education, New Delhi)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

कोड 085

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश—

- इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं—**क, ख, ग** और **घ।**
- खंड क में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड—क

(अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **7**

दुनिया में इस समय दिन दूनी, रात चौगुनी गति से प्रगति हो रही है। कुछ समय पहले तक असंभव-सी लगने वाली चीज़ें आज प्रौद्योगिकी की मदद से सरलता से परिणाम तक पहुँच रही हैं। एक समय संगणक के विकास ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किया था। अब कृत्रिम बौद्धिकता ने चिकित्सा से लेकर हथियारों के निर्माण तक हर क्षेत्र में कंप्यूटर और रोबोट के प्रयोग को नया आयाम दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर की दुनिया में इस प्रगति के समानांतर एक और अनुसंधान चल रहा है, जिसका नाम है 'क्वांटम कंप्यूटिंग' यानि अति-सूक्ष्मता का विज्ञान। भारत ने भी अब इस क्षेत्र में गति लाने का ऐलान कर दिया है। भौतिक-शास्त्र के क्वांटम सिद्धांत पर काम करने वाली इस कंप्यूटिंग में असीमित संभावनाएं देखी जा रही हैं। शोध के लिहाज से यह विषय किसी के लिए भी रुचि का विषय हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार एक पूर्ण विकसित क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता सुपर कंप्यूटर से भी ज्यादा आँकी जा रही है। इस क्वांटम कंप्यूटिंग या मेकैनिक्स की खास बात यह है कि इसकी शुरूआत के बाद भारतीय और पश्चिमी वैज्ञानिक यह मान रहे हैं कि भारतीय भाववादी सिद्धांत को जाने बिना कण में चेतना का आकलन नहीं किया जा सकता। क्वांटम भौतिकी और कृत्रिम बौद्धिकता एक तरह से चेतना के भाववादी सिद्धांत को ही अस्तित्व में लाने के उपाय हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है ? **1**

(*i*) कृत्रिम बौद्धिकता पर
(*ii*) दुनिया के विकास पर
(*iii*) संगणक के प्रयोग पर
(*iv*) मानव अस्तित्व पर

(ख) दिन दूनी, रात चौगुनी गति से प्रगति हो रही है—पंक्ति से आशय है— **1**

(*i*) बहुत ही तेजी से विकास
(*ii*) रात दिन काम करना
(*iii*) चारों तरफ विकास होना
(*iv*) बहुत अधिक विकास होना

(ग) निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए— **1**

कथन—क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता सुपर कंप्यूटर से भी अधिक है।
निष्कर्ष —इससे विकास की गति को अधिक बल मिलेगा।

(*i*) कथन सही है, लेकिन निष्कर्ष गलत है।
(*ii*) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
(*iii*) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।
(*iv*) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

(घ) जीवन को सरल बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। **2**

(ङ) अति-सूक्ष्मता का विज्ञान क्या है ? **2**

उत्तर—

(क) (*ii*) दुनिया के विकास पर
(ख) (*i*) बहुत ही तेज़ी से विकास
(ग) (*ii*) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
(घ) (*i*) प्रौद्योगिकी की मदद से कठिन चीज़ें आसान हो गई हैं।
(*ii*) इसके द्वारा सरलता से परिणाम तक पहुँचा जा रहा है।
(ङ) अति सूक्ष्मता का विज्ञान दुनिया की प्रगति में किए जाने वाले अनुसंधान का परिणाम है। यह कंप्यूटर का उन्नत रूप है। एक पूर्ण विकसित क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता सुपर कंप्यूटर से भी अधिक आँकी जा रही है।

© ARIHANT INTERNATIONAL (P) LTD.

प्रश्न 2. सूरज हमारी ऊर्जा की सारी कमियों को पूरा कर सकता है। यह एक विशाल रिएक्टर जैसा है। वैज्ञानिकों का प्रयास है कि कृत्रिम सूरज को धरती पर बनाया जाए। इसके लिए ये फ्यूजन तकनीक पर काम कर रहे हैं। सूर्य की चमक इनसानों के लिए हजारों साल से आश्चर्य की वजह रही है। लेकिन करीब सौ साल पहले नई खोज द्वारा पता चला कि सूर्य की बेशुमार ऊर्जा का कारण न्यूक्लियर फ्यूजन है। फिर वैज्ञानिकों ने सोचा है कि अगर धरती पर उसी तरह का फ्यूजन कराया जाए जो सूर्य में हो रहा है तो बहुत कुछ बदल जाएगा और लोगों को बेशुमार ऊर्जा मिल जाएगी। आज दुनिया के सबसे बड़े न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर में ईंधन परीक्षण को शुरू कर दिया गया है। वैज्ञानिकों की एक टीम फ्रांस में फ्यूजन रिएक्टर को ताकत देने के लिए हाइड्रोजन के एक अत्यंत दुर्लभ रूप की क्षमता का परीक्षण कर रहे हैं। अगर उनका यह परीक्षण सफल होता है तो इससे दुनिया को क्लीन एनर्जी का एक बहुत बड़ा जरिया मिल जाएगा। इससे न केवल जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटेगी, बल्कि पर्यावरण को भी लाभ होगा। न्यूक्लियर फ्यूजन लंबे समय तक वातावरण में मौजूद रहने वाले रेडियोधर्मी अपशिष्ट उत्पन्न नहीं करता। यह अक्षय ऊर्जा से भी अधिक विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत है। नाभिकीय संलयन द्वारा उत्पन्न ऊर्जा मानव जाति की लंबे समय से चली आ रही खोजों में सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह तुलनात्मक रूप से काफ़ी स्वच्छ है। अर्थात् यह कम कार्बन का उत्सर्जन करती है, साथ ही यह तकनीकी दक्षता के साथ सौ फीसदी स्वच्छ भी है। 7

(क) उपर्युक्त गद्यांश की विषय वस्तु है— 1

(*i*) सौर ऊर्जा
(*ii*) स्वच्छ ऊर्जा
(*iii*) नाभिकीय ऊर्जा
(*iv*) रेडियोधर्मी ऊर्जा

(ख)निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

कथन (A) —न्यूक्लियर फ्यूजन सौर ऊर्जा से भी विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत है।

कारण (R) —इससे दुनिया को स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त होगी।

(*i*) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
(*ii*) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(*iv*) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(ग) वैज्ञानिकों द्वारा कृत्रिम सूरज को धरती पर बनाने के पीछे कारण है ? 1

(*i*) ऊर्जा की कमी दूर करने के लिए
(*ii*) पर्यावरण के लाभ के लिए
(*iii*) प्राकृतिक ऊर्जा संग्रह के लिए
(*iv*) फ्यूजन तकनीक को सिद्ध करने के लिए।

(घ) सूर्य को असीमित ऊर्जा का स्रोत क्यों माना जाता है ? 2

(ङ) नाभिकीय ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों से किस प्रकार भिन्न है ? 2

उत्तर—

(क) (*i*) सौर ऊर्जा
(ख) (*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(ग) (*i*) ऊर्जा की कमी दूर करने के लिए
(घ) सूर्य को असीमित ऊर्जा का स्रोत इसलिए माना जाता है क्योंकि यह अक्षय ऊर्जा का स्रोत है तथा इसमें ऊर्जा की कमी को पूरा करने की क्षमता है।
(ङ) नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत है। यह जैविक ऊर्जा से अधिक विश्वसनीय है। यह कम कार्बन का उत्सर्जन करती है।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए। $4 \times 1 = 4$

(क) वज़ीर अली की जांबाजी और साहसिक कारनामों से सभी परिचित थे—वाक्य में से विशेषण पदबंध चुनकर लिखिए। 1

(ख) किसी वाक्य में संज्ञा पदबंध की पहचान कैसे की जा सकती है, उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) सबकी सहायता करने वाले आप आज उदास क्यों हैं ? वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।

(घ) मैं खेलते-कूदते कक्षा पास कर लेता हूँ—वाक्य में पदबंध का भेद बताते हुए कारण भी स्पष्ट कीजिए। 1

(ङ) क्रिया पदबंध का एक उदाहरण देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

उत्तर—

(क) जांबाजी और साहसिक कारनामे-विशेषण पदबंध।
(ख) जिस वाक्य में संज्ञा प्रमुख पद के रूप में प्रयुक्त होता है
उदाहरण- अयोध्या के राजा राम बड़े प्रतापी थे। इस वाक्य में 'राम' संज्ञा है तथा प्रमुख पद है। अन्य पद संज्ञा का विस्तार है।
(ग) सर्वनाम पदबंध।
(घ) पदबंध-'खेलते-कूदते' क्रिया विशेषण पदबंध।
कारण- यह पद क्रिया की विशेषता बता रहा है।
(ङ) क्रिया पदबंध-दौड़ता चला गया
उदाहरण- आंदोलनकारी मोनुमेंट की ओर दौड़ता चला गया।

प्रश्न 4. 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए। $4 \times 1 = 4$

(क) 'दादा को तार देने के सिवा तुम्हें और कुछ न सूझेगा'।—वाक्य का भेद लिखिए। 1

(ख) भीड़ की अधिकता के कारण पुलिस जूलूस को रोक नहीं सकी।—संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए। 1

(ग) उदाहरण द्वारा सरल एवं मिश्र वाक्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(घ) संयुक्त वाक्य में समुच्चयबोधक अव्यय की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(ङ) गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा।—वाक्य का भेद बताते हुए कारण स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर—(क) सरल वाक्य

(ख) भीड़ की अधिकता थी, इसलिए पुलिस जूलुस को रोक नहीं सकी।

(ग) सरल वाक्य—सुभाष बाबू ज़ोर से वंदे मातरम् बोलते थे।
मिश्र वाक्य—जब सुभाष बाबू ज़ोर से वंदे मातरम् बोलते थे तब लोगों में उत्साह भर जाता था।

(घ) दो स्वतंत्र वाक्यों को समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा जोड़ने पर संयुक्त वाक्य बन जाता है।

(ङ) मिश्र वाक्य—'कि' वाक्य में प्रयुक्त होने से पहले आधार वाक्य पर दूसरा वाक्य आधारित है। सम्पूर्ण वाक्य से स्पष्ट होता है।

प्रश्न 5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 4 × 1 = 4

(क) सामासिक पद अन्य व्याकरणिक पदों से किस प्रकार भिन्न होता है ? 1

(ख) तत्पुरुष समास में पूर्व पद और उत्तर पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) 'यथाशक्ति' अव्ययीभाव समास है कैसे ? 1

(घ) 'त्रिलोकीनाथ', सामासिक पद का विग्रह करते हुए भेद लिखिए। 1

(ङ) द्विगु समास की विशेषता बताते हुए एक उदाहरण दीजिए। 1

उत्तर—

(क) अन्य व्याकरणिक पदों के विग्रह करने पर विशेष अर्थ उत्पन्न नहीं होता है जबकि सामासिक पद के विग्रह से विशेष अर्थ ध्वनित होता है।

(ख) तत्पुरुष समास में उत्तर पद प्रमुख होता है। उत्तर पद से ही अर्थ का पता चलता है।
उदाहरण—राजपुत्र-राजा का पुत्र
राजपुत्री—राजा की पुत्री

(ग) 'यथाशक्ति' में प्रथम पद 'यथा' है जो एक अव्यय पद है। अव्ययीभाव समास में प्रथम पद अव्यय और प्रमुख होता है।

(घ) त्रिलोकीनाथ-तीनों लोकों के नाथ हैं जो अर्थात विष्णु-बहुव्रीहि समास।

(ङ) द्विगु समास में प्रथम पद हमेशा संख्यावाची होता है। उदाहरण-त्रिकोण, चौराहा आदि।

प्रश्न 6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 4 × 1 = 4

(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होने के लिए ..... करनी पड़ती है।
(उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।) 1

(ख) समुद्र किनारे शाम को ततांरा रोज वामीरो की ..... था। (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।) 1

(ग) शैलेंद्र का मुरझाया हुआ चेहरा देखकर राज कपूर ने मुस्कराते हुए कहा, ''निकालो एक रुपया, पारिश्रमिक पूरा एडवांस।'' पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

(घ) 'काम तमाम कर देना और धूल में मिला देना' मुहावरे में अंतर स्पष्ट कीजिए। 1

(ङ) 'निराशा के बादल फटना' मुहावरे का वाक्य बनाइए। 1

उत्तर—

(क) रात-दिन एक करनी।

(ख) बाट जोहती।

(ग) 'मुरझाया हुआ चेहरा'-परीक्षा परिणाम अनुकूल नहीं आने पर विद्यार्थियों का चेहरा मुरझा जाता है।

(घ) काम तमाम कर देना- अर्थात खत्म कर देना।
धूल में मिला देना- शान में दाग लगा देना।

(ङ) अधिक मेहनत करने का नाम सुनकर जो निराशा छोटे भाई को होती थी थोड़ी देर बाद स्वत: निराशा के बादल फटने लगते। (उपयुक्त अन्य उत्तर भी स्वीकार्य)

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित *गद्यांश को पढ़कर पूछे गए* प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उचित विकल्प से चुनकर लिखिए — 5 × 1 = 5

मदालसा भी पकड़ी गई थी। उससे मालूम हुआ कि उसको थाने में भी मारा गया था। सब मिलाकर 105 स्त्रियाँ पकड़ी गई थीं। बाद में रात को नौ बजे सबको छोड़ दिया गया। कलकता में आज तक इतनी स्त्रियाँ एक साथ गिरफ्तार नहीं की गई थीं। करीब आठ बजे खादी भंडार आए तो कांग्रेस आफिस से फोन आया कि यहाँ बहुत आदमी चोट खाकर आए हैं और कई की हालत संगीन है उनके लिए गाड़ी चाहिए। जानकी देवी के साथ वहाँ गए, बहुत लोगों को चोट लगी हुई थी। डॉ० दास गुप्ता उनकी देखरेख तथा फोटो उतरवा रहे थे। उस समय तक 67 आदमी वहाँ आ चुके थे। बाद में तो 103 तक आ पहुँचे।

(क) मदालसा को थाने में भी मारा गया था।—इस कथन से अंग्रेज़ी शासन की किस मानसिकता का पता चलता है ? 1

(*i*) स्त्रियों पर हिंसा
(*ii*) दमनकारी नीति
(*iii*) बदले की भावना
(*iv*) अंग्रेजों की क्रूरता

(ख) 'सब मिलाकर 105 स्त्रियाँ पकड़ी गई थीं।' कथन से निष्कर्ष निकलता है कि— 1

(*i*) आंदोलन में पुरुषों की संख्या कम थी।
(*ii*) पुलिस स्त्रियों को अधिक गिरफ्तार कर रही थी।
(*iii*) मोनुमेट पर स्त्रियाँ आगे की पंक्ति में थीं।
(*iv*) आंदोलन में स्त्रियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था।

(ग) इस गद्यांश का सूत्रधार आप किसे मानते हैं ? 1

(*i*) पूर्णोदास (*ii*) मदालसा
(*iii*) सीताराम (*iv*) जानकी देवी

(घ) 'यहाँ बहुत आदमी चोट खाकर आए हैं और कई की हालत संगीन है।'—पंक्ति में 'संगीन' का अर्थ है— 1

(*i*) गंभीर (*ii*) घायल
(*iii*) मूर्च्छित (*iv*) नाजुक

(ङ) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यान से पढ़िए तथा सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए : 1

कथन (A) — डॉ० दास गुप्ता उनकी देख-रेख तथा फोटो उतरवा रहे थे।

कारण (R) — वे आंदोलन के बारे में साक्ष्य एकत्रित कर रहे थे।

(*i*) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(*ii*) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(*iii*) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(*iv*) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

उत्तर—(क) (*i*) स्त्रियों पर हिंसा

(ख) (*iv*) आंदोलन में स्त्रियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था।

(ग) (*iii*) सीताराम

(घ) (*i*) गंभीर

(ङ) (*ii*) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

प्रश्न 8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। **3 × 2 = 6**

(क) 'मेरे देखते तुम बेराह न चलने पाओगे।'— पंक्ति से बड़े भाई के कर्त्तव्य और अधिकार का पता कैसे चलता है ? 2

(ख) 'जीवन में पहली बार मैं इस तरह विचलित हुआ हूँ।'— तताँरा ने ऐसा क्यों कहा होगा ? 2

(ग) शैलेंद्र ने राज कपूर की भावनाओं को शब्द दिए हैं, कैसे ? 2

(घ) सआदत अली खाँ में देशप्रेम का अभाव था, स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—

(क) कहानी 'बड़े भाई साहब' में बड़े भाई लेखक से पाँच साल बड़े थे। इस नाते उन्हें अपने छोटे भाई को डाँटने-डपटने का पूरा अधिकार था। इतने पर भी यदि छोटा भाई (लेखक) बेराह चलने की कोशिश करेगा, तो वे थप्पड़ का प्रयोग करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। उनके अनुसार बड़ा होने के कारण मिला उनका यह स्वाभाविक विशेषाधिकार स्वयं विधाता भी उनसे नहीं छीन सकता। बड़े भाई साहब ने लेखक को पहले-पहल तब डाँटा था, जब वह भोर का सारा समय गुल्ली-डंडे की भेंट करके ठीक भोजन के समय लौटा था। बड़े भाई साहब को यह भी लगने लगा था कि प्रथम आने के कारण लेखक को घमंड हो गया है। अत: बड़ा भाई होने के नाते लेखक को ठीक राह पर लाना उसका कर्तव्य है।

(ख) तताँरा के जीवन में जब से वामीरो आई थी, वह बिलकुल बदल गया था। वह हर क्षण वामीरो से मिलने के लिए बेचैन रहने लगा। उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को सदा ढूँढ़ती रहती थीं। क्योंकि ऐसा उसके जीवन में पहली बार हुआ था जब वह किसी के लिए इतना प्रतीक्षारत था। अपने गंभीर एवं शांत जीवन में किसी से मिलने के लिए इतना आतुर वह पहली बार हुआ था। अपने स्वभाव के इस परिवर्तन को देख उसका अचंभित होना स्वाभाविक था।

(ग) फ़िल्म 'तीसरी कसम' में शैलेंद्र ने राजकपूर द्वारा निभाए गए किरदार हीरामन की भावनाओं के अनुसार ही गीतों में शब्द दिए हैं। राजकपूर द्वारा गीत-गाते हीराबाई से 'मन' के विषय में पूछना उनकी कोमल भावनाओं को ही दर्शाता है। एक नौटंकी की बाई में अपनापन खोजने वाले सरल हृदय हीरामन की जैसी भावनाएँ हो सकती थीं, उसी के अनुरूप गीतों में शब्द दिए गए हैं। इसी प्रकार 'सजनवा बैरी हो गए हमार' गीत में भावप्रवणता अपनी चरम-सीमा पर है।

(घ) सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह नि:संतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए। लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। अंग्रेज़ सरकार ने भी वज़ीर अली के विरुद्ध सआदत अली का साथ दिया और वज़ीर अली को पद से हटा दिया। इसके बदले सआदत अली को अवध की आधी संपत्ति और दस लाख रुपए मिल गए। इससे पता चलता है कि सआदत अली खाँ में देश प्रेम का अभाव था।

प्रश्न 9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए— **(5 × 1 = 5)**

चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए
विपत्ति,विघ्न जो पड़े उन्हें ढकेलते हुए
घटे न हेल-मेल हाँ बढ़े न भिन्नता कभी
अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी
तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(क) जीवन में निर्धारित लक्ष्य कैसे प्राप्त किया जा सकता है ? 1

(*i*) संपर्क बढ़ाने से

(*ii*) साधन जुटाने से

(*iii*) सतत प्रयत्नशील रहने से

(*iv*) लक्ष्य का ध्यान करने से

(ख) कवि को किस बात का डर है ? 1

(*i*) दूरियाँ बढ़ाने से

(*ii*) प्रेम कम होने का

(*iii*) सहयोग में कमी

(*iv*) एकता की भावना का

(ग) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

अभिकथन (A) —कवि मनुष्य के लिए मनुष्यता का होना अनिवार्य मानता है।

कारण (R) —मनुष्यता के लिए संतोष का होना आवश्यक नहीं है।

(*i*) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(*ii*) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(*iii*) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(*iv*) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) कवि समर्थ भाव किसे मानता है ? 1

(*i*) स्वार्थ भावना को सबल बनाना

(*ii*) कार्य में सफलता प्राप्त करना

(*iii*) कार्य के प्रति लगनशील रहना

(*iv*) स्वयं के साथ दूसरे को भी आगे बढ़ाना

(ङ) 'अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी' पंक्ति का भाव है ? 1

(*i*) तर्कहीनता

(*ii*) भावुकता

(*iii*) नकारात्मकता

(*iv*) सकारात्मकता

उत्तर—(क) (*iii*) सतत प्रयत्नशील रहने से

(ख) (*i*) दूरियाँ बढ़ाने से

(ग) (*iv*) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) (*iv*) स्वयं के साथ दूसरे को भी आगे बढ़ाना

(ङ) (*iv*) सकारात्मकता

प्रश्न 10. काव्य खंड पर आधारित किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— (3 × 2 = 6)

(क) प्रत्येक व्यक्ति की विशेषता उसके भीतर निहित होती है। कबीर की साखी से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) जीवन में सुख-दुःख धूप और बादल की तरह होते हैं। 2

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता से कोई एक उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए। 2

(घ) तोप जैसे लोगों का परिणाम भी तोप जैसा ही होता है, विचार व्यक्त कीजिए। 2

(ङ) मनुष्य को अपने साहस और पुरुषार्थ पर भाग्य से अधिक भरोसा रखना चाहिए। 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए। 2

उत्तर—

(क) कबीर ने अपने दोहे 'कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़ै बन माँहि' में हिरण का उदाहरण मानव-मात्र के लिए दिया है। मृग की नाभि में ही कस्तूरी सदैव बसती है, परंतु अज्ञानता के कारण वह उसे चारों ओर ढूँढ़ता-फिरता है। इसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य के मन में सदैव परमात्मा का वास होता है, परंतु ईश्वर को पाने के लिए वह उसे धार्मिक स्थलों में तथा बाह्याडंबरों की क्रियाओं से उसे ढूँढ़ने के लिए भटकता रहता है। कहने का भाव यह है कि मनुष्य अपने अंदर छिपी विशेषता को नहीं पहचान पाता और उसे पाने के लिए इधर-उधर भटकता रहता है।

(ख+ग) जीवन में सुख-दुःख धूप और छाँव की तरह होते हैं। सुख पर दुःख की छाया हमेशा रहती है। 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने बताया है कि वर्षा ऋतु आने पर बादल पर्वतों, नदियों और वृक्षों को उसी प्रकार ढक लेता है जैसे दुःख रूपी बादल सुख रूपी धूप को कभी भी घेर लेते हैं।

(घ) तोप कविता हमें यह बताती है कि तोप की भाँति क्रूर, निर्मम व अत्याचारी शासकों का अंत सुनिश्चित है। कभी इस तोप का वर्चस्व हुआ करता था किंतु आज यह मात्र बच्चों व पक्षियों का आनंद-स्थल बनकर रह गई है। कोई भी शासक कितना ही निरंकुश व शक्तिशाली क्यों न हो जनता के समक्ष एक-न-एक दिन उसे हार माननी ही पड़ती है।

(ङ) 'आत्मत्राण' कविता के माध्यम से कवि मनुष्य को संदेश देना चाहते हैं कि हमें ईश्वर से दुःखों से छुटकारा पाने की बजाए उन दुःखों को सहन करने की शक्ति माँगनी चाहिए। मनुष्य को कभी भी विषम परिस्थितियों को देखकर घबराना नहीं चाहिए, अगर हानि भी उठानी पड़े तो क्रोध नहीं करना चाहिए। कवि ईश्वर से संकट के समय भय निवारण करने की शक्ति प्रदान करने को कहते हैं। कविता के माध्यम से कवि ने आशावादी दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया है साथ ही यह भी सीख दी है कि मनुष्य को सुख के क्षणों में भी ईश्वर को नहीं भूलना चाहिए, उसे याद करके उसके समक्ष विनय भाव प्रकट करना चाहिए। उससे निडरता, शक्ति और आस्था का वरदान लेना चाहिए। अगर दुःख में कोई सहायक न मिले तो भी मनुष्य को अपना बल-पौरुष नहीं डगमगाना चाहिए तथा ऐसी स्थिति में भी प्रभु पर से विश्वास कम नहीं होना चाहिए।

प्रश्न 11. पूरक पुस्तक 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए— (2 × 3 = 6)

(क) भारत एक बहुधार्मिक समाज वाला देश है। सामाजिक सद्भाव के लिए 'टोपी शुक्ला' पाठ आपको कैसे मदद करता है ? 3

(ख) स्मृतियाँ सदैव सुखद होती हैं। 'सपनों के-से दिन' पाठ में लेखक ने अपनी स्मृतियों को साझा किया है। आप भी इस प्रकार की कोई स्मृति साझा कर बताइए कि वह आपको क्यों अच्छी लगती है ? 3

(ग) आज शहरी एवं ग्रामीण जीवन में अकेलापन एक आम समस्या हो गई है। इससे कैसे मुक्त हुआ जा सकता है। 'हरिहर काका' पाठ के संदर्भ में युक्तियुक्त उत्तर दीजिए। 3

उत्तर—

(क) टोपी और इफ़्फन घनिष्ठ मित्र थे। इफ़्फन टोपी का पहला दोस्त था। टोपी के बिना इफ़्फन और इफ़्फन के बिना टोपी अधूरा था। उनकी दोस्ती धर्म और जाति की दीवारों से परे थी। वे मित्रता की एक अटूट डोर से बँधे थे। अलग धर्म, जाति एवं भिन्न संस्कृति के बावजूद टोपी को जो स्नेह और अपनापन इफ़्फन और उसकी दादी से मिला, वैसा स्नेह, उसे अपने भरे-पूरे घर में किसी से नहीं मिला। जिस भाषा के कारण इफ़्फन की दादी टोपी से प्यार करती थी। टोपी की वही भाषा उसके अपने घर में हीन समझी जाती थी। टोपी के भाई टोपी को अहसास दिलाते थे कि वह बेहद छोटा और तुच्छ है, जबकि कलेक्टर का बेटा होने के बावजूद इफ़्फन उससे समानता का व्यवहार करता था। मित्रता जैसे भाव जाति या धर्म के आधार पर पैदा नहीं होते, वे सहानुभुति, भाईचारे की भावना, त्याग से पैदा होते हैं।

(ख) बचपन की यादें मन को गुदगुदाने वाली होती हैं। ऐसी ही एक घटना मेरे जीवन में भी घटित हुई। एक बार की बात है कि अपनी लापरवाही से मेरा हिंदी विषय का बहुत सारा काम अपूर्ण रह गया। अगले दिन उत्तर-पुस्तिकाएँ जमा करनी थीं। अध्यापक जी ने यह चेतावनी भी दे दी थी कि कल तक जिसका भी कार्य अपूर्ण रह गया, उसे प्रधानाचार्य जी के कक्ष में जाना पड़ेगा। इस कारण माँ को अपना काम पूरा करने के लिए राज़ी कर लिया, मेरी लिखावट और उनकी लिखावट में अंतर नहीं था। माँ ने काम पूरा करके कॉपी पर कवर चढ़ाकर उसे साफ़-सुथरा रूप दे दिया। अगले दिन स्कूल पहुँचकर मैंने वह उत्तर-पुस्तिका जमा कर दी। अगले दिन जब अध्यापक कक्षा में आए, तो उन्होंने मेरे कार्य की प्रशंसा की। वे कॉपी पर मुख्य अध्यापक जी की स्टैंप भी लगवाकर लाए थे। उनकी प्रशंसा सुनकर मुझे ग्लानि हुई और मैंने निर्णय लिया कि मुझे अध्यापक जी को सबकुछ

सच-सच बता देना चाहिए। मैं साहस जुटाकर अध्यापक जी के पास गया और सच्ची बात बता दी। मेरा अनुमान था कि इसके लिए अध्यापक जी मुझे दंडित करेंगे, किंतु उन्होंने ऐसा न करके मेरी पीठ थपथपाई और कहा कि अब एक और प्रशंसा तुम्हारी ईमानदारी के लिए होनी चाहिए। आप विश्वास कीजिए कि उनकी यह बात सुनकर मैं उनके चरण में झुक गया और मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि अपना सभी कार्य स्वयं पूर्ण करूँगा और ईमानदारी जैसे जीवन मूल्य को अपनाऊँगा।

(ग) 'हरिहर काका' कहानी वृद्धों के अकेलेपन और उनके प्रति संवेदनहीन होते समाज की कथा है। वास्तव में आधुनिक समाज में पारिवारिक मूल्य और मानवीय मूल्य धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं। अधिकतर लोग अपनी स्वार्थ-सिद्धि व लालच के लिए ही रिश्तों को ढोते हैं। आज ग्रामीण और शहरी जीवन में अकेलापन एक आम समस्या बन चुकी है। इस अकेलेपन से मुक्ति पाने के लिए युवा पीढ़ी को पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों की महत्ता समझनी होगी।

स्वयंसेवी संस्थाओं को आगे बढ़कर इस अकेलेपन के शिकार व्यक्तियों को सहारा देना होगा तथा परिवार के सदस्यों से मिलकर उन्हें समझाना होगा। युवा पीढ़ी को आत्मकेन्द्रित व स्वार्थ की भावना का त्यागकर संयुक्त परिवार को बढ़ावा देना होगा।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए— **(1 × 5 = 5)**

(*i*) चुनाव में मतदान का महत्व

- चुनाव क्या है
- चुनाव की आवश्यकता
- मतदान का महत्व

(*ii*) स्वच्छता में आम आदमी की भूमिका

- स्वच्छता क्यों आवश्यक
- स्वच्छता का स्वास्थ्य पर प्रभाव
- हमारी भूमिका

(*iii*) यांत्रिक सुविधाओं का पर्यावरण पर प्रभाव

- यांत्रिक सुविधा से अभिप्राय
- यंत्रों की अधीनता
- पर्यावरण पर प्रभाव।

उत्तर—

(क) चुनाव में मतदान का महत्व

- चुनाव क्या है
- चुनाव की आवश्यकता
- मतदान का महत्व

चुनाव का अर्थ है चुनना। चुनाव, लोकतंत्र की एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके माध्यम से जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है। चुनाव अपने देश के नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग करके, ऐसे नेताओं का चयन करने की अनुमति देता है, जो उनके हितों का प्रतिनिधित्व करेंगे। आज चुनाव का प्रयोग व्यापक स्तर पर होने लगा है। यह निजी संस्थानों, क्लबों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थानों आदि में भी प्रयुक्त होता है। चुनावों को सार्वभौमिक रूप में प्रतिनिधियों के चयन के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता है।

चुनाव लोकतांत्रिक समाजों की आधारशिला हैं। चुनाव यह निर्धारित करने में सहायक होते हैं कि लोग अपने नेताओं को पसंद करते हैं या नहीं। चुनाव लोगों की शिक्षा, ज्ञान या अनुभव के आधार पर उनका मूल्यांकन करने के मुद्दे को हल करते हैं। लोकतंत्र के लिए चुनाव आवश्यक हैं क्योंकि वे लोगों को स्वतंत्र महसूस करने और अपनी सरकार चुनने की अनुमति देते हैं। मतदान लोकतंत्र का एक अभिन्न अंग है। मतदान एक महत्त्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य है जो हमारे देश के भविष्य को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। इसका प्रयोग करके प्रत्येक नागरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेता है और देश की समग्र प्रगति में योगदान देता है।

(ख) स्वच्छता में आम आदमी की भूमिका

- स्वच्छता क्यों आवश्यक
- स्वच्छता का स्वास्थ्य पर प्रभाव
- हमारी भूमिका

स्वच्छता अर्थात साफ-सफाई हमारे जीवन का महत्त्वपूर्ण पहलू है। स्वच्छता का अर्थ है सफाई से रहने की आदत। सफाई से रहने से जहाँ शरीर स्वस्थ रहता है, वहीं दूसरी ओर स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है। महात्मा गाँधी ने कहा था, ''स्वच्छता ही सेवा है।'' यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है।

स्वच्छता का हमारे स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। स्वास्थ्य और स्वच्छता एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों से हमारी सुरक्षा करती है। स्वस्थ और रोग मुक्त जीवन जीने के लिए स्वच्छता का ध्यान रखना आदि आवश्यक है। अच्छे स्वास्थ्य और स्वच्छता की आदतों को अपनाकर व्यक्ति अपने और दूसरों के लिए स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा दे सकता है। स्वच्छता को बनाए रखना केवल सफ़ाई कर्मचारियों की ही जिम्मेदारी नहीं है, यह हम सभी नागरिकों की ज़िम्मेदारी है कि हम अपने शहर और गाँव को साफ और सुरक्षित रखें। पेड़-पौधे लगाएँ। कचरा न खुद फैलाएँ और न दूसरों को फैलाने दें। संगीत, नाटक व स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के जरिए लोगों को स्वच्छता के प्रति ज़िम्मेदार बनाएँ।

(ग) यांत्रिक सुविधाओं का पर्यावरण पर प्रभाव

- यांत्रिक सुविधा से अभिप्राय
- यंत्रों की अधीनता
- पर्यावरण पर प्रभाव

यांत्रिक शब्द यंत्र से बना है। यंत्र का अर्थ है मशीनरी। यांत्रिक सुविधा से अभिप्राय है कि आज हमारी संपूर्ण दिनचर्चा यंत्रों पर ही निर्भर है। जैसे-मोबाइल कंप्यूटर, कार, मिक्सी, बिजली, कपड़े धोने की मशीन आदि। आम मानव-जाति पूर्ण रूप से यंत्रों पर निर्भर है। कम समय में अधिक काम

करना आधुनिक यंत्रों की ही देन है। वास्तव में आज का मानव पूर्ण रूप से यंत्रों का गुलाम बन चुका है।

यांत्रिक सुविधाएँ पर्यावरण पर सकारात्मक के साथ-साथ नकारात्मक प्रभाव भी डालती हैं। प्रौद्योगिकी के सही इस्तेमाल से पर्यावरण को बचाया जा सकता है। इलेकट्रॉनिक कचरा भूमिगत जल में घुलकर पानी को दूषित कर सकता है। इसलिए इलेकट्रॉनिक कचरे का उचित प्रबंध करना चाहिए। औद्योगीकरण से भूमि प्रदूषण, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण बढ़ा है। जिसके कारण प्राकृतिक असंतुलन बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण का सौंदर्य प्रभावित हो रहा है। अत: यांत्रिक सुविधाओं का प्रयोग नैतिक और ज़िम्मेदारी से करना चाहिए।

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए— (1 × 5 = 5)

आप श्याम/दीपशिखा हैं। विद्यालय में भाषा प्रयोगशाला खुलवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए जिससे विद्यार्थी भाषा की ध्वनियों को समझकर श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास कर सकें।

उत्तर—

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक: 2 मार्च, 20XX
सेवा में
प्रधानाचार्य जी
नवोदय पब्लिक स्कूल
शहादरा, दिल्ली
विषय : भाषा प्रयोगशाला खुलवाने हेतु
माननीय महोदय
सविनय निवेदन है कि मैं (दीपशिखा) आपके विद्यालय में दसवीं (B) की छात्रा हूँ। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप विद्यालय में एक भाषा प्रयोगशाला खुलवाने की कृपा करें ताकि विद्यार्थी भाषा की ध्वनियों को समझकर श्रवण और वाचन कौशल को विकसित कर सकें। इस प्रकार विद्यार्थियों को भाषा पर महारत हासिल करने में मदद मिलेगी और उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप मेरे इस सुझाव पर विचार-विमर्श करेंगे तथा जल्द-से-जल्द भाषा प्रयोगशाला खुलवाने का प्रयास करेंगे।
धन्यवाद
आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या
दीपशिखा
कक्षा : दसवीं (B)
अनुक्रमांक :16

अथवा

आप बी-43, आकाश विहार, दिल्ली निवासी राजन/रम्या हैं। हर साल होने वाली 'परीक्षा पर चर्चा' पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

उत्तर—

आकाश विहार, B-43
दिल्ली
दिनांक : 20 जनवरी, 20XX
सेवा में
संपादक महोदय
नवभारत टाइम्स
दिल्ली
विषय : हर साल होने वाली 'परीक्षा' पर चर्चा'।
महोदय
मैं आकाश विहार, B-43 का निवासी राजन इस पत्र के माध्यम से हर साल होने वाली 'परीक्षा पर चर्चा' पर अपने विचार व्यक्त करना चाहता हूँ। इस कार्यक्रम द्वारा प्रधानमंत्री मोदी जी छात्रों से परीक्षा संबंधी सवाल-जवाब कर उन्हें तनाव से दूर रखना चाहते हैं। यह कार्यक्रम न केवल छात्रों के लिए, अपितु अध्यापकों व माता-पिता के लिए अति महत्त्वपूर्ण है। सन 2018 से प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। माता-पिता को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों की क्षमता को परखें व अपनी इच्छाएँ उन पर न थोपें। बच्चों को एक अच्छा इंसान और नागरिक बनने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। परीक्षा छात्र का केवल बाह्य मूल्यांकन करती है। इस कार्यक्रम को आरंभ करने का उद्देश्य छात्रों को तनावमुक्त रखना व परीक्षा को एक उत्सव के समान समझना है। इस सराहनीय कदम के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ और आशा करता हूँ कि आप मेरे इस पत्र को अपने समाचार पत्र में अवश्य छापेंगे।
धन्यवाद
भवदीप, राजन

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (1 × 4 = 4)

आप राहुल/रोशनी हैं। आप अपने स्कूल के विद्यार्थी परिषद के सचिव हैं। आपके स्कूल में अंतर्विद्यालयी 'वाद-विवाद प्रतियोगिता' का आयोजन किया जा रहा है। इस विषय में सभी विद्यार्थियों को जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

उत्तर—

बाल विद्या मंदिर, रमेश नगर
सूचना
अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता
दिनांक : 1 सितंबर, 20XX

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि राष्ट्र-भाषा हिंदी को दर्शाते हुए 'हिंदी-दिवस पखवाड़े' के अवसर पर 14 सितंबर, 20XX को विद्यालय में अंतर-विद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों को तीन वर्गों में बाँटा गया है। पाँचवीं से आठवीं, नौवीं-दसवीं तथा ग्यारहवीं—बारहवीं। प्रतियोगिता का विषय है—'हिंदी सीखना मेरी मज़बूरी या आवश्यकता'। इच्छुक विद्यार्थी हिंदी विभाग के संयोजक को 8 सितंबर तक अपना नाम दे दें। प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के सभागार में प्रात: 10 : 00 बजे किया जाएगा और विजेता को प्रधानाचार्य द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।
क० ख० ग०
हिंदी विभाग सचिव

अथवा

आप वैशाली निवासी अमर/अवनि हैं। आप अपने क्षेत्र के 'निवासी कल्याण संघ' के सचिव हैं। अपने क्षेत्र में लगने वाले रक्तदान शिविर की जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए।

उत्तर—

सूचना
वैशाली निवासी कल्याण संघ
रक्तदान विश्व का सबसे बड़ा दान है।

दिनांक : 16 मार्च, 20XX

सभी वैशाली वासियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 20 मार्च, 20XX को प्रात : 11 बजे से सायं 4.00 बजे तक जैन सभा सदन के प्रांगण में रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। रक्तदान करना सबसे बड़ा दान है जो भी रक्तदान के इच्छुक हों, वे निश्चित समय पर जैन सदन के प्रांगण में आकर सायं 4 बजे तक रक्तदान करें व मानवता के इस कार्य में सहयोग दें। यह आयोजन कल्पना चावला अस्पताल के डॉक्टरों की देख-रेख में किया जाएगा।

(कल्याण संघ) अमर सचिव

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में सूचना लिखिए— (1 × 3 = 3)

आपने खेल सामग्री की एक नई दुकान खोली है। अपनी दुकान के बारे में जानकारी देते हुए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

खुल गई! खुल गई! खुल गई!
20,000 की खरीददारी पर 15% छूट

आपके शहर में, आपके पास खेल-सामग्री की दुकान
''हॉकी या फुटबॉल, टेनिस हो या बैडमिंटन''
जो चाहो, वही मिलेगा
सभी खेल-सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।
(इनडोर, आउटडोर सभी प्रकार की खेल-सामग्री)
पता : कर्ण गेट, शॉप नं० 7, कुंजपुरा रोड (करनाल)
संपर्क नं० 9896XXXXXX, email :
abc@gmail.com

अथवा

'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' के विषय में लोगों को जागरूक करते हुए सरकार की ओर से एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

भ्रष्टाचार भारत छोड़ो
ईमानदारी से नाता जोड़ो
जागरूक बनो, जागरूकता लाओ
भ्रष्टाचार मुक्त भारत ही है,
विकसित भारत की पहचान
भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाओ
भारत सरकार की ओर से)

प्रश्न 16. एक शाम जब मैं घर में बैठी थी तभी अचानक किसी ने ज़ोर से दरवाज़ा खटखटाया। मैं चौंक गया/गई ..... पंक्ति से लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए।

उत्तर— एक शाम जब मैं घर में बैठी थी तभी किसी ने जोर से दरवाज़ा खटखटाया। मैं चौंक गई क्योंकि बाहर बहुत तेज़ बारिश हो रही थी। घर में अकेली होने के कारण मुझे बहुत डर लग रहा था। मम्मी-पापा को ऑफिस से अभी घर आने में काफ़ी समय बाकी था। बड़े भाई साहब भी बंगलौर गए हुए थे। मैं अभी यही सोच रही थी कि इस वक्त कौन आ सकता है कि तभी किसी ने फिर से दरवाज़ा खटखटाया। मैंने ज़ोर से पुकारकर पूछा कि कौन है? परंतु कोई जवाब नहीं मिला। डर के मारे मेरी हालत खराब हो रही थी। मैंने हिम्मत करके घर के पिछले दरवाज़े से बाहर जाकर देखा तो खुशी के मारे मैं चिल्ला उठी। बड़े भाई साहब बाहर खड़े थे और उनके आने की कोई उम्मीद भी नहीं थी। वे अचानक आकर हम सबको आश्चर्यचकित करना चाहते थे। उनके इस प्रकार आने से मैं चौंक उठी।

अथवा

आप शक्ति/संयम हैं। आप लालटेन गंज में रहते हैं। आपके क्षेत्र में पिछले एक महीने से बिजली की गंभीर समस्या चल रही है। इसकी जानकारी देते हुए बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

उत्तर—

From : Shakti@gmail.com
To : xyz@gmail.com
Cc : abc .....
Bcc : .....
Subject :

विद्युत—आपूर्ति की समस्या

सेवा में
प्रबंधक
राज्य विद्युत-आपूर्ति निगम
नई दिल्ली
महोदय

हम लालगंज क्षेत्र के निवासी बिजली की अनियमितता से बहुत परेशान हैं। हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमारे क्षेत्र में कई-कई घंटों तक बिजली नहीं आती। यह क्रम पिछले एक मास से चल रहा है। इसके विषय में पहले भी कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं मिला। शाम होते ही बिजली गुल हो जाती है और फिर देर रात तक बिजली की आँख-मिचौली चलती रहती है। दिन में भी वोल्टेज इतना कम होता है कि उससे बत्ती, पंखे कुछ भी नहीं चल पाते। अब तो समस्या और भी विकट हो गई है क्योंकि अगले सप्ताह से बच्चों की परीक्षा आरंभ होने वाली है। यह अनियमित बिजली की आपूर्ति बच्चों की पढ़ाई में विघ्न उत्पन्न कर रही है।

अत: हम सभी आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया बिजली की आपूर्ति नियमित कीजिए।

धन्यवाद!

भवदीय
शक्ति कुमार
हस्ताक्षर

MODEL ANSWERS

(Sample Papers 1—11)

Holy Faith New Style Sample Paper–1

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं
विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(*i*) प्रश्न-पत्र चार खंडों में विभाजित किया गया है—क, ख, ग, घ।
(*ii*) **खंड–क** में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।
(*iii*) **खंड–ख** में प्रश्न संख्या 3 से 6 तक प्रश्न हैं।
(*iv*) **खंड–ग** में प्रश्न संख्या 7 से 11 तक प्रश्न हैं।
(*v*) **खंड–घ** में प्रश्न संख्या 12 से 16 तक प्रश्न हैं।
(*vi*) यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
(*vii*) दो-दो अंकों वाले, तीन अंकों वाले तथा पाँच अंकों वाले प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए सही विकल्प का ध्यान रखिए।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

कभी-कभी सहज से तेज़ गति में परिवर्तित होते क्रोध को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके परिणाम अत्यंत घातक और पश्चाताप के भाव जगाने वाले हो सकते हैं। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी के मनोविश्लेषक टॉम जी० स्टीवेंस ने अपनी किताब 'ओवरकम एंगर ऐंड एग्रेसन' में स्पष्ट किया है कि क्रोध-नियंत्रण का एक प्रमुख तरीका यह है कि स्थिति को अपने नहीं, दूसरों के नज़रिये से देखें। दूसरों को उन स्थितियों पर प्रकाश डालने के लिए प्रोत्साहित करें, क्षमा करना सीखें, बीते को बिसारने की आदत विकसित करें और किसी को चोट पहुँचाने के बजाय प्रशंसा से उसका मूल्यांकन करें। याद रखें, क्रोध-नियंत्रण से आप स्वयं को शक्तिशाली बनाते हैं। इससे आपकी खुशहाली और स्मृतियों का विस्तार होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिनसिनाटी के वैज्ञानिकों ने अपनी किताब 50 साइंस ऑफ़ मेंटल इलनेस में इन कमज़ोरियों पर प्रकाश डालते हुए गुस्से को काबू में रखने के कारगार सूत्र दिए हैं। 'क्रोध-नियंत्रण' से हम अपना ही नहीं, दूसरों के उजड़ते संसार को फिर से आबाद कर सकते हैं क्योंकि शांत मन सृजन में समर्थ होता है। हमारे सृजनात्मक होने से ही मानवता का हित सध सकता है। तो जब भी क्रोध आए, इन उपायों को आजमाएँ। जीवन में बिखरी हुई चीज़ों को सँवारने की ओर कदम खुद बढ़ चलेंगे।

(1) क्रोध-नियंत्रण से हम स्वयं को.....बनाते हैं। 1
(क) शक्तिशाली (ख कमज़ोर
(ग) विस्तृत (घ) हतोत्साहित।

(2) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) —क्रोध नवसृजन का संहारक है।

कारण (R) —क्रोध अवस्था में क्षमाशीलता न्यून हो जाती है।

उपर्युक्त कथन और कारण के आधार पर सही विकल्प चुनिए।
(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं है।

(3) किस तरह का क्रोध अंततः पश्चाताप का कारण बनता है ? 1
(क) अत्यंत आवेग में किया गया क्रोध
(ख) सहज भाव से किया गया क्रोध
(ग) प्रायश्चित भाव से किया गया क्रोध
(घ) आत्मघात भाव से किया गया क्रोध।

(4) क्रोध पर काबू पाने का सर्वोत्तम उपाय क्या है ? 2

(5) क्रोध नियंत्रण से क्या लाभ होते हैं ? 2

उत्तर—(1) (क) शक्तिशाली।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(2) (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

(3) (क) अत्यंत आवेग में किया गया क्रोध।

(4) क्रोध पर नियंत्रण पाने का सर्वोत्तम उपाय है कि परिस्थितियों को दूसरे के नज़रिए से जानने का प्रयास करना चाहिए। क्षमा करना तथा बीते को बिसारने की आदत विकसित करनी चाहिए।

(5) 'क्रोध-नियंत्रण' से हम अपना ही नहीं, दूसरों के उजड़ते संसार को फिर से आबाद कर सकते हैं क्योंकि शांत मन सृजन में समर्थ होता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

इसरो ने चंद्रयान-3 अभियान को सफल बनाने के लिए जिस दक्षता का परिचय दिया, वह पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है। इस अभियान की बारीकियों में जाकर उसे सफल बनाने का जैसा काम किया, वैसे अन्य क्षेत्रों में भी इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि कई बार निर्माण कार्यों की गुणवत्ता या फिर उनकी डिज़ाइन दोयम दर्ज़े की रहती है।

चंद्रयान-3 की सफलता के पीछे चंद्रयान-2 की असफलता से लिए गए सबक भी हैं। 2019 में जब चंद्रयान-2 अपना अभियान पूरा नहीं कर पाया था, तब देशवासियों को निराशा हुई थी। कुछ देशों के लोगों ने तो इसरो का मज़ाक उड़ाते हुए यहाँ तक कहा था कि भारत एक गरीब देश है और उसे पहले अपनी बुनियादी समस्याओं को दूर करना चाहिए। यह भी कहा गया था कि आखिर भारत चाँद पर जाने का सपना ही क्यों देख रहा है? इसरो ने इन सभी आलोचकों के मुँह बंद कर दिए। इन आलोचकों को इस पर ध्यान देना चाहिए कि भारत एक ओर जहाँ गरीबी से पार पाने की हर संभव कोशिश कर रहा है, वहीं विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में भी अपने कदम तेज़ी से बढ़ा रहा है। वास्तव में यही वह उपाय है, जिससे वह आत्मनिर्भर बन सकता है। सरकार ने वर्तमान कालखंड को अमृतकाल का नाम दिया है और यह संकल्प लिया है कि 2047 तक भारत को विकसित देश बनाना है (साभार—दैनिक जागरण)

(1) 'चंद्रयान-3 की सफलता के पीछे चंद्रयान-2 की असफलता से लिए गए सबक भी हैं— कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। 1

(*i*) असफलता से हम सीख लेते हैं।
(*ii*) असफलता हमें सोचने पर विवश करती है।
(*iii*) सफल होने के लिए असफलता आवश्यक है।
(*iv*) सफल होने के लिए गुणवत्ता आवश्यक नहीं है।

विकल्प—
(क) कथन (*i*) सही है।
(ख) कथन (*i*) व (*ii*) सही हैं।
(ग) कथन (*ii*), (*iii*) सही हैं।
(घ) कथन (*iii*) व (*iv*) सही हैं।

(2) चंद्रयान-3 की सफलता में किसकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है ? 1

(क) वैज्ञानिकों की (ख) सरकार की
(ग) देशवासियों की (घ) तकनीकी विशेषज्ञों की।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतरिक्ष के क्षेत्र में कदम बढ़ाना आवश्यक है।

कारण (R)—भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(4) 'इसरो ने आलोचकों का मुँह बंद कर दिया।'—आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(5) लोगों ने इसरो का मज़ाक क्या कह कर उड़ाया था? 2

उत्तर—(1) (ख) कथन (*i*) व (*ii*) सही हैं।

(2) (क) वैज्ञानिकों की।

(3) (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(4) इसरो ने चंद्रयान-3 अभियान को सफल बनाकर भारत का चाँद पर जाने के सपने को पूरा कर दिखाया तथा इसके साथ ही उसने इसरो का मज़ाक उड़ाने वाले आलोचकों के मुँह भी बंद कर दिए।

(5) लोगों का कहना था कि भारत गरीब देश है। उसे पहले अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करना चाहिए और फिर चाँद पर जाने का सपना देखना चाहिए।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार रेखांकित पदबंधों के प्रकार लिखिए— **(1 × 4 = 4)**

(क) पानी भरी सड़क पर निकलना कठिन है। 1
(ख) वह रोज़ मंदिर जाता रहता था। 1
(ग) अक्लमंदी दिखाते हुए आपने बालक को गिरने से बचा लिया। 1
(घ) आसमान में उड़ता हुआ गुब्बारा फट गया। 1
(ङ) आप आराम से बैठकर चाय पीजिए। 1

उत्तर—(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध (ग) सर्वनाम पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध (ङ) क्रिया-विशेषण पदबंध।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(1 × 4 = 4)**

(क) सरला ने कहा कि वह कक्षा में प्रथम रही। 1
(रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) लोकप्रियता के कारण उसका ज़ोरदार स्वागत हुआ। 1
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) वे बाज़ार गए और सब्ज़ी ले आए। 1
(सरल वाक्य में बदलिए)

(घ) नदी में बाढ़ आने पर गाँव के लोग परेशान हो जाते हैं। 1
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ङ) जो सोता है सो खोता है। 1
(सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर—(क) मिश्र वाक्य
(ख) वह लोकप्रिय था इसलिए ज़ोरदार स्वागत हुआ।
(ग) वे बाज़ार जाकर सब्ज़ी ले आए।

(घ) नदी में बाढ़ आती है और गाँव के लोग परेशान हो जाते हैं।
(ङ) सोने वाला खोता है।

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) मतदान, (*ii*) सचिवालय, (*iii*) पीतांबर।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) लाल जो देह, (*ii*) किताब का कीड़ा।

उत्तर—(क) (*i*) मत का दान—तत्पुरुष समास
(*ii*) सचिव का आलय—तत्पुरुष समास
(*iii*) पीला है अंबर जिसका (श्रीकृष्ण)—बहुव्रीहि समास।
(ख) (*i*) लालदेह—कर्मधारय समास
(*ii*) किताबीकीड़ा—तत्पुरुष समास।

प्रश्न 6. उचित मुहावरों द्वारा पाँच में से किन्हीं *चार* रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— 1 × 4 = 4

(क) भाई साहब के हाथों में डंडा देखकर मेरे.....गए। 1
(ख) उसने अपने बच्चों को ज़्यादा प्यार करके उन्हें .....है। 1
(ग) आजकल हर वस्तु के दाम.....हैं। 1
(घ) पढ़-लिखकर वह अपने.....हो सकता है। 1
(ङ) वानर सेना ने राक्षसों की.....बजा दी। 1

उत्तर—(क) भाई साहब के हाथों में डंडा देखकर मेरे प्राण सूख गए।
(ख) उसने अपने बच्चों को ज़्यादा प्यार करके उन्हें सिर पर चढ़ा रखा है।
(ग) आजकल हर वस्तु के दाम आसमान पर हैं।
(घ) पढ़-लिखकर वह अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है।
(ङ) वानर सेना ने राक्षसों की ईंट-से-ईंट बजा दी।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1 × 5 = 5)

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(1) सुमृत्यु क्या है ? 1

(क) निरर्थक मृत्यु
(ख) शुभ दिन में मृत्यु
(ग) अच्छी मृत्यु
(घ) सब याद करें ऐसी मृत्यु

(2) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—कवि कह रहा है कि मृत्यु का भय सभी को होना चाहिए। 1
कारण (R)—मृत्यु लोगों में यादगार होनी चाहिए।
(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(3) 'मरा नहीं वही' किसके लिए कहा गया है ? 1

(क) जो स्वयं के लिए जीवित रहता है।
(ख) जो दूसरों के हित के लिए जीवित रहता है।
(ग) जो दूसरों को कष्ट देने के लिए जीवित रहता है।
(घ) जो कभी मरता ही नहीं है।

(4) पशु-प्रवृत्ति क्या है ? 1

(क) पशुओं जैसा रूप-रंग
(ख) पशुओं के समान जीना
(ग) पशुओं जैसा बल
(घ) पशुओं का-सा आहार

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए— 1

(*i*) स्वयं के लिए जीना पशु-प्रवृत्ति है।
(*ii*) कवि कुछ के लिए जीकर मरने को अच्छा मानता है।
(*iii*) कवि मनुष्य को डरने से मना करता है।
(*iv*) मृत्यु ऐसी हो कि लोग बाद में स्मरण रखें।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए—
(क) (*i*), (*ii*), (*iv*)
(ख) (*i*), (*ii*), (*iii*)
(ग) (*i*), (*iii*), (*iv*)
(घ) (*ii*), (*iv*).

उत्तर—(1) (घ) (2) (ख) (3) (ख) (4) (ख) (5) (ग)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (1 × 5 = 5)

दुनिया कैसे वजूद में आई ? पहले क्या थी ? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई ? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था। अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज़्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़ले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

(1) '.....अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।' 1

उपर्युक्त पंक्ति के माध्यम से लेखक किस ओर संकेत कर रहा है ?

HOLY FAITH INTERNATIONAL

(क) सामाजिक भेदभाव (ख) शहरी जनजीवन
(ग) नष्ट होती आबादी (घ) प्रकृति का शोषण।

(2) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही कथन चुनिए— 1
(क) मनुष्यों ने सामाजिक रीति-रिवाज़ों को मान्यता दी है।
(ख) मनुष्यों ने व्यक्तिगत हित को सर्वोपरि समझा है।
(ग) मनुष्यों ने प्रकृति को जीवन का आधार माना है।
(घ) मनुष्यों ने प्रकृति पर विजय हासिल कर ली है।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1
कथन (A)—मानवीय क्रियाकलापों ने प्राकृतिक आपदाओं की संभावनाओं को बढ़ा दिया है। 1
कारण (R)—दुनिया का अस्तित्व मानव और प्रकृति के सह-संबंधों पर निर्भर है।
उपर्युक्त कथन और कारण के आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए—
(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है।
(घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(4) उपर्युक्त गद्यांश के माध्यम से लेखक.....। 1
(क) प्रकृति का वैज्ञानिक अध्ययन करना चाहता है।
(ख) सामूहिक जीवन निर्वाह के लिए सलाह दे रहा है।
(ग) पशु-पक्षियों के प्रति आदर का भाव प्रकट कर रहा है।
(घ) प्राकृतिक आपदाओं के प्रति ध्यान आकर्षित कर रहा है।

(5) '...मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं।' 1
उपर्युक्त पंक्ति के माध्यम से मनुष्यों की..... के बारे में पता चलता है।
(क) उदार प्रवृत्ति
(ख) सांप्रदायिक सोच
(ग) समाजसेवी प्रवृत्ति
(घ) संकुचित मानसिकता

उत्तर—(1) (ख) शहरी जनजीवन
(2) (ख) मनुष्यों ने व्यक्तिगत हित को सर्वोपरि समझा है।
(3) (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।
(4) (घ) प्राकृतिक आपदाओं के प्रति ध्यान आकर्षित कर रहा है।
(5) (घ) संकुचित मानसिकता।

प्रश्न 9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। (2 × 3 = 6)

(क) 'तताँरा और वामीरो की कहानी से यह संदेश मिलता है कि प्रेम सबको जोड़ता है और घृणा दूरी बढ़ाती है।' अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर इस कथन की व्याख्या कीजिए। **2**

(ख) कर्नल के खेमे में आकर वज़ीर अली उसे दस कारतूस देता है। इस घटना के आधार पर वज़ीर अली की चारित्रिक विशेषताओं के बारे में सोदाहरण लिखिए। **2**

(ग) '...शैलेंद्र तो फ़िल्म-निर्माता बनने के लिए सर्वथा अयोग्य थे।' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? 25-30 शब्दों में उत्तर लिखिए। **2**

(घ) बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं ? **2**

उत्तर—(क) पाठ के आधार पर यह कथन युक्ति संगत है। प्रेम एक ऐसी भावना है जो अपनों के साथ-साथ परायों को भी अपना बनाने पर विवश कर देती है, जबकि घृणा से आपसी संबंधों में केवल मतभेद और दूरियाँ उत्पन्न होती हैं। मेरे घर में हम भाई-बहनों के मध्य झगड़ा होने पर मेरे बड़े भाई ही प्रेम और शांति से काम लेते हैं। वही हम सबको समझाते हैं, हमें मनाते हैं। हमारी नाराज़गी से आई दूरियों को दूर करके हमें एक करते हैं। उन्हें सबके साथ मिल-जुलकर शाँति से रहना पसंद है।

(ख) प्रस्तुत घटना के आधार पर वज़ीर अली की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

***(i)* साहसी**—वज़ीर अली व्यक्तिगत तौर पर बहुत साहसी है वह उसे पकड़ने का षड्यंत्र एवं संकल्प करने वाले कर्नल के डेरे में घुसकर सर्वप्रथम उससे मिलकर बातें करता है। फिर उससे दस कारतूस लेता है और उसकी जान भी बख्शने का एहसान उस पर चढ़ा देता है।

***(ii)* नीति कुशल**—वज़ीर अली एक नीति कुशल व्यक्ति था। वह अपनी कुशल नीतियों के कारण ही कर्नल की फ़ौज को चकमा देता है।

***(iii)* आत्मविश्वासी**—वज़ीर अली आत्मविश्वासी व्यक्ति था। अपने इसी विश्वास के बल पर वह कर्नल द्वारा उसका नाम पूछने पर बिना हिचकिचाहट के अपना नाम बता देता है।

(ग) '....शैलेंद्र तो फ़िल्म-निर्माता बनने के लिए सर्वथा अयोग्य थे।' लेखक द्वारा ऐसा कहने के निम्नलिखित कारण हैं—

(*i*) '...शैलेंद्र में अन्य फ़िल्म निर्माताओं की भाँति यश और पैसा कमाने की कोई इच्छा ही नहीं थी।

(*ii*) उनका हृदय एक कवि का हृदय था। वे कवि की भाँति अत्यंत आदर्शवादी और भावुक व्यक्ति थे, जबकि फ़िल्म इंडस्ट्री में आदर्शवाद और भावुकता के लिए कोई स्थान नहीं होता है।

(*iii*) शैलेंद्र आत्मसंतोषी व्यक्ति थे। वे अपने जीवन में मानवीय मूल्यों को अत्यधिक महत्व देते थे।

(घ) बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ दबानी पड़ती थीं क्योंकि वे अपने छोटे भाई को सही रास्ते पर चलाना चाहते थे और वे चाहते थे कि उनका छोटा भाई पढ़-लिखकर एक अच्छा ऑफ़िसर बने। उनका छोटा भाई (लेखक) एक चरित्रवान, ईमानदार और कर्त्तव्यपरायण व्यक्ति बने। यही कर्त्तव्य बड़े भाई साहब का था। दोनों ही हॉस्टल में रहते थे। अगर वे खुद बेराह चलते तो छोटे भाई से कुछ कहने, समझाने या डाँटने-डपटने का अधिकार खो देते फिर छोटा भाई उनकी बात भी न मानता और न कभी उनसे डरता। इस प्रकार छोटे भाई की रक्षा कौन करता ?

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। (2 × 3 = 6)

(क) कबीर ने अपने दोहे में 'हिरण' का उदाहरण किस संदर्भ में दिया है ? **2**

(ख) 'मनुष्य मात्र बंधु है' कथन से आप क्या समझते हैं ? **2**

(ग) 'तोप' कविता के आधार पर किन बातों से लगता है कि तोप निरर्थक हो गई है ? **2**

(घ) कौन-कौन से तर्क देकर मीरा कृष्ण से दर्शन देने का आग्रह करती हैं ? **2**

उत्तर—(क) कबीर ने अपने दोहे 'कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़ै बन माँहि' में हिरण का उदाहरण मानव-मात्र के लिए दिया है। कस्तूरी-मृग की नाभि में कस्तूरी सदैव बसती है, परंतु अज्ञानता के कारण वह उसे

चारों ओर ढूँढ़ता-फिरता है। इसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य के मन में सदैव परमात्मा का वास होता है, परंतु ईश्वर को पाने के लिए वह उसे धार्मिक स्थलों में तथा बाह्याडंबरों की क्रियाओं से उसे ढूँढ़ने के लिए भटकता रहता है।

(ख) ''मनुष्य-मात्र बंधु है'' कथन का अर्थ है कि संसार के सभी लोग 'भाई-बंधु' हैं अर्थात् मनुष्य-मनुष्य के बीच में जाति-धर्म, क्षेत्र, भाषा या रंग के आधार पर कोई भेद नहीं होता है। मनुष्य के कर्म ही उसे मनुष्य से अलग बनाते हैं। अत: मनुष्य के मन में विश्व-बंधुत्व की भावना को प्रबल बनाने के लिए प्रयासरत रहना आवश्यक है।

(ग) कानपुर के कंपनी बाग के प्रवेश द्वार पर रखी इस तोप का प्रयोग अब बच्चे घुड़सवारी का आनंद लेने के लिए करते हैं। जब तोप (बच्चों से) मुक्त होती है, तो गौरैया चिड़ियाँ इस पर बैठकर गपशप करती हैं। कभी-कभी तो वे शैतानी में इसके भीतर भी घुस जाती हैं। ये सभी बातें बताती हैं कि अब यह तोप निरर्थक हो गई है। दिखावे की वस्तु मात्र रह गई।

(घ) मीरा भक्त-वत्सल श्रीकृष्ण को भाँति-भाँति के तर्क देकर दर्शन देने का आग्रह करती हैं। कभी वे दास्य भाव से आग्रह करती हैं कि वे उन्हें दर्शनामृत देकर उसकी पीड़ा का अंत करें। कभी मीरा उपालंभ का आश्रय लेती हैं और अपने आराध्य को स्मरण कराती हैं कि किस प्रकार उन्होंने द्रौपदी, प्रह्लाद व गजराज का उद्धार किया था। जब आराध्य देव ने अपने सभी भक्तों के कठिन समय में प्रकट होकर उनका उद्धार किया है, तब अपनी इस उपासिका की पुकार पर भी उन्हें आना ही पड़ेगा।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में दीजिए : (3 × 2 = 6)

(क) कलक्टर साहब के लड़के टोपी के दोस्त क्यों नहीं बन सके? **3**

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ में हेडमास्टर शर्मा जी की बच्चों को मारने-पीटने वाले अध्यापकों के प्रति क्या धारणा थी? जीवन-मूल्यों के संदर्भ में उसके औचित्य पर अपने विचार लिखिए। **3**

(ग) हरिहर काका के परिवारवालों का बदलता व्यवहार आपको क्या सोचने के लिए विवश करता है ? कहानी के आधार पर बताइए। **3**

उत्तर—(क) कलक्टर साहब के लड़के टोपी के दोस्त इसलिए नहीं बन सके, क्योंकि वे तीनों लड़के बहुत घमंडी थे। उन्हें अपने पिता के पद तथा पैसों का गुमान था। वे बार-बार जानबूझकर अपमानजनक भाषा में टोपी से उसके पिता के पद के विषय में पूछते थे। एक बार तो उन्होंने अपना कुत्ता टोपी के ऊपर छोड़ दिया था और उसे कुत्ते से कटवा दिया था। उन्हें मानवीय संबंधों और दोस्ती की गरिमा का बिल्कुल ज्ञान नहीं था।

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ में हेडमास्टर शर्मा जी बच्चों को मारने-पीटने वाले अध्यापकों को अच्छा नहीं समझते थे। उनका कहना था कि बच्चों को शारीरिक या मानसिक दंड देकर कोई भी अध्यापक छात्रों पर अनुशासन की लगाम नहीं लगा सकता और न ही उनका सम्मान प्राप्त कर सकता है। मारने-पीटने से छात्रों में अनुशासनहीनता, रोष, तनाव और बदले की भावना पनपती है। अध्यापक यदि विद्यार्थियों की बातों को सुनकर प्यार से उनकी छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान करके उनमें स्वस्थ प्रतिस्पद्र्धा का भाव जगाएँ तथा उनमें स्वानुशासन का विकास करें, तो न केवल विद्यार्थियों को सही दिशा देने में कामयाब हो सकते हैं बल्कि उनके मन में अपने लिए जगह बनाने में भी सफल हो सकते हैं।

(ग) हरिहर काका के परिवारवालों का बदलता व्यवहार समाज की संवेदनहीनता एवं स्वार्थपरता का परिचय देता है। आधुनिक समाज में रिश्तों का महत्व बहुत कम हो गया है। लोगों के मन में धन के प्रति लालच की भावना बढ़ गई है। हमारे चारों तरफ अविश्वास का वातावरण बढ़ रहा है। इसलिए हमें सावधान रहने की आवश्यकता है तथा हरिहर काका की भाँति रह रहे बड़े बुज़ुर्गों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है।

खंड—ग

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5 × 1 = 5)

(1) आज़ादी का अमृत महोत्सव
- अमृत महोत्सव के पीछे धारणा
- सरकारी-गैर-सरकारी स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ
- इससे लाभ

(2) आधुनिक जीवन
- आवश्यकताओं में वृद्धि
- अशांति
- क्या करें

(3) इंटरनेट की दुनिया
- इंटरनेट का तात्पर्य
- सूचना का मुख्य साधन
- लाभ तथा हानि

उत्तर—(1) हमारे देश भारत ने 15 अगस्त, 2022 को आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ मना चुका है। आज़ादी की इसी 75वीं वर्षगाँठ को मनाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री ने 75 हफ़्ते पहले 12 मार्च, 2021 को गांधी जी के साबरमती आश्रम में आज़ादी के अमृत महोत्सव का उद्घाटन किया। आज़ादी के इस अमृत महोत्सव को मनाने का उद्देश्य लोगों को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और त्याग के बारे में जानकारी देना है। इस महोत्सव के ज़रिए देश के उन गुमनाम नायकों को ढूँढ़कर जिन्होंने देश पर जान न्योछावर की, उनकी वीरगाथाएँ सबके सामने लाई जाएँगी। इस आयोजन के माध्यम से 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है।

आज़ादी के अमृत महोत्सव पर अलग-अलग तरीके से कार्यक्रम करके लोगों के मन में देश-प्रेम को जागरूक किया जाता है और उन शहीदों को याद किया जाता है जिन्होंने आज़ादी के संघर्ष की लड़ाई लड़ी तथा सभी लोगों ने स्वतंत्रता का जो सपना देखा था, उसे पूरा किया। इसके अलावा आज़ादी के अमृत महोत्सव के माध्यम से हम आज की युवा पीढ़ी को आज़ादी के संघर्ष के बारे में विस्तार से बता सकते हैं। उन्हें उन सभी चुनौतियों से अवगत करा सकते हैं जो भारत को स्वतंत्रता दिलाने में सामने आई। हमें अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने इतिहास को भी याद करना ज़रूरी है, क्योंकि यह भारत का वह इतिहास है जो किसी को भी आत्मविश्वास से भर देगा।

(2) आधुनिक जीवन-शैली के कारण हम प्रकृति तथा पारिवारिक संबंधों से बहुत दूर होते चले जा रहे हैं। शहरीकरण से आधुनिकता का सीधा प्रभाव मनुष्य के जीवन पर पड़ा है। इससे उसका जीवन और

अधिक एकांकी हो गया है। पहले नगर, परिवार समाज आदि सभी एकता के सूत्र में बँधे हुए थे। आधुनिक युग की सभी संस्थाएँ स्वतंत्र हो गई हैं, जो अपनी तुच्छ स्वार्थ-सिद्धि में लगी हुई हैं। आज हमने ऊँचे-ऊँचे भवन बना लिए, परंतु उनमें रहने के लिए हमारे पास समय नहीं है। हमने आने-जाने के लिए खूब चौड़े मार्ग तो बना लिए लेकिन हम संकुचित विचारों से बुरी तरह ग्रस्त हैं। हम बहुत सी वस्तुएँ खरीदते हैं, किंतु उनका आनंद कम उठा पाते हैं। हमारे पास सुविधाएँ बहुत हैं, किंतु समय कम। हमारे पास ज्ञान बहुत है लेकिन ठीक निर्णय लेने की क्षमता कम है। हम बहुत निपुण हैं लेकिन समस्याओं में उलझे रहते हैं। हमें छोटी सी बात पर गुस्सा आ जाता है। हमारे पास पर्याप्त दवाइयाँ हैं, किंतु स्वास्थ्य बहुत दुर्बल हो गया है। आधुनिक जीवन-शैली के चलते हम रात देर तक जागते हैं और सुबह थकान के साथ उठते हैं। 'जीवन शैली' कितनी बुरी तरह बिगड़ी और बिखरी हुई है इस बात का शायद हमें अंदाज़ा भी नहीं और इस बिखराव के कारण हमें कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। हमारे पास प्रकृति की एक अमूल्य धरोहर और उपहार है, इसलिए हमें इसको सुसभ्य ढंग से जीने की कला अवश्य सीखनी और अपनानी चाहिए अन्यथा हमारी आने वाली पीढ़ी को बहुत हानि उठानी पड़ेगी।

(3) इंटरनेट विश्व के सभी कंप्यूटर को जोड़ने का एकनेटवर्क है जिसके माध्यम से दुनिया के किसी भी कंप्यूटर को दूसरे कंप्यूटर से जोड़ा जा सकता है। इंटरनेट आई०टी० के क्षेत्र में क्रांति लाने वाला संसार का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इंटरनेट के माध्यम से हम ई-मेल, कोई भी सूचना, चित्र, वीडियो आदि दुनिया के किसी भी कोने से किसी भी कोने तक पलभर में भेज सकते हैं और प्राप्त भी कर सकते हैं। इसके माध्यम से हम दुनिया के किसी भी कोने में बैठे हुए अपने दोस्त अथवा संबंधियों से बात कर सकते हैं। इंटरनेट की सहायता से बिना पंक्ति में लगे बिजली, पानी और टेलीफ़ोन के बिल का भुगतान घर बैठे किया जा सकता है। इंटरनेट द्वारा घर बैठे रेलवे टिकट बुकिंग, होटल रिज़र्वेशन, ऑनलाइन शॉपिंग, ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन बैंकिंग, नौकरी खोज आदि सुविधाएँ मिल जाती हैं। इंटरनेट के कुछ नुकसान भी हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध सुविधा की वजह से व्यक्तिगत जानकारी की चोरी बढ़ गई है; जैसे—क्रेडिट कार्ड नंबर, बैंक काडई नंबर आदि। आज के समय में इंटरनेट का प्रयोग जासूसों के द्वारा देश की सुरक्षा व्यवस्था को भेदने के लिए किया जाने लगा है जो कि सुरक्षा दृष्टि से खतरनाक है। इंटरनेट की वजह से सोशल साइटों का चलन बढ़ गया है। इंटरनेट पर अत्यधिक मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री विद्यमान है जिसका बुरा प्रभाव सबसे अधिक बच्चों और युवा पीढ़ी पर पड़ा है।

प्रश्न 13. प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर विद्यालय के बाहर खड़े खोमचेवालों की शिकायत कीजिए ताकि उन्हें हटवाया जा सके। (5 × 1 = 5)

उत्तर—परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 2 मार्च, 20XX
सेवा में
प्रधानाचार्य
नवोदय पब्लिक स्कूल
दिल्ली

विषय : विद्यालय के बाहर खड़े खोमचेवालों (रेहड़ी वालों) को हटवाने हेतु।

माननीय महोदय

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में दसवीं 'ब' का छात्र हूँ। इस पत्र के माध्यम से हमारे विद्यालय के मुख्य द्वार पर बैठने वाले खोमचेवालों (रेहड़ीवालों) की ओर आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ। विद्यालय के मुख्य द्वार पर अनेक खोमचेवाले बैठकर जंक फूड, जैसे बर्गर, चाउमिन, चाट आदि बनाते हैं। इन वस्तुओं को बनाने के लिए निम्न स्तर के तेल तथा अन्य खाद्य सामग्री का प्रयोग किया जाता है जिसे खाकर कई छात्र-छात्राएँ बीमार हो गए हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से ये जंक फूड हानिकारक हैं।

अत: आपसे निवेदन है कि विद्यालय के मुख्य द्वार से इन खोमचेवालों (रेहड़ीवाले)को हटवाने की कृपा करें।

धन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य
क०ख०ग०
कक्षा : दसवीं 'ब'

अथवा

व्यापार प्रबंधक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित पुस्तकें वी०पी०पी० द्वारा मंगवाने हेतु लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 22 मार्च, 20XX
सेवा में
व्यापार प्रबंधक
राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
नई दिल्ली

विषय : मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित पुस्तकें मँगवाने हेतु।

महोदय

मैं पश्चिम विहार का निवासी हूँ। मुझे आपके न्यास द्वारा प्रकाशित मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित निम्नलिखित पुस्तकों की आवश्यकता है—

रंगभूमि	— 2 प्रतियाँ
मानसरोवर भाग-1	— 4 प्रतियाँ
मानसरोवर भाग-2	— 4 प्रतियाँ
निर्मला	— 2 प्रतियाँ
कर्मभूमि	— 2 प्रतियाँ

पुस्तकों को भेजने से पूर्व यह जाँच कर लें कि वे कटी-फटी न हो। पत्र मिलते ही पुस्तकें भेजने का कष्ट करें।

कृपया सभी पुस्तकें वी०पी०पी० द्वारा भेजें। पुस्तकें मिलते ही मैं मूल्य का भुगतान कर दूँगा।

धन्यवाद
भवदीय
क०ख०ग०
पश्चिम विहार
नई दिल्ली

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

(क) विद्यालय में 'स्वच्छता अभियान' चलाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक के लिए समय, स्थान आदि के विवरण सहित सूचना तैयार कीजिए।

उत्तर— सूचना

बाल भारती पब्लिक स्कूल

पंचकुला, चंडीगढ़

दिनांक : 2 जुलाई 20 XX

स्वच्छता अभियान के संचालन हेतु कक्षा प्रतिनिधियों की बैठक

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अगले माह विद्यालय में स्वच्छता अभियान का संचालन किया जा रहा है। अत: विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाए जाने लिए विचार-विमर्श हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक 6 जुलाई, 20XX को प्रात: 10:00 बजे होगी। सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों का उसमें उपस्थित होना अनिवार्य है। बैठक विद्यालय के सभागार में पी० टी० आई० की उपस्थिति में होगी। सभी कक्षा प्रतिनिधि कार्यक्रम के निर्धारण हेतु अपने सुझाव देने के लिए स्वतंत्र हैं।

प्रधानाचार्या

(हस्ताक्षर)

अथवा

विद्यालय में वार्षिकोत्सव की सूचना साहित्यिक क्लब की 'प्राचीर' पत्रिका के लिए सूचना तैयार कीजिए।

उत्तर— सूचना

नवीन पब्लिक स्कूल,

शहादरा, दिल्ली

दिनांक : 20 दिसंबर, 20XX

वार्षिकोत्सव का आयोजन

'प्राचीन साहित्यिक क्लब' की ओर से सभी विद्यालयों को सूचित किया जाता है कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 20 दिसंबर को विद्यालय में वार्षिकोत्सव मनाया जाएगा। इस वर्ष वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती निहारिका देसवाल को आमंत्रित किया जा रहा है। वार्षिकोत्सव में फैंसी ड्रैस, सामूहिक गान, नाटक, नृत्य आदि प्रस्तुत किए जाएँगे। इसमें भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी 5 दिसंबर तक अपने नाम दे दें।

अंकित शर्मा

सचिव साहित्यिक क्लब

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए— 3 × 1 = 3

(क) मासिक पत्रिका 'चित्रलेखन' के लिए एक विज्ञापन 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

(ख) पुराने घरेलू फ़र्नीचर को बेचने के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर— (क)

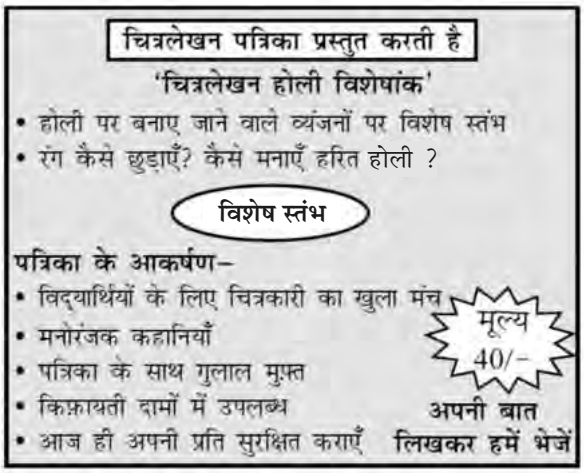

(ख)

प्रश्न 16. 'एकता में बल' विषय पर लघुकथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। 5 × 1 = 5

उत्तर— किसी गाँव में एक किसान रहता था। उसके चार पुत्र थे। चारों पुत्र बहुत मेहनती और ईमानदार थे। लेकिन परेशानी यह थी कि उन चारों की आपस में बिलकुल नहीं बनती थी। वे सभी छोटी-छोटी बातों पर आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे। किसान ने कई बार उन्हें बिठाकर समझाने का प्रयास किया। परन्तु उन पर कोई असर नहीं होता था। किसान को हमेशा यही चिंता सताती कि वह अपने पुत्रों में एकता कैसे स्थापित करे। एक दिन उसे एक उपाय सूझा। उसने अपने चारों पुत्रों को अपने पास बुलाया और उन्हें एक लकड़ी का गट्ठर तोड़ने के लिए कहा। किसान के चारों पुत्रों ने बारी-बारी से पूरी ताकत लगाकर गट्ठर को तोड़ने की कोशिश की, परंतु कोई भी सफल न हो पाया। फिर किसान ने लकड़ी के गट्ठर को खोलकर एक-एक लकड़ी तोड़ने के लिए दी। प्रत्येक पुत्र ने आसानी से लकड़ी को तोड़ दिया। तब किसान ने अपने पुत्रों को समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार एक अकेली लकड़ी को आसानी से तोड़ा जा सकता है और गट्ठर में बँधी लकड़ी को तोड़ना मुश्किल होता है। उसी प्रकार यदि तुम भी एक साथ मिल-जुलकर रहोगे

तो कोई भी तुम्हें हानि नहीं पहुँचा पाएगा और यदि लड़ते-झगड़ते रहोगे तो कमज़ोर पड़ जाओगे।

शिक्षा—एकता में बल होता है।

अथवा

आप प्रशांत वाजपेयी हैं। वन महोत्सव के अवसर पर आप पौधारोपण करना चाहते हैं। नगर के उद्यान अधिकारी से ई-मेल लिखकर पौधों को उपलब्ध करवाने के लिए अनुरोध लगभग 80 शब्दों में कीजिए। **5 × 1 = 5**

उत्तर—To प्रति **:** abcd@gmail.com

CC (सी०सी०) : आवश्यकतानुसार

BCC (बी०सी०सी०) : आवश्यकतानुसार

From (प्रेषक) : prashantvjp@gmail.com

Subject (विषय) : पौधों की उपलब्धता के लिए अनुरोध।

श्रीमान

आपके सूचनार्थ यह है कि हम अपने सार्वजनिक पार्क में वृक्षारोपण करना चाहते हैं। पिछले वर्ष जो पौधे रोपे गए थे, उनकी पर्याप्त देखभाल की गई थी, किंतु फिर भी उनमें से अधिकांश सूख गए हैं, कुछ सूखने की स्थिति में हैं। पार्क को हरा-भरा तथा सघन बनाने के लिए कई तरह के पौधों की आवश्यकता है। जिनमें छायादार वृक्षों के साथ-साथ आकर्षक एवं सुंदर दिखने वाले वृक्ष और फूल लगने वाले वृक्ष भी शामिल हों, ताकि पार्क हरा-भरा और सुंदर दिखे। अत: आप पौधे उपलब्ध कराने में हमारा सहयोग करें।

धन्यवाद

प्रशांत वाजपेयी

कर्नल सोसायटी

क०ख०ग०

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–2

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की धमक अभी थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो धरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो-रोबोट की स्वनिर्मित फ़ौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इनसान में तबदील कर देगी। दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज़्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुँचे हैं जहाँ उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होंगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।

आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी। अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में ढाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल को हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औज़ार, कच्चे माल को तराश कर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

(1) नैनो-तकनीक के वजूद में आने का क्या परिणाम होगा ? 1

(क) बेरोज़गारी में वृद्धि होगी।

(ख) देश में खुशहाली व समृद्धि आएगी।

(ग) धरती का नामो-निशान मिट जाएगा।

(घ) रोज़गार के अवसर बढ़ जाएँगे।

(2) उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार 'नैनो-तकनीक' क्या है ? 1

(क) तकनीक के क्षेत्र में मानव को सर्वाधिक महत्व प्रदान करना।

(ख) परमाणु और अणुओं को मूलभूत इकाई मानकर इच्छानुसार उत्पाद तैयार करना।

(ग) छोटी-छोटी मशीनों का प्रयोग करके बड़ी चीज़ बनाना।

(घ) परमाणु और अणुओं में भेद न करते हुए इनका प्रयोग उत्पाद बनाने में करना।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) —नैनो-तकनीक ने आज हमें एक नई तकनीकी क्रांति के सामने लाकर खड़ा कर दिया है।

कारण (R) —इस क्रांति के कारण आज हम पुरानी तकनीकी जटिलताओं के अर्थ को कहीं खो बैठे हैं।

उपर्युक्त कथन और कारण के आधार पर सही विकल्प चुनिए।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।

(4) नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का क्या मत है ? इस पर टिप्पणी कीजिए। 2

(5) मानव प्रकृति का नियंत्रक कैसे बन गया ? 2

उत्तर— (1) (ग) धरती का नामो-निशान मिट जाएगा।

(2) (ख) परमाणु और अणुओं को मूलभूत इकाई मानकर इच्छानुसार उत्पाद तैयार करना।

(3) (घ) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।

(4) नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित विरोधियों का यह मत है कि यह तकनीक मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी अधिक अभिशप्त है। हमारा यह मानना है कि कोई भी तकनीक स्वयं में अच्छी या बुरी नहीं होती। वह वरदान सिद्ध होगी या अभिशाप— यह उसके प्रयोग पर निर्भर करता है।

(5)औद्योगिक क्रांति ने मनुष्य को प्रकृति का नियंत्रक बना दिया। पाषाण युग के बेढब हथियारों से आगे बढ़कर, वह माइक्रोचिप निर्माण करने लगा। उत्पादकता की दृष्टि से वह प्रकृति के अन्य प्राणियों की तुलना में लाभ की स्थिति में आ खड़ा हुआ।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम-से-उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी-से-अच्छी दवा एक बार खिलखिलाकर हँस उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला-कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतना ही आयु बढ़ेगी। हँसी-खुशी का नाम जीवन है जो रोते हैं, उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है—''ज़िंदगी ज़िंदादिली का नाम है, मुर्दादिल क्या खाक जिया करते हैं।''

एक अंग्रेज़ चिकित्सक कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है। डॉ० हस्फलेंड ने एक पुस्तक में आयु बढ़ाने का उपाय लिखा है। वह लिखता है कि हँसी पाचन के लिए बहुत उत्तम चीज़ है, इससे अच्छी औषधि और नहीं है। एक रोगी ही नहीं, सबके लिए बहुत काम की वस्तु है। हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती है और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक चिकित्सक कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। कारलाइल एक राजकुमार था। संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता।

(1) उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार हँसी क्या है ? 1

(क) भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है।
(ख) दु:ख की अभिव्यक्ति है।
(ग) दूसरों का उपहास करना है।
(घ) एक पागलपन है।

(2) शरीर और मन को प्रसन्न रखने की सबसे अच्छी दवा क्या है? 1

(क) व्यायाम करना (ख) अच्छा भोजन करना
(ग) खिलखिलाकर हँसना (घ) सैर-सपाटा करना

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—डेमाक्रीट्स कुल 109 वर्ष तक जिया।
कारण (R)—ज़िंदगी ज़िंदादिली का नाम है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(4) हँसी को एक औषधि के समान क्यों कहा गया है ? 2

(5) पुराने समय में लोगों ने हँसी को महत्व क्यों दिया ? 2

उत्तर—(1) (क) भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है।
(2) (ग) खिलखिलाकर हँसना
(3)(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(4) हँसी अर्थात् आनंद एक ऐसे प्रबल इंजन के समान है जो शोक और दु:ख की दीवारों को ढा सकने में दक्ष है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास-से-उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है।

(5) पुराने समय में लोगों का मानना था कि हँसी सभी कला-कौशलों से भली है। हँसी में एक उदास-से-उदास मनुष्य को प्रफुल्लित करने की शक्ति है। जितना ही अधिक हम हँसेंगे उतनी ही हमारी आयु दीर्घ होगी। हँसी-खुशी का नाम ही जीवन है। इसलिए पुराने समय के लोग हँसी को विशेष महत्व देते थे।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निम्नलिखित पाँच वाक्यों में से किन्हीं *चार* के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए— (1 × 4 = 4)

(क) ''मौत से जूझने वाला मैं मर नहीं सकता।''—वाक्य में से सर्वनाम पदबंध छाँटकर लिखिए। 1

(ख) ''सुबह-सुबह दौड़ना अच्छा होता है।''—वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम बताइए। 1

(ग) ''उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था।'' —वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए। 1

(घ) ''कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत एक है।''—वाक्य में से क्रिया-विशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए। 1

(ङ) ''बँगले के पीछे लगा पेड़ गिर गया।''—वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए। 1

उत्तर—(क) मौत से जूझने वाला मैं।
(ख) क्रिया-विशेषण पदबंध।
(ग) विशेषण पदबंध।
(घ) कश्मीर से कन्याकुमारी तक।
(ङ) संज्ञा पदबंध।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1 × 4 = 4)

(क) कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिलने पर भी बड़े भाई साहब चुप रहे। (संयुक्त वाक्य में) 1

(ख) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल कर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे। (मिश्र वाक्य में) 1

(ग) आपने जो कहा, मैंने सुन लिया। (सरल वाक्य में) 1

(घ) ''माँ ने आशना से कहा कि वह शादी कर ले।'' (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद) 1

(ङ) गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा। (सरल वाक्य में) 1

उत्तर—(क) कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिला, परंतु बड़े भाई साहब चुप रहे।

(ख) कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल रहे थे ताकि उसकी ज़मीन को हथिया सकें।

(ग) मैंने आपका कहा सुन लिया।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(घ) मिश्र वाक्य।

(ङ) प्रभावी गायन के कारण वह अपनी सुध-बुध खोने लगा।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— (1 × 2 = 2)

(*i*) यथासमय (*ii*) गिरिधर (*iii*) सप्तर्षि।

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— (1 × 2 = 2)

(*i*) कला का मर्मज्ञ (*ii*) नीला है जो गगन।

उत्तर— (क) (*i*) समय के अनुसार—अव्ययीभाव समास

(*ii*) गिरि को धारण करने वाला अर्थात् कृष्ण—बहुव्रीहि समास

(*iii*) सात ऋषियों का समाहार—द्विगु समास।

(ख) (*i*) कलामर्मज्ञ—तत्पुरुष समास

(*ii*) नीलगगन—कर्मधारय समास।

प्रश्न 6. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं *चार* मुहावरों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए— (1 × 4 = 4)

(क) चेहरा मुरझाना

(ख) आँखों से बोलना

(ग) काम तमाम कर देना

(घ) जान बख्श देना

(ङ) हक्का-बक्का रहना।

उत्तर—(क) परीक्षा परिणाम देखकर विवेक का चेहरा मुरझा गया।

(ख) अमीषा ने आँखों से बोलकर बता दिया कि वह क्या चाहती है।

(ग) मौका मिलते ही चोर ने मालिक का काम तमाम कर दिया।

(घ) राजा ने अपराधी की जान बख्श दी।

(ङ) नौकर की अनर्गल बातें सुनकर पिता जी हक्के-बक्के रह गए।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1 × 5 = 5)

साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई,
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया,
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं,
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया,
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।
ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं अगर
जान देने की रुत रोज़ आती नहीं।

(1) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' का अर्थ है— 1

(क) हिमालय को सजाना।

(ख) हिमालय की हिफाज़त करना।

(ग) भारत के गौरव को बनाए रखना।

(घ) भारत का गुणगान करना।

(2) कवि द्वारा 'साथियो' संबोधन का प्रयोग.......के लिए किया गया है। 1

(क) कवियों (ख) शहीदों

(ग) सैनिकों (घ) देशवासियों।

(3) 'मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो' कवि ने ऐसा कहा है, क्योंकि— 1

(क) सैनिक धरती को दुलहन की तरह सजा हुआ देखकर प्रसन्न हो गए।

(ख) सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा हेतु जोश और साहस से युद्ध किया।

(ग) देशवासियों को बार-बार पुकार कर सैनिकों ने उनमें देशभक्ति का भाव जगाया।

(घ) सैनिकों ने कभी भी टेढ़ेपन से बातचीत नहीं की, देश रक्षा ही एकमात्र उद्देश्य रहा।

(4) 'जान देने की रुत रोज़ आती नहीं' का भाव है— 1

(क) सैनिकों के हृदय में जीवित रहने की इच्छा नहीं।

(ख) जीवित रहने का समय आनंददायक होना चाहिए।

(ग) आत्म-बलिदान द्वारा भी देश की रक्षा के लिए तत्पर।

(घ) जीवन और मरण सब कुछ ईश्वर की इच्छा पर निर्भर।

(5) इस काव्यांश का संदेश यह है कि हमें — 1

(क) हुस्न और इश्क को रुसवा करना चाहिए।

(ख) देश को दूसरों के हवाले कर देना चाहिए।

(ग) धरती को दुलहन की तरह सजाना चाहिए।

(घ) देश पर कुर्बान होने के लिए तैयार रहना चाहिए।

उत्तर—(1) (ग) (2) (घ) (3) (ख) (4) (ग) (5) (घ)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—(1 × 5 = 5)

अब भाई साहब बहुत कुछ नरम पड़ गए थे। कई बार मुझे डाँटने का अवसर पाकर भी उन्होंने धीरज से काम लिया। शायद अब वह खुद समझने लगे थे कि मुझे डाँटने का अधिकार उन्हें नहीं रहा, या रहा भी, तो बहुत कम। मेरी स्वच्छंदता भी बढ़ी। मैं उनकी सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। मुझे कुछ ऐसी धारणा हुई कि मैं पास ही हो जाऊँगा, पढ़ूँ या न पढ़ूँ, मेरी तकदीर बलवान है, इसलिए भाई साहब के डर से जो थोड़ा-बहुत पढ़ लिया करता था, वह भी बंद हुआ। मुझे कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया था और अब सारा समय पतंगबाज़ी की ही भेंट होता था, फिर भी मैं भाई साहब का अदब करता था और उनकी नज़र बचाकर कनकौए उड़ाता था। मांझा देना, कन्ने बाँधना, पतंग टूर्नामेंट की तैयारियाँ आदि समस्याएँ सब गुप्त रूप से हल की जाती थीं। मैं भाई साहब को यह संदेह न करने देना चाहता था कि उनका सम्मान और लिहाज़ मेरी नज़रों में कम हो गया है।

(1) बड़े भाई साहब अब छोटे भाई को प्राय: नहीं डाँटते, क्यों ? 1

(क) छोटे भाई की घर छोड़ने की धमकी के भय से चुप रहने लगे।

(ख) अब उन दोनों में एक ही कक्षा का अंतर रह गया था।

(ग) छोटा भाई खेलकर भी अव्वल आता जा रहा था अत: अब वे ढीले पड़ने लगे थे।

(घ) छोटा भाई बड़े भाई साहब के व्यवहार पर उन्हें आड़े हाथों लेने लगा था।

(2) अग्रलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—कथानायक बड़े भाई साहब की सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा।

कारण (R)—कक्षा में अव्वल आने के कारण उनके व्यवहार में अहंकार की भावना आ गई थी।

विकल्प :

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) सही है , लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

(ग) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(3) 'मैं पास ही हो जाऊँगा, पढ़ूँ या न पढ़ूँ, मेरी तकदीर बलवान है।'—इस कथन से कथानायक के विषय में पता चलता है कि वह है— 1

(क) दृढ़विश्वासी (ख) भाग्यवादी

(ग) वाचाल (घ) अहंकारी।

(4) छोटा भाई बड़े भाई साहब से छिपकर पतंगबाज़ी क्यों करता था ? 1

(क) छोटे भाई के मन में बड़े भाई के लिए आदर था।

(ख) छोटे भाई को पतंगबाज़ी का नया-नया शौक चढ़ा था।

(ग) छोटे भाई को लगा कि शायद भाई साहब को पसंद न आए।

(घ) पढ़े-लिखे समझदार लोग पतंगबाज़ी नहीं करते थे।

(5) कथानायक का सारा समय पतंगबाज़ी की भेंट क्यों चढ़ने लगा था ? 1

(क) पतंगबाज़ी का नया-नया शौक लगने के कारण

(ख) विद्यालय में आयोजित पतंग टूर्नामेंट के कारण

(ग) बड़े भाई द्वारा डाँट-फाटकर न लगाने के कारण

(घ) विद्यालय में हुए ग्रीष्मावकाश के कारण।

उत्तर—(1) (ग) (2) (घ) (3) (ख) (4) (क) (5) (क)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। (2 × 3 = 6)

(क) अरब में लश्कर को 'नूह' के नाम से क्यों याद करते हैं ? 2

(ख) शुद्ध सोने और गिन्नी के सोने में क्या अंतर है ? इस प्रसंग में महात्मा गाँधी जी की चर्चा लेखक ने क्यों की है ? 2

(ग) 'सआदत अली' अंग्रेज़ों का हिमायती क्यों था ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

(घ) तताँरा के जीवन में वामीरो के आने से क्या परिवर्तन आया ? 2

उत्तर—(क) लश्कर ने एक बार एक कुत्ते को दुत्कार दिया था। इस पर कुत्ते ने कहा था कि हम दोनों को एक ही ईश्वर ने बनाया है। न तो मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता बना हूँ और न ही तुम अपनी मर्ज़ी से इनसान। अपने व्यवहार पर लश्कर को इतना पश्चाताप हुआ कि वे सारी उम्र रोते रहे, इसलिए उन्हें अरब में 'नूह' के नाम से याद करते हैं।

(ख) शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग इसलिए होता है क्योंकि शुद्ध सोना बिना किसी मिलावट के होता है। यह पूरी तरह शुद्ध होता है जबकि गिन्नी के सोने में थोड़ा-सा ताँबा मिलाया होता है। इसलिए वह ज़्यादा चमकता है और शुद्ध सोने से मज़बूत भी होता है। शुद्ध सोना आदर्शों का प्रतीक है और ताँबा व्यावहारिकता का प्रतीक है। गांधी जी व्यावहारिकता की कीमत जानते थे, इसीलिए वे अपना विलक्षण आदर्श चला सके। लेकिन वे अपने आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतरने नहीं देते थे। वे सोने में ताँबा नहीं, बल्कि ताँबे में सोना मिलाकर उसकी कीमत बढ़ाते थे। वे नीचे से ऊपर उठाने का प्रयास करते थे न कि ऊपर से नीचे गिराने का। इसी कारण कई लोगों ने उन्हें 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' भी कहा।

(ग) सआदत अली अंग्रेज़ों का हिमायती था, क्योंकि वह अंग्रेज़ों की मदद लेकर अवध का नवाब बनना चाहता था। आसिफ़उद्दौला के यहाँ पुत्र रूप में वज़ीर अली के जन्म के बाद सआदत अली की नवाब बनने की आशा धूमिल हो गई थी। सआदत अली वज़ीर अली को अपनी नवाबी में सबसे बड़ी बाधा मानता था। दूसरी ओर अंग्रेज़ सरकार अवध पर अधिकार जमाना चाहती थी। वज़ीर अली कंपनी का कट्टर दुश्मन था, जबकि सआदत अली विलासी था। अंग्रेज़ सरकार ने वज़ीर अली के विरुद्ध सआदत अली का साथ दिया और वज़ीर अली को पद से हटा दिया। इसके बदले उन्हें अवध की आधी संपत्ति और दस लाख रुपए मिल गए। इस प्रकार दोनों एक-दूसरे के हिमायती थे।

(घ) तताँरा के जीवन में जब से वामीरो आई थी, वह बिलकुल बदल गया था। वह अपनी सुध-बुध खोने लगा। उसका हृदय बेचैन रहने लगा। वह हर क्षण वामीरो से मिलने के लिए बेचैन रहने लगा। उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। समय कटना मुश्किल हो गया। दिन ऊबाऊ गुजरने लगा। उसका मन कहीं नहीं लगता था। वह अचंभित व रोमांचित था। वामीरो की प्रतीक्षा में उसे एक-एक पल पहाड़ से भी अधिक भारी प्रतीत होता था। वह खोया-खोया रहने लगा था और उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को सदा ढूँढ़ती रहती थीं।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। 2 × 3 = 6

(क) 'आत्मत्राण' कविता में कवि विपदा में ईश्वर से क्या चाहता है और क्यों ? 2

(ख) 'है टूट पड़ा भू पर अंबर!' पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने ऐसा क्यों कहा है ? 2

(ग) कबीर निंदक को अपने निकट रखने का परामर्श क्यों देते हैं ? 2

(घ) 'द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।' इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—(क) 'आत्मत्राण' कविता में कवि विपदा के समय ईश्वर से संयम, विवेक, धैर्य और आत्मबल चाहता है, ताकि वह अपने जीवन में आने वाली विपत्तियों का सामना स्वयं कर सके। वह यह कदापि नहीं चाहता कि ईश्वर उसके जीवन की विपत्तियों को दूर कर दे। वह चाहता है कि प्रभु पर उसकी अडिग आस्था बनी रहे। वह किसी भी परिस्थिति में उन पर संदेह न करे।

(ख) 'है टूट पड़ा भू पर अंबर!' कवि ने ऐसा मूसलाधार वर्षा का वर्णन करते हुए लिखा है। पर्वत प्रदेश में इतनी तीव्र वर्षा हो रही है कि लगता है मानो आकाश ही धरती पर टूट पड़ा हो और जल रूपी बाणों से धरती पर आक्रमण कर रहा हो। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो धरती और आकाश एकाकार हो गए हैं।

(ग) कबीर के अनुसार निदंक को समीप रखने से यह लाभ हो सकता है कि उसके द्वारा की गई अपनी बुराई सुनकर हमें अपने मन या स्वभाव में आए अवगुणों को परखने और जाँचने का अवसर मिल जाता है। यदि हमारे भीतर कोई अवगुण या विकार आ गया है, तो हम उसे तुरंत दूर करके अपने स्वभाव को निर्मल बना सकते हैं।

(घ) 'द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।' कथन का भाव यह है कि श्री कृष्ण भक्त-वत्सल, दयालु और कृपालु हैं। वे अपने भक्तों को संकटों से उबारते हैं। जिस प्रकार कौरवों की सभा में द्रोपदी का चीर बढ़ाकर कृष्ण ने द्रोपदी की लाज रख ली थी, उसी प्रकार वे दर्शन देकर मीरा को कष्टों से मुक्त करें।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में दीजिए— (3 × 2 = 6)

(क) टोपी ने इफ़्फ़न की दादी से अपनी दादी बदलने की बात क्यों कही होगी? इससे बाल मन की किस विशेषता का पता चलता है ? **3**

(ख) लेखक को स्कूल जाने के नाम से उदासी क्यों आती थी ? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। आपको स्कूल जाना कैसा लगता है और क्यों ? **3**

(ग) ठाकुरबारी के विषय में लोगों के मन में अपार श्रद्धा के भाव हैं। इससे उनकी किस मानसिकता का पता चलता है? **3**

उत्तर—(क) इफ़्फ़न की दादी स्नेहिल स्वभाव की थीं। वे बच्चों से बहुत स्नेह करती थीं। इफ़्फ़न के साथ टोपी को भी कहानियाँ सुनाती थीं। जब टोपी की बोली सुनकर इफ़्फ़न के परिवार का कोई सदस्य उसे छेड़ता तो वे टोपी का ही पक्ष लेती थीं। टोपी की भाँति वे भी पूरबी बोली बोलती थीं, जिससे टोपी को उनसे अपनेपन का अहसास होता था। इसके विपरीत टोपी की दादी उसे हमेशा डाँटती-फटकारती रहती थीं। वे उसे इफ़्फ़न के घर जाने से भी रोकती थीं। इन कारणों से टोपी अपनी दादी को इफ़्फ़न की दादी से बदलना चाहता था। इससे यह ज्ञात होता है कि बच्चे प्रेम और अपनेपन के भूखे होते हैं। उन्हें जिससे भी स्नेह मिलता है, वे उसे पसंद करने लगते हैं। धर्म-जाति, ऊँच-नीच आदि की बेड़ियाँ उन्हें रोक नहीं सकतीं।

(ख)लेखक को स्कूल जाने के नाम से उदासी इसलिए आती थी क्योंकि उसे पुरानी किताबें पढ़ने को मिलती थीं जिनसे विशेष गंध आती थी जिससे वह परेशान हो जाता था। आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर होने के कारण लेखक नई किताबें नहीं खरीद पाता था। अन्य विद्यार्थियों की तरह लेखक में भी किताबों के पढ़ने की उमंग व उत्साह होता था। पुरानी किताबों से निकलने वाली दुर्गंध ही उसकी उदासी का कारण था। हमें स्कूल जाना अच्छा लगता है। हमें स्कूल की ओर से पढ़ने के लिए नई किताबें मिलती हैं। तरह-तरह के खेल खिलाए जाते हैं। हमेशा उमंग और उत्साह का संचार बना रहता है।

(ग) गाँव के लोग ठाकुरबारी के प्रति भक्ति भावना से भरे थे, इसी कारण वे अपने सभी कामों की सफलता का श्रेय ठाकुर जी को देते थे। पुत्र जन्म पर, मुक़द्दमें में जीत पर, लड़की की शादी अच्छे घर में तय होने पर, लड़के को नौकरी मिलने आदि पर वे खुले मन से रुपए, जेवर, अनाज चढ़ाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते थे। गाँव के अधिकाँश लोगों का विश्वास था कि यदि उनके घर अच्छी फ़सल हुई है तो ठाकुर जी की कृपा से। गाँव में किसी भी पर्व त्योहार की शुरुआत भी वे ठाकुरबारी से ही करते थे। ठाकुरबारी में अपार श्रद्धा भावना के कारण ही वे मानते थे कि वहाँ जाते ही उनके सारे पाप धुल जाते हैं और वे पवित्र हो जाते हैं।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5 × 1 = 5)

(1) जी-20 शिखर सम्मेलन
- आवश्यकता
- महत्व
- प्रभाव

(2) हमारी मेट्रो
- भारत की प्रगति का नमूना
- लोकप्रियता के कारण
- मेट्रो का विस्तार

(3) अनुशासन क्यों ?
- अर्थ
- आवश्यकता
- प्रभाव

उत्तर—(1) जी 20 शिखर सम्मेलन का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। सन् 2023 में भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन का समापन सफलतापूर्वक किया। भारत के बढ़ते कदम को देखकर इस सम्मेलन में वैश्विक सराहना मिली। जी-20 शिखर सम्मेलन का आरभ व्यापक आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से किया जाता है। व्यापार, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण और भ्रष्टाचार जैसी वैश्विक समस्याओं पर चर्चा की जाती है। जी-20 शिखर सम्मेलन के महत्व को देखते हुए, इसके प्रति जागरूक होने की ज़रूरत है। जैसा हम जानते हैं कि एक पृथ्वी, एक परिवार है और हमारा साझा भविष्य है। 'वसुधैव कुटुबंकम्' की भावना भारतीय विचारधारा को दर्शाती है। शिखर सम्मेलन का ध्येय वाक्य वाला बेहद सफल रहा। इस सम्मेलन में सभी पक्षों को एक मंच और साझा उद्देशें के तहत काम करने पर सहमति बन गई। अगले वर्ष जी 20 की अध्यक्षता औपचारिक तौर पर ब्राजील करेगा। सफलता प्रदर्शित होती है—''ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था जलवायु संकट, कमज़ोरी और संघर्षों के थपेड़े झेल रही है, इस साल का शिखर सम्मेलन ने साबित कर दिया कि जी 20 अब भी हमारी सबसे गंभीर समस्याओं का हल निकाल सकता है।''

(2) मेट्रो रेल यातायात का बहुत अत्याधुनिक साधन है। दिल्ली की जनसंख्या को देखकर सन् 2002 में मेट्रो रेल की शुरूआत की गई थी। दिल्लीवासियों को इसकी सुविधा मिलने से धन, समय और श्रम की बचत होने लगी। मेट्रो रेल स्वचालित होती है और इसके अंदर हर स्टेशन की घोषणा होती है। मेट्रो रेल की यात्रा के लिए टोकन दिया जाता है या फिर छोटे स्मार्ट कार्ड का प्रयोग किया जाता है। मेट्रो स्टेशन और रेल के अंदर पूर्ण रूप से सफाई रहती है। यह पूरी तरह से वातानुकूलित होती है। हर सूचना स्क्रीन पर प्रदर्शित होती रहती है। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली के लिए एक नायाब तोहफा है। लोगों ने मेट्रो का सफर करना ज्यादा पसंद किया है। क्योंकि इसमें बस के सफर की तरह धूल-मिट्टी और भीड़ नहीं होती। यह बहुत ही आरामदायक होती है। मेट्रो रेल ने लोगों की जिंदगी को गति प्रदान की है और उन्हें दिल्ली ट्रैफिक जाम में फँसने से भी बचाया है। ज्यादातर लोग दिल्ली भ्रमण के लिए भी मेट्रो रेल का प्रयोग करते हैं, क्योंकि यह टैक्सी आदि से सस्ती पड़ती है। मेट्रो रेल के आने से लोगों का जीवन सुखमय और आनंदमय हो गया है। मेट्रो रेल भारत की राजधानी की शान कही जा सकती है। इसे साफ़-सुथरा रखना स्थानीय जनता का कर्तव्य है।

(3) स्वयं पर शासन अर्थात नियम के अनुसार जीवन यापन। अनुशासन मानव की प्रगति का मूलमंत्र है। अनुशासन से मनुष्य की सारी शक्तियाँ केंद्रित हो जाती हैं। इससे समय बचता है। मन यहाँ-वहाँ नहीं भटकता। यह हमें नियमों का पालन करना सिखाता है। मनुष्य एक

सामाजिक प्राणी है जो कि समाज में रहता है और उसमें रहने के लिए अनुशासन की आवश्यकता होती है। प्रकृति के सभी कार्य भी नियमों में बँधकर ही होते हैं।

विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व होता है। इसके बिना सफल जीवन जीने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अनुशासन में बड़ों का आदर, छोटों से प्यार, समय का पक्का, नियमों का पालन और अध्यापकों का अनुसरण आदि आता है। अनुशासन प्रिय लोग सभी को बहुत पसंद आते हैं। अनुशासन व्यक्ति को चरित्रवान और कुशल बनने में मदद करता है। जो भी अपने जीवन में अनुशासन नहीं रखता, वह कभी भी सफल नहीं हो सकता, चाहे वह मनुष्य हो या कोई वन्य प्राणी। यदि कोई व्यक्ति अनुशासन में काम नहीं करता है तो वह कितना भी अधिक प्रतिभाशाली और मेहनती क्यों न हो उसे सफलता आसानी से प्राप्त नहीं होती है। सफल व्यक्ति भी अपनी सफलता का श्रेय अनुशासन को ही देते हैं। अत: अनुशासन सफल जीवन जीने के लिए अति आवश्यक है।

प्रश्न 13. आप विद्यालय के प्रमुख छात्र नलिन हैं। आपके विद्यालय में कैंटीन की समुचित व्यवस्था नहीं है। विद्यालय की प्रधानाचार्या से इस समस्या का समाधान करने की प्रार्थना करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5 × 1 = 5

उत्तर—परीक्षा भवन
कर्नाटक
दिनांक : 2 मार्च, 20XX
सेवा में
प्रधानाचार्य जी
क०ख०ग०
विद्यालय
दिनांक : 2 मार्च, 20XX

विषय—कैंटीन की समुचित व्यवस्था हेतु

महोदया

मैं आपके विद्यालय का दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। पिछले छह महीने से विद्यालय में कैंटीन की समुचित व्यवस्था न होने के कारण मध्यावकाश के दौरान विद्यार्थी विद्यालय के बाहर खड़े खोमचे वालों से खाने-पीने का सामान खरीदकर खाते हैं, जिसे खाकर अकसर बच्चों के पेट में दर्द होने लगता है। विद्यालय में बच्चों के जलपान के लिए एक कैंटीन का होना बहुत आवश्यक है ताकि बच्चे साफ़-सुथरा व ताज़ा सामान लेकर खा सकें।

अत: आपसे निवेदन है कि विद्यालय में एक कैंटीन खुलवाने की व्यवस्था करें। कैंटीन खुल जाने से लंचबॉक्स न लाने वाले विद्यार्थी पौष्टिक व साफ़-सुथरा सामान खरीदकर खा सकेंगे। आपके इस सहयोग के लिए हम सभी छात्र आपके सदा आभारी रहेंगे।

धन्यवाद सहित
आपका आज्ञाकारी शिष्य
नलिन
कक्षा : दसवीं 'अ'

अथवा

देश के विभिन्न राज्यों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता प्रकट करते हुए हिंदी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

उत्तर—परीक्षा भवन
दिल्ली
दिनांक : 12 मई, 20XX
सेवा में
समाचार संपादक
हिंदी दैनिक समाचार-पत्र
नई दिल्ली

विषय—देश के विभिन्न राज्यों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करने हेतु पत्र

महोदय

मैं आपके लोकप्रिय हिंदी दैनिक समाचार-पत्र के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में बढ़ते प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति की ओर सरकार तथा पर्यावरण सुरक्षा मंत्रालय का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण तथा वायु प्रदूषण के स्तर का निरंतर बढ़ना आम नागरिकों को रोगग्रस्त बना रहा है देश के कई राज्यों के प्रदूषण से पीड़ित मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। वृद्ध ही नहीं, युवा भी इसकी चपेट में निरंतर आ रहे हैं। ध्वनि प्रदूषण एक ओर जहाँ व्यक्ति के कार्य करने की क्षमता को कम कर रहा है, वहीं दूसरी ओर लोग बहरेपन का भी शिकार हो रहे हैं। वायु प्रदूषण ने साँस लेना दूभर कर दिया है तथा जल प्रदूषण के कारण भी लोग कई बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। प्राधिकरण द्वारा प्रदूषण की रोकथाम पर ज़ल्द ही सख्त कानून बनने चाहिए तथा नागरिकों को भी जागरूक करने हेतु अभियान चलाए जाने चाहिए। सरकार के साथ-साथ जनता का भी यह कर्तव्य है कि वे नदी, तालाब व झरने के जल को गंदा होने से बचाएँ तथा कारखानों व फ़ैक्ट्रियों के धुएँ और अपशिष्ट पदार्थों का निस्तारण उचित प्रकार से करें। लाउड स्पीकर व अन्य ध्वनि यंत्रों का प्रयोग सीमा के भीतर रहकर करें।

अत: मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि मेरे इन विचारों को अपने समाचार-पत्र के विशेष लेखन स्तंभ में स्थान देने की कृपा करें। मैं आपका अति आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद
भवदीय
आलोक मिश्रा
गीता कॉलोनी
नई दिल्ली

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— 4 × 1 = 4

(क)आपने अपना नाम अभिलाषा से बदलकर प्रिया रख लिया है। अपने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचना दीजिए।

(ख)आपके विद्यालय में बाल-मेला का आयोजन किया जा रहा है, इस आशय की सूचना जारी कीजिए।

उत्तर—(क) **सूचना**

नवोदय विद्यालय
शालीमार बाग, नई दिल्ली

दिनांक : 24 जनवरी, 20XX

विषय—नाम बदलते हेतु

विद्यालयों के सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि मैंने (अभिलाषा) कक्षा दसवीं की छात्रा पुत्री श्री अभिलाष

वर्मा एवं श्रीमती आशा वर्मा निवासी बी–203 शालीमार बाग, सेक्टर–4, नई दिल्ली ने कुछ प्रशासनिक कारणों से अपना नाम अभिलाषा से बदलकर प्रिया रख लिया है। भविष्य में मुझे 'अभिलाषा' के स्थान पर 'प्रिया' नाम से जाना जाए व 'प्रिया' नाम से ही पुकारा जाए। अब मेरा अभिलाषा नाम से कोई संबंध नहीं है।

प्रिया

कक्षा : दसवीं 'ब'

(ख)

सूचना

दिल्ली पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़

दिनांक : 29 नवंबर, 20XX

विषय—बाल मेले का आयोजन

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी बालदिवस के उपलक्ष्य में 14 नवंबर को विद्यालय में बाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले का समय प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक रहेगा। मेले का मुख्य आकर्षण रस्साकशी, बोरी–दौड़, नींबू दौड़ होगी। साथ ही विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। विद्यालय के सभी छात्र–छात्राएँ अपने परिवार के सदस्यों सहित इस मेले में आमंत्रित हैं।

प्रधानाचार्य

(हस्ताक्षर)

15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए— (3 × 1 = 3)

(क) देश की जनता को 'मतदान अधिकार' के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त कार्यालय की ओर से एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

(ख) आपके पिता शृंगार वस्तुओं के विक्रेता हैं। कोरोना महामारी के कारण उनके कारोबार में मंदी आ गई। उनकी दुकान में बिक्री बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—(क)

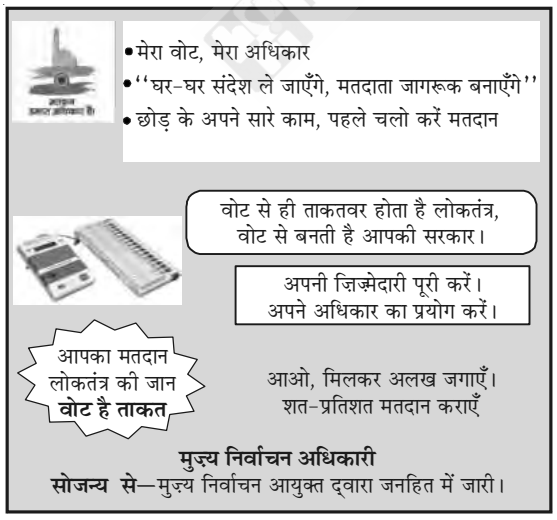

सोजन्य से—मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा जनहित में जारी।

(ख)

प्रश्न 16. (1) 'समझदार बेटी' विषय पर एक लघुकथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

(2) आप मयंक शेखावत हैं। आप अपनी कक्षा अध्यापिका से बातचीत करते समय असभ्यता से ऊँची आवाज में बोल गए हैं; खेद व्यक्त करते हुए 80 शब्दों में एक ई–मेल लिखिए।

5 × 1 = 5

उत्तर—(1) बिसन नाम का किसान और उसकी बेटी एक झोंपड़ी में रहते थे। उसके पास खेती कम थी। मुश्किल से दो वक्त का खाना मिलता था। एक दिन वह राजा के पास अपनी समस्या लेकर गया। राजा बहुत दयालु था। उसने किसान को खेती करने के लिए अपनी कुछ जमीन दे दी। राजा ने कहा, ''यह जमीन तो तुम्हारी नहीं रहेगी, परंतु उस पर उगने वाली फ़सल तुम्हारी होगी।'' किसान ने खुश होकर राजा को धन्यवाद दिया और अपने गाँव चला गया।

एक दिन खेत जोतते समय उसका हल एक कठोर चीज़ से टकरा गया। वह सोने की ओखली थी जिससे किसान का हल टकराया था। ईमानदार किसान ने अपनी बेटी से कहा, ''यह ओखली राजा के खेत में मिली, इसलिए हमें राजा को लौटा देना चाहिए।'' किसान की बेटी ने अपने पिता को ऐसा करने से मना किया। बेटी ने पिता को समझाया कि अगर राजा ने ओखली के साथ मूसल भी माँगा तो आप कहाँ से देंगे? इसलिए आप इस ओखली को अपने पास रखिए। किसान को बेटी की बात अच्छी नहीं लगी। उसने सोचा जो चीज़ हमें मिली नहीं, उसे राजा हमसे कैसे माँग सकता है। किसान राजदरबार में ओखली लेकर पहुँच गया। उसके साथ वही हुआ जो उसकी बेटी ने कहा था। मूसल न दे पाने के कारण किसान को जेल में डाल दिया गया। जेल में किसान को न ढंग से खाना मिलता था, न पानी। किसान को उस गलती की सज़ा मिल चुकी थी जो उसने की ही नहीं थी। रात में सोते समय वह सोच रहा था, अगर मैंने बेटी की बात मान ली होती तो आज यह न हुआ होता। यह बात सोते समय वह ज़रूर कहता था। एक दिन किसान ने राजा को पूरी बात बताई कि वह ऐसा क्यों कह रहा है। राजा ने किसान की समझदार बेटी को खजाने का मंत्री बना दिया और उसे

सारी सुविधाएँ उपलब्ध करा दी। किसान व उसकी बेटी अच्छा जीवन बिताने लगे। आखिर समझदारी की जीत हुई।

(2) To प्रति **:** abcd@gmail.com

CC (सी०सी०) : आवश्यकतानुसार

BCC (बी०सी०सी०) : आवश्यकतानुसार

From (प्रेषक) : mayank@gmail.com

Subject (विषय) : खेद व्यक्त करने हेतु।

महोदय/महोदया

मैं आपको अपने अशिष्ट व्यवहार के लिए खेद व्यक्त करने के लिए लिख रहा हूँ। मैं अपने अनजाने में बोले गए अशिष्ट शब्दों के लिए माफ़ी माँगता हूँ। आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि ऐसी घटना दुबारा नहीं होगी। भविष्य में मैं अपनी आदतों को सुधारने का पूरा प्रयास करूँगा। भविष्य में मुझे आपसे सही से पेश आने पर असीम खुशी मिलेगी। मेरा इरादा आपके सामने अशिष्टता दिखाने का नहीं था। मुझे ऐसा लगता है कि उस समय आपसे बात करते समय मेरी कुछ देर पहले किसी से कहा-सुनी हो गई थी। यह अशिष्टता उस झगड़े का परिणाम थी। मुझे असभ्यता के लिए पुनः बेहद खेद है।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

मयंक शेखावत

कक्षा : दसवीं 'ब'

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

Holy Faith New Style Sample Paper–3

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

तिलक ने हमें स्वराज का सपना दिया और गांधी ने उस सपने को दलितों और स्त्रियों से जोड़कर एक ठोस सामाजिक अवधारणा के रूप में देश के सामने ला रखा। स्वतंत्रता के उपरांत बड़े-बड़े कारखाने खोले गए, वैज्ञानिक विकास भी हुआ, बड़ी-बड़ी योजनाएँ भी बनीं, किंतु गांधीवादी मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सीमित होती चली गई। दुर्भाग्य से गांधी के बाद गांधीवाद को कोई ऐसा व्याख्याकार न मिला जो राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक संदर्भों में गांधी के सोच की समसामयिक व्याख्या करता। सो यह विचार लोगों में घर करता चला गया कि गांधीवादी विकास का मॉडल धीमे चलने वाला और तकनीकी प्रगति से विमुख है। उस पर ध्यान देने से हम आधुनिक वैज्ञानिक युग की दौड़ में पिछड़ जाएँगे। कहना न होगा कि कुछ लोगों की पाखंडी जीवन-शैली ने इस धारणा को और पुष्ट किया। इसका परिणाम यह हुआ कि देश में बुनियादी तकनीकी और औद्योगिक प्रगति तो आई पर देश के सामाजिक और वैचारिक-ढाँचे में ज़रूरी बदलाव नहीं लाए गए। सो तकनीकी विकास ने समाज में व्याप्त फटेहाली, धार्मिक कूपमंडूकता और जातिवाद को नहीं मिटाया।

(1) गांधी ने स्वराज के सपने को सामाजिक अवधारणा का रूप कैसे दिया? 1

(क) ब्रिटिश शासकों की नीतियों के विरोध द्वारा

(ख) देश के महिला वर्ग और दलितों से जोड़कर

(ग) विदेशी शासन के विरुद्ध असहयोग आंदोलन द्वारा

(घ) अपने सत्याग्रहों से समाज में चेतना जगाकर।

(2) गांधीवाद की व्याख्या के अभाव में उसके विषय में धारणा बनी कि वह— 1

(क) वैज्ञानिक विकास का विरोधी है।

(ख) बड़े उद्योगी की स्थापना का समर्थक नहीं है।

(ग) शिथिल है और तकनीकी विकास में बाधक है।

(घ) पंचवर्षीय योजनाओं का पक्षधर नहीं है।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : तिलक ने हमें स्वराज का सपना दिया।

कारण (R) : गाँधी ने उस सपने को दलितों और स्त्रियों से जोड़कर एक ठोस सामाजिक अवधारणा के रूप में देश के सामने रखा।

उपर्युक्त कथन और कारण के आधार पर सही विकल्प चुनिए।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं है।

(4) गांधीवादी मूल्य स्वतंत्रता के उपरांत आकर्षण का केंद्र-बिंदु क्यों नहीं बन सके? 2

(5) देश के सामाजिक और वैचारिक ढाँचे में बदलाव न आने का क्या कारण था? 2

उत्तर— (1) (ख) देश के महिला वर्ग और दलितों से जोड़कर।

(2) (ग) शिथिल है और तकनीकी विकास में बाधक है।

(3) (घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं है।

(4) आज़ादी के बाद देश में बड़े-बड़े कारखाने खोले गए; वैज्ञानिक विकास हुआ, बड़ी-बड़ी योजनाएँ बनीं, परंतु गाँधीवादी मूल्यों का सही व्याख्याकार नहीं था। गांधी के विचारों की समसामयिक व्याख्या नहीं हो पाई। इस कारण गांधीवादी मूल्य स्वतंत्रता के उपरांत आकर्षण का केंद्र बिंदु नहीं बन सके।

(5) देश के सामाजिक व वैचारिक ढाँचे में बदलाव न आने का कारण था—गाँधीवादी मूल्यों की समसामयिक व्याख्या न होना। इस कारण तकनीकी व औद्योगिक विकास तो हुआ, परंतु वैचारिक स्थल पर पिछड़ापन रहा।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

हरियाणा के पुरातत्व-विभाग द्वारा किए गए अब तक के शोध और खुदाई के अनुसार लगभग 5500 हेक्टेयर में फैली यह राजधानी ईसा से लगभग 3300 वर्ष पूर्व मौजूद थी। इन प्रमाणों के आधार पर यह तो तय हो ही गया है कि राखीगढ़ी की स्थापना उससे भी सैकड़ों वर्ष पूर्व हो चुकी थी।

अब तक यही माना जाता रहा है कि इस समय पाकिस्तान में स्थित हड़प्पा और मुअनजोदड़ो ही सिंधुकालीन सभ्यता के मुख्य नगर थे। राखीगढ़ी गाँव में खुदाई और शोध का काम रुक-रुक कर चल रहा है। हिसार का यह गाँव दिल्ली से मात्र एक सौ पचास किलोमीटर की दूरी पर है। पहली बार यहाँ 1963 में खुदाई हुई थी और तब इसे सिंधु सरस्वती

सभ्यता का सबसे बड़ा नगर माना गया। उस समय के शोधार्थियों ने सप्रमाण घोषणाएँ की थीं कि यहाँ दबे नगर, कभी मुअनजोदड़ो और हड़प्पा से भी बड़ा रहा होगा।

अब सभी शोध विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि राखीगढ़ी, भारत-पाकिस्तान और अफगानिस्तान का आकार और आबादी की दृष्टि से सबसे बड़ा शहर था। प्राप्त विवरणों के अनुसार समुचित रूप से नियोजित इस शहर की सभी सड़कें 1.92 मीटर चौड़ी थीं। यह चौड़ाई कालीबंगा की सड़कों से भी ज्यादा है। एक ऐसा बर्तन भी मिला है, जो सोने और चाँदी की परतों से ढका है। इसी स्थल पर एक 'फाउंड्री के भी चिह्न मिले हैं, जहाँ संभवत: सोना ढाला जाता होगा। इसके अलावा टैराकोटा से बनी असंख्य प्रतिमाएँ, ताँबे के बर्तन और कुछ प्रतिमाएँ और एक 'फर्नेस' के अवशेष भी मिले हैं। मई 2012 में 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने इसे एशिया के दस ऐसे 'विरासत-स्थलों' की सूची में शामिल किया है, जिनके नष्ट हो जाने का खतरा है।

राखीगढ़ी का पुरातात्विक महत्व विशिष्ट है। इस समय यह क्षेत्र पूरे विश्व के पुरातत्व विशेषज्ञों की दिलचस्पी और जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। यहाँ बहुत से काम बकाया हैं; जो अवशेष मिले हैं, उनका समुचित अध्ययन अभी शेष है। उत्खनन का काम अब भी अधूरा है।

(1) अब सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर किसे मानने की संभावनाएँ हैं? 1

(क) मुअनजोदड़ो को (ख) राखीगढ़ी को
(ग) हड़प्पा को (घ) कालीबंगा को।

(2) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक है— 1

(क) राखीगढ़ी एक सभ्यता की संभावना
(ख) सिंधु घाटी सभ्यता
(ग) विलुप्त सरस्वती की तलाश
(घ) एक विस्तृत शहर राखीगढ़ी।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कथन (A) : पुरातत्व-विशेषज्ञ राखीगढ़ी में विशेष रुचि ले रहे हैं।

कारण (R) : उत्खनन का कार्य अभी अधूरा है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(4) राखीगढ़ी गाँव की सड़कों के विषय में आप क्या जानते हैं? 2

(5) राखीगढ़ी को एशिया के विरासत स्थलों में स्थान मिलने का कारण स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—(1) (ख) राखीगढ़ी को।

(2) (क) राखीगढ़ी एक सभ्यता की संभावना।

(3) (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(4) प्राप्त विवरणों के अनुसार राखीगढ़ी गाँव की सभी सड़कें 1.92 मीटर चौड़ी थीं। यह चौड़ाई हड़प्पाकालीन सुनियोजित नगर कालीबंगा की सड़कों से भी ज्यादा है।

(5) राखीगढ़ी, भारत-पाकिस्तान और अफगानिस्तान का आकार और आबादी की दृष्टि से सबसे बड़ा शहर था। यहाँ टैराकोटा से बनी असंख्य प्रतिमाएँ, ताँबे के बर्तन और कुछ प्रतिमाएँ और एक 'फर्नेस' के अवशेष भी मिले हैं। इसी कारण 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने इसे एशिया के विरासत-स्थलों में स्थान दिया है।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं *चार* रेखांकित पदबंधों के प्रकार लिखिए— 1 × 4 = 4

(क) मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा। 1
(ख) प्यास का मारा कौआ घड़े पर बैठ गया। 1
(ग) नदी कल-कल करती हुई बह रही है। 1
(घ) अपने बच्चों को न पाकर वे खामोश और उदास हो गए। 1
(ङ) अयोध्या के राजा दशरथ के चार पुत्र थे। 1

उत्तर—(क) क्रिया विशेषण पदबंध।
(ख) संज्ञा पदबंध।
(ग) क्रिया विशेषण पदबंध।
(घ) सर्वनाम पदबंध।
(ङ) संज्ञा पदबंध।

प्रश्न 4. निम्नलिखित पाँच वाक्यों में से किन्हीं *चार* वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए— (1 × 4 = 4)

(क) वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ़ दौड़ी। (सरल वाक्य में) 1
(ख) सुभाष बाबू को पकड़कर लाल बाज़ार लॉकअप में भेज दिया गया। (संयुक्त वाक्य में) 1
(ग) भाई साहब ने उछलकर पतंग की डोर पकड़ ली और छात्रावास की ओर दौड़ पड़े। (मिश्र वाक्य में) 1
(घ) कबूतर कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। (संयुक्त वाक्य में) 1
(ङ) अतिथि के आते ही कार्यक्रम शुरू हो गया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए) 1

उत्तर—(क) वामीरो सचेत होकर घर की तरफ़ दौड़ी।

(ख) सुभाष बाबू को पकड़ लिया गया और लाल बाज़ार लॉकअप में भेज दिया गया।

(ग) जब भाई साहब ने उछलकर पतंग की डोर पकड़ ली तब छात्रावास की ओर दौड़ पड़े।

(घ) कबूतर कभी किसी चीज़ को गिराते हैं और तोड़ देते हैं।

(ङ) सरल वाक्य।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) चंद्रमुख
(*ii*) पुष्पमाला।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं *दो* को समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) पानी की चक्की
(*ii*) महान् है जो पुरुष
(*iii*) पढ़ने के लिए सामग्री।

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

उत्तर—(क) (*i*) चंद्रमा के समान मुख—कर्मधारय समास
(*ii*) पुष्पों की माला—तत्पुरुष समास।
(ख) (*i*) पनचक्की—तत्पुरुष समास
(*ii*) महापुरुष—कर्मधारय समास
(*iii*) पाठ्य सामग्री—तत्पुरुष समास।

प्रश्न 6. निम्नलिखित पाँच मुहावरों में से किन्हीं *चार* का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए— (1 × 4 = 4)

(क) हाथ-पाँव फूल जाना
(ख) प्राणांतक परिश्रम करना
(ग) सिर पर तलवार लटकना
(घ) सपनों के महल बनाना
(ङ) दाँतों तले उँगली दबाना।

उत्तर—(क) पुलिस को देखकर चोर के हाथ-पाँव फूल गए।
(ख) मेहुल ने परीक्षा के लिए प्राणांतक परिश्रम किया।
(ग) सी०बी०आई० की जाँच नेता के लिए सिर पर तलवार लटकने के समान थी।
(घ) छोटू ढाबे में काम करते हुए सपनों के महल बनाता रहता है।
(ङ) युद्ध में भारतीय सैनिकों का पराक्रम देखकर शत्रु सेना ने दाँतों तले उँगली दबा ली।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1 × 5 = 5)

उड़ गया, अचानक तो, भूधर
फड़का अपार पारद के पर!
रव-शेष रह गए हैं निर्झर!
है टूट पड़ा भू पर अंबर!
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल!
यों जलद-यान में विचर-विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

(1) कवि ने पर्वत को किस प्रकार उड़ता हुआ चित्रित किया है? 1
(क) बादल रूपी पंख लगाकर
(ख) हवा रूपी पंख लगाकर
(ग) पक्षियों के पंख लगाकर
(घ) बादल रूपी यान में बैठकर।

(2) कवि के अनुसार शाल के पेड़ कहाँ चले गए? 1
(क) आसमान में चले गए।
(ख) जल में समा गए।
(ग) भयभीत होकर धरती में धँस गए।
(घ) टूटकर गिर गए।

(3) बादलों के यान में बैठकर कौन जादू का खेल दिखा रहा है? 1
(क) सूरज (ख) आकाश
(ग) धरती (घ) इंद्र।

(4) तालाब जलता हुआ प्रतीत होता है क्योंकि— 1
(क) मूसलाधार वर्षा के कारण कोहरा बढ़ गया है।
(ख) गरमी के कारण पानी सूख गया है।
(ग) तालाब के जल में आग लग गई है।
(घ) तालाब लबालब भर गया है।

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए— 1
(*i*) पर्वत बादल रूपी पंख लगाकर उड़ता हुआ प्रतीत होता है।
(*ii*) कवि के अनुसार शाल के पेड़ धरती में धँस गए हैं।
(*iii*) मूसलाधार वर्षा के कारण कोहरा खत्म हो गया है।
(*iv*) बादलों के यान में बैठकर सूरज जादू दिखा रहा है।
(*v*) तालाब में आग लगी हुई-सी प्रतीत होती है।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए—
(क) (*i*), (*ii*), (*iii*), (*iv*) (ख) (*i*), (*ii*), (*v*)
(ग) (*i*), (*iii*), (*iv*) (घ) (*ii*), (*iii*), (*iv*)

उत्तर—(1) क (2) (ग) (3) (घ) (4) (क) (5) (ख)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1 × 5 = 5)

वामीरो घर पहुँचकर भीतर-ही-भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था, निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

1. गद्यांश में आए 'झल्लाहट' शब्द का आशय है— 1
(क) तताँरा के प्रति प्रेम-प्रदर्शन का उल्लास
(ख) तताँरा से छुटकारा पाने की व्याकुलता
(ग) तताँरा के गीत सुनाने संबंधी आग्रह की खीझ
(घ) तताँरा से मिलने के उत्साह का क्षोभ।

2. वामीरो अपने मन को किसी अन्य दिशा में ले जाने का प्रयास क्यों कर रही थी? 1
(क) तताँरा का व्यक्तित्व उसे लुभा रहा था।
(ख) तताँरा के प्रति प्रेम से वह व्याकुल हो रही थी।
(ग) तताँरा को वह गीत नहीं सुनाना चाहती थी।
(घ) तताँरा के साथ वह संबंध नहीं बनाना चाहती थी।

3. तताँरा का व्यक्तित्व वामीरो के लिए था— 1
(क) प्रतिकूल (ख) मनोनुकूल
(ग) कष्टदायक (घ) अशांतिदायक।

4. गद्यांश के अनुसार कौन-सा संबंध परंपरा के विरुद्ध माना गया है? 1
(क) दूर के गाँव में वर-कन्या का वैवाहिक संबंध
(ख) एक कुल के वर और कन्या का आपसी संबंध
(ग) दूसरे गाँव के वर और कन्या का वैवाहिक संबंध
(घ) एक गाँव के ही वर और कन्या का वैवाहिक संबंध।

HOLY FAITH INTERNATIONAL

5. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : वामीरो ने तताँरा को भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।

कारण (R) : वह बेहद शांत, सभ्य और भोला था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

(ग) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।

उत्तर—(1) (ख) (2) (ख) (3) (ख) (4) (ग) (5) (ख)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— (2 × 3 = 6)

(क) छोटे भाई को बड़े भाई की किन बातों से लघुता का अनुभव हुआ और क्यों? **2**

(ख) सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज ने क्या भूमिका निभाई और कैसे? **2**

(ग) लेखक ने ग्वालियर से मुंबई तक प्रकृति और मनुष्य के किन संबंधों में किन बदलावों को महसूस किया? 'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **2**

(घ) कर्नल को वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड के कारनामे क्यों याद आ गए? **2**

उत्तर—(क) छोटे भाई को बड़े भाई की बातों से लघुता का अनुभव तब हुआ जब उनके बड़े भाई ने उन्हें बताया कि भले ही वह बड़े भाई साहब के समकक्ष क्यों न आ जाए परंतु अनुभव ज्ञान में वह उनसे सदैव छोटा रहेगा और किताबी ज्ञान से सर्वोपरि अनुभव ज्ञान है। छोटे भाई को इस बात से लघुता का अनुभव इसलिए हुआ क्योंकि वह समझ गए कि उनका किताबी ज्ञान उन्हें उनके पिता जी जितना अनुभवी नहीं बना सकता ठीक इसी प्रकार वह अनुभव में अपने बड़े साहब से छोटा ही रहेगा।

(ख) सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका थी क्योंकि मोनुमेंट के नीचे स्त्री समाज ने ही झंडा फहराकर शपथ पढ़ी तथा लाठी पड़ने पर भी अपने स्थान पर अडिग रहीं। उनको गिरफ्तारी का भय नहीं था न ही लाठी की मार का। उनको बस भारत के आंदोलन को आगे बढ़ाना था। इस आंदोलन में 105 स्त्रियाँ गिरफ्तार हुईं तथा लक्ष्य प्राप्त होने के बाद वे धर्मतल्ले के मोड़ पर जुलूस तोड़कर बैठ गईं। इस प्रकार सुभाष बाबू की गिरफ्तारी के बाद स्त्री समाज ने हर ज़िम्मेदारी को अपने कंधों पर उठाकर आंदोलन को सफल बनाया।

(ग)'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ में लेखक ने देखा कि ग्वालियर में नए मकानों की इतनी बाढ़ नहीं आई थी कि पशु पक्षियों के लिए जगह ही न बचे, परंतु इसके विपरीत मुंबई में जंगल के जंगल साफ़ हो गए थे और उनकी जगह नई बस्तियों ने ले ली थी। इसके कारण असंख्य पशु पक्षी बेघर हो गए थे।

(घ) कर्नल को रॉबिनहुड और वज़ीर अली में बहुत-सी समानताएँ दिखाई देती थीं। रॉबिनहुड वज़ीर अली के समान साहसी और जांबाज था। वज़ीर अली की तरह ही सैनिकों की आँखों में धूल झोंककर गायब हो जाया करता था। वज़ीर अली भी कई सालों से अंग्रेज़ों को चकमा दे रहा था। इन सभी कारणों से कर्नल को वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर रॉबिनहुड की याद आ गई।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— (2 × 3 = 6)

(क) 'तोप' कविता के आलोक में विरासत में मिली चीज़ों के महत्व पर अपना दृष्टिकोण लिखिए। **2**

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात कवि क्यों कहता है? स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) श्रीकृष्ण के पीले वस्त्र पर बिहारी ने क्या कल्पना की है? इस कल्पना का सौंदर्य समझाइए। **2**

(घ) 'कर चले हम फिदा' गीत में सैनिकों की देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ हैं? **2**

उत्तर—(क) धरोहर का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। धरोहर हमारे पूर्वजों की निशानी होती है, जिसे सँभाल कर रखा जाता है। तोप कविता में भी यह कहने का प्रयास किया गया है कि तोप हमारी धरोहर है, जो हमें इतिहास की याद दिलाती है, उन गलतियों की याद दिलाती है, जिनके कारण हमें गुलामी सहनी पड़ी। यह तोप हमें सजग करती है, ताकि हम इतिहास से सबक ले सकें।

(ख) आत्मत्राण कविता में किसी सहायक पर निर्भर न रहने की बात इसलिए की गई है क्योंकि कवि आत्मविश्वासी है। वह आत्मनिर्भर बनकर अपने बल पर विपत्तियों को चुनौती देने में विश्वास रखता है। वह यह चाहता है कि प्रभु उसे निर्भय बना दें ताकि वह जीवन के भार को आसानी से वहन कर सके।

(ग) श्रीकृष्ण द्वारा पहने गए पीले वस्त्र पर बिहारी कल्पना करते हुए कहते हैं कि भगवान कृष्ण ने पीतांबर धारण किया हुआ है। उनके साँवले-सलोने शरीर के ऊपर पीले वस्त्रों की आभा ऐसी प्रतीत हो रही है, मानो प्रात:काल के सूर्य की किरणें नीलमणि पर्वत पर पड़ रही हो और उनका दिव्य प्रकाश संपूर्ण जगत को प्रकाशित कर रहा हो।

(घ) 'कर चले हम फिदा' कविता में सैनिक देश वासियों से यह अपेक्षा कर रहा है कि वे बलिदानी सैनिकों के हृदय की आवाज़ को सुनकर देश के लिए पूरी तरह समर्पित होने की इच्छा मन में लेकर देश की रक्षा करने का वचन लें। वे बलिदान के पथ को कभी सूना न होने दें। राष्ट्र रूपी सीता के लिए राम और लक्ष्मण बन जाए और देश को बुरी नज़र रखने वालों को छठी का दूध याद दिला दें। देश पर विपत्ति आने पर एकजुट होकर उसका सामना करें।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए— (3 × 2 = 6)

(क) ठाकुर हरिनाम सिंह के तीनों लड़कों को एहसास था कि वे कलेक्टर के बेटे हैं। लेखक द्वारा ऐसा कहा जाना ठाकुर हरिनाम सिंह के तीनों बेटों और टोपी के विषय में किस विचारधारा को स्पष्ट करता है ? **3**

(ख) उनकी इस स्थिति ने मुझे चिंतित कर दिया है। जैसे कोई नाव बीच मझधार में फँसी हो और उस पर सवार लोग चिल्लाकर भी अपनी रक्षा न कर सकते हों, क्योंकि उनकी चिल्लाहट दूर तक फैले सागर के बीच उठती-गिरती लहरों में विलीन हो जाने के अतिरिक्त कर ही क्या सकती है। लेखक के इस कथन की संदर्भ सहित विवेचना कीजिए। **3**

(ग) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर बताइए कि स्कूल की छुट्टियों के शुरू और आखिरी दिनों में बच्चों की दृष्टि में क्या अंतर होता था? क्या यही स्थिति आपकी भी होती है? अपने विचार लिखिए। **3**

उत्तर—(क) ठाकुर हरिनाम सिंह कलेक्टर थे। उनके तीन बेटे थे। उन्हें अपने पिता के कलेक्टर होने का अभिमान था। वे अंग्रेज़ी में बात करना पसंद करते थे। वे इतने घमंडी थे कि टोपी को अपना मित्र नहीं बना सके। उन्हें तो अपने पिता के पैसे का गुमान था। टोपी एक भावुक एवं सरल हृदय वाला बच्चा था। तीनों लड़के टोपी को उसके पिता के पद के बारे में पूछते थे। एक बार तो उन्होंने टोपी के पीछे अपना कुत्ता छोड़ दिया था। उन्हें मानवीय संबंधों का बिलकुल ज्ञान नहीं था।

(ख)लेखक और हरिहर काका दोनों पड़ोसी थे। हरिहर काका ने लेखक को पिता की तरह का प्यार दिया था। उनके बीमार होने पर लेखक उनकी तबीयत का हाल-चाल पूछने घर गए। लेखक उनकी ज़िंदगी से बहुत गहराई से जुड़ा था। लेखक की उनके प्रति आसक्ति के कई कारण थे। बचपन में वे लेखक से बहुत प्यार करते थे। हरिहर काका लेखक से कोई बात नहीं छुपाते थे। वे खुलकर बातें करते थे। परंतु हरिहर काका द्वारा कुछ न बोलने पर लेखक चिंतित हो गया। लेखक को लगा कि जैसे मँझधार में फँसी नाव पर लोग अपनी रक्षा नहीं कर पा रहे हों। उन्होंने लेखक की ओर देखा और दुःखी मन से सिर झुका लिया। इसके बाद दुबारा सिर नहीं उठाया। उनकी मनोदशा को देखकर लेखक को समझ में आ गया। जीवन के प्रति निराशा का भाव काका में स्पष्ट दिखाई दे रहा था।

(ग) 'सपनों के-से दिन' पाठ में सभी बच्चे यही चाहते हैं कि छुट्टियाँ शुरू होते ही उनका स्कूल का काम समाप्त हो जाए। उनके मन में यह भी विचार आता है कि अभी तो बहुत छुट्टियाँ हैं, बाद में छुट्टियों का काम कर लेंगे। इस प्रकार यह सोचते-सोचते खेलकूद में ही छुट्टियाँ व्यतीत हो जाती थीं। इन्हीं छुट्टियों में बच्चे ननिहाल चले जाते थे। खेलकूद में पूरी-मस्ती रहती थी। जैसे-जैसे छुट्टियाँ बीतने लगती, तो उनका डर बढ़ने लगता है। जब बच्चे छुट्टियों में मिले काम का हिसाब लगाते तो स्कूल की पिटाई का डर सताने लगता। हम सभी की यही स्थिति रहती है।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए—

(5 × 1 = 5)

(1) ग्लोबल वार्मिंग का खतरा
- ग्लोबल वार्मिंग क्या है तथा कैसे होती है?
- दुष्परिणाम
- बचाव।

(2) शिक्षक-शिक्षार्थी संबंध
- प्राचीन भारत में गुरु-शिष्य संबंध
- वर्तमान युग में आया अंतर
- हमारा कर्तव्य।

(3) उफ़ ये परीक्षा
- परीक्षा की चिंता
- परीक्षा भवन के बाहर का दृश्य
- परीक्षा की तैयारी।

उत्तर—(1) 'ग्लोबल वार्मिंग' शब्द का अर्थ है—संपूर्ण विश्व के तापमान में वृद्धि होना। ग्लोबल वार्मिंग आज हम सबके लिए चिंता का विषय बन चुका है। पृथ्वी के वायुमंडल में 'ओज़ोन' नामक एक परत होती है, जो विविध गैसों के मेल से बनती है। यह परत सूरज की पराबैंगनी किरणों को धरती पर आने से रोकती है। पिछले कुछ वर्षों में धरती का तापमान बढ़ता जा रहा है। इसका मुख्य कारण है—वायुमंडल में कार्बन डाइ-ऑक्साइड की मात्रा के स्तर में वृद्धि होना। अंधाधुंध वनों की कटाई, कोयले और तेल के अधिक प्रयोग के कारण कार्बन डाइ-ऑक्साइड का स्तर बहुत बढ़ गया है। जिसके परिणामस्वरूप धरती का तापमान निरंतर बढ़ रहा है और सागर तथा धरती पर रहने वाले अनेक जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर खतरा मँडरा रहा है। समय रहते यदि इस समस्या का समाधान न किया गया तो एक दिन शायद धरती पर कोई प्राणी नहीं बचेगा। ग्लोबल वार्मिंग की रोकथाम के लिए हमें प्रदूषण को कम करना होगा, वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा तथा कार्बन डाइ-ऑक्साइड पैदा करने वाली चीज़ों का प्रयोग कम करना होगा। इस समस्या का समाधान प्रत्येक मनुष्य के प्रयास और वैश्विक जागरूकता से ही संभव है।

(2) प्राचीनकाल से ही भारत में गुरु-शिष्य परंपरा चली आ रही है, जिसमें गुरु अपने शिष्य को शिक्षा देता है और शिष्य शिक्षा ग्रहण करता है। सामाजिक जीवन के अन्य संबंधों की भाँति शिक्षक-शिष्य का संबंध भी एक महत्वपूर्ण संबंध है। पुराणों में गुरु को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है। गुरु अपने जीवन का संचित समस्त ज्ञान अपने शिष्य को दे देता है और वह शिष्य की दृष्टि में आजीवन सम्मानीय बन जाता है। गुरु के लिए शिष्य अपनी संतान से भी बढ़कर होता है। पुराणों में गुरु-शिष्य के अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ शिष्य ने गुरु दक्षिणा के रूप में सर्वस्व देने में भी संकोच नहीं किया, परंतु वर्तमान युग में शिक्षक और शिष्य के संबंधों में बहुत बदलाव आ गया है। आजकल शिक्षक को शिक्षा प्रदान करने का साधन मात्र मान लिया गया है। गुरु के सम्मान में बहुत कमी आई है। शिष्य अपनी शिक्षा और सफलता के लिए शिक्षक को श्रेय नहीं देता, अपितु अपने परिश्रम को देता है। वह इस बात को भूल जाता है कि शिक्षक के उचित मार्गदर्शन के अभाव में यह सफलता मिलना कठिन है। प्रत्येक शिक्षार्थी का यह कर्त्तव्य है कि वह अपने गुरु का आजीवन सम्मान करें और अपनी सफलता तथा जीवन निर्माण में उनके योगदान को कभी न भूलें।

(3) परीक्षा का नाम सुनते ही विद्यार्थी के मन में अनजाना-सा भय घर कर लेता है। परीक्षा में पास होना ज़रूरी है, अन्यथा एक बहुमूल्य वर्ष नष्ट हो जाएगा—यह चिंता प्रत्येक विद्यार्थी को सताती रहती है। परीक्षा शुरू होने से पूर्व जब मैं परीक्षा भवन पहुँचा तो मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले मैं वहाँ पहुँच गया था। मैं सोच रहा था कि सारी रात जागकर जो प्रश्न तैयार किए हैं, यदि वे प्रश्न-पत्र में न आए तो क्या होगा। परीक्षा भवन के बाहर का दृश्य बड़ा विचित्र था। परीक्षा देने आए कुछ विद्यार्थी बिलकुल बेफ़िक्र लग रहे थे। वे आपस में ठहाके मार-मारकर बातें कर रहे थे। कुछ ऐसे विद्यार्थी भी थे जो अभी तक किताबों या नोट्स से चिपके हुए थे। मैं अकेला ऐसा विद्यार्थी था, जो अपने साथ घर से कोई किताब या सहायक पुस्तक नहीं लाया था, क्योंकि मेरे पिता जी कहा करते हैं कि परीक्षा आरंभ होने से पूर्व अधिक पढ़ना नहीं चाहिए। ऐसा करने से हमारे दिमाग को वह शांति प्राप्त नहीं होती है जो परीक्षा से पूर्व होनी चाहिए।

परीक्षा भवन के बाहर लड़कों की अपेक्षा लड़कियाँ अधिक खुश नज़र आ रही थीं। उनके खिले चेहरे देखकर ऐसा लगता था मानो परीक्षा के भूत का उन्हें कोई डर नहीं है। उन्हें अपनी स्मरण-शक्ति पर पूरा भरोसा था। थोड़ी ही देर में घंटी बजी। यह घंटी परीक्षा भवन में प्रवेश की घंटी थी। इसी घंटी को सुनकर सभी ने परीक्षा भवन की ओर जाना शुरू कर दिया। हँसते हुए चेहरों पर अब गंभीरता आ गई थी। परीक्षा भवन के

बाहर अपना अनुक्रमांक और बैठने के कक्षा का स्थान देखकर मैं परीक्षा भवन में प्रविष्ट हुआ और अपने स्थान पर जाकर बैठ गया। कुछ विद्यार्थी अब भी शरारतें कर रहे थे। मैं मौन होकर धड़कते दिल के साथ प्रश्न-पत्र बँटने की प्रतीक्षा करने लगा।

प्रश्न 13. विद्यालय से नाम काटे जाने के कारणों पर अपनी सफ़ाई देते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर पुनः कक्षा में बैठने की अनुमति देने के लिए 100 शब्दों में प्रार्थना-पत्र लिखिए।

(5 × 1 = 5)

उत्तर—परीक्षा भवन,
नई दिल्ली
दिनांक : 26 अगस्त, 20XX
सेवा में
प्रधानाचार्य
अ०ब०स० विद्यालय
नई दिल्ली।

विषय : कक्षा में पुनः बैठने की अनुमति हेतु निवेदन करने हेतु।

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं (क०ख०ग०) आपके विद्यालय का दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। पिछले एक माह से विद्यालय न आने तथा पिछले तीन महीने की फ़ीस (शुल्क) जमा न करवा पाने के कारण मेरा नाम विद्यालय से काट दिया गया है। ऐसा नहीं है कि मैं विद्यालय नहीं आना चाहता हूँ। परंतु छह माह पहले मेरे पिता जी कारखाने में कार्य करते हुए घायल हो गए थे जिसमें उनका एक पैर और हाथ बेकार हो गए। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण मैं शुल्क जमा नहीं करवा पाया। फिर अचानक एक माह पहले मेरे पिता जी चल बसे। माता जी पूरी तरह से टूट गई। घर में छोटे भाई-बहनों तथा माता जी की देखभाल में मैं विद्यालय में सूचित नहीं कर पाया। जिस कारण विद्यालय से मेरा नाम काट दिया गया। मैं पढ़ाई में बहुत अच्छा हूँ और आगे पढ़ना चाहता हूँ। आपसे अनुरोध है कि आप मुझे पुनः कक्षा में बैठने की अनुमति दें, ताकि मेरा भविष्य खराब न हो। आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद
आपका आज्ञाकारी शिष्य
क०ख०ग०
कक्षा : दसवीं 'अ'

अथवा

एक बस कंडक्टर ने बहादुरी दिखाकर एक महिला यात्री से अभद्र व्यवहार करने वाले दो जनों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। घटना की संक्षिप्त जानकारी देते हुए परिवहन विभाग के प्रबंधक से अनुरोध कीजिए कि उक्त कंडक्टर को पुरस्कृत किया जाए।

उत्तर—परीक्षा भवन,
नई दिल्ली
दिनांक : 9 मार्च, 20XX
सेवा में
प्रबंधक
दिल्ली परिवहन निगम
नई दिल्ली

विषय—कंडक्टर को बहादुरी के लिए पुरस्कृत करने हेतु।

महोदय

दिल्ली का जागरूक नागरिक होने के नाते अपने इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान परिवहन निगम के एक कंडक्टर की बहादुरी की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। कल बस से यात्रा करने के दौरान एक महिला यात्री मेरे सामने वाली सीट पर बैठी थी। उनके पास ही दो युवक खड़े हुए थे। दोनों बार-बार उनकी ओर देखकर अशिष्ट भाषा में वार्तालाप कर रहे थे। उन दोनों के इस व्यवहार से महिला यात्री बहुत परेशान थीं। पास खड़े हुए लोगों ने भी उन्हें देखकर अनदेखा कर दिया। तभी टिकट देने के लिए वहाँ से गुज़रते कंडक्टर ने उन्हें ऐसा करते देख लिया और दोनों को डाँटने लगा। वे दोनों गुंडागर्दी पर उतर आए और कंडक्टर को धमकी देने लगे। कंडक्टर ने ड्राइवर से बस को थाने ले चलने के लिए कहा। ड्राइवर बस को थाने ले गया। अन्य लोगों की मदद से कंडक्टर ने उन बदमाशों को पुलिस के हवाले कर दिया। सब यात्रियों ने कंडक्टर की बहादुरी की प्रशंसा की। आपसे अनुरोध है कि कंडक्टर को उसकी बहादुरी के लिए पुरस्कृत करें, ताकि अन्य परिवहन निगम के कर्मचारियों पर भी इसका प्रभाव पड़े।

धन्यवाद
भवदीय
क०ख०ग०

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— **(4 × 1 = 4)**

(क) आप अपने विद्यालय में सांस्कृतिक सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली 'कविता प्रतियोगिता' में भाग लेने के लिए आमंत्रण हेतु सूचना तैयार कीजिए।

(ख) विद्यालय में आयोजित होने वाली वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए हिंदी विभाग के संयोजक की ओर से सूचना तैयार कीजिए।

उत्तर—(क)

सूचना
दिल्ली पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़
दिनांक : 1 अगस्त, 20XX
कविता प्रतियोगिता

हमारे विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि इस स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के अवसर पर 14 अगस्त को हमारे विद्यालय के प्राँगण में हिंदी विभाग की ओर से कविता-पाठ एवं कविता-लेखन दोनों प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कविता के विषय देशभक्ति, वृक्षारोपण, बढ़ता प्रदूषण, हिंदी का महत्व और व्यायाम की उपयोगिता से संबंधित होंगे। आप इनमें से किसी एक विषय पर कविता पाठ या कविता लेखन कर सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी 5 अगस्त तक अपना नाम सांस्कृतिक सचिव के पास दर्ज़ करवा सकते हैं।

संजीव शर्मा
सांस्कृतिक सचिव

(ख) **सूचना**
केंद्रीय विद्यालय, दिल्ली
दिनांक : 1 सितंबर, 20XX
वाद-विवाद प्रतियोगिता

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि राष्ट्र भाषा हिंदी को दर्शाते हुए 'हिंदी दिवस पखवाड़े' के अवसर पर 14 सितंबर, 20XX को विद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता

का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता हेतु विद्यार्थियों को तीन वर्गों में बाँटा गया है। पाँचवीं से आठवीं, नौवीं-दसवीं तथा ग्यारहवीं-बारहवीं। प्रतियोगिता का विषय है—'हिंदी सीखना मेरी मजबूरी या आवश्यकता।' इच्छुक विद्यार्थी हिंदी विभाग के संयोजक को 8 सितंबर तक अपना नाम दे दें। प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के सभागार में प्रात: 10.00 बजे किया जाएगा और विजेता को प्रधानाचार्य द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

रक्षित टंडन
हिंदी विभाग संयोजक

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए— (3 × 1 = 3)

(क) ई-साइकिल के विज्ञापन के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

(ख) आपके पिता अपना पुराना मकान बेचना चाहते हैं। मकान का विवरण देते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—(क)

किराए पर लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए टोल-फ्री नंबर पर संपर्क करें—97XXXXXXXX

दमदार एवं हलकी — आकर्षक मॉडलों में

साथ में ई-साइकिलें हेलमेट उपलब्ध हैं

पेश है शानदार ई-साइकिल, शानदार राइड कराएँ

सामान रखने के लिए बड़ा कैरियर

आरामदायक सीट के साथ उपलब्ध शानदार साइकिल

तेज़ ध्वनि वाली घंटी
बहुत ही हल्के और जानदार पहिए।

ई-साइकिलें सभी बस स्टैंडों में उपलब्ध
011-256XXXX

(ख)

आकर्षक कीमत

4 BHK
मकान बिक्री हेतु

इच्छुक खरीदार ही संपर्क करें

बेहतरीन लॉकेशन
शहर के बीचों-बीच
सुरक्षित सोसाइटी
स्कूल, अस्पताल, बैंक,
बाज़ार बिलकुल पास में स्थित

मेट्रो स्टेशन और बस स्टैंड बिलकुल पास में स्थित

संपर्क करें—विजय राठौर
98XXXXXXXX

प्रश्न 16. 'सौंदर्य व गुण में श्रेष्ठ कौन' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—एक बार की बात है। मगध सम्राट चंद्रगुप्त के पास गए और वार्तालाप करने लगे। उन्होंने एक बार आचार्य चाणक्य से कहा, ''गुरुवर, काश आप सुंदर होते, तो आपके योग्यता पर चार चाँद लग जाते।'' चाणक्य ने उनकी बात को गंभीरता से लिया। कुछ समय बाद चाणक्य बोले, ''राजन! मनुष्य की पहचान उसकी योग्यता या फिर उसके गुणों से होती है, रंग-रूप से नहीं।'' तब चंद्रगुप्त ने पूछा, ''आचार्य, क्या आप ऐसा कोई उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं, जहाँ योग्यता के सामने रूप छोटा रह गया हो ?''

चाणक्य ने राजा को दो अलग-अलग गिलास पानी पीने के लिए दिया। फिर चाणक्य ने कहा, ''पहले गिलास का पानी सोने के घड़े का था और दूसरे गिलास का पानी मिट्टी के घड़े का आपको कौन-सा पानी अच्छा लगा ?''

चंद्रगुप्त बोले, ''मिट्टी के घड़े का।'' पास ही सम्राट की महारानी विराजमान थीं। वह इस सटीक उदाहरण से बहुत प्रभावित हुईं। महारानी ने कहा, ''वह सोने का घड़ा किस काम का जो संतुष्टि न दे सके, मिट्टी का घड़ा भले ही कुरूप हो, लेकिन प्यास घड़े के पानी से ही बुझती है।'' राजा ने स्वीकार किया कि रूप नहीं, गुण महत्वपूर्ण है।

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था करने के लिए लगभग 80 शब्दों में ई-मेल द्वारा अनुमति लीजिए।

उत्तर—

To प्रति : archnamam@gmail.com
CC (सी०सी०) : आवश्यकतानुसार
BCC (बी०सी०सी०) : आवश्यकतानुसार
From (प्रेषक) : ganesh@gmail.com
Subject (विषय) : कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था हेतु।

प्रधानाचार्य जी

सविनय निवेदन है कि हम दसवीं कक्षा के विद्यार्थी यह अनुभव करते हैं कि आज के कंप्यूटर युग में प्रत्येक व्यक्ति को कंप्यूटर की जानकारी होनी चाहिए। हम देख भी रहे हैं कि दिनों-दिन कंप्यूटर शिक्षा की माँग बढ़ती जा रही है। ऐसे में हमारे उज्ज्वल भविष्य के लिए भी कंप्यूटर का ज्ञान होना अपरिहार्य है।

अत: आपसे प्रार्थना है कि कृपा करके हमारे विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षा को सशक्त करें। बहुत-से विद्यार्थी कंप्यूटर को चलाने में आज भी संकोच करते हैं। उनकी भी समस्या का निराकरण हो सकें।

सादर
आपका शिष्य
गणेश
कक्षा : 10 'ब'

Holy Faith New Style Sample Paper–4

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

शोर से होने वाली बहरेपन की बीमारी एक गंभीर स्वास्थ्यगत समस्या है। तेज़ आवाज़ हमारी श्रवण कोशिकाओं पर बहुत दबाव डालती है, जिससे वे स्थायी रूप से चोटिल हो सकती हैं। यदि सुनने की क्षमता एक बार चली गई तो उसे पुन: पाना नामुमकिन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'वर्ल्ड हीयरिंग रिपोर्ट' के मुताबिक विश्व की 1.5 अरब आबादी बहरेपन के साथ जी रही है। ध्वनि-प्रदूषण दरअसल ऐसे अवांछित विद्युत चुंबकीय संकेत हैं, जो इनसान को कई रूपों में नुकसान पहुँचाते हैं। इसीलिए, शोर-प्रेरित बहरेपन पर फ़ौरन ध्यान देने की ज़रूरत है। वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि निर्माण कार्य, औद्योगिक कामकाज, जहाज़ बनाने या मरम्मत करने संबंधी काम, अग्निशमन, नागरिक उड्डयन आदि सेवाओं में लगे श्रमिकों में शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा अधिक होता है। आकलन है कि 15 फ़ीसदी नौजवान संगीत-कार्यक्रमों, खेल आयोजनों और दैनिक कामकाज में होने वाले शोर से बहरेपन का शिकार होते हैं। शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या विकासशील देशों में ज़्यादा है, जहाँ तीव्र औद्योगीकरण, अनौपचारिक क्षेत्र के विस्तार और सुरक्षात्मक व शोर-नियंत्रणरोधी उपायों की कमी से लोग चौतरफ़ा शोर-शराबे में दिन बिताने को अभिशप्त हैं। हमें यह समझना ही होगा कि श्रवण-शक्ति का ह्रास न सिर्फ़ इनसान को प्रभावित करता है, बल्कि समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है।

(1) शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा किस क्षेत्र से जुड़े लोगों को कम है? 1

(क) जहाज़-निर्माण से जुड़े लोगों को
(ख) स्वास्थ्य-सेवाओं से जुड़े लोगों को
(ग) खेल-आयोजनों से जुड़े लोगों को
(घ) संगीत-कार्यक्रमों से जुड़े लोगों को

(2) गद्यांश के संदर्भ में अनुपयुक्त कथन है— 1

(क) विकासशील देशों में अनौपचारिक क्षेत्र विस्तार की समस्या नहीं है।
(ख) विकासशील देशों में शोर-नियंत्रणरोधी उपायों पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है।
(ग) कुछ सेवाओं से जुड़े लोग अन्य की तुलना में बहरेपन के अधिक शिकार हैं।
(घ) कुछ खास सेवाओं से जुड़े युवा भी आज बहरेपन का शिकार हो रहे हैं।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : वर्तमान में श्रवण शक्ति का ह्रास एक सार्वजनिक समस्या बन गई है।

कारण (R) : आर्थिक विकास की अनियमित होड़ इस समस्या के मूल कारणों में से एक है।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।

(4) विकासशील देशों के लोगों के जीवन को अभिशप्त क्यों कहा गया है? 2

(5) तीव्र आवाज़ का हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

उत्तर— (1) (ख) स्वास्थ्य-सेवाओं से जुड़े लोगों को।

(2) (क) विकासशील देशों में अनौपचारिक क्षेत्र विस्तार की समस्या नहीं है।

(3) (घ) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।

(4) शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या विकासशील देशों में अधिक है क्योंकि वहाँ तीव्र औद्योगीकरण, अनौपचारिक क्षेत्र के विस्तार व सुरक्षात्मक व शोर-नियंत्रणरोधी उपायों की कमी से लोग चौतरफ़ा शोर-शराबे में दिन व्यतीत करने को विवश हैं। यही कारण है कि विकासशील देशों के लोगों के जीवन को अभिशप्त कहा गया है।

(5) ध्वनि प्रदूषण के कारण हमारे आसपास बहुत ज़्यादा शोर पाया जाता है। यह शोर एकाग्रता में कमी, उच्च रक्तचाप, सिरदर्द, तनाव और नींद की गड़बड़ी का कारण बन सकता है तथा स्थायी रूप से हमारी सुनने की शक्ति को भी नुकसान पहुँचा सकता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

आदमी की पहचान उसकी भाषा से होती है और भाषा संस्कार से बनती है। जिसके जैसे संस्कार होंगे, वैसी उसकी भाषा होगी। जब कोई आदमी भाषा बोलता है, तो साथ में उसके संस्कार भी बोलते हैं। यही कारण है कि भाषा शिक्षक का दायित्व बहुत गुरुतर और चुनौतीपूर्ण है। परंपरागत रूप में शिक्षक की भूमिका इन तीन कौशलों-बोलना, पढ़ना और लिखना तक सीमित कर दी गई है। केवल यांत्रिक कौशल किसी जीती-जागती भाषा का उदाहरण नहीं हो

सकते हैं। सोचना और महसूस करना दो ऐसे कारक हैं, जिनमें भाषा सही आकार पाती है। इनके बिना भाषा, भाषा नहीं है, इनके बिना भाषा संस्कार नहीं बन सकती, इनके बिना भाषा युगों-युगों का लंबा सफ़र तय नहीं कर सकती, इनके बिना कोई भाषा किसी देश या समाज की धड़कन नहीं बन सकती। केवल संप्रेषण ही भाषा नहीं है। दर्द और मुसकान के बिना कोई भाषा जीवंत नहीं हो सकती। भाषा हमारे समाज के निर्माण, विकास, अस्मिता, सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण साधन है। भाषा के बिना मनुष्य पूर्ण नहीं है। भाषा में ही हमारे भाव, राज्य, संस्कार, प्रांतीयता झलकती है। इस झलक का संबंध व्यक्ति की मानवीय संवेदना और मानसिकता से भी होता है। जिस व्यक्ति के जीवन का उद्देश्य और मानसिकता जिस स्तर की होगी, उसकी भाषा के शब्द और मुख्यार्थ भी उसी स्तर के होंगे। साहित्यकार ऐसी भाषा को आधार बनाते हैं, जो उनके पाठकों एवं श्रोताओं की संवेदना के साथ एकाकार करने में समर्थ हों।

(1) उपर्युक्त गद्यांश में साहित्यकार द्वारा किए गए कार्य का उल्लेख इनमें से कौन-से विकल्प से ज्ञात होता है ? 1

(क) साहित्य समाज का दर्पण है।
(ख) साहित्यकार साहित्य सृजन में व्यस्त रहता है।
(ग) साहित्यकार सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान बनाता है।
(घ) साहित्यकार जन सामान्य की अस्मिता का परिचायक होता है।

(2) 'दर्द और मुसकान के बिना भाषा जीवंत नहीं हो सकती।' लेखक द्वारा ऐसा कथन दर्शाता है— 1

(क) यथार्थ की समझ
(ख) सामाजिक समरसता
(ग) साहित्य-प्रेम
(घ) भाषा-कौशल।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : जब कोई आदमी बोलता है, तो साथ में उसके संस्कार भी बोलते हैं।

कारण (R) : भाषा शिक्षक का दायित्व बहुत चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि उसे कौशलों का विकास करना होता है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) भाषा कब सही आकार पाती है? 2

(5) आदमी की पहचान किससे होती है और क्यों? 2

उत्तर—(1) (घ) साहित्यकार जन सामान्य की अस्मिता का परिचायक होता है।

(2) (क) यथार्थ की समझ।

(3) (ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(4) सोचना और महसूस करना दो ऐसे कारक हैं, जिनमें भाषा सही आकार पाती है। जिस व्यक्ति के जीवन का उद्देश्य और मानसिकता जिस स्तर की होगी, उसकी भाषा के शब्द और मुख्यार्थ भी उसी स्तर के होंगे। युगों-युगों का लंबा सफ़र तय करके ही भाषा संस्कार का रूप लेती है।

(5) आदमी की पहचान उसकी भाषा से होती है। भाषा संस्कार से बनती है। जिसके जैसे संस्कार होंगे, वैसी ही उसकी भाषा होगी। भाषा सें ही हमारे भाव, राज्य, संस्कार, प्रांतीयता झलकती है।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (1 × 4 = 4)

(क) घर से भाग कर आया हुआ लड़का पकड़ा गया। रेखांकित पदबंध का नाम बताइए। **1**
(ख) दिन-रात परिश्रम करने वाले सफल हो जाते हैं।—रेखांकित पदबंध का नाम बताइए। **1**
(ग) ''दिन-रात एक करने वाला छात्र कक्षा में प्रथम आएगा।''—संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए। **1**
(घ) क्रिया-विशेषण पदबंध का उदाहरण लिखिए। **1**
(ङ) ''बाहर से आए लोगों में से कुछ शाकाहरी भी हैं।'' सर्वनाम पदबंध छाँटकर लिखिए। **1**

उत्तर—(क) संज्ञा पदबंध।
(ख) क्रिया पदबंध।
(ग) दिन-रात एक करने वाला छात्र।
(घ) वह गिरता-पड़ता वहाँ पहुँच जाता।
(ङ) बाहर से आए लोगों में से कुछ।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (1 × 4 = 4)

(क) बोलचाल की जो भाषा है वही कविता को प्रभावशाली बनाती है। (सरल वाक्य में बदलिए) **1**
(ख) परशुराम के आने पर सब डर गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) **1**
(ग) पिताजी थककर सोए हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए) **1**
(घ) जब तमाम बच्चे खिलखिलाकर हँस पड़े तो वह शरमा गया। (वाक्य-भेद बताइए) **1**
(ङ) मेरे सयाना होने पर मेरी पहली दोस्ती हरिहर काका के साथ हुई। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद बताइए) **1**

उत्तर—(क) बोलचाल की भाषा ही कविता को प्रभावशाली बनाती है।
(ख) परशुराम आए और सब डर गए।
(ग) पिताजी सोए हैं, क्योंकि वे थक चुके हैं।
(घ) मिश्र वाक्य।
(ङ) सरल वाक्य।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(i) कर्मफल
(ii) सुजन।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं *दो* को समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) सत् है जो जन
(*ii*) देश से द्रोह
(*iii*) आज या कल।

उत्तर— (क)(*i*) कर्म का फल—तत्पुरुष समास
(*ii*) सु (अच्छा) है जो जन—कर्मधारय समास।
(ख) (*i*) सज्जन—कर्मधारय समास
(*ii*) देशद्रोह—तत्पुरुष समास
(*iii*) आजकल—द्वंद्व समास।

प्रश्न 6. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं *चार* का अपने वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएं— (1 × 4 = 4)

(क) खाक छानना
(ख) आँखों पर बिठाना
(ग) बाग-बाग होना
(घ) चोर की दाढ़ी में तिनका
(ङ) होश उड़ना।

उत्तर—(क) मैंने हर जगह खाक छान मारी पर मुझे अच्छा घर कहीं नहीं मिल रहा।

(ख) अयोध्यावासियों ने वनवास के बाद राम-लक्ष्मण और सीता को आँखों पर बिठाया था।

(ग) मनपसंद उपहार पाकर सोहन का मन बाग-बाग हो गया।

(घ) सबको डाँट खाते देख रूपेश पकड़े जाने के डर से चुपके से भाग निकला, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।

(ङ) अपने सामने अजगर को देखकर मेरे होश उड़ गए।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1 × 5 = 5)

क्षुधार्थ रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(1) रंतिदेव कौन थे? 1

(क) वीर राजा
(ख) परम दानी राजा
(ग) बुद्धिमान-शिक्षित राजा
(घ) कुशल-समझदार राजा।

(2) स्तंभ 'अ' और स्तंभ 'ब' को सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए— 1

स्तंभ 'अ'	**स्तंभ 'ब'**
I. उशीनर	1. अपने शरीर की चमड़ी भी दान में दी।
II. दधीचि	2. अपना माँस देकर कबूतर के प्राण बचाए।
III. कर्ण	3. अस्थियाँ देकर देवताओं की सहायता की।

विकल्प :

(क) I–2, II–3, III–1
(ख) I–1, II–2, III–3
(ग) I–2, II–1, III–3
(घ) I–1, II–3, III–2.

(3) कवि ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से क्या संदेश दिया है? 1

(क) हमें जीवन की परवाह न करके परोपकार करना चाहिए।
(ख) हरेक की पीड़ा को समझना चाहिए।
(ग) शरीर नाशवान है अत: जीव को डरना नहीं चाहिए।
(घ) अपनी भूख की परवाह बिलकुल नहीं करनी चाहिए।

(4) काव्यांश में प्रयुक्त 'अनादि' शब्द का क्या अर्थ है? 1

(क) जिसका न आदि हो न अंत
(ख) जिसका आदि या आरंभ न हो
(ग) जो सृष्टि पर सबसे पहले जन्मा हो
(घ) जो सदा बना चला आ रहा हो।

(5) दधीचि ने दान में क्या दिया? 1

(क) कवच-कुंडल (ख) हड्डियाँ
(ग) धन (घ) माँस।

उत्तर—(1) (ख) (2) (क) (3) (ग) (4) (ख) (5) (ख)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1 × 5 = 5)

मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबॉल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-पेंच, वॉलीबॉल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

(1) लेखक ने ऐसा क्यों कहा कि टाइम-टेबिल बनाना और उस पर अमल करना अलग-अलग बातें हैं ? 1

(क) टाइम-टेबिल बनाना सरल कार्य नहीं है और उस पर अमल करना उससे भी कठिन है।
(ख) टाइम-टेबिल तो सब बना लेते हैं लेकिन उसके अनुरूप दिनचर्या निर्वाह सबके बस का नहीं।
(ग) टाइम-टेबिल बनाने में पेन ही उठाना होता है अमल करने में मन-मस्तिष्क लगाना होता है।
(घ) टाइम-टेबिल के अनुरूप कार्य करने में बहुत कठिनाई होती है।

(2) अग्रलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

कथन (A) : मैदान में पहुँचते ही छोटा भाई सब कुछ भूल जाता।

कारण (R) : खेल का मैदान, वहाँ की हरियाली, हवा और स्वच्छंदता छोटे भाई को अपने आगोश में समेट लेती।

विकल्प :

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(ग) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(3) भाई साहब को छोटे भाई को उपदेश देने का मौका मिल जाता, जब : 1

(क) छोटा भाई टाइम-टेबिल बना लेता।

(ख) वह टाइम-टेबिल के अनुसार चलता।

(ग) टाइम-टेबिल-पुस्तकों से मुँह मोड़ लेता।

(घ) पढ़ाई के लिए बैठता और नहीं पढ़ता।

(4) छोटा भाई अपने बड़े भाई से दूर रहने का प्रयास क्यों करता है ? 1

(क) बड़े भाई की डाँट-डपट के कारण

(ख) बड़े भाई साहब के फेल होने के कारण

(ग) प्रधानाचार्य की शिकायत के कारण

(घ) दोनों भाइयों का एक ही कक्षा में होने के कारण।

(5) गद्यांश के संदर्भ में स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए :

स्तंभ-I	स्तंभ-II
1. सिर पर नंगी तलवार लटकी रहती।	I. खेलकूद से प्रेम
2. नसीहत और फ़ज़ीहत का अवसर मिलता।	II. कथानायक
3. मोह-माया का बंधन	III. बड़े भाई साहब

विकल्प :

(क)	1-I	2-II	3-III
(ख)	1-II	2-III	3-I
(ग)	1-III	2-II	3-I
(घ)	1-I	2-III	3-II

उत्तर—(1) (ख) (2) (घ) (3) (ग) (4) (क) (5) (ख)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों का उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— (2 × 3 = 6)

(क) 'तीसरी कसम फ़िल्म नहीं, सैल्यूलाइड पर लिखी कविता थी।' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए। 2

(ख) तताँरा-वामीरो कथा के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि रूढ़ियाँ बंधन बनने लगें तो उन्हें टूट जाना चाहिए। 2

(ग) 'बड़े भाई साहब' कहानी के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है? 2

(घ) 'अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ के अनुसार वनस्पति और जीव-जगत के बारे में लेखक की माँ के क्या विचार थे? 2

उत्तर—(क) फणीश्वरनाथ रेणु की अमर कृति 'तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफाम' को जब कवि और गीतकार शैलेंद्र ने परदे पर उतारा तो मानो फ़िल्म जगत के गलियारों में एक हलचल सी मच गई। अपने गीत-संगीत, अभिनय और संवादों आदि के कारण यह फ़िल्म मील का पत्थर साबित हुई। प्रत्येक कलाकार मानो अपने से अमर हो गया। एक उद्देश्यपूर्ण और सार्थक कहानी को फ़िल्मी परदे पर उतारना बहुत कठिन कार्य है। इस फ़िल्म में कविता के समान ही भावनाओं और संवेदनाओं की प्रधानता है। अत: कह सकते हैं कि यह फ़िल्म नहीं बल्कि सैल्यूलाइड पर लिखी एक कविता थी जिसने सबके मन को आत्मविभोर कर दिया है।

(ख) रूढ़ियाँ हमारी पौराणिक संस्कृति का प्रतीक हैं। ये हमारे पूर्वज़ों द्वारा हमारे लिए निर्धारित किए गए दिशा-निर्देश हैं एवं इन रूढ़ियों को मानना हम अपना कर्तव्य समझते हैं। किंतु जब ये रूढ़ियाँ हमारे लिए बोझ बनकर बंधन स्वरूप प्रतीत होने लगें, तब इन रूढ़ियों को तोड़ देना ही श्रेयस्कर होता है। समय परिवर्तनशील है। समय के साथ आगे बढ़ने और नव समाज का निर्माण करने के लिए पौराणिक रूढ़ियाँ मान्य नहीं होतीं। अत: जब रूढ़ियाँ बंधन लगने लगें तो उन्हें टूट जाना चाहिए।

(ग) 'बड़े भाई साहब' कहानी के अनुसार जीवन की समझ अनुभव से आती है। उनका मानना है कि समझ पुस्तकीय ज्ञान से नहीं, बल्कि दुनिया देखने से ही आती है। उनके मतानुसार पुस्तकीय ज्ञान तो कोई भी प्राप्त कर सकता है परंतु जीवन की वास्तविक समझ तो जीवन के अनुभवों से ही आती है। अपनी इस बात को सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपने दादा, अम्मा और हेडमास्टर की माँ के उदाहरण भी दिए। इससे पता चलता है कि जो ज्ञान हमें हमारे जीवन के अनुभवों से प्राप्त होता है, वह हमारे जीवन को अधिक सरल, सहज और सुंदर बना देता है।

(घ) लेखक 'निदा फ़ाज़ली' बताते हैं कि उनकी माँ अत्यधिक भावुक थी। वनस्पति और जीव-जगत के बारे में वे अत्यंत संवेदनशील थीं। वे कहती थीं कि सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए क्योंकि ऐसा करने पर पेड़ रोते हैं। संध्या-वंदना के समय फूलों को नहीं तोड़ना चाहिए, वे बद्दुआ देते हैं। दरिया पर जाओ तो उसे सलाम करो; ऐसा करने पर दरिया प्रसन्न होता है। कबूतर हज़रत मुहम्मद को अज़ीज़ हैं, उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाजत दे रखी है, अत: उन्हें सताना नहीं चाहिए। मुरगे को परेशान नहीं करना चाहिए क्योंकि वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अज़ान देकर सबको जगाता है।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए— (2 × 3 = 6)

(क) 'ज़बर', 'धज्जे' इत्यादि शब्दों का प्रयोग 'तोप' कविता की भाषा की किस विशेषता को दर्शाता है? 2

(ख) 'अहंकार का भाव भक्ति मार्ग की सबसे बड़ी बाधा है।' कबीर की 'साखी' के आधार पर सिद्ध कीजिए। 2

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में कवि किससे और क्या प्रार्थना करता है? 2

(घ) 'पर्वत प्रदेश में पावस' में शाल वृक्ष के भयभीत होकर धरती में धँसने की बात क्यों कही गई है? 2

उत्तर—(क) 'ज़बर', 'धज्जे' इत्यादि शब्दों का प्रयोग 'तोप' कविता की भाषा की सरलता, प्रवाह तथा अर्थ-प्रधानता की विशेषता को दर्शाता है। कवि ने ऐसे शब्दों का प्रयोग करके तोप की शक्ति तथा उसके विनाशकारी परिणाम को प्रकट किया है। इस 1857 की शक्तिशाली तोप के समक्ष चाहे देशभक्त आया, चाहे कोई आम नागरिक, उसने अपने समय के बड़े-बड़े वीरों को परास्त कर उनकी धज्जियाँ उड़ा दी थीं।

(ख) कवि ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जिस मनुष्य के मन में अहंकार की भावना होती है, उसे कभी ईश्वर की प्राप्ति नहीं होती। जिसके मन में ईश्वर निवास करते हैं, उसके मन में अहंकार की भावना नहीं होती। कहने का भाव यह है कि जिस मनुष्य को सच्चा ज्ञान नहीं होता, उसी के मन में अहंकार होता है और जिसे सच्चा ज्ञान प्राप्त हो जाता है, उसके मन से अज्ञानता स्वयं दूर हो जाती है और अहंकार का भाव समाप्त हो जाता है।

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि भले ही ईश्वर उसे दैनिक जीवन की विपदाओं को दूर करने में मदद न करें, परंतु वह अपने प्रभु से इतना अवश्य चाहता है कि वह इन विपदाओं से घबराए नहीं और इन पर विजय प्राप्त कर सके। वह अपने बल-पौरुष पर भरोसा कर सके। वह प्रभु से अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना करता है। प्रभु! उसे इतना निर्भय बना दे कि वह जीवन-भार को आसानी से वहन कर सके। कवि चाहता है कि प्रभु के प्रति उसकी आस्था अडिग बनी रहे और किसी भी परिस्थिति में वह उन पर संदेह न करे।

(घ) पर्वतीय प्रदेश में चारों ओर काले-काले घने बादलों के छा जाने और मूसलाधार वर्षा होने से चारों ओर धुंध छा गई। उस धुंधमय वातावरण में पर्वत, झरने, शाल वृक्ष और आकाश आदि सब कुछ अदृश्य हो गया है, जिससे ऐसा मालूम पड़ता है कि आसमान धरती पर टूट पड़ा हो। इस घटना से डरकर ही शाल वृक्ष मानो धरती में धँस गए हों।

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए— (3 × 2 = 6)

(क) 'जिसका धन वह रहे उपास, खाने वाले करें विलास।'' 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ समझाते हुए सही व्याख्या कीजिए। 3

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ में मास्टर प्रीतम चंद 'पीटी' और हेडमास्टर शर्मा जी के दो विपरीत स्वभावों का वर्णन किया गया है। छात्रों पर भी इसका अलग-अलग प्रभाव पड़ता था।

अपने निकट के किन्हीं दो विपरीत स्वभाव वाले व्यक्तियों का वर्णन कीजिए। आपके ऊपर उनका क्या प्रभाव पड़ता है? समझाकर लिखिए। 3

(ग) 'उस पर सितम यह हुआ कि कमज़ोर लड़कों को मास्टर जी समझाते तो उसकी मिसाल देते।'

मास्टर जी की इस प्रतिक्रिया से बलभद्र के मन पर क्या प्रभाव पड़ता होगा? अपने विचार व्यक्त कीजिए। 3

उत्तर—(क) कलक्टर साहब के लड़के टोपी के दोस्त इसलिए नहीं बन सके, क्योंकि वे तीनों लड़के बहुत घमंडी थे। उन्हें अपने पिता के पद तथा पैसों का गुमान था। वे बार-बार जानबूझकर अपमानजनक भाषा में टोपी से उसके पिता के पद के विषय में पूछते थे। एक बार तो उन्होंने अपना कुत्ता टोपी के ऊपर छोड़ दिया था और उसे कुत्ते से कटवा दिया था। उन्हें मानवीय संबंधों और दोस्ती की गरिमा का बिलकुल ज्ञान नहीं था।

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ में हेडमास्टर शर्मा जी बच्चों को मारने-पीटने वाले अध्यापकों को अच्छा नहीं समझते थे। उनका कहना था कि बच्चों को शारीरिक या मानसिक दंड देकर कोई भी अध्यापक छात्रों पर अनुशासन की लगाम नहीं लगा सकता और न ही उनका सम्मान प्राप्त कर सकता है। मारने-पीटने से छात्रों में अनुशासनहीनता, रोष, तनाव और बदले की भावना पनपती है। अध्यापक यदि विद्यार्थियों की बातों को सुनकर प्यार से उनकी छोटी-छोटी समस्याओं को समाधान करके उनमें स्वस्थ प्रतिस्पद्र्धा का भाव जगाएँ तथा उनमें स्वानुशासन का विकास करें, तो न केवल विद्यार्थियों को सही दिशा देने में कामयाब हो सकते हैं, बल्कि उनके मन में अपने लिए जगह बनाने में भी सफल हो सकते हैं।

(ग) हरिहर काका के परिवारवालों का बदलता व्यवहार समाज की संवेदनहीनता एवं स्वार्थपरता का परिचय देता है। आधुनिक समाज में रिश्तों का महत्व बहुत कम हो गया है। लोगों के मन में धन के प्रति लालच की भावना बढ़ गई है। हमारे चारों तरफ अविश्वास का वातावरण बढ़ रहा है। इसलिए हमें सावधान रहने की आवश्यकता है तथा हरिहर काका की भाँति रह रहे बड़े बुर्जुर्गों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए— (5 × 1 = 5)

(क) प्रकृति की रक्षा मानव की सुरक्षा
- मनुष्य का अंग है
- प्रकृति से खिलवाड़
- दुष्प्रभाव और दूर करने के उपाय

(ख) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान
- सूक्ति का आशय
- जीवन में अभ्यास का महत्व
- सफलता का मूलमंत्र

(ग) विज्ञापन की बढ़ती लोकप्रियता
- विज्ञापन की आवश्यकता
- विज्ञापनों से होने वाले लाभ
- विज्ञापनों से होने वाली हानियाँ

उत्तर—(क) मनुष्य प्रकृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब मनुष्य प्रकृति की रक्षा करता है, तो इसका सीधा अर्थ यह है कि वह अपनी रक्षा कर रहा है। मनुष्य प्रकृति के बिना अधूरा है। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। प्रकृति हमारी हर छोटी-बड़ी आवश्यकताओं को पूरा करती है। प्रकृति इस बात का ध्यान भी रखती है कि पृथ्वी पर हो रही हर छोटी-बड़ी प्रक्रिया में संतुलन बना रहे।

प्रकृति के स्वरूप के साथ छेड़छाड़ की जाती है, तो इसका परिणाम हमें पर्यावरण में साफ़ तौर पर दिखाई देता है।

मनुष्य ने सदैव ही स्वयं के हित के लिए प्रकृति के साथ खिलवाड़ किए हैं। मनुष्य ने अनेक आविष्कार किए, अनेक ऐसी वस्तुओं का निर्माण किया जो हमारे लिए सोचना भी संभव नहीं था। मनुष्य ने अपनी इच्छाशक्ति के बल पर अपनी कल्पना को साकार किया। इस वैज्ञानिक युग ने जहाँ एक ओर हमें प्रगति व उन्नति के पथ पर अग्रसर किया है, वहीं दूसरी ओर उसने पर्यावरण का सबसे बड़ा नुकसान किया है। हमने

प्रकृति का इतना दोहन कर लिया है। इसलिए इसने अपना मैत्री भाव छोड़कर विकराल रूप धारण कर लिया है। बढ़ते प्रकृति दोहन से जलीय, थलीय एवं वायुमंडलीय प्रदूषण बढ़ गया है। अत: भूमि प्रदूषण की अधिकता देखते ही बनती है। औद्योगिक कचरे के फैलाव के कारण अनेक समस्याओं व बीमारियों को आमंत्रण मिला है। जगह-जगह मानव-निर्मित कचरे के ढेर दिखाई देते हैं, जिससे मनुष्य व अन्य प्रकार के प्राणियों के लिए अधिक खतरा मँडरा रहा है। वनों के कटाव से भूमि-कटाव की समस्या और रेगिस्तान के प्रसार की समस्या सामने आई है। वनों के अत्यधिक कटाव ने जंगली जानवरों के अस्तित्व को संकट में डाला है।

हमें यह सोचना पड़ेगा कि यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी हम भी सुरक्षित रह पाएँगे। इसके बिना हमारा अस्तित्व संभव नहीं हैं। अत: पहल भी हमें ही करनी पड़ेगी। हमें इससे होने वाले नुकसान से बचने के लिए पर्यावरण का संरक्षण करना अति आवश्यक है।

(ख) सूक्ति का अर्थ है—लगातार अभ्यास करने से मूर्ख-से-मूर्ख व्यक्ति भी बुद्धिमान हो जाता है; जैसे कुँए की मुंडेर पर रस्सी के बार-बार घिसने से पत्थर पर भी निशान पड़ जाते हैं। वैसे ही अगर मनुष्य हिम्मत हारे बिना लगातार किसी काम को सीखने की कोशिश करता रहे, तो एक दिन वह अवश्य सफल होगा।

जीवन में उन्नति और सफलता का मूलमंत्र अभ्यास है। सफलता के लिए किया गया परिश्रम अभ्यास से ही फलित होता है। एक बार किया हुआ श्रम मनवांछित फल नहीं देता; बार-बार के अभ्यास से ही फल-सिद्धि होती है। चाहे निर्माण कार्य हो, कला-कौशल को सीखना हो, किसी लक्ष्य तक पहुँचना हो या फिर विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो वह आगे नहीं बढ़ सकता। सफलता का मूलमंत्र अभ्यास है। परिपक्वता अभ्यास से ही आती है। अभ्यास के बल पर एकलव्य प्रखर धनुर्धर और खेल में सचिन महान् क्रिकेटर सिद्ध हुए। निरंतर अभ्यास जीवन में साधना का एक रूप है जिसका सुख साधक को स्वत: मिलता है। किसी कवि का यह कथन बड़ा ही सार्थक है—

'करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निसान'।।

(ग) वर्तमान युग को विज्ञापन का युग भी कहा जाता है। समाचार-पत्र से लेकर सड़कों पर लगे होर्डिंग तक सर्वत्र विज्ञापनों का ही राज है। सभी छोटी-बड़ी कंपनियाँ और उत्पादक अपने उत्पादन और सेवाओं को जनता तक पहुँचाने और लोकप्रिय बनाने के लिए विज्ञापनों का सहारा लेते हैं। विज्ञापन का मूल उद्देश्य है कि जिस वस्तु का विज्ञापन किया जा रहा है लोग उसके गुणों को जान-पहचान जाएँ और उस वस्तु को अपना लें। अनेक व्यापारिक संस्थाएँ विज्ञापन के बल पर ही अपना उत्पादन बेचती हैं। परंतु आजकल यह देखा जा रहा है कि उत्पादक अपने विज्ञापनों में अपने उत्पाद को उत्कृष्ट तथा दूसरे उत्पादक के उत्पाद को निम्न श्रेणी का दिखाने का प्रयास करते हैं। अनेक भ्रामक विज्ञापन भी देखे जा सकते हैं, जो वास्तविकता से बहुत दूर होते हैं। विज्ञापन के मायाजाल में फँसकर ग्राहक को झूठ भी सच लगने लगता है। ग्राहक को विज्ञापन देखकर जानकारी अवश्य लेनी चाहिए, किंतु केवल विज्ञापन के आधार पर वस्तुएँ नहीं खरीदनी चाहिए। अपने विवेक का प्रयोग करके उचित वस्तु ही खरीदनी चाहिए। विज्ञापन दाताओं और निर्माताओं का यह दायित्व बनता है कि वे लुभावने विज्ञापन दिखाकर ग्राहक को भ्रमित न करें तथा उत्पाद के सही गुणों से उसका परिचय कराएँ।

प्रश्न 13. विद्यालय में उपयुक्त खेल-सामग्री की कमी की ओर ध्यान दिलाते हुए समुचित व्यवस्था करवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। (शब्द-सीमा लगभग 100 शब्द) (5 × 1 = 5)

उत्तर—परीक्षा भवन

जयपुर
दिनांक : 8 मार्च, 20XX
सेवा में
प्रधानाचार्य महोदय
दिल्ली पब्लिक स्कूल
जयपुर

विषय—खेल सामग्री की व्यवस्था हेतु।

मान्यवर।

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय के छात्र खेलकूद समिति का अध्यक्ष हूँ। अपने इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान विद्यालय में खेलकूद सामग्री के अभाव की ओर दिलाना चाहता हूँ। दो माह पूर्व विद्यालय की खेल सामग्री में से बास्केटबॉल की बॉस्केट टूट गई थी और क्रिकेट पैड खराब हो गए थे। वे अभी तक बदले नहीं गए हैं। खेल के कालांश में भी सभी छात्रों के खेलने के लिए खेल-सामग्री उपलब्ध नहीं होती। विद्यालय में टेनिस, टेबल टेनिस, क्रिकेट सामग्री, फुटबाल आदि की थोड़ी और सामग्री की आवश्यकता है।

अत: आपसे निवेदन है कि उपर्युक्त खेल सामग्री शीघ्रातिशीघ्र मँगवाने की कृपा करें, ताकि छात्र खेल का अभ्यास आरंभ कर सकें।

धन्यवाद
भवदीय
आपका आज्ञाकारी
क०ख०ग०
अध्यक्ष छात्र खेल-कूद सीमित

अथवा

बस चालकों की असावधानी से हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

उत्तर—परीक्षा भवन

दिल्ली
दिनांक : 26 मार्च, 20XX
सेवा में
समाचार संपादक
दैनिक भास्कर
नई दिल्ली

विषय—बस चालकों की असावधानी से घटित दुर्घटना पर चिंता व्यक्त करने हेतु

मान्यवर

मैं दिल्ली के राजागार्डन क्षेत्र का निवासी हूँ और आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से प्रशासन का ध्यान बस चालकों की असावधानी से होने वाली दुर्घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। कुछ बस चालक गति सीमा और यातायात के अन्य नियमों की अवहेलना करते हुए बस चलाते हैं। अकसर उन्हें लाल बत्ती पर भी बस चलाते देखा जा सकता है। कुछ बस चालक अधिक सवारियाँ चढ़ाने के लिए एक-दूसरे से होड़ करते हुए अंधाधुंध बस चलाते हैं। सामने या दाएँ-बाएँ से आने वाले वाहनों या पैदल यात्रियों को अनदेखा करके बस चलाने से सड़कों पर प्रतिवर्ष सैकड़ों निर्दोष लोग मारे जाते हैं।

मैं आशा करता हूँ कि आप मेरा यह पत्र अपने समाचार-पत्र में अवश्य छापेंगे, ताकि इसके माध्यम से संबंधित अधिकारियों तक मेरी बात पहुँच सके और स्थिति में कुछ सुधार आए।

धन्यवाद

भवदीय

क०ख०ग०

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

(क) आप किसी विद्यालय की हेड गर्ल हैं। लगभग 60 शब्दों में प्रकाशन हेतु एक सूचना तैयार कीजिए जिसमें हाउस और वाइस कैप्टनों को उस मीटिंग में भाग लेने का निर्देश दीजिए। इस मीटिंग में प्रधानाचार्य सदन-इंचार्ज की यूनीफॉर्म जाँचने तथा देरी से आने वाले छात्र-छात्राओं को जाँचने की ड्यूटी लगाएँगे।

(ख) विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक के लिए समय, स्थान आदि के विवरण सहित सूचना तैयार कीजिए।

उत्तर—(क)

सूचना

विश्व भारती पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली

दिनांक : 10 जून 20 XX

हाऊस काउंसिल मीटिंग

विद्यालय के सभी हाउस कैप्टन तथा वाइस कैप्टन को सूचित किया जाता है कि 12 जून, 20XX को प्रात: दस बजे होने वाली हाउस काउंसिल मीटिंग में अवश्य भाग लें। इस सभा को प्रधानाचार्य तथा सदन इंचार्ज संबोधित करेंगे। विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने के लिए मीटिंग में यूनीफॉर्म जाँचने तथा देर से आने वाले विद्यार्थियों की जाँच का कार्यभार हाउस कैप्टन को सौंपा जाएगा। मीटिंग विद्याल के सभागार में होगी।

वैभवी वत्स

(हेड गर्ल)

(ख)

सूचना

बाल भारती पब्लिक स्कूल

पंचकुला, चंडीगढ़

दिनांक : 2 जुलाई 20 XX

स्वच्छता अभियान के संचालन हेतु कक्षा प्रतिनिधियों की बैठक

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अगले माह विद्यालय में स्वच्छता अभियान का संचालन किया जा रहा है। अत: विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाए जाने लिए विचार-विमर्श हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक 6 जुलाई, 20XX को प्रात: 10:00 बजे होगी। सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों का उसमें उपस्थित होना अनिवार्य है। बैठक विद्यालय के सभागार में पी० टी० आई० की उपस्थिति में होगी। सभी कक्षा प्रतिनिधि कार्यक्रम के निर्धारण हेतु अपने सुझाव देने के लिए स्वतंत्र हैं।

प्रधानाचार्या

(हस्ताक्षर)

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (3 × 1 = 3)

(क) आपका अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों भाषाओं का ज्ञान उच्च कोटि का है। आप अपने भाषा ज्ञान का लाभ उठाकर गर्मियों की छुट्टियों में अर्थोपार्जन करना चाहते हैं। एक विज्ञापन लिखिए।

(ख) 'योग दिवस' पर एक विज्ञापन लेखन कीजिए।

उत्तर—(क)

(ख)

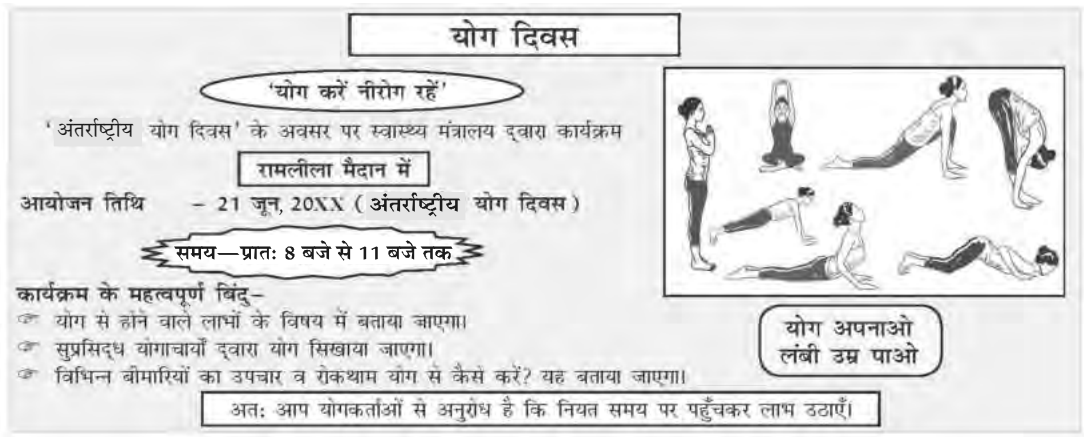

प्रश्न 16. (क) 'बुराई पर भलाई की जीत' विषय पर एक लघुकथा 100 शब्दों में लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—किसी गाँव में एक किसान रहता था। उसका नाम था- श्यामसिंह। वह बहुत ताकतवर और घमंडी था। वह ज़रा सी बात पर गुस्सा होकर लड़ाई कर देता था। गाँव के लोगों से वह कभी सीधे मुँह बात नहीं करता था। गाँव के किसान भी उससे बात नहीं करते थे।

उसी गाँव में आत्माराम नाम का एक किसान आकर बस गया। वह बहुत सीधा और सरल स्वभाव का था। वह सबसे नम्रता से बोलता था। सदा सबकी सहायता किया करता था। इसलिए सभी किसान उसका आदर करते थे और अपने कामों में उससे सलाह भी लिया करते थे।

गाँव के किसानों ने आत्माराम से कहा, 'भाई आत्माराम! तुम कभी श्यामसिंह के घर मत जाना। उससे दूर ही रहना। वह बहुत झगड़ालू है। आत्माराम ने कहा 'मुझे उससे क्या लेना। वह मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता''। श्यामसिंह ने जब यह सुना तो वह क्रोध से लाल-पीला हो गया। वह उसी दिन से आत्माराम से झगड़ने की चेष्टा करने लगा। उसने आत्माराम के खेत में अपने बैल छोड़ दिए। बैल बहुत-सा खेत चर गए किंतु आत्माराम ने उन्हें चुपचाप खेत से बाहर हाँक दिया।

इसी प्रकार श्यामसिंह बराबर आत्माराम को हानि पहुँचाता रहा, किंतु आत्माराम ने एक बार भी उसे झगड़ने का अवसर नहीं दिया।

बरसात आई। श्यामसिंह गाड़ी में अनाज भरकर दूसरे गाँव से आ रहा था। रास्ते में कीचड़ में उसकी गाड़ी फँस गई। श्यामसिंह के बैल दुबले थे। वे गाड़ी को कीचड़ से बाहर निकाल नहीं पा रहे थे। जब गाँव में इस बात की खबर पहुँची तो किसी ने उसकी मदद नहीं की।

लेकिन आत्माराम अपने बलवान बैल लेकर उस ओर चल पड़ा। आत्माराम के बलवान बैलों ने गाड़ी को खींचकर कीचड़ से बाहर कर दिया। श्यामसिंह गाड़ी लेकर घर आ गया। उसका दुष्ट स्वभाव उसी दिन से बदल गया। ''आत्माराम के सद्व्यवहार द्वारा उसका अंहकार चूर-चूर हो गया। '' अब वह सबसे नम्रता और प्रेम का व्यवहार करने लगा। बुराई को भलाई से जीतना ही सच्ची जीत है। अंत में आत्माराम ने सच्ची जीत प्राप्त कर ही ली।

अथवा

(ख) बड़ी बहन के विवाह के अवसर पर प्रधानाचार्या को 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखकर अनुमति प्राप्त कीजिए।

उत्तर—To प्रति : shehagupta@gmail.com

CC (सी०सी०) : आवश्यकतानुसार

BCC (बी०सी०सी०) : आवश्यकतानुसार

From (प्रेषक) : abcd@gmail.com

Subject (विषय) : बड़ी बहन के विवाह हेतु छुट्टी के संदर्भ में।

प्रधानाचार्य जी

मुझे आपको सूचित करने में खुशी हो रही है कि मेरी बड़ी बहन की शादी 5 मई को होनी सुनिश्चित हो गई है। शादी की तैयारी में मेरी भी बहुत आवश्यकता है। अत: महोदय में आशान्वित हूँ कि आप मेरी छुट्टी की आवश्यकता पर गौर करेंगे। इसके लिए मुझे एक सप्ताह की छुट्टी लेने की अनुमति दें। शादी का निमंत्रण कार्ड भी संलग्न है। आपके सकारात्मक ई-मेल की प्रतीक्षा है।

सादर

क०ख०ग०

HOLY FAITH INTERNATIONAL SCHOOL

Holy Faith New Style Sample Paper–5

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7**

परिश्रम यानी मेहनत अपना जवाब आप ही है। उसका अन्य कोई जवाब न है, न हो सकता है अर्थात् जिस काम के लिए परिश्रम करना आवश्यक हो, हम चाहें कि वह अन्य किसी उपाय से पूरा हो जाए, ऐसा हो पाना कतई संभव नहीं। वह तो लगातार और मन लगाकर परिश्रम करने से ही होगा। इसी कारण कहा जाता है कि 'उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मी' अर्थात् उद्योग या परिश्रम करने वाले पुरुष सिंहों का ही लक्ष्मी वरण करती है। सभी प्रकार की धन-संपत्तियाँ और सफलताएँ लगातार परिश्रम से ही प्राप्त होती हैं। परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, यह परीक्षण की कसौटी पर कसा गया सत्य है। निरंतर प्रगति और विकास की मंज़िलें तय करते हुए हमारा संसार आज जिस स्तर और स्थिति तक पहुँच पाया है, वह सब हाथ-पर-हाथ रखकर बैठे रहने से नहीं हुआ। कई प्रकार के विचार बनाने, अनुसंधान करने, उनके अनुसार लगातार योजनाएँ बनाकर तथा कई तरह के अभावों और कठिनाइयों को सहते हुए निरंतर परिश्रम करते रहने से ही संभव हो पाया है। आज जो लोग सफलता के शिखर पर बैठकर दूसरों पर शासन कर रहे हैं, आदेश दे रहे हैं, ऐसी शक्ति और सत्ता प्राप्त करने के लिए पता नहीं किन-किन रास्तों से चलकर, किस-किस तरह के कष्ट और परिश्रमपूर्ण जीवन जीने के बाद उन्हें इस स्थिति में पहुँच पाने में सफलता मिल पाई है। हाथ-पैर हिलाने पर ही कुछ पाया जा सकता है, उदास या निराश होकर बैठ जाने से नहीं। निरंतर परिश्रम व्यक्ति को चुस्त-दुरुस्त रखकर सजग तो बनाता ही है, निराशाओं से दूर रख आशा-उत्साह भरा जीवन जीना भी सिखाया करता है।

(1) 'हाथ-पैर हिलाने से कुछ पाया जा सकता है।' पंक्ति के माध्यम से लेखक .... की प्रेरणा दे रहे हैं। **1**

(क) तैराकी (ख) परिश्रम

(ग) परीक्षण (घ) हस्तशिल्प।

(2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए— **1**

(*a*) परिश्रम व्यक्ति को सकारात्मक बनाता है।

(*b*) आज संसार पतन की ओर बढ़ रहा है।

(*c*) पुरुषार्थ के बल पर ही व्यक्ति धनार्जन करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

(क) केवल (*a*) (ख) केवल (*b*)

(ग) (*a*) और (*c*) (घ) (*b*) और (*c*)

(3) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द गद्यांश में दिए गए 'अनुसंधान' शब्द के सही अर्थ को दर्शाता है ? **1**

(क) परीक्षण (ख) योजनाएँ

(ग) अन्वेषण (घ) सिंहमुपैति।

(4) 'परिश्रम सफलता की कुँजी है'—का आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

(5) उपर्युक्त गद्यांश से हमें क्या सीख मिलती है ? **2**

उत्तर—(1) (ख) परिश्रम

(2) (ग) (*a*) और (*c*)

(3) (घ) सिंहमुपैति।

(4) परिश्रम अपना जवाब आप ही है। सभी प्रकार की धन-संपत्तियाँ और सफलताएँ लगातार परिश्रम से ही प्राप्त होती हैं तथा परिश्रम करने वाले सिंह पुरुषों का ही लक्ष्मी वरण करती है। इसलिए कहा जाता है परिश्रम सफलता की कुँजी है।

(5) उपर्युक्त गद्यांश से यह सीख मिलती है परिश्रम का फल मीठा होता है। अर्थात् परिश्रम से कल्पना साकार होती है। सफलता के लिए परिश्रम करना आवश्यक है। हम चाहें कि वह अन्य किसी उपाय से पूरा हो जाए, तो ऐसा हो पाना कतई संभव नहीं। वह तो लगातार और मन लगाकर ही पूरा हो सकता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7**

'प्रबुद्ध भारत', दिसंबर 1898, को दिए एक साक्षात्कार में विवेकानंद जी ने बताया कि मैंने पृथ्वी के दोनों गोलार्द्धों का पर्यटन किया है। मेरा तो दृढ़ विश्वास है कि जिस जाति ने सीता को उत्पन्न किया, चाहे वह उसकी कल्पना ही क्यों न हो, उस जाति में स्त्री जाति के लिए इतना अधिक सम्मान और श्रद्धा है, जिसकी तुलना संसार में हो ही नहीं सकती। पाश्चात्य स्त्रियाँ ऐसे कई कानूनी बंधनों से जकड़ी हुई हैं, जिनसे भारतीय स्त्रियाँ सर्वथा मुक्त एवं अपरिचित हैं। भारतीय समाज में निश्चय ही दोष और अपवाद दोनों हैं। पर यही स्थिति पाश्चात्य समाज की भी है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संसार के सभी भागों में प्रीति, कोमलता और साधुता को अभिव्यक्त करने के प्रयत्न चल रहे हैं। भारतीय स्त्री-जीवन में बहुत-सी समस्याएँ हैं और ये समस्याएँ बड़ी गंभीर हैं। परंतु इनमें से कोई भी ऐसी नहीं है जो 'शिक्षा' रूपी मंत्र-बल से हल हो सके। पर हाँ, शिक्षा की सच्ची कल्पना हममें से कदाचित ही किसी ने की हो। मैं मानता हूँ कि सच्ची शिक्षा वह है जिससे मनुष्य की मानसिक शक्तियों का विकास हो। वह शब्दों का केवल रटना मात्र न हो। यह व्यक्ति की मानसिक शक्तियों का ऐसा विकास हो जिससे वह स्वयमेव स्वतंत्रतापूर्वक विचार करके उचित निर्णय कर सके। भारतीय स्त्रियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जिससे वे निर्भय होकर भारत के प्रति अपने कर्तव्य

को भली भाँति निभा सकें और संघमित्रा, लीला, अहिल्याबाई और मीरा आदि महान भारतीय देवियों की परंपरा को आगे बढ़ा सकें, 'वीर प्रसूता' बन सकें।

(1) ''भारतीय समाज में निश्चय ही दोष और अपवाद दोनों हैं।'' विवेकानंद ने ऐसा क्यों कहा? 1

(क) भारतीय समाज में महिलाओं के शोषित और सशक्त दोनों रूप होने के कारण

(ख) भारतीय समाज में महिलाओं का बहुत अधिक शोषण होने के कारण

(ग) भारतीय समाज में महिलाओं के अत्यधिक धार्मिक होने के कारण

(घ) भारतीय समाज में महिलाओं के अत्यधिक अशिक्षित होने के कारण।

(2) हर समस्या के समाधान का राम-बाण है— 1

(क) सर्व-शिक्षा

(ख) स्त्री शिक्षा

(ग) सामाजिक शिक्षा

(घ) राजनैतिक शिक्षा।

(3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए— 1

(*i*) वीर-प्रसूता का आशय वीरों को जन्म देने वाली से है।

(*ii*) सच्ची शिक्षा वह है जिससे मनुष्य की मानसिक शक्तियों का विकास हो।

(*iii*) भारतीय समाज में दोष और अपवाद के लिए कोई स्थान नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(क) केवल (*i*) (ख) केवल (*ii*)

(ग) (*i*) और (*iii*) (घ) (*ii*) और (*iii*)

(4) उपर्युक्त गद्यांश में समस्त विश्व द्वारा किए जाने वाले किन प्रयत्नों का उल्लेख किया गया है? 2

(5) विवेकानंद के अनुसार सच्ची शिक्षा क्या है? 2

उत्तर—(1) (क)भारतीय समाज में महिलाओं के शोषित और सशक्त दोनों रूप होने के कारण।

(2) (क) सर्व-शिक्षा।

(3) (क) केवल (*i*)।

(4) उपर्युक्त गद्यांश में समस्त विश्व द्वारा लोगों में प्रेम, सज्जनता और संवेदनशीलता के विकास के लिए किए गए प्रयत्नों का उल्लेख किया गया है।

(5) विवेकानंद के अनुसार सच्ची शिक्षा वह है जिससे व्यक्ति की मानसिक शक्तियों का ऐसा विकास हो जिससे वह स्वयमेव स्वतंत्रतापूर्वक विचार करके उचित निर्णय कर सके।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (1 × 4 = 4)

(क) तोतों को उनकी दहकती-भूरी आँखों से भय न लगता था। —रेखांकित पदबंध का भेद बताइए। 1

(ख) 'मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा।' —वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए। 1

(ग) ''वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी यश और धन-लिप्सा से कोसों दूर ही रहे।'' वाक्य में से क्रिया पदबंध छांटिए। 1

(घ) ''क्षितीश चटर्जी का फटा हुआ सिर देखकर आँख मिंच जाती थी।'' वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए। 1

(ङ) 'अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंकने वाला वह आजमगढ़ की तरफ भाग गया।' वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए। 1

उत्तर—(क) संज्ञा पदबंध।

(ख) क्रिया विशेषण पदबंध।

(ग) दूर ही रहे।

(घ) विशेषण पदबंध।

(ङ) सर्वनाम पदबंध।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (1 × 4 = 4)

(क) वे हरदम किताबें खोलकर अध्ययन करते रहते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1

(ख) मैं सफल हुआ और कक्षा में प्रथम स्थान पर आया (सरल वाक्य में बदलिए) 1

(ग) एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 1

(घ) वह छह मंजिली इमारत की छत थी जिस पर एक पर्णकुटी बनी थी। (सरल वाक्य में बदलिए) 1

(ङ) संकट आने पर घबराना नहीं चाहिए। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 1

उत्तर—(क) वे हरदम किताबें खोलकर रखते थे और अध्ययन करते रहते थे।

(ख) मैं सफल होने के साथ-साथ कक्षा में प्रथम स्थान पर भी आया।

(ग) जैसे ही बिल्ली उचकी वैसे ही दो में से एक अंडा टूट गया।

(घ) छह मंजिली इमारत की छत पर एक पर्णकुटी बनी थी।

(ङ) जब संकट आए तो घबराना नहीं चाहिए।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) रसोईघर

(*ii*) चंद्रमुख

(*iii*) यथासमय।

(ख) निम्नलिखित का समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) आप पर बीती

(*ii*) महान है जो पुरुष।

उत्तर— (क) (*i*) रसोई के लिए घर—तत्पुरुष समास

(*ii*) चंद्रमा के समान मुख—कर्मधारय समास

(*iii*) समय के अनुसार—अव्ययीभाव समास।

(ख) (*i*) आपबीती—अव्ययीभाव समास।

(*ii*) महापुरुष—कर्मधारय समास।

प्रश्न 6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए— (2 × 1 = 2)

(क) पहाड़ होना
(ख) लगती बातें कहना
(ग) जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना।

(ख) नीचे लिखे वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति द्वारा कीजिए— (2 × 1 = 2)

(क) चुनाव में दोनों दलों ने खूब प्रचार किया है, देखना है कि ..... बैठता है।
(ख) ईश्वर न करे, आज मैं बीमार पड़ जाऊँ तो तुम्हारे ऊपर..... टूट जाएँगे।

उत्तर— (क) सर्दी की लंबी रातें पहाड़ हो जाती हैं।
(ख) सुशीला को लगने वाली बात कहकर बहुत खुशी मिलती है।
(ग) बेटे की मृत्यु की खबर सुनकर माँ के जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो गए।

(ख) (क) ऊँट किस करवट
(ख) मुसीबत के पहाड़।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए — (5 × 1 = 5)

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़ै बन माँहि।
ऐसैं घटि घटि राँम है, दुनियाँ देखै नाँहिं।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।।

(1) 'कस्तूरी कुंडलि बसै .....' दोहे में किसका वर्णन किया गया है? 1

(क) कस्तूरी ढूँढ़ने वाले मृग का
(ख) सांसारिकता में लीन मानव का
(ग) अपनी ही विशेषता से अनजान मनुष्य का
(घ) ईश्वर की सर्वव्यापकता का।

(2) 'जब मैं था तब हरि नहीं' पंक्ति में 'मैं' से अभिप्राय है— 1

(क) अहंकार की भावना (ख) स्वार्थ की भावना
(ग) सांसारिक माया-मोह (घ) स्वयं कवि।

(3) 'जब मैं था तब हरि नहीं' दोहे के अनुसार हृदय में ईश्वर का निवास कब तक असंभव है? 1

(क) जब तक सच्चे हृदय से उसे याद न किया जाए।
(ख) जब तक सांसारिक विषय-वासनाओं को न छोड़ा जाए।
(ग) जब तक अहंकारपूर्ण व्यवहार का नाश न किया जाए।
(घ) जब तक सच्चे हृदय से उसकी सेवा न की जाए।

(4) 'जब दीपक देख्या माँहि'—पंक्ति में 'दीपक' प्रतीकार्थ है— 1

(क) प्रभु प्रेम के प्रकाश का (ख) रोशनी के साधन का
(ग) प्रकाश का (घ) संपन्नता का।

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : ईश्वर सृष्टि के कण-कण में निवास करते हैं पर हम उन्हें देख नहीं पाते।
कारण (R) : मनुष्य के पास दिव्य-दृष्टि नहीं है।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर— (1) (घ) (2) (क) (3) (ग) (4) (क) (5) (ग)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प को चुनकर लिखिए— 1 × 5 = 5

मोनुमेंट के नीचे जहाँ शाम को सभा होने वाली थी उस जगह को तो भोर में छह बजे से ही पुलिस ने बड़ी संख्या में घेर लिया था, पर तब भी कई जगह तो भोर में ही झंडा फहराया गया। श्रद्धानंद पार्क में बंगाल प्रांतीय विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तो पुलिस ने उनको पकड़ लिया तथा और लोगों को मारा या हटा दिया। तारा सुंदरी पार्क में बड़ा-बाज़ार कांग्रेस कमेटी के युद्ध मंत्री हरिश्चंद्र सिंह झंडा फहराने गए पर वे भीतर न जा सके। वहाँ पर काफ़ी मारपीट हुई और दो-चार आदमियों के सिर फट गए। गुजराती सेविका संघ की ओर से जुलूस निकला जिसमें बहुत-सी लड़कियाँ थीं उनको गिरफ्तार कर लिया गया। 11 बजे मारवाड़ी बालिका विद्यालय की लड़कियों ने अपने विद्यालय में झंडोत्सव मनाया। जानकीदेवी, मदालसा (मदालसा बजाज-नारायण) आदि भी गई थीं। लड़कियों को, उत्सव का क्या मतलब है, समझाया गया। एक बार मोटर में बैठकर सब तरफ घूमकर देखा तो बहुत अच्छा मालूम हो रहा था। जगह-जगह फ़ोटो उतर रहे थे। अपने भी फ़ोटो का काफ़ी प्रबंध किया था। दो-तीन बजे कई आदमियों को पकड़ लिया गया। जिसमें मुख्य पूर्णोदास और पुरुषोत्तम राय थे।

(1) सभा कहाँ होने वाली थी ? 1

(क) मोनुमेंट के नीचे
(ख) विद्यालय में
(ग) तारा सुंदरी पार्क में
(घ) श्रद्धानंद पार्क में।

(2) अविनाश बाबू कौन थे ? 1

(क) बंगाल प्रांतीय दल के मंत्री
(ख) बंगाल प्रांतीय विद्यार्थी संघ के मंत्री
(ग) बंगाल प्रांतीय क्रांतिकारी संघ के मंत्री
(घ) बंगाल प्रांतीय सुधार संघ के मंत्री।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : अविनाश बाबू को पुलिस ने पकड़ लिया था।
कारण (R) : अविनाश बाबू ने श्रद्धानंद पार्क में झंडा गाड़ा था।

विकल्प :

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) तारा सुंदरी पार्क में कौन झंडा फहराने गए ? 1

(क) सुभाष बाबू (ख) हरिश्चंद्र सिंह
(ग) पुरुषोत्तम (घ) पूर्णोदास।

(5) गद्यांश के संदर्भ में स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए— 1

स्तंभ-I	स्तंभ-II
1. कांग्रेस कमेटी के युद्ध मंत्री थे।	I. अविनाश बाबू
2. दो-तीन बजे पकड़े गए।	II. हरिश्चंद्र सिंह
3. श्रद्धानंद पार्क से पकड़ा।	III. पूर्णोदास और पुरुषोत्तम राय

विकल्प :

(क)	1-III	2-I	3-II
(ख)	1-II	2-III	3-I
(ग)	1-III	2-I	3-II
(घ)	1-I	2-III	3-II.

उत्तर—(1) (क) (2) (ख) (3) (घ) (4) (ख) (5) (ख)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— 2 × 3 = 6

(क) लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है कि 'तीसरी कसम' ने साहित्य-रचना के साथ शत-प्रतिशत न्याय किया है? 2

(ख) सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मक़सद था? 2

(ग) 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए कि चाजीन ने गरिमापूर्ण ढंग से क्या-क्या कार्य किए? 2

(घ) 'अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ में समुद्र के गुस्से का क्या कारण था? उसने अपना गुस्सा कैसे शांत किया? 2

उत्तर—(क) 'तीसरी कसम' फ़िल्म फणीश्वरनाथ 'रेणु' की साहित्यिक रचना पर आधारित है। इस फ़िल्म से पहले भी साहित्यिक रचनाओं पर आधारित फ़िल्में बनती रही हैं। उन फ़िल्मों में साहित्यिक रचना की मूलकथा में कुछ काल्पनिक तत्वों का समावेश करके उसे मनोरंजक बनाया जाता है। उन फ़िल्मों का उद्देश्य दर्शकों की रुचि के अनुरूप सामग्री डालकर अधिक धन कमाना होता है, किंतु 'तीसरी कसम' फ़िल्म में मूल साहित्यिक रचना को उसके वास्तविक रूप में प्रस्तुत किया गया है। उसमें किसी प्रकार के काल्पनिक अथवा मनोरंजक तत्वों को न डालकर उसकी गरिमा को भी बनाए रखा गया है।

(ख) सआदत अली अंग्रेज़ों का मित्र बन गया था। वह ऐशो-आराम से जीवन जीने वाला व्यक्ति था। कर्नल चाहता था कि वह अवध के तख्त पर ऐसे व्यक्ति को बिठाए, जो ब्रिटिश सरकार को अच्छा-खासा पैसा दे। सआदत अली ऐसा ही व्यक्ति था। उसने अपनी आधी जायदाद और दस लाख रुपये नकद ब्रिटिश सरकार को दे दिए थे। इसी कारण कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाया था।

(ग) एक छह मंज़िली इमारत की छत पर बनी पर्णकुटी के अंदर एक चाजीन बैठा था। सर्वप्रथम उसने लेखक और उसके मित्र का स्वागत करते हुए कमर झुकाकर उन्हें प्रणाम किया। फिर चाजीन ने अँगीठी सुलगाकर उस पर चायदानी रखी। फिर वह पास के कमरे से बाकी बरतन ले आया और उन्हें धोकर साफ़ कपड़े से पोंछने लगा। वातावरण इतना शांत था कि चायदानी के पानी का खदबदाना साफ़ सुनाई दे रहा था। चाय के तैयार होने पर उसने प्यालों में चाय भरकर लेखक और उसके मित्र के सामने रख दी। ये सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण थीं, मानो वहाँ जयजयवंती के स्वर गूँज रहे हों।

(घ) समुद्र के गुस्से का कारण था—उसके क्षेत्र में मानव का निरंतर अतिक्रमण करते जाना। बड़े-बड़े बिल्डरों ने समुद्र के तटीय इलाकों पर कब्ज़ा करके बड़ी-बड़ी इमारतें बनानी शुरू कर दी थीं। जिस कारण समुद्र लगातार सिमटता जा रहा था। पहले तो समुद्र ने टाँगों को सिकोड़कर, उकड़ू बैठकर और फिर खड़े होकर ज़मीन दी। हद होने पर समुद्र को गुस्सा आ गया। उसने अपना रौद्र रूप दिखाते हुए लहरों पर चल रहे तीन जहाज़ों को गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक जहाज़ वर्ली के समुद्र किनारे जा गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने और तीसरा गेट-वे-ऑफ इंडिया पर टूट कर जा गिरा।

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग (25-30 शब्दों में) लिखिए— (2 × 3 = 6)

(क) मीरा 'हरि' के रूप में किसे संबोधित कर रही हैं तथा वे स्वयं की किस पीड़ा से मुक्ति चाहती हैं? 2

(ख) कबीर द्वारा स्वयं को 'दुखिया' और संसार को 'सुखिया' कहने से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) पर्वत अपना प्रतिबिंब तालाब में क्यों देख रहा है? 2

(घ) 'फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है।' पंक्ति में किन दो अलग-अलग जश्नों का ज़िक्र किया गया है? 2

उत्तर—(क) पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती इस प्रकार की है कि हे प्रभु! आप सदैव अपने भक्तों की पीड़ा को दूर करते हैं। आप तो दयालु हैं और भक्त को पीड़ा में देखकर आपका मन द्रवित हो उठता है। जिस प्रकार आपने कौरवों की सभा में द्रौपदी की लाज रखी, प्रह्लाद की रक्षा के लिए नरसिंह भगवान का रूप धारण किया, हाथी की मगरमच्छ से रक्षा की, उसी प्रकार आप मेरी भी पीड़ा हर लीजिए।

(ख) कबीरदास सांसारिक मोह-माया में लिप्त लोगों पर कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि ऐसे लोग भौतिक सुख-सुविधाओं में जीवनयापन कर स्वयं को सुखी अनुभव करते हैं। दूसरी ओर कबीरदास जी मानते हैं कि यह संसार नश्वर है और मोह-माया अर्थात भौतिक सुख-सुविधाओं में लिप्त रहकर ईश्वर की प्राप्ति नहीं हो सकती। ज्ञान के कारण कबीरदास जी उन लोगों के लिए दुखी हैं जो क्षणिक सुख के लिए शाश्वत सुख के प्रति उदासीन हैं।

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में तालाब की तुलना दर्पण से की गई है। तालाब का जल अत्यंत स्वच्छ एवं निर्मल है। वह प्रतिबिंब दिखाने में सक्षम है। दर्पण और तालाब दोनों ही पारदर्शी हैं। दर्पण की भाँति तालाब में भी पर्वत और उस पर उगे हज़ारों पुष्पों का प्रतिबिंब स्पष्ट दिखाई दे रहा था, इसलिए कवि ने तालाब की तुलना दर्पण से की है।

(घ) 'फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है' कहकर कवि अन्य सैनिकों को प्राणोत्सर्ग के लिए प्रेरित करना चाह रहा है। कवि का मानना है कि यदि देश रक्षा के कार्य पूरे नहीं होंगे, अधूरे बने रहेंगे तो निश्चित तौर पर शहीदों का बलिदान निरर्थक होगा। अत: शहीदों के उपरांत अन्य वीर सैनिकों को भी शत्रुओं के साथ वीरतापूर्वक तब तक युद्ध करना होगा, जब तक हमारा देश पूरी तरह सुरक्षित न हो जाए। अपनी जीत का जश्न हम तभी मना सकेंगे, जब यह बलिदान का सिलसिला नहीं रुकेगा।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए— (3 × 2 = 6)

(क) अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ कैसे रखते थे? 3

(ख) ''प्राय: अभिभावक अपने बच्चों को खेलकूद में अधिक रुचि लेने से रोकते हैं।'' इस विषय पर अपने तर्क संगत विचार 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए। 3

(ग) टोपी और इफ़्फ़न अलग-अलग धर्म और जाति से संबंध रखते थे, पर दोनों एक अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में 'टोपी शुक्ला' कहानी पर विचार कीजिए। 3

उत्तर—(क) अनपढ़ होने के बावजूद भी हरिहर काका दुनियादारी की बेहतर समझ रखते थे, क्योंकि उन्होंने अपने सामने आँखों से देख लिया था कि अपनी ज़मीन लिख देने के बाद रमेसर की विधवा घुट-घुटकर मर गई थी, इसलिए वे अपनी ज़मीन किसी के नाम नहीं लिखना चाहते थे। उन्होंने अपने भाइयों के मन में आए बदलाव को भी भाँप लिया था और निश्चय कर लिया था कि अपने जीते-जी किसी को ज़मीन नहीं लिखेंगे। अपने भाइयों को समझा दिया कि जब मैं मर जाऊँगा, तो मेरी ज़मीन अपने-आप तुम्हें मिल ही जाएगी, इसीलिए मुझसे लिखवाने की आवश्यकता तुम्हें नहीं होनी चाहिए।

(ख) पहले ज़माने में अभिभावकों की धारणा थी कि 'खेलेंगे-कूदेंगे होंगे खराब, पढ़ेंगे-लिखेंगे बनेंगे नवाब।' वे सोचते थे कि खेलकूद में भाग लेकर बच्चा समय गँवा रहा है। वे जीवन की सफलता में केवल और केवल पढ़ाई का ही योगदान मानते थे। यही कारण था कि उस समय बच्चों का खेलकूद में रुचि लेना उन्हें अरुचिकर लगता था। मेरे विचार में पहले ज़माने के अभिभावकों की खेलकूद के प्रति दुर्भावना उचित नहीं थी क्योंकि विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी बहुत महत्व है। खेलकूद में भाग लेने से बच्चे का मानसिक एवं शारीरिक विकास तेज़ी के साथ होता है और पढ़ाई के कारण महसूस होने वाली मानसिक थकावट दूर हो जाती है तथा स्वास्थ्य अच्छा रहने से पढ़ाई में भी मन लगता है।

(ग) टोपी और इफ़्फ़न बहुत ही घनिष्ठ मित्र थे। इफ़्फ़न टोपी का पहला दोस्त था। टोपी के बिना इफ़्फ़न और इफ़्फ़न के बिना टोपी अधूरा था। उनकी दोस्ती धर्म और जाति की दीवारों से परे थी। वे मित्रता की एक अटूट डोर से बँधे थे। अलग धर्म, जाति एवं भिन्न संस्कृति के बावजूद टोपी को जो स्नेह और अपनापन इफ़्फ़न और उसकी दादी से मिला, वैसा स्नेह, उसे अपने भरे-पूरे परिवार में किसी से नहीं मिला। जिस भाषा के कारण इफ़्फ़न की दादी टोपी से प्यार करती थी। टोपी की वही भाषा उसके अपने घर में हीन समझी जाती थी। टोपी के भाई टोपी को अहसास दिलाते थे कि वह बेहद छोटा और तुच्छ है, जबकि कलेक्टर का बेटा होने के बावजूद इफ़्फ़न उससे समानता का व्यवहार करता था। मित्रता जैसे भाव जाति या धर्म के आधार पर पैदा नहीं होते, वे सहानुभूति, भाईचारे की भावना व त्याग से पैदा होते हैं।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए— (5 × 1 = 5)

(क) परिवार में नारी की स्थिति
- माँ और पत्नी के रूप में
- समाज के प्रति कर्तव्य और ज़िम्मेदारियाँ
- स्वयं के प्रति कर्तव्य

(ख) वह अविस्मरणीय यात्रा
- कब
- कहाँ
- अविस्मरणीय क्या

(ग) लड़कियों की शिक्षा
- भारतीय समाज में लड़कियों की स्थिति
- शिक्षा की आवश्यकता और कठिनाइयाँ
- देश का भविष्य

उत्तर—(1) परिवार के दो स्तंभ होते हैं—पुरुष और नारी, किंतु परिवार की सुव्यवस्था का उत्तरदायित्व नारी के कंधों पर ही आता है। नारी परिवार के लिए शक्तिस्वरूपा है। माँ के रूप में नारी केवल बच्चों का पालन-पोषण ही नहीं करती, अपितु माँ के द्वारा बच्चों को जो संस्कार बचपन में दिए जाते हैं वे जीवन भर उनका मार्गदर्शन करते हैं। पत्नी के रूप में नारी गृहस्थी के उत्तरदायित्व को निभाती है। घर-परिवार की सुख-सुविधाओं, खान-पान तथा आराम का प्रबंध करती है। शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण अब नारी समाज के प्रति भी अपने कर्त्तव्य जानती है तथा पुरुष के समानांतर पद और अधिकार को प्राप्त कर वह प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों को चुनौती दे रही है। नारी में किसी प्रकार की शक्ति और क्षमता की कमी नहीं है। केवल मौका प्राप्त होने की देर होती है। इतना सब होने पर भी वह प्रतिदिन अत्याचारों एवं शोषण का शिकार हो रही है। नारी की अपनी पहचान होना ज़रूरी है। नारी को स्वावलंबी तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना भी ज़रूरी है।

(2) मैंने अपने जीवन में अनेक स्थानों की यात्रा की है, परंतु पिछले वर्ष नैनीताल की यात्रा जितनी रोमांचक और सुखद यात्रा कोई नहीं की है। पिछले वर्ष हमने 25 जून को नैनीताल के लिए ट्रेन पकड़ी। पिता जी के एक मित्र हमें स्टेशन पर लेने आए थे। पिता जी के मित्र ने हमें नैनीताल घुमाने की ज़िम्मेदारी अपने ड्राइवर को सौंप दी। अगले दिन सुबह नाश्ते के पश्चात हम नैनीताल घूमने निकल गए। नैनीताल के रास्ते बहुत टेढ़े-मेढ़े थे और मार्ग के दोनों ओर हरी-भरी घाटियों का मनमोहक दृश्य था। पर्वतों पर पंक्तिबद्ध पेड़ों की सुंदरता देखते ही बनती थी। गरमी के मौसम में भी शीतल वायु मन को आनंदित कर रही थी। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जो मन मोह लेते हैं। नैनी झील अर्द्धचंद्राकार में है। यह कुमाऊँ क्षेत्र की प्रसिद्ध झीलों में से एक है। इसके उत्तर-पश्चिम में नैनी पीक, दक्षिण-पश्चिम में टिफ़िन प्वाइंट और उत्तर में बरफ़ से ढकी चोटियों से घिरी यह झील विशेष रूप से सूर्योदय और सूर्यास्त के दौरान एक मनमोहक दृश्य प्रदान करती है। नैनीताल का माल रोड, जो नैनी झील के समानांतर चलता है पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। वहाँ घूमते-घूमते पाँच दिन कब बीत गए पता ही नहीं चला। वहाँ की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता आज भी मन को आकर्षित करती है।

(3) चाहे लड़का हो या लड़की प्रत्येक के जीवन में शिक्षा का बहुत अधिक महत्व है। भारत में लड़कियों की स्थिति सदैव एक समान नहीं रही है। समयानुसार इसमें बदलाव आते रहे हैं। आज आधुनिक युग में लड़कियों को लड़कों के समान ही सभी अधिकार प्राप्त हैं चाहे वह खान-पान हो या शिक्षा का अधिकार। देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों का शिक्षित होना अति आवश्यक है। शिक्षित महिला ही परिवार के प्रबंधन में सहायक हो सकती है तथा बच्चों की उचित देखभाल करने में समर्थ होती है। आज भारत में केवल साठ प्रतिशत लड़कियाँ ही पूर्णरूप से शिक्षित हो पाती हैं। गरीबी, माता-पिता की नकारात्मक सोच, बाल-विवाह, बाल-मज़दूरी, विद्यालयों में सुविधाओं की कमी व अन्य प्राचीन मान्यताएँ आज भी लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने में बाधा बनकर सामने खड़ी है। यह सत्य है कि एक आदमी को शिक्षित करके राष्ट्र का केवल एक हिस्सा ही शिक्षित किया जा सकता है। जबकि एक लड़की/महिला को शिक्षित करना संपूर्ण समाज को शिक्षित करना है। किसी भी देश का भविष्य लड़कियों की शिक्षा पर ही निर्भर करता है। हम देश की लड़कियों को शिक्षित किए बिना एक विकसित व उन्नतशील देश का निर्माण नहीं कर सकते। लड़कियों को शिक्षित करना न केवल सरकार की अपितु समाज के प्रत्येक व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है। हमारे प्रधानमंत्री ने गाँवों में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत लड़कियों की शिक्षा हेतु सराहनीय कदम उठाए हैं।

प्रश्न 13. अपने नगर के जलापूर्ति अधिकारी को पर्याप्त और नियमित रूप से पानी न मिलने की शिकायत करते हुए 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—परीक्षा भवन
हरियाणा
दिनांक : 14 मार्च, 20XX
जलापूर्ति अधिकारी
नगरपालिका
रोहतक

विषय—पानी की कठिनाई हेतु शिकायती पत्र।

मान्यवर
बड़े खेद की बात है कि पिछले एक मास से 'शास्त्री नगर' क्षेत्र में पेयजल की कठिनाई का अनुभव किया जा रहा है। नगरपालिका की ओर से पेयजल की सप्लाई बहुत कम होती जा रही है। कभी-कभी तो पूरा-पूरा दिन नलों में पानी नहीं आता। मकानों की पहली-दूसरी मंज़िल तक तो पानी चढ़ता ही नहीं। आप पानी की आवश्यकता के विषय में जानते हैं। पानी की कमी के कारण यहाँ के लोगों का जीवन कष्टमय बन गया है। आपसे प्रार्थना है कि इस क्षेत्र में पेयजल की समस्या का समाधान करें। आशा है कि आप इस विषय पर ध्यान देंगे और शीघ्र ही उचित कार्यवाही करेंगे।

भवदीय
राम सिंह चौटाला
512, शास्त्री नगर
रोहतक

कुछ साथियों के बहकावे में आकर आपने विद्यालय के हॉस्टल में कोई अशिष्ट आचरण किया, जिसकी शिकायत वार्डन ने प्रधानाचार्य को कर दी है। अपनी स्थिति समझाकर क्षमा-याचना करते हुए उन्हें लगभग 100 शब्दों में प्रार्थना-पत्र लिखिए।

उत्तर—परीक्षा भवन
क०ख०ग० विद्यालय
दिल्ली
दिनांक : 25 अगस्त, 20XX
सेवा में
प्रधानाचार्य जी
क०ख०ग० विद्यालय
नई दिल्ली।

विषय—अपने अशिष्ट आचरण के लिए क्षमा-याचना हेतु।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं का छात्र हूँ और गत दो वर्ष से विद्यालय के हॉस्टल में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहा हूँ। मुझे ज्ञात है कि मेरे द्वारा हॉस्टल में किए गए अशिष्ट आचरण की शिकायत आप तक पहुँच चुकी है। मैं अपने अभद्र व्यवहार के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। गत तीन वर्षों से मैं हॉस्टल में ही रह रहा हूँ। इससे पहले मैंने कभी शिकायत का मौका नहीं दिया। मैं हॉस्टल के सभी नियमों का पालन करता हूँ, किंतु कल मैंने अपने सहपाठियों के बहकावे में आकर वार्डन से झूठ बोला और फ़िल्म देखने चला गया। रात को देर हो जाने पर दीवार कूदकर अंदर जाते समय वार्डन ने मुझे पकड़ लिया। इस पर मैंने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया। इसे मेरी पहली और अंतिम गलती मानकर क्षमा कर दीजिए।
भविष्य में मैं सचेत रहूँगा और फिर कभी शिकायत का मौका नहीं दूँगा। आपकी अति कृपा होगी।
धन्यवाद सहित।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
क०ख०ग०
कक्षा-10 (अ)

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

आप विद्यालय की छात्र कल्याण-परिषद के सचिव हैं। विद्यालय में होने वाले वार्षिक-उत्सव में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के नाम आमंत्रित करने के लिए सूचना तैयार कीजिए।

उत्तर— **सूचना**

बाल भारती स्कूल,
आगरा

दिनांक : 10 जनवरी, 20XX

वार्षिकोत्सव का आयोजन

विद्यालयों के सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे विद्यालय में 20 फ़रवरी को विद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सायं 5 बजे से 8 बजे तक चलेगा। उत्सव में नृत्य, गायन, नाटक व कविता पाठ शामिल है। इच्छुक विद्यार्थी 15 जनवरी तक सचिव को अपना नाम दे सकते हैं।
नव्या बोहरा
सचिव (छात्र कल्याण परिषद)

अथवा

अपने मोहल्ले की सुधार-समिति के सचिव की ओर से 'स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक लोगों के लिए सूचना तैयार कीजिए।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

उत्तर— **सूचना**

मोहल्ला सुधार समिति, नारायणा

दिनांक : 1 अक्तूबर, 20XX

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम

राम नगर मोहल्ले के सभी निवासियों को सूचित किया जाता है कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे मोहल्ले में 7 अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। प्रत्येक निवासी को स्वच्छता का महत्व व देश को स्वच्छ बनाने के प्रति जागरूक करने हेतु यह अभियान अध्यक्ष के नेतृत्व में चलाया जाएगा। इस अभियान में शामिल होने के इच्छुक व्यक्ति 5 अक्तूबर तक अपना नाम रजिस्टर करवा दें।

पंकज झा
संयोजक
रजत चट्टोपाध्याय
सचिव मोहल्ला सुधार समिति

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए— (3 × 1 = 3)

आपके पिता जी का अचानक स्थानांतरण हो जाने के कारण नया टी० वी०, फ्रिज़ और सोफ़ा बेचना आवश्यक हो गया है। इसके लिए 40 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए।

उत्तर—

अथवा

पिछली कक्षा की अपनी पुरानी पुस्तकें गरीब विद्यार्थियों में नि:शुल्क वितरण करने हेतु 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

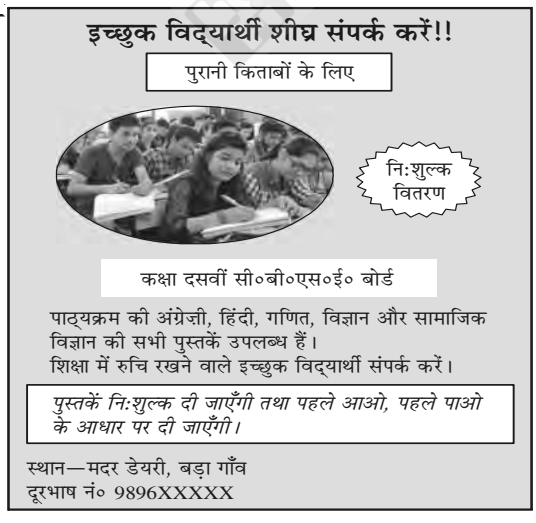

प्रश्न 16. (क) 'एकता में बल' विषय पर एक लघुकथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर— किसी गाँव में एक किसान रहता था। उसका नाम था- श्यामसिंह। वह बहुत ताकतवर और घमंडी था। वह ज़रा सी बात पर गुस्सा होकर लड़ाई कर देता था। गाँव के लोगों से वह कभी सीधे मुँह बात नहीं करता था। गाँव के किसान भी उससे बात नहीं करते थे।

उसी गाँव में आत्माराम नाम का एक किसान आकर बस गया। वह बहुत सीधा और सरल स्वभाव का था। वह सबसे नम्रता से बोलता था। सदा सबकी सहायता किया करता था। इसलिए सभी किसान उसका आदर करते थे और अपने कामों में उससे सलाह भी लिया करते थे।

गाँव के किसानों ने आत्मामराम से कहा, 'भाई आत्माराम! तुम कभी श्यामसिंह के घर मत जाना। उससे दूर ही रहना। वह बहुत झगड़ालू है। आत्माराम ने कहा 'मुझे उससे क्या लेना। वह मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता''। श्यामसिंह ने जब यह सुना तो वह क्रोध से लाल-पीला हो गया। वह उसी दिन से आत्माराम से झगड़ने की चेष्टा करने लगा। उसने आत्माराम के खेत में अपने बैल छोड़ दिए। बैल बहुत-सा खेत चर गए किंतु आत्माराम ने उन्हें चुपचाप खेत से बाहर हाँक दिया।

इसी प्रकार श्यामसिंह बराबर आत्माराम को हानि पहुँचाता रहा, किंतु आत्माराम ने एक बार भी उसे झगड़ने का अवसर नहीं दिया।

बरसात आई। श्यामसिंह गाड़ी में अनाज भरकर दूसरे गाँव से आ रहा था। रास्ते में कीचड़ में उसकी गाड़ी फँस गई। श्यामसिंह के बैल दुबले थे। वे गाड़ी को कीचड़ से बाहर निकाल नहीं पा रहे थे। जब गाँव में इस बात की खबर पहुँची तो किसी ने उसकी मदद नहीं की।

लेकिन आत्माराम अपने बलवान बैल लेकर उस ओर चल पड़ा। आत्माराम के बलवान बैलों ने गाड़ी को खींचकर कीचड़ से बाहर कर दिया। श्यामसिंह गाड़ी लेकर घर आ गया। उसका दुष्ट स्वभाव उसी दिन से बदल गया। ''आत्माराम के सद्व्यवहार द्वारा उसका अंहकार चूर-चूर हो गया। '' अब वह सबसे नम्रता और प्रेम का व्यवहार करने लगा। बुराई को भलाई से जीतना ही सच्ची जीत है। अंत में आत्माराम ने सच्ची जीत प्राप्त कर ही ली।

अथवा

(ख) आप राम मिश्र हैं। आप होटल में एक कमरा बुक करवाना चाहते हैं। होटल के प्रबंधक को ई-मेल पते पर अनुमति प्राप्त कीजिए। (शब्द-सीमा 80 शब्द) (5 × 1 = 5)

उत्तर— **To** प्रति : hotelmanager@gmail.com
CC (सी०सी०) : आवश्यकतानुसार
BCC (बी०सी०सी०) : आवश्यकतानुसार
From (प्रेषक) : rammishra@gmail.com
Subject (विषय) : कमरा बुक कराने के संदर्भ में।

महोदय

मुझे दिनांक 2/5/20XX से 4/5/20XX तक मुंबई में रुकना है। मुझे अपनी आवश्यकता हेतु आपके होटल में एक सिंगल बैड का कमरा उक्त दिनांक को बुक कराना है, ताकि मैं आराम से वहाँ ठहर सकूँ। कमरे में टी०वी० और ए०सी० अवश्य होना चाहिए तथा संलग्न बाथरूम होना चाहिए। ऐसा कोई एक कमरा आप मेरे लिए नियत तिथियों के लिए बुक करने की कृपा करें। भुगतान वहाँ पहुँचकर कर दूँगा। कमरा आरक्षित होने पर ई-मेल द्वारा सूचित अवश्य कर दें।

धन्यवाद
राम मिश्र

Holy Faith New Style Sample Paper–6

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

वर्तमान युग कंप्यूटर युग है। यदि भारतवर्ष पर नज़र दौड़ाकर देखें तो हम पाएँगे कि जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेलवे-स्टेशन, हवाई-अड्डे, डाकखाने, बड़े-बड़े उद्योग-कारखाने, व्यवसाय हिसाब-किताब, रुपये गिनने तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई हैं। अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है। आने वाला समय इसके विस्तृत फ़ैलाव का संकेत दे रहा है। प्रश्न उठता है कि क्या कंप्यूटर आज की ज़रूरत है ? इसका उत्तर है—कंप्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किंतु इसके बिना आज की दुनिया अधूरी जान पड़ती है। सांसारिक गतिविधियों, परिवहन और संचार उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारु रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है। पहले मनुष्य जीवन-भर में अगर सौ लोगों के संपर्क में आता था तो आज वह दो-हज़ार लोगों के संपर्क में आता है। पहले दिन में पाँच-दस लोगों से मिलता था तो आज पचास-सौ लोगों से मिलता है। पहले वह दिन में काम करता था तो आज रातें भी व्यस्त रहती हैं। आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे हैं, व्यापार बढ़ रहे हैं, गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, साधन बढ़ रहे हैं। इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है। कहते हैं आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूँढ़ लिया है।

कंप्यूटर एक ऐसी स्वचालित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। हड़बड़ी में होने वाले मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर रामबाण औषधि है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भूमिका हो या लाखों-करोड़ों की लंबी-लंबी गणनाएँ कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है। पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे, एक भूल से घबराकर और अधिक भूल हो जाती थी। अब कंप्यूटर की सहायता से काफ़ी सुविधा हो गई है।

(1) वर्तमान युग कंप्यूटर का युग क्यों है ? 1

(क) कंप्यूटर के बिना जीवन की कल्पना असंभव-सी हो गई है।

(ख) कंप्यूटर ने पूरे विश्व के लोगों को जोड़ दिया है।

(ग) कंप्यूटर जीवन की अनिवार्य मूलभूत वस्तु बन गया है।

(घ) कंप्यूटर मानव सभ्यता के सभी अंगों का अभिन्न अवयव बन चुका है।

(2) गद्यांश के अनुसार किस आवश्यकता ने कंप्यूटर में अपना निदान ढूँढ़ लिया है ? 1

(क) अनियंत्रित कर्मचारियों को अनुशासित करने की

(ख) अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की

(ग) अधिक-से-अधिक लोगों से जुड़ जन-जागरण लाने की

(घ) अधिक-से-अधिक कार्य करने की व कहीं भी करने की।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) —कंप्यूटर के बिना आज की दुनिया अधूरी है।

कारण (R) —कंप्यूटर ही मानव एकीकरण का आधार है।

(क) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(4) कंप्यूटर के प्रयोग से पहले अधिक तनाव क्यों होता था ? 2

(5) कंप्यूटर के बिना दुनिया अधूरी क्यों हैं ? 2

उत्तर— (1) (क) कंप्यूटर के बिना जीवन की कल्पना असंभव-सी हो गई है।

(2) (ख) अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की।

(3) (ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

(4) कंप्यूटर के प्रयोग से पहले अधिक तनाव इसलिए होता था क्योंकि लाखों-करोड़ों की लंबी-लंबी गणनाएँ करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे और फिर एक भूल से घबराकर और अधिक गड़बड़ी करते थे।

(5) वर्तमान युग कंप्यूटर का युग है। आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों बैंक, रेलवे-स्टेशन, हवाई-अड्डे, डाकखाने, बड़े-बड़े उद्योग-कारखाने, व्यवसाय और हिसाब-किताब में कंप्यूटर का प्रवेश हो चुका है। इसलिए कंप्यूटर के बिना आज दुनिया अधूरी है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

पशु को बाँधकर रखना पड़ता है, क्योंकि वह निरंकुश है। चाहे जहाँ-तहाँ चला जाता है, इधर-उधर मुँह मार देता है। क्या मनुष्य को भी इसी प्रकार दूसरों का बंधन स्वीकार करना चाहिए ? क्या इससे उसमें मनुष्यत्व रह पाएगा। पशु के गले की रस्सी को एक हाथ में पकड़कर और दूसरे हाथ में एक लकड़ी लेकर जहाँ चाहो हाँककर ले जाओ। जिन लोगों को इसी प्रकार हाँके जाने का स्वभाव पड़ गया है, जिन्हें कोई भी जिधर चाहे

ले जा सकता है, काम में लगा सकता है, उन्हें भी पशु ही कहा जाएगा। पशु को चाहे कितना मारो, चाहे कितना उसका अपमान करो, बाद में खाने को दे दो, वह पूँछ और कान हिलाने लगेगा। ऐसे नर पशु भी बहुत से मिलेंगे जो कुचले जाने और अपमानित होने पर भी ज़रा-सी वस्तु मिलने पर चट संतुष्ट और प्रसन्न हो जाते हैं। कुत्ते को कितना ही ताड़ना देने के बाद उसके सामने एक टुकड़ा डाल दो, वह झट से मारपीट को भूलकर उसे खाने लगेगा। यदि हम भी ऐसे ही हैं तो हम कौन हैं, इसे स्पष्ट कहने की आवश्यकता नहीं। पशुओं में भी कई पशु मार-पीट और अपमान को नहीं सहते। वे कई दिन तक निराहार रहते हैं, कई पशुओं ने तो प्राण त्याग दिए, ऐसा सुना जाता है। पर इस प्रकार के पशु मनुष्य-कोटि के हैं, उनमें मनुष्यत्व का समावेश है, यदि ऐसा कहा जाए तो कोई अत्युक्ति न होगी।

(1) उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार कौन-सी उद्घोषणा की जा सकती है ? 1

(क) सभी पशुओं में मनुष्यत्व है।
(ख) सभी मनुष्यों में पशुत्व है।
(ग) मानव के लिए बंधन आवश्यक नहीं है।
(घ) मान-अपमान की भावना केवल मानव ही समझता है।

(2) बंधन स्वीकार करने से मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ेंगे ? 1

(क) मनुष्य सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से कम स्वतंत्र हो जाएगा।
(ख) मनुष्यत्व में व्यक्तिगत इच्छा व निर्णय का तत्व समाप्त हो जाएगा।
(ग) मनुष्य बँधे हुए पशु समान हो जाएगा।
(घ) मनुष्य की निरंकुशता में परिवर्तन हो जाएगा।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—मनुष्य को भी पशु के समान बंधन स्वीकार करना चाहिए।

कारण (R)—क्योंकि वह निरंकुश है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) पशु मनुष्य-कोटि के भी होते हैं।—आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(5) उपर्युक्त गद्यांश में नर और पशु की तुलना किन बातों को लेकर की गई है ? 2

उत्तर—(1) (ग) मानव के लिए बंधन आवश्यक नहीं है।

(2) (ख) मनुष्यत्व में व्यक्तिगत इच्छा व निर्णय का तत्व समाप्त हो जाएगा।

(3) (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(4) कई पशु मार-पीट और अपमान को नहीं सहते। वे कई दिन तक निराहार रहकर प्राण त्याग देते हैं। ऐसे पशुओं में मनुष्यत्व का समावेश होता है, इस प्रकार के पशु मनुष्य कोटि के होते हैं।

(5) नर और पशु की तुलना बंधन स्वीकार करने को लेकर की गई है। पशुओं में भी कुछ पशु मनुष्य-कोटि के होते हैं और उनमें मनुष्यत्व का समावेश होता है। लेकिन कुछ पशुओं को ताड़ने के बाद उनके सामने एक टुकड़ा डाल दिया जाए तो वे झट से उसे खाने लगते हैं।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। **(4 × 1 = 4)**

(क) 'तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।' इस वाक्य में से संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए। **1**

(ख) 'वे माँ से कहानी सुनते रहते हैं।' —वाक्य में से क्रिया-पदबंध छाँटकर लिखिए। **1**

(ग) ''बँगले के पीछे लगा पेड़ गिर गया।''—वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए। **1**

(घ) मैं तेज़ी से दौड़ता हुआ घर पहुँचा।—रेखांकित वाक्य में कौन-सा पदबंध है ? **1**

(ङ) विनोद एक आलसी और कमज़ोर लड़का है।—वाक्य में से विशेषण पदबंध छाँटिए। **1**

उत्तर—(क) तताँरा की तलवार।
(ख) सुनते रहते हैं।
(ग) विशेषण पदबंध।
(घ) क्रियाविशेषण पदबंध।
(ङ) एक आलसी और कमज़ोर।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4 × 1 = 4)**

(क) सालाना इम्तिहान हुआ, भाईसाहब फेल हो गए। (मिश्र वाक्य में) **1**

(ख) दो सौ आदमियों का जुलूस लाल बाज़ार गया और वहाँ पर गिरफ़्तार हो गया। (सरल वाक्य में) **1**

(ग) लोग टोलियाँ बनाकर मैदान में घूमने लगे। (संयुक्त वाक्य में) **1**

(घ) नूह ने उनकी बात सुनी और दु:खी हो रोते रहे। (मिश्र वाक्य में) **1**

(ङ) ओचुमेलॉव मुड़ा और भीड़ की तरफ चल पड़ा। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद) **1**

उत्तर—(क) जब सालाना इम्तिहान हुआ, तब भाईसाहब फेल हो गए।

(ख) दो सौ आदमियों का जुलूस लाल बाज़ार जाते ही गिरफ़्तार हो गया।

(ग) लोगों ने टोलियाँ बनाईं और मैदान में घूमने लगे।

(घ) जब नूह ने उसकी बात सुनी तब वे दु:खी हो रोते रहे।

(ङ) संयुक्त वाक्य।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— **(1 + 1 = 2)**

(*i*) देश-विदेश (*ii*) भारतभाग्य (*iii*) परोपकार।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— **(1 + 1 = 2)**

(*i*) मीठा है जो अन्न (*ii*) मालवाली गाड़ी।

उत्तर—(क) (*i*) देश और विदेश—द्वंद्व समास

(*ii*) भारत का भाग्य—तत्पुरुष समास

(*iii*) दूसरों पर उपकार—तत्पुरुष समास।

(ख) (*i*) मिष्ठान—कर्मधारय समास

(*ii*) मालगाड़ी—तत्पुरुष समास।

प्रश्न 6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* मुहावरों का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए : **(2 × 1 = 2)**

(*i*) प्राण सूखना (*ii*) बूते से बाहर होना (*iii*) सुध-बुध खोना

(ख) नीचे लिखे वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति द्वारा कीजिए— **(2 × 1 = 2)**

(क) पुत्र की प्रशंसा सुनकर पिता का.....।

(ख) सिपाही को देखते ही चोर.....गया।

उत्तर— (क) (*i*) चोरी पकड़े जाने पर सुधीर के प्राण सूख गए।

(*ii*) कक्षा में प्रथम आना अबीर के बूते से बाहर की बात है।

(*iii*) कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता देखकर सभी पर्यटक सुध-बुध खो बैठते हैं।

(ख) (क) सीना फूल गया।

(ख) नौ दो ग्यारह हो।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए— **1 × 5 = 5**

उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखंड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(1) पद्यांश के अनुसार उदार किसे माना गया है ? 1

(क) सभ्य व्यक्ति

(ख) परोपकारी व्यक्ति

(ग) प्रसिद्ध व्यक्ति

(घ) मिलनसार व्यक्ति।

(2) देवी सरस्वती किसका गुणगान करती है ? 1

(क) संगीत का (ख) गायकों का

(ग) सहृदयी का (घ) ज्ञानी का।

(3) उदार के प्रति धरती का भाव है — 1

(क) संवेदनशीलता (ख) प्रेम

(ग) मित्रता (घ) कृतज्ञता।

(4) रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए—

सब जगह अपने लिए न जीकर दूसरों के लिए जीने वालों की.....गूँजती है। 1

(क) चहलपहल (ख) कीर्ति

(ग) रौनक (घ) अखंडता।

(5) ''अखंड आत्मभाव जो असीम विश्व में भरे''—पंक्ति का भाव है— 1

(क) वसुधैव कुटुंबकम् की भावना का प्रसार करना।

(ख) आध्यात्मिक विचारों को विश्व में प्रसारित करना।

(ग) परमात्मा की अखंडता का उल्लेख करना।

(घ) आत्मा को परमात्मा का अंश बताना।

उत्तर—(1) (ख) (2) (ग) (3) (घ) (4) (ख) (5)(क)।

8. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(1 × 5 = 5)**

'रातें दसों दिशाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ' पर संगीतकार जयकिशन ने आपत्ति की। उनका ख्याल था कि दर्शक 'चार दिशाएँ' तो समझ सकते हैं 'दस दिशाएँ' नहीं। लेकिन शैलेंद्र परिवर्तन के लिए तैयार नहीं हुए। उनका दृढ़ मंतव्य था कि दर्शकों की रुचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए। कलाकार का यह कर्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रुचियों का परिष्कार करने का प्रयत्न करें और उनका यकीन गलत नहीं था। यही नहीं, वे बहुत अच्छे गीत भी जो उन्होंने लिखे बेहद लोकप्रिय हुए। शैलेंद्र ने झूठे अभिजात्य को कभी नहीं अपनाया। उनके गीत भाव-प्रवण थे-दुरूह नहीं। 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंगलिस्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी'—यह गीत शैलेंद्र ही लिख सकते थे। शांत नदी का प्रवाह और समुद्र की गहराई लिए हुए। यही विशेषता उनकी ज़िंदगी की थी और यही उन्होंने अपनी फ़िल्म के द्वारा भी साबित किया था।

(1) गीत 'रातें दसों दिशाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ' पर संगीतकार जयकिशन ने आपत्ति की, क्योंकि उनके अनुसार— 1

(क) दस दिशाओं का गहन ज्ञान दर्शकों को नहीं होगा।

(ख) इससे दर्शकों की रुचियों का परिष्कार नहीं होगा।

(ग) जागरूक दर्शक ऐसी स्पष्ट बातें पसंद नहीं करते थे।

(घ) दर्शकों की रुचि के लिए उन पर उथलापन नहीं थोपना चाहिए।

(2) 'उनका यह दृढ़ मंतव्य था कि दर्शकों की रुचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए। कलाकार का यह कर्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रुचियों का परिष्कार करने का प्रयत्न करें।'— कथन के माध्यम से ज्ञात होता कि शैलेंद्र हैं— 1

(क) दृढ़-निश्चयी, सफल फ़िल्म निर्माता व कवि

(ख) सफल फ़िल्म निर्माता, गीतकार व कवि

(ग) समाज-सुधारक, कर्मयोगी गीतकार व कवि

(घ) आदर्शवादी, उच्चकोटि के गीतकार व कवि।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए—

कथन (A)—उनके गीत भाव-प्रवण थे-दुरूह नहीं।

कारण (R)—शैलेंद्र द्वारा लिखे गीत भावनाओं से ओत-प्रोत थे, उनमें गहराई थी। गीतों की भाषा सहज, सरल थी, क्लिष्ट नहीं थी।

विकल्प :

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) 'मेरा जूता है जापानी.....' यह गीत शैलेंद्र ही लिख सकते थे। लेखक द्वारा ऐसा कहा जाना दर्शाता है, शैलेंद्र के प्रति उनका— 1

(क) कर्तव्यबोध (ख) मैत्रीभाव

(ग) व्यक्तित्व (घ) अवलोकन।

(5) गद्यांश के आधार पर शैलेंद्र के निजी जीवन की छाप मिलती है कि वे थे— 1

(क) बेहद गंभीर, उदार, दृढ़ इच्छाशक्ति और संकीर्ण हृदय

(ख) बेहद गंभीर, उदार, कृपण और संकीर्ण हृदय

(ग) बेहद गंभीर, भावुक, कृपण और दृढ़ इच्छाशक्ति

(घ) बेहद गंभीर, उदार, दृढ़ इच्छाशक्ति और भावुक।

उत्तर— (1) (क) (2) (घ) (3) (घ) (4) (घ) (5) (घ)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। (2 × 3 = 6)

(क) लेखक ने राजकपूर को एशिया का सबसे बड़ा शोमैन कहा है। शोमैन से आप क्या समझते हैं ? 2

(ख) 'झेन की देन' पाठ में लेखक ने जापानियों के दिमाग़ में स्पीड का इंजन लगाने की बात क्यों की है ? 2

(ग) तताँरा-वामीरो की प्रेम कथा निकोबार के घर-घर में क्यों सुनाई जाती है ? 2

(घ) पुलिस कमिश्नर और कौंसिल के नोटिस में क्या अंतर था ? 2

उत्तर—(क) राजकपूर अपने समय के एक महान फ़िल्मकार थे। उनके निर्देशन में अनेक फ़िल्में प्रदर्शित हुईं। वे अभिनय के क्षेत्र में भी सफलता की बुलंदियों पर थे। उनके नाम से ही फ़िल्में बिकती थीं। वे सर्वाधिक लोकप्रिय अभिनेता थे। उनका अभिनय जीवंत था। वे अपनी कला का उचित प्रदर्शन करना भी जानते थे। इसी कारण लेखक ने राजकपूर को एशिया का सबसे बड़ा शोमैन कहा है।

(ख) लेखक ने जापानियों के दिमाग़ में स्पीड का इंजन लगने की बात इसलिए की है क्योंकि वे तीव्र गति से प्रगति करना चाहते हैं। वे एक महीने का काम एक दिन में पूरा करना चाहते हैं। कार्य की अधिकता व अमेरिका से आगे बढ़ने की होड़ में ऐसा प्रतीत होता है कि अब वहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है, कोई बोलता नहीं, बकता है। जब वे अकेले पड़ जाते हैं तो वे अपने-आप से बड़बड़ाने लगते हैं। वे स्वयं को विकसित देशों की पहली पंक्ति में लाने की होड़ में तत्पर हैं।

(ग) तताँरा-वामीरो की प्रेम कथा अंडमान-निकोबार द्वीप की एक प्रसिद्ध प्रेमगाथा है। सदियों पूर्व ये दोनों द्वीप एक समूह थे। तताँरा और वामीरो अलग-अलग गाँवों के वासी थे। उन दोनों में बेहद प्रेम था किंतु पौराणिक रीति-रिवाज़ों तथा आपसी द्वेष के कारण उनका विवाह नहीं हो पाया। तब गुस्से में आकर तताँरा ने अपनी तलवार की नोक से धरती के उस टुकड़े को दो भागों में विभक्त कर दिया और मृत्यु को गले लगा लिया। तताँरा के इस त्याग और बलिदान ने दोनों गाँव के लोगों के आपसी घृणा भाव को मिटा दिया तथा युगों-युगों से चली आ रही रूढ़ियों का अंत हो गया। तताँरा और वामीरो के प्रेम के बलिदान से प्रेरणा लेकर अब वहाँ वैवाहिक संबंध स्थापित होने लगे। यही कारण है कि निकोबार के घर-घर में तताँरा-वामीरो की प्रेम कथा सुनाई जाती है।

(घ) पुलिस कमिश्नर के नोटिस के अनुसार अमुक धारा के तहत कोई सभा नहीं की जा सकती थी। इस सभा में भाग लेने वालों को दोषी समझा जाता। इसके विपरीत कौंसिल की तरफ से निकाले गए नोटिस में लिखा था कि ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर मोनुमेंट के नीचे झंडा फहराया जाएगा और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी चाहिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। (2 × 3 = 6)

(क) 'आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां। 2
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।।'

उपर्युक्त पंक्तियों में मीरा के मन में किस प्रकार की भावनाएँ हैं ? वह कृष्ण से क्या विनती कर रही हैं ?

(ख) 'हानि उठानी पड़े जगत में लाभ अगर वंचना रही 2
तो भी मन में ना मानूँ क्षय।।
मेरा त्राण करो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणामय)
तरने की हो शक्ति अनामय।'

उपर्युक्त पंक्तियों में कवि विपरीत परिस्थितियों का सामना किस प्रकार करना चाहता है ? वह ईश्वर से किस प्रकार की सहायता चाहता है ?

(ग) 'गिरिवर के उर से उठ-उठ कर 2
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
हैं झांक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर।'

(क) उपर्युक्त पद में कवि ने किसका वर्णन किया है ? 2

(ख) वर्णन करने के लिए मुख्य रूप से किस अलंकार का प्रयोग किया गया है ? एक उदाहरण द्वारा समझाइए।

(घ) कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है ? 2

उत्तर—(क) मीरा आधी रात के समय यमुना के तट पर कुसुंबी रंग की साड़ी पहनकर श्रीकृष्ण के दर्शन करना चाहती हैं क्योंकि उनका मन श्रीकृष्ण के दर्शन करने के लिए अधीर हो रहा है तथा आधी रात के समय कृष्ण के दर्शन में किसी प्रकार की बाधा आने की संभावना भी नहीं है। वे एकांत में उनके दर्शन का लाभ उठा सकेंगी।

(ख) 'आत्मत्राण' कविता में कवि यह जानता है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है और सब कुछ करने में समर्थ है, तथापि वह उनसे अपने जीवन की विपत्तियों को दूर करने का अनुरोध नहीं करता, बल्कि उनसे निर्भयता, आत्मबल, संयम व विवेक जैसे गुण माँगता है, ताकि जीवन में आने वाली विपत्तियों का सामना स्वयं करके, वह उन्हें अपने अनुकूल बना सके।

(ग) (क) उपर्युक्त पद में कवि ने पर्वत पर उगे हुए वृक्षों का वर्णन किया है।

(ख) कवि ने अपने भावों को व्यक्त करने के लिए मुख्य रूप से मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया है। उपर्युक्त पंक्तियों में वृक्षों द्वारा आकाश को देखना, अपने लक्ष्य को पाना एवं चिंता में डूबना आदि

में मानवीकरण अलंकार है। यहाँ ऐसा लगता है मानो वृक्ष न होकर कोई व्यक्ति है जो आकाश को देख रहा है, अपने लक्ष्य को पाना चाहता है एवं चिंता में डूबा हुआ है।

(घ) कंपनी बाग में रखी तोप निम्नलिखित सीख देती है—

(*i*) अत्याचारी चाहे कितना ताकतवर क्यों न हो, एक दिन उनका बुरा अंत अवश्य होता है।

(*ii*) देश की एकता ही अन्यायी को पराजित करने में मदद करती है।

(*iii*) न्याय के लिए होने वाले संघर्ष को अधिक समय तक दमनकारी नीतियों से नहीं रोका जा सकता।

(*iv*) तोप, गोली व बंदूक के बल पर आज़ादी के संघर्ष को रोकना मुमकिन नहीं है।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में दीजिए— (3 × 2 = 6)

(क) 'इफ़्फ़न की दादी मुस्लिम विचारधारा की तरह हिंदू विचारधारा से भी प्रभावित थीं' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) फ़ारसी की घंटी बजते ही बच्चे डर से क्यों काँप उठते थे? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए। 3

(ग) महंत जी ने हरिहर काका को एकांत कमरे में बैठाकर प्रेम से क्या समझाया ? अपने शब्दों में लिखिए। 3

उत्तर—(क) इफ़्फ़न की दादी मिली-जुली संस्कृति में विश्वास रखने वाली महिला थीं। वह नमाज़ व रोज़े की पाबंद थीं, किंतु हिंदू पूजा-पद्धति से भी घृणा नहीं करती थीं। इसी कारण जब एक बार इफ़्फ़न के पिता जी के चेचक निकली, तो वे एक पैर पर खड़े होकर बोलीं, ''माता, मोरे बच्चे को माफ़ करद्यो।'' उन्होंने अपने बेटे की शादी में भी गाना-बजाना चाहा, किंतु मौलवी साहब की कट्टरता के कारण ऐसा नहीं कर सकीं, लेकिन मौलवी साहब के इंतकाल के बाद इफ़्फ़न की छठी पर उन्होंने खूब गाना-बजाना करवाया। इन बातों से सिद्ध होता है कि इफ़्फ़न की दादी मुस्लिम विचारधारा की तरह हिंदू विचारधारा से भी प्रभावित थीं।

(ख) चौथी श्रेणी में मास्टर प्रीतमचंद बच्चों को फ़ारसी पढ़ाते थे। वे बड़े सख्त और क्रोधी स्वभाव के थे। अगर बच्चे उनकी आशाओं के अनुरूप काम नहीं करते थे तो वे बच्चों को कड़ी सज़ा देते थे। बच्चों के मन में जो उनका भय समाया हुआ था उसके कारण फ़ारसी की घंटी बजते ही बच्चे काँप उठते थे। मास्टर प्रीतमचंद ने फ़ारसी का शब्द-रूप याद करके न लाने पर उनकी बुरी तरह पिटाई की थी, जबकि यह देखकर हेडमास्टर शर्मा जी ने उन्हें मुअत्तल भी कर दिया था, फिर भी बच्चों के मन में डर होने के कारण वे सोचते थे कि मुअत्तल होने के बावजूद कहीं मास्टर प्रीतमचंद उन्हें पढ़ाने के लिए न आ जाएँ।

(ग) महंत जी ने हरिहर काका को एकांत कमरे में बैठाकर यह समझाया कि ये रिश्ते-नाते स्वार्थ पर टिके होते हैं। महंत ने हरिहर काका की खूब सेवा और खूब आवभगत की। महंत ने विभिन्न प्रकार का लालच देकर काका से ज़मीन हथियाने के लिए विभिन्न हथकंडे अपनाए, ताकि काका अपनी ज़मीन ठाकुरबारी के नाम कर दें। महंत ने काका से कहा कि ठाकुरबारी के नाम ज़मीन करने से उन्हें पुण्य मिलेगा और वे सीधा स्वर्ग सिधारेंगे तथा जब तक यह ठाकुरबारी रहेगी, तब तक आपका नाम भी इसके साथ जुड़ा रहेगा और इसका फल उन्हें अगले जन्मों तक मिलेगा। इस तरह की बातें करके महंत ने काका से ज़बरदस्ती कागज़ पर उनके अँगूठे के निशान ले लिए।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5 × 1 = 5)

(1) आधुनिक जीवन में मोबाइल

- वर्तमान समय में मोबाइल की महत्ता
- मोबाइल फ़ोन द्वारा प्राप्त होने वाली सुविधाएँ
- मोबाइल फ़ोन से होने वाली हानियाँ

(2) भ्रष्टाचार विकास में रोड़ा

- सत्य बोलने का महत्व
- सत्य बोलने वालों के उदाहरण
- सत्य न बोलने का परिणाम

(3) लोकतंत्र और चुनाव

- लोकतंत्र में 'लोक' का महत्व
- जनता की आवाज़
- प्रतिनिधि
- लोकतंत्र की सुरक्षा
- सफल लोकतंत्र

उत्तर—(1) भारत में मोबाइल फ़ोन का चलन 90 के दशक में आरंभ हुआ और देखते ही देखते यह संपूर्ण भारत के हरेक गली-कूचे में व्याप्त हो गया। आज मोबाइल फ़ोन मनुष्य को विश्व के प्रत्येक कोने से जोड़ने का कार्य कर रहा है और यह विश्व-क्रांति का वाहक बन गया है। मोबाइल फ़ोन के लोकप्रिय होने के कई कारण हैं। पहला, इसके माध्यम से आप कभी भी कहीं भी दूरस्थ बैठे अपने मित्रों और संबंधियों से तो बात कर ही सकते हैं साथ ही लाइव वीडियो कॉल भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह आपको सोशल मीडिया से जोड़ता है, घर बैठे खरीददारी करवा सकता है। ई-मेल भेजने का काम भी मोबाइल से किया जा सकता है। मोबाइल पर लघु-संदेश सेवा के साथ-साथ फ़िल्में और मनपसंद कार्यक्रम देखने की सुविधा भी उपलब्ध होती है। इन सभी गुणों के कारण यह बच्चे, बूढ़े और युवाओं में अत्यंत लोकप्रिय हो गया है। इतने लाभों के साथ-साथ मोबाइल फ़ोन की कुछ हानियाँ भी हैं। लोग मोबाइल फ़ोन में इतना खो जाते हैं कि वे अपने आस-पास बैठे लोगों से दूर हो जाते हैं। वाहन चलाते और सड़क पर पैदल चलते समय मोबाइल का प्रयोग करने से दुर्घटनाएँ घटित होती हैं। इससे निकलने वाली तरंगें बहुत हानिकारक होती हैं। अत: मोबाइल फ़ोन के अनावश्यक प्रयोग से बचना चाहिए।

(2) वर्तमान युग में देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा भ्रष्टाचार है। प्रत्येक मनुष्य बिना परिश्रम किए शीघ्रातिशीघ्र धनवान बनाना चाहता है। धन कमाने की इस अंधी दौड़ में वह उचित और अनुचित के बीच का अंतर भूल जाता है। चपरासी से लेकर नेता तक सभी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। किसी भी तरह सत्ता में बने रहने के लिए वे दूसरी पार्टी के सदस्यों को धनराशि देकर अपने पक्ष में कर लेते हैं और जनता के खून-पसीने की कमाई को घोटालों के द्वारा हथिया लेते हैं। किसान अधिक फ़सल उगने और ज्यादा धन कमाने के लिए हानिकारक रसायनों का प्रयोग करते हैं। दूधवाला दूध में पानी और रासायनिक पदार्थों की

मिलावट करके अधिक मात्रा में दूध बेचकर दोगुना लाभ कमाता है। सरकारी दफ़्तरों में अधिकरी और चपरासी घूस लेकर फ़ाइल आगे बढ़ाते हैं। आम जनता दिन-रात कड़ी मेहनत करती है। मज़दूर दो वक्त की रोटी के लिए कड़ा परिश्रम करता है और भ्रष्टाचारी मौज उड़ाते हैं। भ्रष्टाचार-रूपी राक्षस देश की प्रगति में बहुत बड़ी बाधा बनकर खड़ा है। यदि हम देश की प्रगति देखना चाहते हैं, तो रिश्वत लेना और देना बंद करना होगा।

(3) लोकतंत्र अर्थात् लोगों का शासन। यह जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन है। इस शासन प्रणाली में लोक अर्थात् जनता की इच्छा को सर्वोच्च माना जाता है। इसमें देश की जनता द्वारा चुने गए नेता शासन चलाते हैं। जनता गुप्त मतदान द्वारा अपने प्रतिनिधि को चुनती है। लोकतंत्र में बहुमत प्राप्त दल ही शासन चलाता है। उनसे यह आशा की जाती है कि वे जनता के कल्याण और उनकी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नियम-कानून बनाएँगे और देश हित में भी कार्य करेंगे। दो-तिहाई बहुमत प्राप्त दल सरकार बनाता है और जो प्रतिनिधि हार जाते हैं, वे विपक्षी दल कहलाते हैं। जो सरकार को अपनी मनमानी करने से रोकते हैं। वे सरकार द्वारा उठाए गए प्रत्येक अनुचित कदम की निन्दा और विरोध करते हैं। लोकतंत्र की सफलता देश की जनता पर निर्भर करती है। जब जनता अपने विवेक से काम लेते हुए धर्म, जाति, अमीर-गरीब के भेदभावों से ऊपर उठकर सही प्रतिनिधि का चुनाव करती है, तब सच्चे मायने में लोकतंत्र सफल माना जाता है।

प्रश्न 13. आप विद्यालय के हिंदी संघ के सचिव रजत चट्टोपाध्याय और श्वेता चट्टोपाध्याय हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए जिसमें पुस्तकालय में हिंदी की अच्छी पुस्तकें व पत्रिकाएँ मंगवाने के लिए निवेदन किया गया हो।

(शब्द-सीमा लगभग 100 शब्द) (5 × 1 = 5)

उत्तर—सेवा में
प्रधानाचार्य
नवोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल
वसंत विहार दिल्ली

विषय—पुस्तकालय में हिंदी की अच्छी पुस्तकें व पत्रिकाएँ मँगवाने के लिए।

महोदय

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं का छात्र हूँ। मैं आपको सूचित करना चाहता हूँ कि पुस्तकालय में छात्रों के पढ़ने के लिए पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। पुस्तकालय में जीव विज्ञान, इतिहास, अंग्रेज़ी व्याकरण, प्रतियोगी परीक्षा पुस्तकें एवं सामयिक पत्रिकाएँ उपलब्ध नहीं हैं। इन सभी पुस्तकों की कमी के कारण हमारी पढ़ाई अच्छी तरह से नहीं हो पा रही है।

अत: मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि कृपया इन पुस्तकों और नवीनतम संस्करण की पुस्तकों को पुस्तकालय में जल्द-से-जल्द उपलब्ध करवाने की कृपा करें, ताकि हम छात्र-छात्राएँ पूरे पाठ्यक्रम को समय पर आसानी से पूरा कर सकें। आपके इस उचित कार्य के लिए हम सभी छात्र-छात्राएँ आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद।
हिंदी संघ सचिव
श्वेता चट्टोपाध्याय
रजत चट्टोपाध्याय

अथवा

आप शौर्य शर्मा/शारवी शर्मा हैं। नवभारत टाइम्स के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव हों।

(शब्द-सीमा लगभग 100 शब्द) (5 × 1 = 5)

उत्तर—सेवा में
संपादक महोदय
नवभारत टाइम्स
सुभाष मार्ग, दरियागंज।

विषय—सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के बारे में।

महोदय

मैं आपके लोकप्रिय समाचार पत्र के द्वारा सरकार और समाज का ध्यान बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आशा है कि आप इसे जनहित में अवश्य प्रकाशित करेंगे, इन दिनों सभी जगहों पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है और वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते आसानी से देखे जा सकते हैं।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप मेरी बातों को सरकार तथा जनता तक पहुँचाने का कष्ट करें। प्रात: 8:00 से 12:00 बजे तक और शाम को 5:00 से 8:00 बजे तक सभी व्यस्त चौराहे पर यातायात पुलिस के सिपाही की तैनाती हो व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों का चालान काटें और उन्हें सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली हानियों व खतरों के बारे में बताएँ। हर हाल में वाहनों की सीमा निर्धारित रखने के आदेश को सख्ती से पालन करवाएँ और अपने साथ-साथ दूसरों की भी जिंदगी बचाएँ। ऐसे वाहन चालक जो यातायात के सभी नियमों का पालन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

धन्यवाद।
शारवी शर्मा।

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

(क) विद्यालय द्वारा चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य संगठन के सचिव होने के नाते कक्षा छठी से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को कार्यक्रम के विवरण सहित इसकी सूचना प्रदान कीजिए।

(ख) संस्कृति क्लब की ओर से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए तथा सहभागिता के लिए प्रेरित करते हुए अध्यक्ष की ओर से सूचना लिखिए।

उत्तर—(क) **सूचना**

महात्मा गांधी विद्यालय

दिनांक 3 अगस्त, 20

नि:शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर

आप सभी को सूचित किया जाता है कि अगस्त महीने की 5 तारीख से पूरे सप्ताह के लिए हमारे विद्यालय में **नि:शुल्क चिकित्सा जाँच शिविर** का आयोजन किया गया है, जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम आपकी पूरे शरीर की जाँच करेगी। शहर के विशेषज्ञ डॉक्टर इस शिविर में अपना सहयोग देंगे। कक्षा छठी से लेकर बारहवीं के सभी विद्यार्थी उपस्थित होकर इस शिविर का लाभ उठाएँ। शिविर में कैल्शियम के टेबलेट भी मुफ्त में दिए जाएँगें व अन्य दवाइयाँ भी मुफ्त में दी जाएँगी। शिविर से संबंधित जानकारी—

स्थान : महात्मा गांधी विद्यालय, वीर सावरकर रोड, दिल्ली।
समय : सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक।
अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर पर संपर्क करें।
मो-9818
सचिव
स्वास्थ्य संगठन
(ख)

सूचना
लक्ष्मीबाई कन्या पाठशाला
संस्कृति क्लब झाँसी

दिनांक 7 अगस्त, 20

सांस्कृतिक कार्यक्रम : एक भारत श्रेष्ठ भारत

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय का सांस्कृतिक क्लब 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' सांस्कृतिक कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भारत की एकता को सशक्त करने वाली इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक-गीत एवं संगीत के साथ-साथ नाटक प्रस्तुतकर्ताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। नाटक के आयोजन के लिए क्लब की ओर से अभिनय और स्वर-परीक्षा ली जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी 12 अगस्त, 20 को दोपहर 2 बजे संस्कृति कक्ष में उपस्थित रहें।

लतिका
अध्यक्ष, संस्कृति क्लब

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (3 × 1 = 3)

(क) योग को बढ़ावा देते हुए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

(ख) अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के प्रचार-प्रसार के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर—(क)

(ख)

प्रश्न 16. (क) 'पश्चाताप' विषय पर लघुकथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—एक परेशान गरीब युवक था। वह अपने जीवन का अंत करने के लिए नदी पर गया, परंतु वहाँ एक साधु ने उसे ऐसा करने से मना कर दिया। साधु युवक की परेशानी को सुनकर बोला— मेरे पास एक ऐसी विद्या है जिसके प्रयोग से जादुई घड़ा बन जाता है। तुम जो भी इस घड़े से चाहोगे, वह तुम्हारे लिए उपलब्ध करा देगा। परंतु जिस दिन घड़ा फूट गया, उसी समय जो कुछ भी इस घड़े ने तुम्हें दिया था, वह सब अदृश्य हो जाएगा। साधु उस व्यक्ति से बोला— अगर तुम दो वर्ष तक मेरे आश्रम में रहो, तो यह घड़ा मैं तुम्हें दे सकता हूँ और अगर पाँच वर्ष तक आश्रम में रहो, तो मैं यह घड़ा बनाने की विद्या तुम्हें सिखा दूँगा। तुम क्या चाहते हो ? युवक बोला मुनिवर! मैं तो दो वर्ष ही आपकी सेवा करना चाहूँगा। मुझे तो जल्द से जल्द यह घड़ा ही चाहिए। मैं इसे बहुत सहेजकर रखूँगा और कभी फूटने ही नहीं दूँगा। इस तरह दो वर्ष आश्रम में सेवा करने के बाद युवक ने यह जादुई घड़ा प्राप्त कर लिया और उसे लेकर अपने घर आ गया। उसने घड़े से अपनी हर इच्छा पूरी की। घर बनवाया, महल बनवाया, नौकर-चाकर माँगे। वह सभी को अपनी धाक व वैभव-संपदा दिखाने लगा। उसने शराब का नशा शुरू कर दिया। एक दिन वह नशे में जादुई घड़े को सिर पर रखकर नाचने लगा। अचानक उस युवक को ठोकर लगी और घड़ा गिरकर फूट गया। घड़ा फूटते ही सभी कुछ छू-मंतर हो गया। अब युवक पश्चाताप करने लगा कि काश! मैंने जल्दबाज़ी न की होती और घड़ा बनाने की विद्या सीख ली होती तो आज मैं फिर से कंगाल न होता।

अथवा

(ख) आपके बैंक खाते में गलती से ₹ 5000 की राशि अधिक आ गई है। इसकी जानकारी बैंक अधिकारी को ईमेल लिखकर दीजिए। (शब्द सीमा 80 शब्द)

उत्तर—From : rajkumar@gmail.com
To : pnb.office@gmail.com
To : chief.account@rediff.com
Subject : खाते में गलती से आई धनराशि
महोदय

उपर्युक्त विषय के संबंध में विनम्र निवेदन है कि मेरा नाम हर्ष है। मैं प्रताप नगर, लखनऊ का निवासी हूँ। मेरा आपके बैंक में खाता है। मेरा खाता नंबर 2012 है। मेरे खाते में गलती से ₹ 5000 की किसी अन्य खाताधारक की राशि जमा हो गई है। अत: आपसे निवेदन है कि यह राशि संबंधित खाताधारक को सूचित कर स्थानांतरित कर दी जाए। अत: खाताधारक महोदय की समस्या का समाधान कर कृतार्थ करें।

धन्यवाद
खाताधारक
हर्ष

Holy Faith New Style Sample Paper–7

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

महात्माओं और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है—आवाज़ को ध्यान से सुनना। यह आवाज़ कुछ भी हो सकती है। कौओं की कर्कश आवाज़ से लेकर नदियों की छलछल तक। मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक। अमूमन ऐसा होता नहीं। सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालाँकि ऐसा होता नहीं है हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है। एक मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज़्यादा बोलते हैं, वहाँ बच्चों में सही-गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो पाता है, क्योंकि ज़्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है। बात औपचारिक हो या अनौपचारिक, दोनों स्थितियों में हम दूसरों की न सुन, बस हावी होने की कोशिश करते हैं। खुद ज़्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से ज़ाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज़्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम। ज़्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की भी संख्या ज़्यादा होती है। अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं, तो अपने दोस्तों से ज़्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त बनाना चाहते हैं तो दुश्मनों से कम बोलें। अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूज़वेल्ट अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उनकी बातें ज़्यादा सुनने की कोशिश करते थे। वह कहते थे कि लोगों को अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। इसका लाभ यह मिला कि ज़्यादातर अमेरिकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते, और दुःख में दुःखी।

(1) अनसुना करने की कला क्यों विकसित होती है ? 1

(क) अधिक बोलने के कारण

(ख) दूसरों की बात न सुनने के कारण

(ग) सभी की बात शीघ्रता से सुनने के कारण

(घ) अधिक बोलने तथा दूसरों की बात न सुनने की इच्छा के कारण।

(2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए— 1

(*a*) रूज़वेल्ट स्वयं कम बोलकर दूसरों की बात अधिक सुनते थे।

(*b*) कम बोलने वालों के दुश्मनों की संख्या कम होती है।

(*c*) नए दुश्मन बनाने के लिए दोस्तों से कम बोलना चाहिए।

(*d*) रूज़वेल्ट अपने माली की बात बिल्कुल नहीं सुनते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

(क) केवल (*b*)

(ख) केवल (*a*)

(ग) (*a*), (*b*) और (*d*)

(घ) (*b*), (*c*) और (*d*).

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) —बच्चों में सही-गलत का ज्ञान पूरा विकसित हो जाता है।

कारण (R) —बच्चे कम बोलने वाले अभिभावक के साथ रहना पसंद करते हैं।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) अधिक बोलना किन बातों का सूचक है ? 2

(5) उपर्युक्त गद्यांश का मूलभाव तीन-चार वाक्यों में लिखिए। 2

उत्तर—(1) (घ)अधिक बोलने तथा दूसरों की बात न सुनने की इच्छा के कारण।

(2) (ख) केवल (*a*).

(3) (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(4) अधिक बोलना इस बात का सूचक है कि हम दूसरों की बात न सुनकर बस उन पर हावी होने की कोशिश करते हैं। इसका अर्थ यह है कि हम दूसरों के बारे में कम और अपने बारे में अधिक सोचते हैं जिसके कारण अधिक बोलने वाले व्यक्ति के शत्रु भी अधिक होते हैं।

(5) उपर्युक्त गद्यांश का मूलभाव यह है कि विद्वान या समझदार व्यक्ति कम बोलते हैं और अधिक सुनते हैं। अधिक बोलने वाले व्यक्ति के मित्र कम और शत्रु अधिक होते हैं। सामान्य लोगों को सुनने से लोकप्रियता बढ़ती है।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ एक तरफ़ भौतिक समृद्धि अपनी ऊँचाई पर है, तो दूसरी तरफ़ चारित्रिक पतन की गहराई है। आधुनिकीकरण में उलझा मानव सफलता की नित नई परिभाषाएँ खोजता रहता है और अपनी अंतहीन इच्छाओं के रेगिस्तान में भटकता रहता है। ऐसे समय में सच्ची सफलता और सुख-शांति की प्यास से व्याकुल व्यक्ति अनेक मानसिक रोगों का शिकार बनता जा रहा है। हममें से कितने लोगों को इस बात का ज्ञान है कि जीवन में सफलता प्राप्त करना और सफल जीवन जीना, ये दोनों दो अलग-अलग बातें हैं। यह ज़रूरी नहीं कि जिसने अपने जीवन में साधारण कामनाओं को हासिल कर लिया हो, वह पूर्णत: संतुष्ट और प्रसन्न भी हो। अत: हमें गंभीरतापूर्वक इस बात को समझना चाहिए कि इच्छित फल को प्राप्त कर लेना ही सफलता नहीं है। जब तक हम अपने जीवन में नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का सिंचन नहीं करेंगे, तब तक यथार्थ सफलता पाना हमारे लिए मुश्किल ही नहीं, अपितु असंभव कार्य हो जाएगा, क्योंकि बिना मूल्यों के प्राप्त सफलता केवल क्षणभंगुर सुख के समान रहती है। कुछ निराशावादी लोगों का कहना है कि हम सफल नहीं हो सकते, क्योंकि हमारी तकदीर या परिस्थितियाँ ही ऐसी हैं। परंतु यदि हम अपना ध्येय निश्चित करके उसे अपने मन में बिठा लें, तो फिर सफलता स्वयं हमारी ओर चलकर आएगी। सफल होना प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, परंतु यदि हम अपनी विफलताओं के बारे में ही सोचते रहेंगे, तो सफलता को कभी हासिल नहीं कर पाएँगे। अत: विफलताओं की चिंता न करें, क्योंकि वे तो हमारे जीवन का सौंदर्य हैं और संघर्ष जीवन का काव्य है। कई बार प्रथम आघात में पत्थर नहीं टूट पाता, उसे तोड़ने के लिए कई आघात करने पड़ते हैं, इसलिए सदैव अपने लक्ष्य को सामने रख आगे बढ़ने की ज़रूरत है। कहा भी गया है कि जीवन में सकारात्मक कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(1) मनुष्य के मानसिक रोग और अशांति का कारण किसे माना गया है ? 1

(क) अंतहीन इच्छाएँ
(ख) सुख-शांति की प्यास
(ग) सीमित इच्छाएँ
(घ) विकल्प (क) तथा (ख) सही हैं।

(2) सच्ची सफलता क्या है ? 1

(क) फल को प्राप्त कर लेना सफ़लता है।
(ख) नैतिक-आध्यात्मिक मूल्यों का पालन करके फल प्राप्ति ही सच्ची सफलता है।
(ग) फल के अति समीप पहुँचना सच्ची सफलता है।
(घ) उपर्युक्त सभी।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—सफल होना मनुष्यों का जन्मसिद्ध अधिकार है।

कारण (R)—विफलताओं के बारे में सोचने से सफलता अवश्य मिल सकेगी।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।
(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) गद्यांश में जीवन का सौंदर्य और संघर्ष किसे बताया गया है? क्यों ? 2

(5) उपर्युक्त गद्यांश में पत्थर का उदाहरण क्यों दिया गया है ? 2

उत्तर—(1) (घ) विकल्प (क) तथा (ख) सही हैं।

(2) (ख) नैतिक-आध्यात्मिक मूल्यों का पालन करके फल प्राप्ति ही सच्ची सफलता है।

(3) (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(4) उपर्युक्त गद्यांश में विफलताओं को 'जीवन का सौंदर्य' तथा संघर्ष को 'जीवन का काव्य' कहा गया है। संघर्ष तथा विफलताएँ जीवन की बाधाओं को दूर करके आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

(5) जीवन की कठिनाइयों और विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए बार-बार प्रयास करने की प्रेरणा देने के लिए पत्थर का उदाहरण दिया गया है।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए— (1 × 4 = 4)

(क) भारत की राजधानी दिल्ली में एक करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। —रेखांकित वाक्य में कौन-सा पदबंध है? 1

(ख) मैं सुबह टहलने जाता हूँ। —रेखांकित पदबंध कौन-सा है ? 1

(ग) ''उसने एक तूफ़ानी रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाज़ों को उठाकर गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया था।'' —वाक्य में से क्रिया पदबंध छाँटिए। 1

(घ) ''महंत की चिकनी-चुपड़ी बातों के भीतर की सच्चाई भी अब वह जान गए थे।''—रेखांकित पदबंध कौन-सा है ? 1

(ङ) ''अपने बच्चों को न पाकर वे खामोश और उदास हो गए।'' —रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए। 1

उत्तर—(क) संज्ञा पदबंध।
(ख) क्रिया पदबंध।
(ग) फेंक दिया था।
(घ) विशेषण पदबंध।
(ङ) सर्वनाम पदबंध।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1 × 4 = 4)

(क) चाय तैयार हुई, उसने वह प्यालों में भरी।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1

(ख) बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 1

(ग) अँगीठी सुलगाई और उस पर चायदानी रखी।
(सरल वाक्य में बदलिए) 1

(घ) परिश्रमी व्यक्ति कभी खाली नहीं बैठता।
(मिश्र वाक्य में बदलिए) 1

(ङ) जब-जब वह यहाँ आता है तो पढ़ाई के बारे में बात करता है।
(रचना की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए) 1

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

उत्तर—(क) चाय तैयार हुई और उसने वह प्यालों में भरी।

(ख) बाहर बेढब-सा मिट्टी का एक बरतन था, जिसमें पानी भरा हुआ था।

(ग) अँगीठी सुलगाकर उस पर चायदानी रखी।

(घ) जो व्यक्ति परिश्रमी होता है, वह कभी खाली नहीं बैठता।

(ङ) मिश्र वाक्य।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— 1 + 1 = 2

(*i*) माता-पिता (*ii*) पुस्तकालय।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— 1 + 1 = 2

(*i*) बाढ़ से पीड़ित (*ii*) नीला है जो गगन (*iii*) जोश और खरोश।

उत्तर—(क) (*i*) माता और पिता—द्वंद्व समास

(*ii*) पुस्तक के लिए आलय—तत्पुरुष समास।

(ख) (*i*) बाढ़-पीड़ित—तत्पुरुष समास।

(*ii*) नीलगगन—कर्मधारय समास

(*iii*) जोश-खरोश—द्वंद्व समास।

प्रश्न 6. (क) निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए— 2 × 1 = 2

(*i*) आड़े हाथों लेना (*ii*) मुठभेड़ होना।

(ख) किन्हीं दो रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरों द्वारा कीजिए— 2 × 1 = 2

(*i*) विशेषज्ञ विद्वान को समझाना ऐसा ही है, जैसे.....।

(*ii*) गणित का गृहकार्य करना मुझे.....प्रतीत होता है।

(*iii*) मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में हमेशा.....चाहिए।

उत्तर—(क) (*i*) नौकरानी की गलती पर मालकिन ने उसे आड़े हाथों लिया।

(*ii*) पुलिस और आतंकवादियों के बीच लगभग चार घंटे मुठभेड़ हुई।

(ख) (*i*) सूरज को दीपक दिखाना

(*ii*) लोहे के चने चबाने जैसा

(*iii*) सूझ-बूझ से काम लेना।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प को चुनकर लिखिए— 5 × 1 = 5

मोर मुकुट पीतांबर सौहे, गल वैजंती माला।
बिंदरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा-ऊँचा महल बणावं बिच-बिच राखूँ वारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुंबी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।।

(1) श्रीकृष्ण गाय कहाँ चराते हैं ? 1

(क) मथुरा में (ख) वृंदावन में

(ग) बद्रीनाथ में (घ) काशी के तट पर।

(2) मीरा किस रंग की साड़ी पहनकर कृष्ण से मिलना चाहती है ? 1

(क) हरे रंग की (ख) पीले रंग की

(ग) कुसुंबी रंग की (घ) रंग-बिरंगी।

(3) मीरा श्रीकृष्ण से कहाँ मिलना चाहती है? 1

(क) आधी रात के समय वृंदावन में

(ख) आधी रात के समय यमुना तट पर

(ग) आधी रात के समय महल में

(घ) आधी रात के समय किसी पेड़ के नीचे।

(4) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए— 1

(*i*) श्रीकृष्ण वृंदावन में गाय चराते हैं।

(*ii*) मीरा अपने प्रभु के दर्शन आधी रात को करना चाहती हैं।

(*iii*) मीरा श्रीकृष्ण के दर्शन गंगा किनारे करना चाहती हैं।

(*iv*) श्रीकृष्ण के गले में फूलों की माला है।

(*v*) श्रीकृष्ण मुरली नहीं बजाते हैं।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए—

(क) (*ii*), (*iv*), (*v*)

(ख) (*i*), (*ii*)

(ग) (*i*), (*iii*), (*iv*)

(घ) (*iii*), (*iv*), (*v*).

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए— 1

कथन (A)—मीरा महल बनवाते समय उसमें खिड़कियाँ रखना चाहती है।

कारण (R)—श्रीकृष्ण के दर्शन कर सके।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर—(1) (ख) (2) (ग) (3) (ख) (4) (ख) (5) (घ)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5 × 1 = 5

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का ज़िक्र मिलता है। उनका असली नाम लश्कर था लेकिन अरब में उन्हें नूह के लकब से याद किया जाता है। वह इसलिए कि वह सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक ज़ख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुज़रा। नूह ने उसे दुत्कारते हुए कहा, ''दूर हो जा गंदे कुत्ते!'' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया.... ''न मैं अपनी मर्ज़ी से कुत्ता हूँ न तुम अपनी पसंद से इनसान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।''

मट्टी-से-मट्टी मिले,
खो के सभी निशान।
किसमें कितना कौन है,
कैसे हो पहचान।।

नूह ने जब उसकी बात सुनी तब दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नज़र आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था।

(1) सभी जीवों का जन्म किसकी मर्ज़ी से होता है ? 1

(क) स्वयं की (ख) धर्म की

(ग) कर्म की (घ) ईश्वर की।

(2) नूह सारी उम्र क्यों रोते रहे ? 1

(क) लश्कर होने के कारण

(ख) पैगंबर होने के कारण

(ग) प्रायश्चित-भाव के कारण

(घ) अस्वस्थ होने के कारण।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—नूह सारी उम्र रोते रहे।

कारण (R)—इसका कारण एक ज़ख्मी कुत्ता था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) 'मट्टी-से-मट्टी मिले, खो के सभी निशान' का आशय है— 1

(क) मरणोपरांत सभी जीवों का निजी अस्तित्व समाप्त हो जाता है।

(ख) मिट्टी मिट्टी में ही मिलाई जा सकती है।

(ग) सभी जीवों का निर्माण मिट्टी से नहीं हुआ है।

(घ) सभी जीवों का अस्तित्व स्वयं उसके वश में है।

(5) नूह ने कुत्ते को क्यों दुत्कारा ? 1

(क) वह उनसे अधिक ज्ञानी था।

(ख) वह उन्हें काफ़ी खतरनाक लगा।

(ग) उन्हें कुत्ते पसंद नहीं थे।

(घ) वे कुत्ते को गंदा मानते थे।

उत्तर—(1) (घ) (2) (ग) (3) (घ) (4) (क) (5) (घ)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। **(2 × 3 = 6)**

(क) 'अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ के आधार पर प्रकृति के साथ मानव के दुर्व्यवहार और उसके परिणामों की चर्चा कीजिए। 2

(ख) जुलूस और प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस का क्या प्रबंध था ? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

(ग) तताँरा और वामीरो की मृत्यु कैसे हुई ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए। 2

(घ) गाँधी जी 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' थे। तर्क सहित उत्तर दीजिए। 2

उत्तर—(क) वर्तमान में मनुष्य इतना लालची और स्वार्थी हो गया है कि वह अपने हित की पूर्ति के लिए न सिर्फ़ दूसरे के हितों के प्रति असंवेदनशील हो जाता है बल्कि ईश्वर की बनाई सुंदर दुनिया को नष्ट करने से भी पीछे नहीं हटता। परंतु वह यह भूल जाता है कि प्रकृति की भी एक सीमा है और जब प्रकृति क्रोधित हो अपनी विनाशलीला दिखाना शुरू करती है तो वह किसी का भी ख्याल नहीं करती। इस कारण जनधन की अपार हानि होती है।

(ख) अंग्रेज़ सरकार ने कलकत्तावासियों द्वारा मोनुमेंट पार्क में आयोजित सभा को रोकने के लिए अनेक प्रबंध किए थे। पुलिस कलकत्ता के प्रत्येक स्थल पर तैनात की गई थी। शहर के हरेक मोड़ पर गोरखों और सार्जेंट की ड्यूटी लगाई गई थी। सुबह से ही सभी पार्कों और मैदानों को पुलिस ने घेर लिया था। सभा में भाग लेने वालों को कानून का विरोधी मानकर गिरफ़्तार किए जाने का नोटिस जारी कर दिया गया था।

(ग) तताँरा ने क्रोध में आकर तलवार धरती में घोंप दी और उसे पूरी ताकत से खींचने लगा, जिसके कारण द्वीप दो टुकड़ों में बँट गया। एक ओर द्वीप पर तताँरा था और दूसरी ओर वामीरो। तताँरा वाला हिस्सा समुद्र में डूबने लगा। तताँरा ने दूसरा सिरा पकड़ना चाहा, पह वह असफल रहा और डूब गया। वामीरो इस दुःख से पागल हो गई और अपने परिवार से अलग हो गई। एक-दूसरे से बिछड़कर उनकी मृत्यु हो गई।

(घ) गांधी जी प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट थे, क्योंकि वे जीवन में व्यावहारिकता की महत्ता से भली-भाँति परिचित थे। उन्होंने अपने जीवन में आदर्शों को न केवल अपनाया, बल्कि कार्यों में भी स्थान दिया। परंतु उन्होंने व्यावहारिकता को कभी अपने आदर्शों पर हावी नहीं होने दिया। वे व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर तक लाते थे, न कि आदर्शों को व्यावहारिकता के स्तर पर उतारते थे। वे ताँबे में सोना मिलाकर उसकी मूल्य बढ़ा देते थे। यदि वे व्यावहारिकता को आदर्शों के स्तर पर न लाते, तो पूरा देश उनके पीछे न चलता।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। **(2 × 3 = 6)**

(क) युद्ध-क्षेत्र में वीर सैनिक अपने जीवन को किस तरह सार्थक मानता है ? स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) 'तोप' कविता के आधार पर 'तोप' और 'गौरैया' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए बताइए कि इस कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ? 2

(ग) कबीर के अनुसार हमारी वाणी का प्रधान गुण क्या होना चाहिए ? 2

(घ) 'मनुष्यता' कविता में कवि ने सबको एक साथ होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है ? इससे समाज को क्या लाभ हो सकता है ? स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर—(क) सभी प्राणी अपने जीवन को बहुमूल्य और प्रिय समझते हैं। कोई भी प्राणी अपने जीवन को यूँ ही नहीं खोना चाहता। शांतिप्रिय प्राणी भी अपने प्राणों पर आई मुसीबत को टालने के लिए हरसंभव प्रयास करता है। दूसरी ओर जाँबाज़ सैनिकों का जीवन ठीक इसके विपरीत होता है। सैनिक अपने जीवन के लिए नहीं,अपितु देशवासियों और देश पर आए संकट से मुकाबला करने के लिए अपना सीना तानकर अडिग हो जाता है। वीर सैनिक अपनी मातृभूमि की इज्ज़त एवं सुरक्षा के लिए अपने प्राणों को न्योछावर करने में अपने जीवन को सार्थक मानता है। हर हाल में वह देश के सम्मान की रक्षा करता है।

(ख) 'तोप' इस बात का प्रतीक है कि अत्याचारी की ताकत कितनी भी अधिक क्यों न हो, उसे मनुष्य के संयुक्त प्रयासों और विद्रोह के सामने झुकना ही पड़ता है। कोई कितना भी बड़ा और शक्तिशाली क्यों न

हो, उसका एक न एक दिन अंत अवश्य होता है। कंपनी बाग में रखी तोप इसी बात का प्रतीक है। उस समय की शक्तिशाली तोप आज निरर्थक हो गई है। आज तोप पर बैठी गौरेया गपशप करती इसके खुले मुख में घुस जाती है। गौरैया की शैतानी इस बात का प्रतीक है कि कोई व्यक्ति तोप के समान चाहे कितना भी शक्तिशाली हो, एक दिन तोप की तरह उसका मुँह बंद हो जाता है।

(ग) कबीर के अनुसार हमें शीतल व मीठी वाणी का प्रयोग करना चाहिए, ताकि हमारा मन भी शांत व प्रसन्न रहे और सुनने वालों को भी अच्छा लगे। मीठी वाणी के लाभ यह हैं कि इसके प्रयोग से हमारा क्रोध समाप्त हो जाता है तथा अहंकार नष्ट हो जाता है, जिसके कारण तन को शीतलता प्राप्त होती है। शांत रहकर बोले गए मीठे वचन तन को शीतल करते हैं और दूसरों का मन भी प्रसन्नता से भर देते हैं।

(घ) कवि ने समाज में एकता, बंधुत्व तथा परस्पर मिलकर रहने के भाव को दृढ़ बनाने की दृष्टि से सबको एक होकर चलने की प्रेरणा दी है। समाज में परस्पर समानता के भाव में वृद्धि होनी चाहिए, मनुष्य को एक-दूसरे के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। मिल-जुलकर सबके साथ चलने से जीवन सुगम तथा आसान हो जाता है। साथ ही वैर-भाव मिट जाते हैं तथा सबके कार्य सहजता से पूर्ण हो जाते हैं। एक होकर चलने से मार्ग में आने वाली बाधाएँ तथा विपत्तियाँ अपने रास्ते बदल लेती हैं अर्थात् दूर हो जाती हैं।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में दीजिए— (3 × 2 = 6)

(क) हेडमास्टर साहब ने पी०टी० मास्टर को निलंबित क्यों किया? **3**

(ख) महंत ने क्या कहकर हरिहर काका के मन में उनके परिवार के प्रति ज़हर भरा ? **3**

(ग) किन बातों से पता चलता है कि इफ़्फ़न की दादी एक ज़मींदार की बेटी थीं ? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए। **3**

उत्तर—एक दिन मास्टर प्रीतमचंद ने चौथी कक्षा के बच्चों को फ़ारसी का शब्द-रूप याद करने के लिए दिया था। जब अगले दिन बच्चे उस शब्द-रूप को नहीं सुना पाए, तो प्रीतमचंद ने गुस्से में भरकर उन्हें मुरगा बना दिया और बर्बरतापूर्वक उनकी पिटाई करने लगे, हेडमास्टर शर्मा जी ने उन्हें ऐसा करते हुए देख लिया और क्रोध में आकर उन्हें निलंबित कर दिया। मेरे विचार में हेडमास्टर शर्मा जी वैसे बहुत अच्छे इनसान थे, किंतु इस घटना में उन्हें मास्टर प्रीतमचंद को निलंबित न करके इस बात का अहसास करवाना चाहिए था कि बच्चों के साथ इतनी क्रूरता बिलकुल भी उचित नहीं है। यदि पहले से ही उन्हें समझाया जाता या चेतावनी दी जाती तो संभवत: वे ऐसा नहीं करते। ऐसे व्यवहार से उनकी क्षमाशीलता, सहानुभूति, उदारता जैसे जीवन मूल्यों का पता चलता।

(ख) हरिहर काका के साथ जब उनके भाइयों के परिवारवालों से कहा-सुनी हुई थी, तो महंत वहीं विराजमान थे। महंत जी ने इस अवसर का लाभ उठाने के लिए हरिहर काका के कानों में उनके भाइयों के प्रति ज़हर घोलते हुए कहा कि ये रिश्ते नाते झूठे होते हैं, सब स्वार्थ के कारण बँधे होते हैं। यहाँ कोई किसी का नहीं है। सब माया का बंधन है। पत्नी, बेटे, भाई-बंधु सब स्वार्थ के साथी हैं। जिस दिन उनका स्वार्थ पूरा होगा, वे तुम्हें पूछेंगे तक नहीं। वे तुमसे बोलना भी बंद कर देंगे। खून का रिश्ता भी खत्म हो जाएगा। इन्हीं बातों द्वारा महंत ने हरिहर काका के मन में उनके भाइयों के प्रति नफ़रत भरने का प्रयास किया।

(ग) इफ़्फ़न की दादी एक ज़मींदार की बेटी थीं, जहाँ दूध, दही, घी, मक्खन आदि किसी चीज़ की कोई कमी नहीं थी। उन्हें वहाँ गाने-बजाने की भी पूरी स्वतंत्रता थी। उनके मायके का घर कस्टोडियन में चला गया था, क्योंकि अब उनके घर का कोई वारिस नहीं था। इन बातों से पता चलता है कि दादी ज़मींदार की बेटी थीं।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5 × 1 = 5)

(क) मेरे बचपन के खेल
- अपने बचपन के खेलों की स्मृति
- वर्तमान समय में उनकी कमी
- फिर से वही खेल खेलने की इच्छा होना

(ख) प्रकृति संरक्षण से जागा प्रकृति प्रेम
- प्राकृतिक आपदा में स्वयंसेवकों के साथ कार्य करना
- आपदा के कारण जानने का प्रयास करना
- पौधे रोपने का कार्य प्रारंभ करना

(ग) डूबते को तिनके का सहारा
- तेज़ वर्षा के कारण नदी में उफ़ान
- नाविकों पर आए संकट में काठ (लकड़ी) की नाव का सहारा
- जीवन से जुड़ा कोई काल्पनिक/वास्तविक प्रसंग।

उत्तर—(1) मैं अपने चाचा जी से मिलने गाँव गया था। वहाँ मैंने कुछ बच्चे अपने घर के आँगन में छुपन-छुपाई खेलते हुए देखे। उन्हें खेलते देख मैं अपने बचपन के खेलों की स्मृति में चला गया। मेरे बचपन की यादों में कई खेल संगृहीत हैं; जैसे छुपन-छुपाई, कबड्डी, चोर-सिपाही, गिल्ली-डंडा, खो-खो, आँख-मिचौली, रस्सा-कस्सी, लँगड़ी टाँग, चोर-सिपाही आदि। अफ़सोस यह है कि समय के साथ हमारे बचपन और उसमें खेले जाने वाले खेलों के मायने बदल गए हैं। बच्चों का अल्हड़पन एवं शोर-शराबा, दिनभर की जाने वाली धमाचौकड़ी आदि सब घर के आँगन तक सीमित होकर रह गए हैं। वर्तमान समय में इन खेलों की भरपूर कमी है। खेल हमारे जीवन में मनोरंजन, उत्साह के साथ-साथ सीखने की समझ भी विकसित करते हैं। मैं जब भी हताश और निराश होता हूँ, तो मुझे फिर से उसी बचपन में लौटकर वही पुराने खेल खेलने की इच्छा होती है।

(2) मैं छुट्टियाँ मनाने नंदादेवी गया था। रास्ते में भूस्खलन की खबर ने मुझे विकसित कर दिया। वहाँ लगभग कई हज़ार लोग फँसे हुए थे। मैं बिना सोचे-विचारे प्राकृतिक आपदा में स्वयं सेवकों के साथ कार्य करने में जुट गया। 24 घंटे के अथक प्रयास के बाद हमने स्थिति पर काबू पाया। मेरा मन पहले से ही इस घटना से बहुत बेचैन था। मुझसे लोगों का रोना-बिलखना, अपने परिचितों को बचाने की भीख माँगना आदि सहन नहीं हो रहा था। मैंने प्राकृतिक को बचाने की भीख माँगना आदि सहन नहीं हो रहा था। मैंने प्राकृतिक को बचाने के कारणों को जानने का प्रयास किया। मुझे यह ज्ञात हुआ कि मनुष्य की बढ़ती ज़रूरतों जैसे नई बस्तियाँ बनाने, कृषि योग्य भूमि पाने, सड़कें बनाने हेतु वनों की अंधाधुंध कटाई

ने ही इन्हें जन्म दिया है। अत: धरती पर जीवन बचाने के लिए मैंने और मेरे मित्रों ने पौधे रोपने का कार्य उसी क्षण से प्रारंभ कर दिया।

(3) किसी विपत्ति की घड़ी में छोटी-से-छोटी सहायता भी काफ़ी होती है। उदाहरणस्वरूप तेज़ वर्षा के कारण नदी में भयंकर उफ़ान उठा हुआ है। ऐसे में नाविकों के जीवन पर आए संकट में काठ अथवा लकड़ी की नाव उनके लिए तिनके के सहारे के समान है। पिछले दिनों हमारे घर में पड़ोस से सुभाष मौसा जी आए। उन्होंने हिचकिचाते हुए दादा जी से कुछ रुपए उधार माँगे। यह सुनते ही दादा जी कमरे में गए और रुपए लाकर उनके हाथों में रखते हुए कहा, 'जब चाहे लौटा देना।' दादा जी द्वारा की गई मौसा जी की सहायता किसी डूबते हुए व्यक्ति के लिए तिनके के सहारे के समान है। अत: यह उक्ति सुभाष मौसा जी पर पूर्ण रूप से चरितार्थ होती है।

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से किसी *एक* प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए— (5 × 1 = 5)

(क) वर्षा के अभाव में किसानों की फ़सलों को नुकसान हुआ है। उन्हें मुआवज़ा दिए जाने की माँग करते हुए राज्य के प्रधान सचिव को पत्र लिखिए।

(ख) अत्यधिक वर्षा के कारण आपके गाँव के पास की नदी में मिट्टी का कटाव हो रहा है। इससे संभावित खतरे की सूचना देते हुए आपदा प्रबंधन विभाग को पत्र लिखिए।

उत्तर—(क) परीक्षा भवन
उत्तर प्रदेश
दिनांक : 25 अगस्त, 20
सेवा में
प्रधान सचिव
सिरसली गाँव, ज़िला बागपत
उत्तर प्रदेश

विषय—किसानों को मुआवज़ा दिए जाने की माँग करते हुए राज्य के प्रधान सचिव को पत्र।

प्रधान सचिव को पत्र।
महोदय/महोदया

सादर नसस्ते। मैं आपका ध्यान वर्षा के अभाव में किसानों को हुए भारी नुकसान की ओर दिलाना चाहता हूँ। वर्षा न होने के कारण किसानों की फ़सलों की उत्पादन दर में कमी ने उसकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। उनकी स्थिति में सुधार हेतु हम आपसे सरकार द्वारा किसानों को मुआवज़ा प्रदान किए जाने की माँग कर रहे हैं। वह मुआवज़ा इस विकट परिस्थिति में एक सहायक होगा। इसके माध्यम से हम उनके नुकसान को कम करने का प्रयास कर सकते हैं और उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान कर सकते हैं।

अत: आपसे अनुरोध है कि इस विषय पर गंभीरता में विचार करते हुए किसानों को उचित मुआवज़ा प्रदान करने का निर्णय लिया जाए।

धन्यवाद
भवदीय
क०ख०ग०
206, सिरसली, बागपत
उत्तर प्रदेश

(ख) परीक्षा भवन
उत्तर प्रदेश
दिनांक : 04 सितंबर, 20
सेवा में
आपदा प्रबंधक
आपदा प्रबंधन विभाग
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

विषय—अत्यधिक वर्षा होने के कारण संभावित खतरे की सूचना देते हुए आपदा प्रबंधन विभाग को पत्र।

महोदय/महोदया

मैं आलोक, सोनभद्र गाँव, उत्तर प्रदेश का निवासी हूँ। इस साल वर्षा के मौसम में हमारे गाँव के नजदीक सोन नदी में अत्यधिक वर्षा के कारण मिट्टी का कटाव हो रहा है। इससे होने वाले खतरों की सूचना देते हुए मैं आपको सूचित करना चाहता हूँ कि यह मिट्टी का कटाव नदी के पानी को बाधित कर रहा है। इससे बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है और गाँव के लोगों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। अत: मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप स्वयं पूरी स्थिति की जाँच-पड़ताल करें और इस हेतु जल्दी-से-जल्दी आवश्यक कदम उठाएँ, ताकि गाँव के निवासियों का जीवन सुरक्षित रखा जा सके।

धन्यवाद
भवदीय
आलोक
63, सोनभद्र
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

(क) डेंगू बुखार को फैलने से बचाने हेतु कीटनाशकों तथा मच्छरदानी के उपयोग का महत्व बताने के लिए सूचना लिखिए।

(ख) आपके विद्यालय में शिक्षक दिवस का आयोजन होने वाला है। इस दिन कक्षा 10 के छात्रों को शिक्षक की भूमिका निभाते हुए कक्षा 5 और 6 के छात्रों को पढ़ाना है। विस्तृत जानकारी देते हुए सूचना लिखिए।

उत्तर— (क) सूचना

पूर्वी दिल्ली नगर निगम, दिल्ली

दिनांक : 14 अक्टूबर, 20

डेंगू बुखार को फैलने से बचाने हेतु

सभी नगरवासियों को सूचित किया जाता है कि दिल्ली नगर निगम की ओर से सामुदायिक भवन में यहाँ के लोगों को डेंगू बुखार को फैलने से रोकने हेतु कीटनाशकों और मच्छरदानी के उपयोग का महत्व बताने का निर्णय लिया गया है। यह कार्यक्रम प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। आप सभी नगरवासियों से निवेदन है कि डेंगू बुखार के विरुद्ध हमारे इस अभियान में ज़्यादा-से-ज़्यादा शामिल होकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

सुचित्रा
अध्यक्ष, पूर्वी दिल्ली नगर निगम

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(ख) **सूचना**

डी०ए०बी० विद्यालय, नई दिल्ली

दिनांक : 20 अगस्त, 20

शिक्षक दिवस के आयोजन के संदर्भ में

सभी छात्रों को सूचित किया गया है कि हमारे विद्यालय में 5 सितंबर, 20 को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर कक्षा 10 के विद्यार्थियों को शिक्षक/शिक्षिका की भूमिका निभाते हुए कक्षा 5 और कक्षा 6 के विद्यार्थियों को पढ़ाना है। इच्छुक विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे 2 सितंबर या उससे पूर्व अपना नाम अपने कक्षा अध्यापक को लिखवा दें।

दिवाकर

सांस्कृतिक सचिव

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **(3 × 1 = 3)**

(क) 'हमारी कला' नाम से आपने पानी पर तैरती चित्रकला सिखाने के लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन किया है। इसके लिए आकर्षक विज्ञपान तैयार कीजिए।

(ख) रंग-बिरंगे पुराने काग़ज़ों से सुंदर आकृतियाँ बनाने वाली दुकान 'कागज़ों की दुनिया' के प्रचार के लिए आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—(क)

(ख)

प्रश्न 16. निम्नलिखित में से किसी *एक* प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए— **(5 × 1 = 5)**

(क) विद्यालय में कला और शिल्प (आर्ट एंड क्राफ्ट) की कक्षाओं में छात्रों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की प्रदर्शनी करने के लिए अनुमति हेतु लगभग 80 शब्दों में प्रधानाचार्या को ई-मेल लिखिए।

(ख) 'वे दिन कितने अच्छे थे, जब हम छोटे बच्चे थे' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

उत्तर—(क) (प्रति) : abcd@gmail.com

(सी०सी०) : आवश्यकतानुसार

(बी०सी०सी०) : आवश्यकतानुसार

(प्रेषक) : principal@abcdschool@com

(विषय) : विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की प्रदर्शनी करने के लिए अनुमति हेतु।

महोदय/महोदया

मैं आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा (ख) की छात्रा हूँ। हम सभी विद्यार्थी दिनांक 25.09.20XX से लेकर 28.09.20XX तक समय प्रात: 9:00 से दोपहर 2:00 तक कला और शिल्प की कक्षाओं में अन्य कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की प्रदर्शनी का आयोजन करने के इच्छुक हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह प्रदर्शनी विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। समयाभाव एवं आर्थिक अभाव के कारण जो विद्यार्थी कक्षा और शिल्प में वंचित हैं, उन्हें इस प्रदर्शनी के माध्यम से इसे नज़दीकी से देखने और समझने का अवसर मिलेगा।

अत: मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि आप हमें उपरोक्त विवरण के लिए प्रदर्शनी आयोजित करने की अनुमति प्रदान करें। मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि इस दौरान विद्यालय की संपत्ति को कोई क्षति नहीं पहुँचेगी। इसके लिए सभी विद्यार्थी आपके सदा आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद

आपकी आज्ञाकारी शिष्या

सिमरन दास

कक्षा : 10 'ख'

(ख) भुवन और शैली दोनों में बचपन से ही गहरी मित्रता थी। बचपन में दोनों साथ पढ़ते-लिखते, खेलते-कूदते, हँसते-गाते, घमाचौकड़ी करते थे। आज बीस साल बाद वे उन्हीं खास पलों को साथ में बैठ याद कर रहे हैं कि कैसे वे छोटी-छोटी गलियों में दौड़ते, पेड़ों पर चढ़ते और अपनी मस्ती में खोए रहते थे। भुवन ने एकाएक शैली से कहा, ''क्यों न हम अपने बचपन को याद करते हुए एक पिकनिक पर चलें?'' शैली ने उन्हीं गलियों और पार्कों में अपना बचपन पुन: जीने की चाह में हँसते हुए भुवन के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। उन दोनों ने वहाँ पहुँचकर अपने बचपन के सुनहरे पलों को याद किया। उन्हें यह सब देख ऐसा लगता था मानों थोड़े बदलाव के साथ उनका बचपन वहीं मौजूद है। अपने बचपन को पुन: जीते हुए दोनों के मुख से अनायास निकल पड़ा—'वे दिन कितने अच्छे थे, जब हम छोटे बच्चे थे।'

Holy Faith New Style Sample Paper–8

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश—इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

लोकतंत्र के मूलभूत तत्व को समझा नहीं गया है और इसलिए लोग समझते हैं कि सब कुछ सरकार कर देगी, हमारी कोई ज़िम्मेदारी नहीं है। लोगों में अपनी पहल से ज़िम्मेदारी उठाने और निभाने का संस्कार विकसित नहीं हो पाया है। फलस्वरूप देश की विशाल मानव-शक्ति अभी खर्राटे लेती पड़ी है और देश की पूँजी उपयोगी बनाने के बदले आज बोझरूप बन बैठी है। लेकिन उसे नींद से झकझोर कर जागृत करना है। किसी भी देश को महान बनाते हैं उसमें रहने वाले लोग। लेकिन अभी हमारे देश के नागरिक अपनी ज़िम्मेदारी से बचते रहे हैं। चाहे सड़क पर चलने की बात हो अथवा साफ़-सफ़ाई की बात हो, जहाँ-तहाँ हम लोगों को गंदगी फैलाते और बेतरतीब ढंग से वाहन चलाते देख सकते हैं। फिर चाहते हैं कि सब कुछ सरकार ठीक कर दे।

सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली हैं, विशाल बाँध बनवाए हैं, फ़ौलाद के कारखाने खोले हैं आदि-आदि बहुत सारे काम सरकार द्वारा हुए हैं पर अभी करोड़ों लोगों को कार्य में प्रेरित नहीं किया जा सका है।

वास्तव में होना तो यह चाहिए कि लोग अपनी सूझ-बूझ के साथ अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों और अपने पास जो कुछ साधन-सामग्री हो उसे लेकर कुछ करना शुरू कर दें और फिर सरकार उसमें आवश्यक मदद करे। उदाहरण के लिए, गाँववाले बड़ी-बड़ी पंचवर्षीय योजनाएँ नहीं समझ सकेंगे, पर वे लोग यह बात ज़रूर समझ सकेंगे कि अपने गाँव में कहाँ कुआँ चाहिए, कहाँ सिंचाई की ज़रूरत है, कहाँ पुल की आवश्यकता है। बाहर के लोग इन सब बातों से अनभिज्ञ होते हैं।

(1) लोकतंत्र का मूल तत्व क्या है ? 1

(क) चुनावी मेला

(ख) राजनीतिक सहगरमियाँ

(ग) कर्तव्य-पालन

(घ) जनता की मनोदशा।

(2) किसी देश की महानता किस पर निर्भर करती है ? 1

(क) दूसरे देश के निवासियों पर

(ख) उस देश के निवासियों पर

(ग) उस देश के राजनेताओं पर

(घ) उस देश के शासन-तंत्र पर।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) —वाहन चालकों को सुधारना सरकार की ज़िम्मेदारी है।

कारण (R) —किसी भी देश को महान पूँजीपति वर्ग बनाता है।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा, कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) सरकारी व्यवस्था में किस कमी की ओर लेखक ने संकेत किया है ? 2

(5) सरकार द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर—(1) (ग)कर्तव्य-पालन।

(2) (ख) उस देश के निवासियों पर।

(3) (क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(4) गाँव से जुड़ी समस्याओं के निदान में ग्रामीणों की भूमिका को नकारने जैसी सरकारी व्यवस्था की कमी की ओर लेखक ने संकेत किया है।

(5) सरकार ने अनेक कार्य किए हैं—

(*i*) वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली हैं।

(*ii*) विशाल बाँध बनवाए हैं।

(*iii*) फ़ौलाद के कारखाने खोले हैं।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

कृषि में हरी खाद उस सहायक फसल को कहते हैं जिसकी खेती मुख्यत: भूमि में पोषक तत्वों को बढ़ाने तथा उसमें जैविक पदार्थों की पूर्ति करने के उद्देश्य से की जाती है। प्राय: इस तरह की फसल को हरित स्थिति में हल चलाकर मिट्टी में मिला दिया जाता है। हरी खाद से भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है और भूमि की रक्षा होती है। मृदा के लगातार उपयोग से उसमें उपस्थित पौधे की वृद्धि के लिए आवश्यक तत्व नष्ट होते जाते हैं। इनकी क्षतिपूर्ति के लिए और मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने के लिए हरी खाद

एक उत्तम विकल्प है। बिना गले-सड़े हरे पौधे (फसलों अथवा उनके भागों) को जब मिट्टी की नत्रजन या जीवांश की मात्रा बढ़ाने के लिए खेत में दबाया जाता है तो इस क्रिया को हरी खाद देना कहते हैं।

हरी खाद के उपयोग से न सिर्फ जीवांश भूमि में उपलब्ध होता है बल्कि मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा में भी सुधार होता है। वातावरण तथा भूमि प्रदूषण की समस्या को समाप्त किया जा सकता है। लागत घटने से किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है, भूमि में सूक्ष्म तत्वों की आपूर्ति होती है साथ-ही-साथ मृदा की उर्वरा शक्ति भी बेहतर हो जाती है।

(1) मिट्टी का उपजाऊपन कैसे कम हो जाता है ? 1

(क) रासायनिक खाद के उपयोग से
(ख) समय पर वर्षा न होने से
(ग) मिट्टी के निरंतर उपयोग से
(घ) तेज़ आँधी-तूफ़ान के आने से।

(2) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने के लिए हरी खाद एक उत्तम विकल्प है।

कारण (R)—हरी खाद से मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा में सुधार होता है और लागत घटती है।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।
(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए- 1

(*a*) हरी खाद के उपयोग से भूमि में नमी बढ़ती है।
(*b*) हरी खाद के उपयोग से भूमि की उर्वरता बढ़ती है।
(*c*) हरी खाद के उपयोग से वातावरण शुद्ध होता है।
(*d*) हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में जीवांश बढ़ते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

(क) केवल (*b*)
(ख) केवल (*a*)
(ग) (*a*), (*b*) और (*d*)
(घ) (*b*), (*c*) और (*d*).

(4) हरी खाद का उपयोग खेतों में क्यों किया जाना चाहिए ? 2

(5) हरी खाद देना क्रिया कैसे की जाती है ? 2

उत्तर—(1) (ग) मिट्टी के निरंतर उपयोग से।

(2) (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(3) (ग) (*a*), (*b*) और (*d*).

(4) खेतों में हरी खाद का उपयोग भूमि में पोषक तत्वों को बढ़ाने तथा उसमें जैविक पदार्थों की पूर्ति करने के उद्देश्य से किया जाना चाहिए।

(5) बिना गले-सड़े हरे पौधे (फसलों अथवा उनके भागों) को जब मिट्टी की जीवांश मात्रा बढ़ाने के लिए खेतों में दबाया जाता है तो इस क्रिया को हरी खाद देना कहते हैं।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. 'पदबंध' पर आधारित *पाँच* प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **(1 × 4 = 4)**

(क) ''सातवीं-आठवीं के कुछ विद्यार्थी हमें उनके बारे में बताया करते थे।'' —रेखांकित वाक्य में पदबंध कौन-सा है? 1

(ख) ''बड़े-बड़े बिल्डर कई सालों से समंदर को पीछे ढकेलकर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे।'' 1

—वाक्य में से क्रियाविशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए।

(ग) ''वह महिमामय व्यक्तित्व पूरी तरह उसकी आत्मा में उतर चुका है।'' 1

—वाक्य में से क्रिया पदबंध छाँटकर लिखिए।

(घ) ''मास्टर प्रीतम चंद का दुबला-पतला गठीला शरीर था।''

—वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए। 1

(ङ) ''दूसरों की सहायता करने वाले आप महान हैं।''

—वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए। 1

उत्तर—(क) संज्ञा पदबंध।
(ख) पीछे ढकेलकर।
(ग) उतर चुका है।
(घ) विशेषण पदबंध।
(ङ) सर्वनाम पदबंध।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **1 × 4 = 4**

(क) बालक रोया और चुप हो गया।
(सरल वाक्य में बदलिए) 1

(ख) सूर्योदय होने पर पक्षी चहचहाने लगे।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1

(ग) तुम गाड़ी रुकने के स्थान पर चले जाओ।
(मिश्र वाक्य में बदलिए) 1

(घ) वह पत्रिका पढ़ने के लिए पुस्तकालय गया।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1

(ङ) तुम वहाँ जाओ और उसको लेकर आ जाओ।
(रचना की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए)

उत्तर—(क) बालक रोकर चुप हो गया।
(ख) सूर्योदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे।
(ग) तुम वहाँ चले जाओ जहाँ गाड़ी रुकती है।
(घ) उसे पत्रिका पढ़नी थी इसलिए वह पुस्तकालय गया।
(ङ) संयुक्त वाक्य।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— **(1 + 1 = 2)**

(*i*) चिंतारहित (*ii*) शुभदिन (*iii*) मधुर फल।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— **(1 + 1 = 2)**

(*i*) माता का भक्त (*ii*) स्वप्न देखने वाला।

उत्तर—(क) (*i*) चिंता रहित—तत्पुरुष समास
(*ii*) शुभ है जो दिन—कर्मधारय समास

(*iii*) मधुर है जो फल—कर्मधारय समास

(ख) (*i*) मातृभक्त—तत्पुरुष समास

(*ii*) स्वप्नदर्शी—कर्मधारय समास।

प्रश्न 6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* मुहावरों का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए—(1 × 2 = 2)

(*i*) सिर मारना (*ii*) मुट्ठी गरम करना (*iii*) कागज़ी घोड़े दौड़ाना।

(ख) नीचे लिखे वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति द्वारा कीजिए— 1 × 2 = 2

(*i*) विश्व के सभी राष्ट्र अमेरिका का ..... मानते हैं।

(*ii*) बेटे की शैतानियों ने पिता की ..... कर दिया है।

उत्तर—(क) (*i*) नेहा बहुत देर तक गणित के सवालों में सिर मारती रही, परंतु कुछ समझ न आया।

(*ii*) बड़े बाबू की मुट्ठी गरम किए बिना, तुम्हारा काम नहीं बनेगा।

(*iii*) घर जाकर परीक्षा की तैयारी करो, व्यर्थ कागज़ी घोड़े मत दौड़ाओ।

(ख) (*i*) लोहा (*ii*) नाक में दम।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— 1 × 5 = 5

सुखिया सब संसार है, खायै अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै।।
बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ।
राम बियोगी ना जिवै, जिवै तो बौरा होइ।।

(1) पहले दोहे में 'सोना' और 'जागना' प्रतीकार्थ है— 1

(क) अज्ञानता और ज्ञान का
(ख) निष्क्रियता और सक्रियता का
(ग) अचेतनता और चेतनता का
(घ) निर्जीवता और सजीवता का।

(2) कबीर दुखी हैं क्योंकि वे— 1

(क) एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे हैं।
(ख) ईश्वर से वियोग के कारण व्यथित हैं।
(ग) सांसारिक सुखों का भोग नहीं कर पा रहे हैं।
(घ) ईश्वरीय सत्य से लोगों को परिचित नहीं करवा पा रहे हैं।

(3) 'मंत्र न लगना' का आशय है— 1

(क) मंत्रों का निष्फल होना
(ख) पूजा-पाठ का काम न आना
(ग) कोई उपाय काम न आना
(घ) मंत्रोच्चार की विधि न जानना।

(4) राम वियोगी व्यक्ति की तुलना किससे की गई है ? 1

(क) विक्षिप्त व्यक्ति से
(ख) विरह रूपी व्यक्ति से
(ग) विष युक्त सर्प के तन से
(घ) विरह रूपी सर्प से ग्रसित व्यक्ति से।

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—सांसारिक मनुष्य सुखपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं।

कारण (R)—वह भौतिक सुखों को ही सच्चा सुख मानते हैं।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कारण (R) सही है, किंतु कथन (A) गलत है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

उत्तर—(1) (क) (2) (ख) (3) (ग) (4) (घ) (5) (घ)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1 × 5 = 5

बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। हमने अपने हाथ-पाँव इस पानी से धोए। तौलिए से पोंछे और अंदर गए। अंदर 'चाजीन' बैठा था। हमें देखकर वह खड़ा हुआ। कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया। दो-झो (आइए, तशरीफ़ लाइए) कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई। अँगीठी सुलगाई। उस पर चायदानी रखी। बगल के कमरे में जाकर कुछ बरतन ले आया। तौलिए से बरतन साफ़ किए। सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों।

(1) पर्णकुटी के बाहर एक मिट्टी का बरतन रखने का क्या प्रयोजन था? 1

(क) हाथ-पाँव धोकर अंदर आएँ।
(ख) मुँह धोकर अंदर आएँ।
(ग) पानी पीकर अंदर आएँ।
(घ) कुछ न लेकर अंदर आएँ।

(2) मिट्टी के बरतन में क्या रखा था ? 1

(क) दूध (ख) चाय
(ग) पानी (घ) लस्सी।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—चाजीन ने तौलिए से बरतन साफ़ किए।

कारण (R)—सभी क्रियाएँ गंदे तरीके से की गईं।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) उसने कौन-सी क्रियाएँ गरिमापूर्ण कीं ? 1

(क) हाथ-पाँव धुलवाने की
(ख) अँगीठी सुलगाने से लेकर प्याले में चाय डालने तक की

© HOLY FAITH INTERNATIONAL

(ग) तौलिए से पोंछने की
(घ) बगल के कमरे में जाने की।

(5) गद्यांश के संदर्भ में स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए— 1

	स्तंभ-I		स्तंभ-II
1.	दो-झो	I.	चाजीन
2.	प्रणाम किया	II.	जयजयवंती के सुर
3.	गरिमापूर्ण क्रियाएँ	III.	आइए, तशरीफ़ लाइए

विकल्प :

(क)	1-II	2-I	3-III
(ख)	1-III	2-II	3-I
(ग)	1-III	2-I	3-II
(घ)	1-I	2-II	3-III

उत्तर—(1) (क) (2) (ग) (3) (ग) (4) (ख) (5) (ग)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए— 2 × 3 = 6

(क) 'बड़ा भाई यदि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भाग लेता, तो पढ़ाई में भी अच्छा होता'—इस कथन के पक्ष या विपक्ष में 'बड़े भाई साहब' कहानी के आधार पर अपने विचार तर्क सहित दीजिए। **2**

(ख) तताँरा की पोशाक कैसी थी और वह सदा क्या बाँधकर रहता था ? बताइए। **2**

(ग) 'व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।' आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

(घ) माँ के दुःख का क्या कारण था और उसका दुःख कैसे बढ़ गया ? **2**

उत्तर—(क) बड़े भाई साहब पढ़ाई को महत्व देने वाले थे। हर रोज़ कितने ही क्रिकेट और हॉकी के मैच होते थे। बड़े भाई साहब कभी उनके आस-पास भी नहीं भटकते थे। हमेशा ही पढ़ते रहते थे। इतना सब कुछ करने के बाद भी बड़े भाई साहब को एक ही कक्षा में दो या तीन साल लग जाते थे। वे हर वक्त किताब खोलकर बैठे रहते थे और जब वे पढ़कर थक जाते थे, तब कभी कॉपी पर, कभी किताब के हाशिए पर कुत्तों, बिल्लियों और चिड़ियों की तस्वीरें बनाया करते थे। कभी-कभी तो एक ही नाम को, शब्द को और वाक्य को दस-बार लिख देते थे। ऐसा करने की बजाय यदि बड़े भाई साहब भी खेलते तो उनके दिमाग को भी आराम मिलता था और वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी कर सकते थे। छोटे भाई की तरह अपनी कक्षा में अच्छे अंकों से पास भी हो सकते थे।

(ख) 'तताँरा' की तलवार लकड़ी की बनी थी। पारंपरिक पोशाक के साथ तताँरा अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रखता था। उसकी तलवार के बारे में लोगों में धारणा थी कि वह एक रहस्यमयी तलवार है। उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति है, एक चमत्कारिक शक्ति है, जिससे वह लोगों की सहायता करता है। तताँरा उस तलवार का उपयोग अन्य लोगों के सामने कभी नहीं करता था, परंतु उसके साहसिक कारनामों के चर्चे हर जगह होते थे। इसलिए लोगों को लगता था कि उस तलवार में अद्‌भुत व विलक्षण शक्ति है।

(ग) लेखक का आशय यह है कि जीवन में आने वाले दुःख मनुष्य को कभी पराजित नहीं करते, बल्कि वे तो उसे जीवन में आगे बढ़ने का संदेश देते हैं। जो लोग दुःखों से घबराकर बैठ जाते हैं अर्थात् हार मान लेते हैं, वे जीवन में कभी भी सफ़ल नहीं हो सकते। लेखक का मानना है कि जीवन में आने वाले दुःख और पीड़ाएँ हमें अधिक मज़बूत बनाती हैं और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की ओर प्रेरित करती हैं। दुःखों से घबराने के स्थान पर इनसे प्रेरणा लेकर निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। जो लोग ऐसा कर पाते हैं, वही जीवन में सफल होते हैं।

(घ) लेखक के घर के रोशनदान में कबूतर ने घोंसला बनाकर उसमें अंडे दिए थे। एक दिन एक बिल्ली ने उनमें से एक अंडा तोड़ दिया। इस घटना से कबूतरों को दुःखी देखकर माँ दुःखी हो गई, परंतु उनका दुःख उस समय और बढ़ गया जब दूसरे अंडे को बचाने के प्रयास में वह उनके हाथों से ही गिरकर टूट गया।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— 2 × 3 = 6

(क) 'आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) मैथिलीशरण गुप्त ने गर्वरहित जीवन बिताने के लिए क्या तर्क दिए हैं ? **2**

(ग) लाखों ग्रंथ पढ़ने पर भी कबीर की दृष्टि में लोग पंडित क्यों नहीं बन पाते ? **2**

(घ) मीरा के पदों में कृष्ण-लीलाओं एवं महिमा के वर्णन का उद्‌देश्य क्या है ? **2**

उत्तर—(क) 'आत्मत्राण' का अर्थ है—आंतरिक भय से छुटकारा पाना। अर्थात् स्वयं अपनी सुरक्षा की जवाबदारी लेना। कवि ईश्वर से विपदाओं से उबारने का निवेदन नहीं करता। वह अपने आंतरिक भय से छुटकारा पाने के लिए ईश्वर का आह्‌वान करता है। कवि ईश्वर से शक्ति अर्जित करना चाहता है, जिससे उसके अंदर साहस, निर्भयता व शक्ति उत्पन्न हो। कवि का मानना है कि वह इन गुणों के माध्यम से संकटों पर विजय प्राप्त कर लेगा।

(ख) मैथिलीशरण गुप्त जी के अनुसार समृद्‌धशाली होने पर भी मनुष्य को गर्व रहित जीवन जीना चाहिए। न तो मनुष्य को अपने पैसों पर घमंड करना चाहिए और न ही सनाथ होने पर, क्योंकि यहाँ कोई भी अनाथ नहीं है। केवल ईश्वर ही सबका परमपिता है। उसके रहते भला कोई अनाथ कैसे हो सकता है। ईश्वर संपूर्ण सृष्टि के नाथ हैं, संरक्षक हैं। उनकी शक्ति अपरंपार है। वे अपने अपार साधनों से सबकी रक्षा और पालन करने में समर्थ हैं। वह प्राणी अत्यंत दुर्भाग्यशाली है, जो उस परमपिता के रहते हुए भी स्वयं को अधीर, अशांत और अतृप्त अनुभव करता है।

(ग) लाखों ग्रंथ पढ़ने पर भी कबीर की दृष्टि में लोग पंडित इसलिए नहीं बन पाते, क्योंकि वे सांसारिक बंधनों में जकड़े हुए मात्र सांसारिक ज्ञान के पीछे भागते रहते हैं। मोटी-मोटी किताबों को पढ़कर तथा किताबी ज्ञान प्राप्त करके लेने से पंडित नहीं बना जा सकता। इसका कारण यह है कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी होना आवश्यक है।

(घ) मीरा के पदों में कृष्ण-लीलाओं एवं कृष्ण महिमा का वर्णन इसलिए है, क्योंकि मीरा अपने आराध्य श्रीकृष्ण की दयालुता, कृपा व भक्तवत्सलता का परिचय देना चाहती हैं। मीरा की दृष्टि में उनके आराध्य सदा अपने भक्तों की सहायता करते हैं तथा अपने भक्तों का कल्याण करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण सदा अपने भक्तों पर अपनी कृपादृष्टि बनाए

रखते हैं। मीरा को विश्वास है कि श्रीकृष्ण उनका भी उद्धार करेंगे। यही कृष्ण-लीलाओं एवं महिमा का उद्देश्य है।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए — (3 × 2 = 6)

(क) 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों ? **3**

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर बताइए कि कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं डालती। उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **3**

(ग) दो पत्नियों के स्वर्ग सिधारने के बाद तीसरी शादी के लिए मना करना उनकी किस सोच को व्यक्त करता है। आप इस सोच से क्या शिक्षा ग्रहण करते हैं ? बताइए। **3**

उत्तर—(क) 'अम्मी' शब्द के प्रयोग पर टोपी के घरवालों की बड़ी ही कट्टरवादी प्रतिक्रिया हुई। सभी भोजन करना छोड़कर टोपी की ओर देखने लगे। उनकी परंपरावादी, कट्टर दादी ने इसे इस घर की परंपराओं और संस्कारों का अपमान माना और वे खाने की मेज़ से उठ करके चली गईं तथा जब टोपी की माँ रामदुलारी को यह पता चला कि टोपी ने किसी मुसलमान लड़के से दोस्ती कर ली है, तो उसने टोपी की बहुत बुरी तरह पिटाई की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टोपी का परिवार बहुत ही कट्टरवादी ब्राह्मण परिवार था और उनके अंदर धार्मिक कट्टरता कूट-कूटकर भरी थी।

(ख) जहाँ अलग-अलग प्रांतों या संस्कृतियों के मन आपस में जुड़ जाते हैं, वहाँ कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती। अपनी इस बात को स्पष्ट करने के लिए लेखक श्री गुरदयाल सिंह अपने बचपन की एक घटना की ओर संकेत करते हैं। वे कहते हैं कि बचपन में उनके आधे से अधिक साथी हरियाणा या राजस्थान से व्यापार के लिए आए परिवारों से संबंधित थे। उनके कुछ शब्द सुनकर लेखक व उनके अन्य साथियों को हँसी आ रही थी। बहुत-से शब्द समझ में नहीं आते थे। किंतु जब वे सब मिलकर खेलते थे, तब सभी को एक-दूसरे की बात खूब अच्छी तरह समझ में आ जाती थी और खेल में किसी प्रकार की बाधा नहीं आती थी। जहाँ सहृदयता होती है, वहाँ भाषा-जाति आदि की दीवार नहीं टिक पाती।

(ग) दो पत्नियों की मृत्यु के बाद तीसरे विवाह से इनकार करना हरिहर काका के धार्मिक संस्कारों और मोहमाया से अलगाव की सोच को प्रकट करता है।

तीसरी शादी करने से हरिहर काका ने मना कर दिया, क्योंकि उनकी उम्र धीर-धीरे ढल रही थी तथा धार्मिक संस्कारों की वजह से भाइयों को परिवार मान लिया था। वह इत्मीनान और प्रेम से अपने भाइयों के परिवार के साथ ही रहना चाहते थे। उनके भाई और भाइयों की पत्नियाँ भी हरिहर काका की खूब देखभाल करने लगी थीं। उनकी इस सोच से हम यह शिक्षा ग्रहण करते हैं कि हमें ईश्वर पर भरोसा रखकर स्वयं को उसकी इच्छाओं के हवाले कर देना चाहिए।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5 × 1 = 5)

(क) सत्संगति

- सत्संगति का अर्थ
- सत्संगति का महत्व
- कुसंगति से हानि

(ख) हमारी मेट्रो

- भारत की प्रगति का नमूना
- लोकप्रियता के कारण
- मेट्रो का विस्तार

(ग) अनुशासन क्यों ?

- अर्थ
- आवश्यकता
- प्रभाव।

उत्तर—(क) सत्संगति

सत्संगति का अर्थ—अच्छे लोगों का साथ। सत्संगति से मानव में दया, परोपकार, विवेक और साहस जैसे गुण आ जाते हैं। सत्संगति वाला इनसान सदैव ही समाज में सम्मान का पात्र बनता है। इससे जीवन सरल और मधुर बन जाता है। सत्संगति मनुष्य को सदैव धर्म-कर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है और बुराइयों से बचाव के दिशा-निर्देश देती है। सत्संगति से ही मनुष्य में मानवीय गुण उत्पन्न होते हैं और उसका जीवन सार्थक बनता है। सत्संगति में ज्ञानहीन मनुष्य को भी विद्वान बनाने की सामर्थ्य होती है।

सत्संगति वास्तव में मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारने का कार्य करती है और उसमें सद्गुणों का संचार करती है। इस पृथ्वी पर जन्म लेने वाला प्रत्येक बालक अबोध होता है। उस पर सर्वप्रथम परिवार की संगति का प्रभाव पड़ता है। बड़ा होकर बालक घर से बाहर निकलकर विद्यालय में ज्ञान प्राप्त करता है और शिक्षकों, मित्रों आदि की संगति का उस पर बहुत प्रभाव पड़ता है। छात्र जीवन में तो सत्संगति का विशेष महत्व रहता है जो छात्र सत्संगति में रहता है वह सदैव सफल होता है, वह अच्छी बातें ग्रहण करता है जो उसके जीवन में आगे आकर काम आती हैं। दूसरी ओर कुसंगति में रहने वाले छात्र सदैव जीवन में असफल होते हैं, क्योंकि कुसंगति में रहने से बुरे लोगों का साथ मिलता है, जिससे वे बुरी आदतें सीखते हैं और ये बुरी आदतें ही छात्र का पूरा जीवन बरबाद कर देती हैं। सत्संगति वह हीरा है, जिसके मिलने से मानव का जीवन चमक उठता है। सफलता का एकमात्र मार्ग ही सत्संगति से होकर गुजरता है। सत्संगति से तो बुरा व्यक्ति भी अच्छा बन जाता है।

(ख) हमारी मेट्रो

मेट्रो रेल यातायात का बहुत अत्याधुनिक साधन है। दिल्ली की जनसंख्या को देखकर 2002 में मेट्रो रेल की शुरुआत की गई थी। यह भारत की राजधानी दिल्ली तथा एन०सी०आर० के लोगों के लिए सबसे बड़ा वरदान है। दिल्ली वासियों को इसकी सुविधा से धन, समय और श्रम की बचत होने लगी। इसके कारण सड़क यातायात कम हो गया है। हर दिन लोग बस की भीड़ और कष्टकारी यात्रा से सफर करते थे। उन्हें बहुत मुसीबतों का सामना करना पड़ता था। सड़कों पर चलने वाले निजी वाहनों में भी कमी आई है जिससे कि प्रदूषण भी कम हुआ है। मेट्रो रेल स्वचालित होती है और इसके अंदर हर स्टेशन की घोषणा होती है। मेट्रो रेल की यात्रा के लिए टोकन दिया जाता है या फिर छोटे स्मार्ट कार्ड का प्रयोग किया जाता है। मेट्रो स्टेशन और रेल के अंदर पूर्ण रूप से सफ़ाई रहती है। यह पूरी तरह से वातानुकूलित होती है। हर सूचना स्क्रीन पर प्रदर्शित

होती रहती है। किराया तो सिटी बसों से अधिक है। कोरिया से आयातित मेट्रो रेलों का संचालन प्रशिक्षण कर्मचारी करते हैं। कुल मिलाकर दिल्ली के लिए एक नायाब तोहफा है दिल्ली मेट्रो रेल। लोगों ने मेट्रो का सफ़र करना ज्यादा पसंद किया है क्योंकि इसमें बस के सफ़र की तरह धूल-मिट्टी और भीड़ नहीं होती है। यह बहुत ही आरामदायक होती है। मेट्रो का प्रयोग दिव्यांग और दृष्टिहीन लोग भी आसानी से कर सकते हैं। मेट्रो रेल ने लोगों की जिंदगी को गति प्रदान की है और उन्हें दिल्ली ट्रैफ़िक जाम में फँसने से भी बचाया है। ज़्यादातर लोग दिल्ली भ्रमण के लिए भी मेट्रो रेल का प्रयोग करते हैं क्योंकि यह टैक्सी आदि से सस्ती पड़ती है। मेट्रो रेल के आने से लोगों का जीवन सुखमय और आनंदमय हो गया है। मेट्रो रेल भारत की राजधानी की शान कही जा सकती है। इसे साफ़-सुथरा रखना स्थानीय जनता का कर्तव्य है।

(ग) अनुशासन क्यों

अनुशासन का अर्थ है—स्वयं पर शासन अर्थात् नियमों के अनुसार जीवन-यापन। अनुशासन मानव की प्रगति का मूलमंत्र है। अनुशासन से मनुष्य की सारी शक्तियाँ केंद्रित हो जाती हैं। उससे समय बचता है। मन यहाँ वहाँ नहीं भटकता। यह हमें नियमों का पालन करना सिखाता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जोकि समाज में रहता है और उसमें रहने के लिए अनुशासन की आवश्यकता होती है। प्रकृति के सभी कार्य भी नियमों में बँधकर ही होते हैं। आप सुबह से उठकर रात तक जो भी कार्य करते हैं, वह आपका प्रतिदिन का नियम होता है और जब आप उन नियमों का पालन करते हैं, तो इसे अनुशासन कहा जाता है।

विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व होता है। इसके बिना सफल जीवन जीने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अनुशासन में बड़ों का आदर, छोटों से प्यार, समय का पक्का, नियमों का पालन और अध्यापकों का अनुसरण आदि आता है। अनुशासनप्रिय लोग सभी को बहुत पसंद आते हैं। अनुशासन व्यक्ति को चरित्रवान और कुशल बनने में मदद करता है। जो भी अपने जीवन में अनुशासन नहीं रखता, वह कभी भी सफल नहीं हो सकता, चाहे वह मनुष्य हो या कोई वन्य प्राणी। यदि कोई व्यक्ति अनुशासन में काम नहीं करता है तो वह कितना भी अधिक प्रतिभाशाली और मेहनती क्यों न हो उसे सफलता आसानी से प्राप्त नहीं होती है। यहाँ तक कि यदि अनुशासन नहीं है, तो इससे बहुत सारे भ्रम और विकार पैदा होते हैं जिसके कारण जीवन की प्रगति रुक जाती है और बहुत सारी समस्या पैदा होती है और अंत में निराशा मिलती है। सफल व्यक्ति भी अपनी सफलता का श्रेय अनुशासन को ही देते हैं। अत: अनुशासन सफल जीवन जीने के लिए अति आवश्यक है।

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से किसी *एक* प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। (5 × 1 = 5)

आप विद्यालय की छात्र-परिषद के सचिव हैं। स्कूल के बाद विद्यार्थियों को नाटक का अभ्यास करवाने हेतु अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। 5

उत्तर— परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 11 मार्च, 20XX
सेवा में
प्रधानाचार्य जी,
अर्वाचीन पब्लिक स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली

विषय : नाटक अभ्यास हेतु अनुमति।
माननीय महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय के छात्र परिषद का सदस्य हूँ। जैसा कि आप को ज्ञात है कि इस वर्ष के विद्यालय के वार्षिक महोत्सव में ''भारत एक खोज'' नाटक का मंचन होने जा रहा है। इस नाटक के सफल मंचन के लिए आपसे अनुरोध है कि विद्यालय की छुट्टी के पश्चात् विद्यालय परिसर में इसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों को इस नाटक का अभ्यास करने की अनुमति प्रदान करें।

आशा है आप हमारे इस अनुरोध पर अवश्य विचार करेंगे तथा हमें अभ्यास की अनुमति प्रदान करेंगे।

धन्यवाद
क०ख०ग०
सचिव—छात्र परिषद, अर्वाचीन पब्लिक स्कूल

अथवा

अस्पताल कर्मचारियों के सद्व्यवहार की प्रशंसा करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

उत्तर—
परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 11 मार्च, 20XX
सेवा में
मुख्य चिकित्सा अधिकारी
क०ख०ग०, अस्पताल
जनकपुरी, नई दिल्ली

विषय : अस्पताल के कर्मचारियों का सद्व्यवहार।
महोदय

इस पत्र द्वारा आपके अस्पताल के कर्मचारियों को उनके सद्व्यवहार के लिए धन्यवाद कहना चाहता हूँ। गत माह, मेरा मित्र वैभव दुर्घटनाग्रस्त हो गया था तथा उसका उपचार आपके अस्पताल में हुआ था। दुर्घटना में वैभव को गंभीर चोट लगी थी। जिस कारण उनका परिवार काफ़ी तनाव में था। उस समय आपके अस्पताल के कर्मचारियों के सद्व्यवहार के कारण, उनका परिवार इन तनावपूर्ण क्षणों को बिना विचलित हुए सह पाया। इसके लिए मैं, और मेरे मित्र का परिवार आपके अस्पताल के कर्मचारियों को दिल से धन्यवाद देते हैं।

भवदीय
राम शरण वर्मा
नई दिल्ली

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

आप केंद्रीय विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा सुचेता हैं। विद्यालय में आपका परीक्षा प्रवेश-पत्र खो गया है। विद्यालय सूचना-पट के लिए लगभग 60 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

उत्तर—

सूचना
केंद्रीय विद्यालय, मथुरा
परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम होना
दिनांक : 18 फरवरी, 20XX

सभी को सूचित किया जाता है कि 17 फरवरी, **20XX** को विद्यालय के खेल परिसर में खेलते समय मेरा परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम हो गया है।

उस पर मेरी फ़ोटो के साथ मेरा अनुक्रमांक सं० 107649 भी अंकित है। अगले सप्ताह मेरी बोर्ड-परीक्षा आरंभ हो रही है। परीक्षा प्रवेश-पत्र के बिना मैं परीक्षा देने में असमर्थ रहूँगी। यदि किसी को भी वह मिल जाए तो जल्द-से-ज़ल्द क्लर्क ऑफिस में जमा कराने की कृपा करें।

सुचेता
कक्षा दसवीं 'बी'

अथवा

'संबोधन' नामक संस्था की ओर से नि:शुल्क चिकित्सकीय जाँच के कार्यक्रम की लगभग 60 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

उत्तर— सूचना

नि:शुल्क चिकित्सकीय जाँच, स्थानीय पार्क मोगा

दिनांक : 24 सितंबर, 20XX

आम जनता को सूचित किया जाता है कि 'संबोधन' संस्था की ओर से स्थानीय पार्क में आगामी 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक नि:शुल्क चिकित्सकीय जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अमृत धारा अस्पताल के हड्डी-रोग विशेषज्ञ, नेत्र चिकित्सक, चर्म-रोग विशेषज्ञ, बाल-रोग विशेषज्ञ तथा स्त्री-रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे।

समय : प्रात: 8 बजे से शाम 4 बजे तक।

विशेष : चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क परीक्षण व मुफ़्त दवाएँ भी दी जाएँगी।

स्थान : तिकोना पार्क, काली मंदिर के सामने मोगा

संपर्क करें : क०ख०ग० (993XXXXXXX)

संबोधन संस्था (सचिव)

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (3 × 1 = 3)

कोई कंपनी 'लेखनी' नाम का नया पेन बाज़ार में लाना चाहती है। उसके लिए लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

अथवा

ए०टी०एम० केंद्रों पर सावधानी बरतने संबंधी निर्देश देते हुए पंजाब नेशनल बैंक की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

प्रश्न 16. निम्नलिखित में से किसी *एक* प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। (5 × 1 = 5)

''यदि मैं समाचार-पत्र होता'' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। 5

उत्तर— आज मैंने दौड़-प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। मैं घर पहुँचकर मम्मी-पापा व दादा जी को अपनी जीत के विषय में विस्तार से बताना चाहता था। घर पहुँचते ही मैं खुशी से चिल्लाकर बोला, पापा, देखो मेरे हाथ में क्या है ? पापा समाचार-पत्र पढ़ रहे थे। बोले ठीक है, बाद में बात करते हैं। मैं दोड़ा-दौड़ा दादा जी के पास गया। वे भी अपनी रुचि का समाचार-पत्र पढ़ने में व्यस्त थे। मम्मी भी समाचार-पत्र में से अपनी रुचि के विषय पढ़ने में मशगूल थीं। तब मेरे मन में ऐसा विचार आया कि यदि मैं भी समाचार-पत्र होता तो सभी मुझे इतना ही प्यार देते और मेरी बातों को भी ध्यान से अच्छी तरह पढ़ते।

अथवा

सीवर मुरम्मत के लिए अनुरोध करते हुए नगर निगम अधिकारी को एक ई-मेल लगभग 80 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर— From : rfdz@abc.com

To : cdaf@eafg.com
CC : >>>>
BCC : >>>>
विषय—सीवर मरम्मत के लिए अनुरोध

श्रीमान

आपको सूचित करना पड़ रहा है कि नेहरू नगर का सीवर टूट गया है जिसके कारण नाले का गंदा पानी सड़क पर आ गया है। बेहद गंदा पानी फैल रहा है। बीमारियों के फैलने की प्रबल संभावनाएँ हैं। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कृपया इस नाले की मरम्मत करवाएँ।

मुझे आशा है कि आप इस मरम्मत के कार्य को जल्द से जल्द पूरा कर लेगें।

मुकेश

Holy Faith New Style Sample Paper–9

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान देश के विभिन्न राज्यों में सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देता है। भारत एक अनोखा राष्ट्र है, जिसका निर्माण विविध भाषा, संस्कृति, धर्म के तानों-बानों, अहिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित स्वाधीनता संग्राम तथा सांस्कृतिक विकास के समृद्ध इतिहास द्वारा एकता के सूत्र में बाँधकर हुआ है। हम इतिहास की बात करें या वर्तमान की भारतवर्ष में कला एवं संस्कृति का अनूठा प्रदर्शन हर समय एवं हर स्थान पर हुआ है। नृत्य, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। इस कला की कहानी लगभग पाँच हज़ार वर्ष पूर्व सिंधु घाटी की सभ्यता से आरंभ होती है। इसके दो प्रमुख नगरों, मोहनजोदाड़ो और हड़प्पा में अच्छी सड़कें, दो मंज़िले मकान, स्नान-घर, पक्की ईंटों के प्रयोग के सबूत मिले हैं। गुजरात के लोथल नामक स्थान की खुदाई से पता चलता है कि वहाँ नावों से सामान उतारने के लिए 216 × 37 मीटर लंबी-चौड़ी तथा 15 फ़ीट गहरी गोदी बनी हुई थी। ये लोग मिट्टी, पत्थर, धातु, हड्डी, काँच आदि की मूर्तियाँ एवं खिलौने बनाने में कुशल थे। धातु से बनी एक मूर्ति में एक नारी को कमर पर हाथ रखे नृत्य मुद्रा में दर्शाया गया है। दूसरी मूर्ति पशुपतिनाथ शिव की तथा तीसरी मूर्ति दाढ़ी वाले व्यक्ति की है। ये तीनों मूर्तियाँ कला के सर्वश्रेष्ठ नमूने हैं। मूर्ति का श्रेष्ठ होना मूर्तिकार के कौशल पर निर्भर करता है। मूर्ति की प्रत्येक भावभंगिमा को दर्शाने में मूर्तिकार जी-जान लगा देता है। भारत के प्रत्येक कोने में इस प्रकार की विभिन्न कलाएँ हमारी संस्कृति में प्रतिबिंबित होती हैं। इस अतुलनीय निधि का बचाव और प्रचार-प्रसार ही एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना है।

(1) भारत को 'अनोखा राष्ट्र' कहने से लेखक का तात्पर्य है— 1

(क) बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन

(ख) मूर्तिकला के सर्वश्रेष्ठ नमूने

(ग) संवेदनशील भारतीय नागरिक

(घ) विभिन्नता में एकता का प्रतीक।

(2) सिंधु घाटी की सभ्यता प्रतीक है— 1

(क) मूर्तिकार के कौशल का

(ख) एक श्रेष्ठ भारत का

(ग) प्राचीन सुव्यवस्थित सभ्यता का

(घ) स्वाधीनता संग्राम के नायकों का।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : भारतवर्ष में कला एवं संस्कृति का अनूठा प्रदर्शन हर समय हुआ है।

कारण (R) : भारतीय वास्तुकला एवं मूर्तिकला की परंपरा अत्यंत प्राचीन है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) उपर्युक्त गद्यांश हमें क्या संदेश देता है? 2

(5) गद्यांश में मूर्तियों का सविस्तार वर्णन क्या दर्शाता है? 2

उत्तर— (1) (घ) विभिन्नता में एकता का प्रतीक।

(2) (ग) प्राचीन सुव्यवस्थित सभ्यता का।

(3) (ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(4) उपर्युक्त गद्यांश हमें यह संदेश देता है कि भारतीय सभ्यता व संस्कृति का संरक्षण आवश्यक है। भारतवर्ष में कला और संस्कृति का अनूठा प्रदर्शन हर समय एवं हर स्थान पर हुआ है। इस अतुलनीय निधि का बचाव और प्रचार-प्रसार ही श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना है।

(5) गद्यांश में मूर्तियों का सविस्तार वर्णन मूर्तिकार के कौशल, सूक्ष्म अवलोकन और कला प्रेम को दर्शाता है। मूर्ति की प्रत्येक भावभंगिमा को दर्शाने में मूर्तिकार जी-जान लगा देता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

भारत में हरित-क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न सिर्फ़ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों तक में होने लगेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है। लेकिन जिस रफ़्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके मद्देनज़र फ़सलों की अधिक पैदावार ज़रूरी थी। समस्या सिर्फ़ रासायनिक खादों के प्रयोग की ही नहीं है। देश के ज़्यादातर

किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं। दो दशक पहले तक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंस खूँटों से बँधे मिलते थे। अब इन मवेशियों की जगह ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ले ली है। परिणामस्वरूप गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद खेतों में गिरनी बंद हो गई। पहले चैत-बैसाख में गेहूँ की फ़सल कटने के बाद किसान अपने खेतों में गोबर, राख और पत्ते से बनी जैविक खाद डालते थे। इससे न सिर्फ़ खेतों की उर्वरा-शक्ति बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानों को आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल भी मिलती थी।

(1) हरित-क्रांति का मुख्य उद्‌देश्य देश को किस मामले में आत्मनिर्भर बनाना था? **1**

(क) अर्थ के मामले में

(ख) शिक्षा के मामले में

(ग) खाद्‌यान्न के मामले में

(घ) मवेशियों के मामले में।

(2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए— **1**

(*a*) कीटनाशकों का प्रयोग खाद्‌यान्न की गुणवत्ता के लिए ठीक नहीं है।

(*b*) हरित क्रांति का उद्‌देश्य आर्थिक मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाना था।

(*c*) किसान परंपरागत कृषि की ओर जा रहे हैं।

(*d*) आज खेतों में गोबर की खाद ही डाली जा रही है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(क) केवल (*b*)

(ख) केवल (*a*)

(ग) (*a*), (*b*) और (*d*)

(घ) (*b*), (*c*) और (*d*).

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। **1**

कथन (A) : फसलों की अधिक पैदावार ज़रूरी है।

कारण (R) : देश की आबादी रफ़्तार से बढ़ रही है।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) गोबर खाद की क्या विशेषता होती है? **2**

(5) खाद्‌यान्न की गुणवत्ता के लिए क्या सही नहीं है? **2**

उत्तर—(1) (ग)खाद्‌यान्न के मामले में।

(2) (ख) केवल (*a*) .

(3) (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) खेतों में गोबर खाद डालने से न सिर्फ़ खेतों की उर्वरा-शक्ति बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाली फसल भी मिलती थी।

(5) खेतों में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्‌यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **(1 × 4 = 4)**

(क) एक कुत्ता तीन टाँगों के बल रेंगता चला आ रहा है।—रेखांकित पदबंध कौन-सा है? **1**

(ख) जो छात्र परिश्रम करेंगे वे ही परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे।—रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए। **1**

(ग) मेरे मित्र बड़े नेक और ईमानदार हैं।—वाक्य में से विशेषण पदबंध छाँटिए। **1**

(घ) आप आराम से बैठकर बातें कीजिए।—रेखांकित पदबंध का प्रकार लिखिए। **1**

(ङ) सदैव जल से भरी रहने वाली नदी यहाँ बहती है।—संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए। **1**

उत्तर—(क) क्रिया पदबंध।

(ख) सर्वनाम पदबंध।

(ग) नेक और ईमानदार।

(घ) क्रिया विशेषण पदबंध।

(ङ) सदैव जल से भरी रहने वाली नदी।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए— **(1 × 4 = 4)**

(क) वह बग़ल के कमरे से कुछ बरतन ले आया। तौलिये से बरतन साफ़ किए। (संयुक्त वाक्य में) **1**

(ख) लिखकर अभ्यास करने से कुछ भूल नहीं सकते। (मिश्र वाक्य में) **1**

(ग) सीमा पर लड़ने वाले सैनिक ऐसे हैं कि जान हथेली पर लिए रहते हैं। (सरल वाक्य में) **1**

(घ) तुम वहाँ मत जाओ, जहाँ तुम्हारे विरोधी हों। (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए) **1**

(ङ) जो कर्म करता है, उसे फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए। (सरल वाक्य में) **1**

उत्तर—(क) वह बग़ल के कमरे से कुछ बरतन ले आया और उन्हें तौलिये से साफ़ किया।

(ख) यदि लिखकर अभ्यास करें, तो कुछ नहीं भूल सकते।

(ग) सीमा पर लड़ने वाले सैनिक जान हथेली पर लिए रहते हैं।

(घ) मिश्र वाक्य।

(ङ) कर्म करने वाले को फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— **(1 + 1 = 2)**

(*i*) ऋणमुक्त

(*ii*) चंद्रखिलौना

(*iii*) पंचवटी।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) धन और दौलत

(*ii*) राष्ट्र की संपत्ति

उत्तर— (क) (*i*) ऋण से मुक्त—तत्पुरुष समास

(*ii*) चंद्र रूपी खिलौना—कर्मधारय समास

(*iii*) पाँच वटों का समूह—द्विगु समास

(ख) (*i*) धन-दौलत—द्वंद्व समास

(*ii*) राष्ट्र संपत्ति—तत्पुरुष समास।

प्रश्न 6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए—(1 × 2 = 2)

(*i*) हाथ-पाँव फूलना

(*ii*) रँगे हाथ पकड़ना

(*iii*) पापड़ बेलना।

(ख) नीचे लिखे वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति द्वारा कीजिए— (1 × 2 = 2)

(*i*) मास्टर जी को धोखा देना आसान नहीं वे तो ..... लेते हैं।

(*ii*) महँगाई इतनी है कि ..... के बाद भी घर का गुजारा नहीं चलता।

उत्तर— (*i*) परीक्षा भवन पहुँचकर जब उसे अपना पेंसिल बॉक्स नहीं दिखा तो उसके हाथ-पाँव फूल गए।

(*ii*) पुलिस चोर को रँगे हाथ पकड़ना चाहती थी इसलिए जाल बिछाये बैठी थी।

(*iii*) परीक्षा में प्रथम आने के लिए बहुत पापड़ बेलने पड़ते हैं।

(ख) (*i*) उड़ती चिड़िया के पर गिन

(*ii*) दिन-रात एक करने।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— (1 × 5 = 5)

कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।
सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी ज़बर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने ज़माने में

(1) तोप को साल में कितनी बार चमकाया जाता है? 1

(क) एक बार (ख) दो बार

(ग) तीन बार (घ) चार बार।

(2) कंपनी बाग के प्रवेश द्वार पर क्या रखा हुआ है? 1

(क) एक साइकिल (ख) एक तलवार

(ग) एक तोप (घ) चार बंदूक।

(3) तोप अपने-आप को शक्तिशाली बताती है, क्योंकि— 1

(क) यह बहुत बड़ी व भारी-भरकम है।

(ख) इसमें बड़े-बड़े पहिए लगे हैं।

(ग) इसने कई नागरिकों को मार डाला है।

(घ) इसने 1857 के स्वतंत्रता-संग्राम के कई क्रांतिकारियों की धज्जियाँ उड़ा दी थीं।

(4) काव्यांश में आए बाग को 'कंपनी बाग' क्यों कहा जाता है? 1

(क) क्योंकि इसे अंग्रेज़ी शासन काल में बनाया गया था।

(ख) क्योंकि इसे ईस्ट इंडिया कंपनी ने बनाया था।

(ग) क्योंकि इसे कंपनी नामक व्यक्ति द्वारा विशेष रूप से बनवाया गया था।

(घ) क्योंकि यह बाग केवल ईस्ट इंडिया कंपनी के लोगों के लिए ही बनवाया गया था।

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए— 1

(*i*) तोप को साल में दो बार चमकाया जाता है।

(*ii*) तोप कंपनी बाग के प्रवेश द्वार पर रखी है।

(*iii*) तोप 1857 की है।

(*iv*) तोप 1857 में चल नहीं सकी थी।

(*v*) कंपनी बाग में अब कोई नहीं आता है।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए—

(क) (*i*), (*ii*), (*iii*) (ख) (*ii*), (*iv*), (*v*)

(ग) (*i*), (*iii*), (*v*) (घ) (*ii*), (*iii*), (*iv*)

उत्तर— (1) (ख) (2) (ग) (3) (घ) (4) (घ) (5) (क)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (1 × 5 = 5)

किस्सा क्या हुआ था उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वज़ीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूटकर भरी थी, उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(1) अंग्रेज़ों ने किसको पद से हटाया ? 1

(क) सआदत अली को

(ख) गवर्नर जनरल को

(ग) वज़ीर अली को

(घ) नवाब को।

(2) 'वज़ीर अली ने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।' कथन से वज़ीर अली के व्यक्तित्व का पता चलता है कि ..... । 1

(क) वह अंग्रेज़ों से नफरत करता था।

(ख) वह पद लोभी था।

(ग) वह अंग्रेज़ों की नीति की सराहना करता था।

(घ) वह अंग्रेज़ों का समर्थक था।

(3) अग्रलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—वज़ीर अली ने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

कारण (R)—वकील ने वज़ीर अली को बुरा-भला सुना दिया।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) वज़ीर अली ने वकील की हत्या कैसे की ? 1

(क) गोली मारकर

(ख) तलवार मारकर

(ग) ज़हर देकर

(घ) खंजर मारकर।

(5) गद्यांश के संदर्भ में स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और विकल्प का चयन करके लिखिए : 1

स्तंभ-I	स्तंभ-II
1. तीन लाख रुपए सालाना	I. वकील
2. बनारस	II. गवर्नर जनरल
3. कलकत्ता	III. वज़ीर अली

विकल्प :

(क)	1-III	2-I	3-II
(ख)	1-II	2-III	3-I
(ग)	1-I	2-II	3-III
(घ)	1-III	2-II	3-I

उत्तर—(1) (ग) (2) (क) (3) (घ) (4) (घ) (5) (क)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— **(2 × 3 = 6)**

(क) बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं? **2**

(ख) राजकपूर द्वारा फ़िल्म की असफलता के खतरों से आगाह करने पर भी शैलेंद्र ने यह फ़िल्म क्यों बनाई? **2**

(ग) व्यवहारवादी और आदर्शवादी लोगों में क्या अंतर है? समाज को शाश्वत मूल्य किसने दिए? **2**

(घ) सवार के जाने के बाद कर्नल के आश्चर्यचकित होने के क्या कारण थे? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए। **2**

उत्तर—(क) बड़ा भाई होने के नाते, वे अपने छोटे भाई को सही रास्ते पर चलाना चाहते थे और वे चाहते थे कि उनका छोटा भाई पढ़-लिखकर एक अच्छा ऑफ़िसर बने। वे भी खेलना-कूदना और पतंग उड़ाना चाहते थे लेकिन आदर्श बड़ा भाई बनने की आशा में वे खेल नहीं पाते थे। इसी कारण बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ दबानी पड़ती थीं।

(ख) राजकपूर शैलेंद्र के सच्चे और अच्छे मित्र थे। जब शैलेंद्र ने 'तीसरी कसम' इस फ़िल्म बनाने के बारे में सोचा, तो राजकपूर ने फ़िल्म की असफलता के खतरों के बारे में पहले ही बता दिया था लेकिन फिर भी शैलेंद्र ने फ़िल्म बनाने का निर्णय नहीं बदला। वे एक आदर्शवादी और भावुक कवि थे। उनका उद्देश्य फ़िल्म का निर्माण करके उससे धन कमाना नहीं था। वे आत्मसंतुष्टि के लिए फ़िल्म बनाना चाहते थे। अत: राजकपूर द्वारा फ़िल्म की असफलता के खतरों से अवगत कराए जाने पर भी शैलेंद्र ने 'तीसरी कसम' फ़िल्म बनाई।

(ग) व्यवहारवादी लोग वे होते हैं, जो अपने लाभ-हानि के आधार पर ही व्यवहार करना उचित समझते हैं। उनका न कोई सिद्धांत होता है और न ही आदर्श। वे तो मात्र निजी स्वार्थ के लिए जीते हैं। जबकि आदर्शवादी लोग परोपकार की भावना से भरे होते हैं। वे संपूर्ण समाज की उन्नति की कामना करते हैं। आदर्शवादी लोगों ने समाज में शाश्वत मूल्यों की स्थापना की है तथा उनकी रक्षा करते रहे हैं। उन्होंने ही समाज के दूसरे लोगों की उन्नति में योगदान दिया है। वे निजी स्वार्थ से पहले समाज-कल्याण तथा लोक-कल्याण की बात करते हैं।

(घ) सवार के जाने के बाद कर्नल का आश्चर्यचकित हो जाना स्वाभाविक ही था, क्योंकि जिसकी तलाश में कर्नल दर-दर भटक रहा था, वह न केवल उसके समक्ष उपस्थित हुआ, बल्कि उससे वार्तालाप भी किया और कारतूस भी ले गया।

ऐसे निर्भीक शत्रु से कर्नल भी प्रभावित हो गया था। जाते-जाते कर्नल को अपना परिचय भी दे जाना, उसके साहस की पराकाष्ठा है। कर्नल को आश्चर्य में डालने के लिए वह घटना पर्याप्त थी।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— **(2 × 3 = 6)**

(क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आलोक में सैनिक के जीवन की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए 'राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो—इस कथन से कवि क्या संदेश प्रकट करना चाहता है? भाव स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) 'सहस्र दृग सुमन' से क्या तात्पर्य है? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा? **2**

(ग) 'मनुष्यता' कविता में 'सुमृत्यु' किसे कहा गया है? **2**

(घ) 'पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोय' कबीर के इस काव्यांश की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए। **2**

उत्तर—(क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने राम को शासक का प्रतीक तथा लक्ष्मण को सेवक का प्रतीक माना है। लोकतंत्र की व्यवस्था में देश का शासक एवं सेवक स्वयं जनता होती है। यही कारण है कि कवि यह कहकर संबोधित करता है —तुम्हीं राम हो और तुम्हीं लक्ष्मण हो।

कवि के कहने का तात्पर्य है कि प्रत्येक भारतवासी को, चाहे वह शासक हो या फिर शासित, राष्ट्र की सुरक्षा की जवाबदारी समझनी चाहिए और देश के लिए अपने प्राणों को हँसते-हँसते न्योछावर कर देना चाहिए।

(ख) 'सहस्र दृग सुमन' से तात्पर्य यह है कि पर्वत पर खिले हुए हज़ारों फूलों को देखकर ऐसा लगता है, जैसे वे पर्वत की आँखें हों। इस पंक्ति में कवि ने यह कल्पना की है कि पर्वत अपने हज़ारों फूलों जैसी आँखों से पानी में अपने प्रतिबिंब को निहार रहा हो। इसके लिए नेत्रों की ज़रूरत थी इसलिए कवि ने 'सुमन' को 'पर्वत की आँख' कहा है।

(ग) 'मनुष्यता' कविता में कवि ने ऐसी मृत्यु को 'सुमृत्यु' कहा है, जिसे सभी लोग याद रखें। जो मनुष्य अपने हित से पहले दूसरों की चिंता करता है अर्थात दूसरों की भलाई के लिए अपना जीवन त्याग देता है। ऐसे मनुष्य को उसके मरने के बाद भी याद किया जाता है और उसकी मृत्यु ही सुमृत्यु होती है।

(घ) कबीर के इस काव्यांश की सार्थकता इस प्रकार है कि बड़े-बड़े ग्रंथ पढ़ने और बड़ी-बड़ी उपाधियाँ व पुरस्कार प्राप्त करने से सच्चा ज्ञान प्राप्त नहीं होता। कबीरदास सच्चा पंडित (ज्ञानी) उसी व्यक्ति को मानते

हैं, जो सबके साथ अच्छा व्यवहार करे और सबके साथ प्रेमपूर्वक मिल-जुलकर रहे तथा सहन करने की शक्ति रखे।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए— (3 × 2 = 6)

(क) हरिहर काका के बारे में गाँववालों की क्या राय थी? इसके क्या कारण थे? **3**

(ख) स्काउट परेड करते समय लेखक स्वयं को महत्वपूर्ण 'आदमी' फ़ौजी जवान समझने लगता था। कथन के आलोक में अपने विचार प्रकट करते हुए बताइए कि विद्यालय जीवन में प्रशिक्षण व गतिविधियों की क्या उपयोगिता है? **3**

(ग) इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं? **3**

उत्तर—(क) हरिहर काका के बारे में गाँववालों की राय थी कि हरिहर काका अब बूढ़े हो गए हैं, बुढ़ापे में उनकी देखभाल कौन करेगा? अत: हरिहर काका को लेकर गाँव में दो वर्ग बन गए। एक वर्ग के लोग जो पारिवारिक संस्कारों में बँधे हुए थे, उनका कहना था कि हरिहर काका को अपनी ज़मीन अपने भाइयों के नाम लिख देनी चाहिए, क्योंकि मरने पर वे ही तो मुखाग्नि देंगे।

दूसरे वर्ग के लोग वास्तव में लालची और चटोरे किस्म के थे, जो ठाकुरबारी में जाकर इकट्ठे हो जाते थे और साधु-संतों के साथ बैठकर हलवा-पूड़ी खाते थे। ऐसे ही लोगों का कहना था कि हरिहर काका को अपनी ज़मीन ठाकुरबारी के नाम लिख देनी चाहिए।

(ख) परेड करना बच्चों को बहुत अच्छा लगता था। मास्टर प्रीतमचंद लेखक जैसे स्काउटों को परेड करवाते थे तो इन बच्चों को बहुत अच्छा लगता था। जब प्रीतमचंद सीटी बजाते हुए बच्चों को मार्च करवाते थे, राइट टर्न, लेफ़्ट टर्न या अबाउट टर्न कहते थे। तब बच्चे छोटे-छोटे बूटों की एड़ियों पर दाएँ-बाएँ करते हुए ठक-ठककर अकड़कर चलते थे, तो उन्हें ऐसा लगता था मानो वे विद्यार्थी नहीं, बल्कि फ़ौजी जवान हों। धुली वरदी, पॉलिश किए बूट और जुराबों को पहनकर बच्चे फ़ौजी जैसा महसूस करते थे।

(ग) इफ़्फ़न की दादी का विवाह दस वर्ष की आयु में ही हो गया था। वे पूर्व की रहने वाली थीं और विवाह के बाद लखनऊ आई थीं। मौलवियों के परिवार में आकर उन्हें कई असुविधाओं का सामना करना पड़ा। वे ज़मींदार की बेटी थीं और भरे-पूरे घर से आई थीं। उन्हें दूध-दही, घी आदि खाने का बहुत शौक था। लखनऊ आकर वे इन सब चीज़ों के लिए तरस गईं थीं। उन्हें अपनी बोली पर भी नियंत्रण रखना पड़ता था। शादी-ब्याह में गाने-बजाने पर रोक थी, इन सब कारणों से वे अपने पीहर जाना चाहती थीं।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए— (5 × 1 = 5)

(क) सत्यमेव जयते

- भाव
- झूठ के पाँव नहीं होते
- सत्य ही परम धर्म

(ख) लड़का-लड़की एक समान

- ईश्वर की देन
- भेदभाव के कारण
- दृष्टिकोण कैसे बदलें

(ग) शिक्षक-शिक्षार्थी संबंध

- संबंधों की परंपरा
- वर्तमान समय में आया अतर
- हमारा कर्तव्य

उत्तर—(क) सत्यमेव जयते भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है, जिसका अर्थ है—सत्य की सदैव ही विजय होती है। यह भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के नीचे अंकित है। शास्त्रों में कहा गया है कि सत्य का मार्ग धर्म का मार्ग होता है। जिसमें सत्य का प्रयोग सृष्टि का मूल तत्व माना जाता है। ऐसा कहा जाता है जो व्यक्ति 12 वर्षों तक लगातार सत्य बोलता है, उसके बाद वह जो बोलता है वह सत्य हो जाता है। यह कहावत एक तरफ़ सत्य की शक्ति दिखाती है तो दूसरी ओर यह भी प्रदर्शित करती है कि लंबे समय के लिए सत्य के प्रति सचेत रहना कितना मुश्किल है। इस जगत में सत्य के मार्ग पर चलने से बड़ी कोई तपस्या नहीं है और न ही झूठ बोलने से बड़ा कोई पाप है क्योंकि जिसके हृदय में सत्य का निवास होता है उसके हृदय में साक्षात परमेश्वर का वास होता है। सत्य बोलने, सच्चा व्यवहार करने तथा सत्य के मार्ग पर चलने से बढ़कर कोई तपस्या नहीं होती है और ये सच्चे इनसान को कभी हारने नहीं देते। जिसका हृदय सच से भरा हो उसकी कभी हार नहीं हो सकती है। इसके विपरीत हर बात पर झूठ बोलते रहना, छल-कपट करना, झूठ से भरा व्यवहार तथा आचरण करना, उन सभी से बड़ा पाप है। हम उन्हीं व्यक्तियों को पसंद करते हैं जो सदैव सत्य बोलते हैं। झूठे और मक्कार लोगों को कोई पसंद नहीं करता है। सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र सदैव सत्य बोलते थे। वह अपने सत्य और न्याय के लिए जाने जाते थे। इसलिए आज भी उनकी कहानियाँ बड़े सम्मान के साथ सुनाई जाती हैं। स्पष्ट संकेत मिलता है कि मनुष्य का हर तरह का व्यवहार सदैव सत्य पर आधारित रहना चाहिए। झूठ का सहारा कभी भूलकर भी नहीं लेना चाहिए। गलती हो जाने पर यदि व्यक्ति सब कुछ सच-सच प्रकट कर देता है तो उसके सुधार की प्रत्येक संभावना उसी प्रकार बनी रह सकती है। सत्य की सदा जीत होती है।

(ख) मनुष्य को एक सामाजिक प्राणी कहा जाता है। वह जिस समाज में कार्य करता है उस समाज में दो जाति के मनुष्य रहते हैं—लड़का और लड़की। पुराने ज़माने में लड़की को शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी नहीं भेजते थे। देश की आज़ादी के बाद लड़कियाँ हर क्षेत्र में कार्य करने लगी हैं। आज के युग में सभी लड़कियाँ लड़कों के बराबरी में चलने लगी हैं। लड़कियाँ घर, समाज और देश का नाम रोशन कर रही हैं। कई भारतीय महिलाओं ने अपने देश का नाम ऊँचा किया है। लड़कियों को किसी भी रूप में लड़कों से कमज़ोर नहीं समझा जा सकता, क्योंकि लड़कियों के बिना मनुष्य जीवन आगे नहीं बढ़ सकता। अगर परिवार चलाने के लिए लड़का ज़रूरी है, तो परिवार को आगे बढ़ाने के लिए लड़की भी ज़रूरी है। लड़कियों को उनकी सोच और उनके सपने सामने रखने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्हें उनकी ज़िंदगी उनके हिसाब से जीने देना चाहिए। लड़कियों को लड़के जितनी समानता देने की शुरुआत घर से ही करनी चाहिए। उन्हें घर के हर निर्णय में भागीदारी दी जानी चाहिए। उन्हें लोगों की संकुचित सोच से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए और उन्हें ऐसे पथ पर अग्रसर करना चाहिए कि वो लोगों की सोच को बदल सकें और लड़का-लड़की का भेदभाव खत्म कर सके। आज के इस युग में लड़का और लड़की में कोई अंतर नहीं है। लड़कियों की कर्मशीलता ही उनके सक्षम होने का सबूत है। आज कल सरकार की

तरफ से लड़कियों के लिए काफी नई और सुविधाजनक योजनाओं का एलान किया जा रहा है। लड़कियों के जन्म से लेकर पढ़ाई, नौकरी, बीमा, कारोबार, सरकारी सुविधा आदि क्षेत्र में सरकार की तरफ से काफ़ी मदद भी प्रदान की जा रही है, ताकि लड़कियाँ समाज में कभी किसी से पीछे न छूट जाएँ। भारत सरकार ने लड़कियों को लड़कों के बराबर कार्य करने का मौका दिया है। सरकार ने लड़कियों को हर क्षेत्र में सहायता करके उनका हौंसला बढ़ाया है। लड़कियों को शिक्षा के क्षेत्र से लेकर हर क्षेत्र में सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं। गरीब घर की लड़कियों के लिए मुफ़्त शिक्षा और किताबों का प्रबंध किया है। आज के आधुनिक युग में लड़का-लड़की में कोई अंतर नहीं है। यदि आज भी कोई ऐसी धारणा रखता है कि लड़की कुछ नहीं कर सकती, तो वह बिल्कुल गलत सोच रहा है।

(ग) प्राचीनकाल से ही भारत में गुरु-शिष्य परंपरा चली आ रही है जिसमें गुरु अपने शिष्य को शिक्षा देता है और शिष्य शिक्षा ग्रहण करता है। सामाजिक जीवन के अन्य संबंधों की भाँति शिक्षक-शिष्य का संबंध भी एक महत्वपूर्ण संबंध है। पुराणों में गुरु को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है। गुरु अपने जीवन का संचित समस्त ज्ञान अपने शिष्य को दे देता है और वह शिष्य की दृष्टि में आजीवन सम्मानीय बन जाता है। गुरु के लिए शिष्य अपनी संतान से भी बढ़कर होता है। पुराणों में गुरु-शिष्य के अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ शिष्य ने गुरु-दक्षिणा के रूप में गुरु को सर्वस्व देने में भी संकोच नहीं किया। परंतु वर्तमान युग में शिक्षक और शिष्य के संबंधों में बहुत बदलाव आ गया है। आजकल शिक्षक को शिक्षा प्रदान करने का साधन मात्र मान लिया गया है। गुरु के सम्मान में बहुत कमी आई है। शिष्य अपनी शिक्षा और सफलता के लिए शिक्षक को श्रेय नहीं देता, अपितु अपने परिश्रम को देता है परंतु वह इस बात को भूल जाता है कि शिक्षक के उचित मार्ग-दर्शन के अभाव में यह सफलता मिलना कठिन है। प्रत्येक शिक्षार्थी का यह कर्तव्य है कि वह उनका आजीवन सम्मान करें और अपनी सफलता तथा जीवन निर्माण में उनके योगदान को कभी न भूले।

प्रश्न 13. आपकी बस्ती के पार्क में कई अनाधिकृत खोमचे वालों ने डेरा डाल दिया है, उन्हें हटाने के लिए नगर निगम अधिकारी को 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—

परीक्षा भवन
नई दिल्ली
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में
नगर निगम अधिकारी
नगरपालिका
नई दिल्ली

विषय : बस्ती में अनधिकृत खोमचेवालों को हटाने हेतु पत्र।

मान्यवर

मैं दिल्ली के तिलक नगर क्षेत्र का निवासी हूँ और अपने इस पत्र के द्वारा आपका ध्यान बस्ती पर खोमचेवालों द्वारा किए गए अतिक्रमण से होने वाली असुविधाओं की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। तिलक नगर पश्चिमी दिल्ली की सुप्रसिद्ध बस्ती है। यहाँ अच्छा बाज़ार भी है। यहाँ आए दिन सैकड़ों ग्राहक सामान की खरीददारी करने के लिए आते हैं, साथ ही इस बाज़ार द्वारा सैंकड़ों लोगों को रोज़गार भी मिलता है। परंतु कुछ खोमचेवाले फुटपाथों और सड़कों पर भी अपना सामान या वाहन लगाने लगे हैं जिससे राह चलते लोगों को बहुत असुविधा होती है। पैदल यात्रियों को फुटपाथ पर चलने की जगह न मिलने के कारण सड़क पर चलना पड़ता है, जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती है, साथ ही दुर्घटना का भी डर रहता है।

आपसे अनुरोध है कि इस ओर ध्यान देते हुए शीघ्रातिशीघ्र उचित कदम उठाएँ ताकि हमारी इस समस्या का समाधान हो सके।

धन्यवाद
भवदीय
क० ख० ग०

अथवा

दूरदर्शन निदेशालय को 100 शब्दों में पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि किशोरों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले अधिकारिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने की ओर ध्यान दिया जाए।

परीक्षा भवन
लखनऊ
दिनांक : 9 मार्च 20XX
सेवा में
मुख्य अधिकारी
दूरदर्शन
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

विषय : देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले कार्यक्रमों के प्रसारण हेतु।

मान्यवर

मैं देश के एक सजग किशोर के रूप में आपका ध्यान दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। आजकल दूरदर्शन पर देशभक्ति से संबंधित बहुत कम कार्यक्रम दिखाए जाते हैं। आजकल के किशोर वर्ग में देशभक्ति की भावना कम दिखाई देती है। यदि दूरदर्शन पर देशभक्ति के कार्यक्रमों का प्रसारण बढ़ा दिया जाए, तो इसका प्रभाव किशोरों पर अवश्य पड़ेगा। अत: आपसे निवेदन है कि किशोरों में देशभक्ति की भावना जागृत करने वाले कार्यक्रमों की संख्या बढ़ाई जाए।

आशा है कि आप इस ओर अवश्य ध्यान देंगे। देशभक्ति की भावना बढ़ाने वाले कार्यक्रमों का प्रसार करेंगे।

धन्यवाद
भवदीय
क० ख० ग०

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

अपनी बस्ती को स्वच्छ रखने हेतु कल्याण समिति के सचिव होने के नाते इससे संबंधित सूचना 60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर— सूचना

कल्याण समिति, शाहदरा

प्रयागराज

दिनांक : 12 फ़रवरी, 20XX

स्वच्छता अभियान में सहयोग हेतु

सभी को सूचित किया जाता है कि बस्ती को स्वच्छ रखने के लिए सभी निवासियों का योगदान वांछनीय है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता आंदोलन के तहत बस्तीवासियों का यह कर्तव्य है कि वे आगे बढ़कर अपनी बस्ती को स्वच्छ

रखने के लिए अपना योगदान दें। अपने घर के बाहर तथा गली के अंदर कूड़ा-करकट न फेंके, कूड़ेदान में ही डालें। सभी का सहयोग अपेक्षित है।

बनारसी दास

सचिव

कल्याण समिति

अथवा

आप अपने विद्यालय की छात्र संस्था के सचिव हैं तथा विद्यालय में 'चित्रकला प्रतियोगिता' आयोजित करवाना चाहते हैं। इससे संबंधित सूचना 60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर— सूचना

ग्लोबल विलेज, विद्यालय

देहरादून, उत्तराखंड

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक : 24 जनवरी, 20XX

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि इस वर्ष 14 नवंबर को 8:00 बजे से 10:00 बजे तक विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सभी कक्षाओं के छात्र इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी 10 नवंबर तक अपना नाम अध्यापिका के पास दर्ज़ कराएँ।

विभोर गुप्ता

सचिव

छात्र संगठन

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए— (3 × 1 = 3)

विवान पैलेस के नाम से एक नया समारोह स्थल खुला है। उसमें पार्टियाँ करने, शादी-समारोह करने और ठहरने एवं भोजन करने की भी व्यवस्था है। इसके प्रचार हेतु एक विज्ञापन 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर—

अथवा

मदरप्राइड प्ले स्कूल में प्री-प्राइमरी से पाँचवीं कक्षा तक के दाखिले आरंभ हो गए हैं। इस स्कूल के प्रचार के लिए एक विज्ञापन 40 शब्दों में लिखिए।

उत्तर—

प्रश्न 16. 'फूटा घड़ा और किसान' विषय पर 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर— फूटा घड़ा और किसान

दूर गाँव में रामू नाम का एक किसान रहता था। उसके पास दो घड़े थे। वह उन दोनों घड़ों को बाँस की एक लकड़ी के दोनों सिरों पर बाँधकर प्रतिदिन नदी से पानी भरता। किंतु घर पहुँचने तक एक घड़े का पानी आधा रह जाता था। वास्तव में दोनों घड़ों में से एक घड़ा फूटा हुआ था। प्रतिदिन किसान की मेहनत बेकार जाते देख एक दिन फूटा घड़ा फूट-फूटकर रोने लगा और किसान से माफ़ी माँगने लगा। तब किसान ने उससे कहा, ''तुम्हें इस तरह रोने की ज़रूरत नहीं। प्रात: नदी से आते समय अपने मार्ग को देखना, तुम्हें वहाँ फूल-ही-फूल दिखाई देंगे। मुझे पता था कि तुम किसी एक जगह से फूटे हुए हो और उसमें से पानी रिसता है। यह देखकर मैंने उस मार्ग में फूलों के बीज बो दिए थे जिसे तुम अनजाने में प्रतिदिन पानी देते रहे, जिससे वह मार्ग फूलों से भर गया जबकि दूसरी ओर मार्ग सूखा और वीरान है।'' तुम अपनी कीमत को कम मत समझो। तुम्हारे द्वारा दिए गए पानी से खिले फूल मेरे घर और मंदिर को महकाते हैं। कहने का भाव यह है कि किसी की एक कमी के कारण उसकी कीमत कम नहीं आँकनी चाहिए।

अथवा

हेडफ़ोन के खराब होने की शिकायत करते हुए 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

To : pmy@xxx.com>

CC \ BCC : > > > >

Subject : हेडफ़ोन की खराब क्वालिटी की शिकायत हेतु।

श्रीमान जी

मैंने परफेक्ट म्यूजिक से 12 अगस्त, दिन मंगलवार को हेडफ़ोन खरीदा था। उपयोग में आने के कुछ ही समय में बाईं तरफ़ के हेडफ़ोन ने काम करना बंद कर दिया। दुर्भाग्यवश स्टॉफ के कर्मचारियों ने हेडफ़ोन की अदला-बदली करने से साफ़ इनकार कर दिया जबकि मैंने रसीद भी उपलब्ध कराई थी। मैं हेडफ़ोन की खराब क्वालिटी से बेहद निराश हूँ और आपके स्टोर में मेरे साथ हुए असभ्य व्यवहार के लिए आहत हूँ।

आशा करता हूँ समस्या का समाधान हो जाएगा और मुझे खराब उत्पाद के बदले में पैसे वापस मिल जाएँगे।

धन्यवाद

नागरिक संपर्क प्रकोष्ठ के प्रमुख

XYZ

Holy Faith New Style Sample Paper–10

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

जलवायु परिवर्तन के दौर में गरमी का बढ़ता प्रकोप अनेक चिंताएँ उत्पन्न कर रहा है। भूमि के सभी क्षेत्र गरमी के प्रकोप से समान रूप से प्रभावित नहीं होते हैं। जहाँ अधिक हरियाली है, पेड़ हैं, वहाँ गरमी की मार अपेक्षाकृत कम है, जहाँ पूरा क्षेत्र सीमेंट-कंक्रीट के निर्माणों और सड़कों से भरा पड़ा है, वहाँ गरमी अधिक होती है। प्राय: किसी भी शहर के लिए एक ही तापमान बताया जाता है, पर वास्तव में एक ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों के तापमान में बहुत अंतर होता है। 10 डिग्री सेल्सियस या उससे भी अधिक का अंतर एक ही महानगर या बड़े शहर के भीतर देखा जा सकता है। वृद्ध और पहले से कमज़ोर स्वास्थ्य के लोगों पर चरम गरमी के दिनों में विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है। गरमी के प्रकोप से उन लोगों की स्थिति और बिगड़ सकती है, जो पहले से साँस व हृदय संबंधी समस्याओं से त्रस्त हैं।

पर्यावरणविदों के अनुसार, शहरों में अधिक तापमान के कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं। आधुनिक शहरों का आकार-प्रकार वायु के बहाव के हिसाब से ठीक नहीं है। गाँव में हवा रुकती नहीं है, लेकिन शहरों में ऊँची इमारतों की वजह से हवा रुकती है और बेचैनी बढ़ती है। शहर रेगिस्तान की तरह होने लगे हैं। कई जगहों पर किसी वनस्पति का नामोनिशान नहीं होता है, ऐसे इलाकों पर बारिश भी बेअसर होती है। वाष्पीकरण कम होता है और गरमी बढ़ जाती है। शहरों में मानव-जनित ऊष्मा भी बहुत बढ़ गई है। पेट्रोलियम पदार्थों के अधिकतम उपयोग से भी शहरी तापमान बढ़ रहा है। गरमी के प्रकोप को कम करने के लिए बसावट सुधारने से हरियाली बढ़ाने तक बहुत काम हैं, जो हमें करने चाहिए। स्थानीय प्रजाति के वृक्षों की संख्या बढ़ाने तथा परंपरागत जलस्रोतों की रक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

(1) परंपरागत जलस्रोतों का उचित विकल्प है— 1

(क) कुआँ, पोखर, नलकूप

(ख) कुआँ, हैंडपंप, पोखर

(ग) कुआँ, तालाब, नलकूप

(घ) कुआँ, तालाब, बावड़ी।

(2) शहरी क्षेत्रों में अधिक तापमान का क्या कारण है? 1

(क) शहरों में बहुमंज़िला इमारतों का होना

(ख) शहरों में पक्की सड़कों का जाल होना

(ग) शहरों में हरियाली का असमान रूप में पाया जाना

(घ) शहरों में सीमेंट-कंक्रीट के निर्माण का अधिक होना।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : गाँव में हवा रुकती नहीं है, लेकिन शहरों में हवा रुकती है।

कारण (R) : आधुनिक शहरों का आकार-प्रकार वायु के बहाव के हिसाब से ठीक नहीं है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) , कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) गरमी के प्रकोप से किन लोगों पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है? 2

(5) शहरी क्षेत्रों में असमान तापमान का क्या कारण है? 2

उत्तर— (1) (घ) कुआँ, तालाब, बावड़ी।

(2) (घ) शहरों में सीमेंट-कंक्रीट के निर्माण का अधिक होना।

(3) (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) वृद्ध और पहले से कमज़ोर स्वास्थ्य के लोगों पर चरम गरमी के दिनों में विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है। गरमी के प्रकोप से उन लोगों की स्थिति और बिगड़ सकती है, जो पहले से ही साँस व हृदय संबंधी समस्याओं से त्रस्त हैं।

(5) पर्यावरणविदों के अनुसार, आधुनिक शहरी क्षेत्रों का आकार-प्रकार वायु के बहाव के हिसाब से ठीक नहीं है। शहरों में ऊँची इमारतों की वजह से हवा रुकती है। वनस्पति का नामोनिशान न होने के कारण बारिश भी बेअसर होती है। पेट्रोलियम पदार्थों के अधिकतम प्रयोग से भी शहरों का तापमान बढ़ रहा है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

अनुभवी व्यक्तियों का कहना है, लक्ष्य चुनना ही काफ़ी नहीं होता, बल्कि उसे जितनी जल्दी चुना जाए, उतना ही बेहतर है। कई बड़े काबिल लोग लक्ष्य चुनने में इतनी देर कर देते हैं कि उसे हासिल करने के लिए जीवन में समय ही नहीं बचता। इसीलिए स्कूली स्तर पर ही भाषा, गणित, विज्ञान समेत सभी विषयों के साथ-साथ

खेल-कूद, नृत्य-संगीत जैसी विधाओं को भी पाठ्यक्रमों से जोड़ा जाता है, ताकि कच्ची उम्र से ही बच्चे अपनी रुचि के अनुरूप, जीवन का लक्ष्य तय कर उस दिशा में आगे बढ़ सकें। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अपने शौक को लक्ष्य और फिर पेशे के रूप में चुनने से सफलता सुनिश्चित हो जाती है, क्योंकि इन्हें हासिल करने में इनसान अपना दिल, दिमाग और ताकत लगा देता है। लक्ष्य-निर्धारण में देरी का अर्थ ही दूसरों से पिछड़ना है। आमतौर पर बच्चे कहते हैं कि मैं बड़ा होकर डॉक्टर, इंजीनियर या आई०ए०एस० बनूँगा, लेकिन इससे आगे बढ़ने का प्रयास नहीं करते। स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने तो किशोरावस्था में ही गायिका बनने का प्रयास शुरू कर दिया था और इतिहास रच दिया। तय है, लक्ष्य के साथ जीना सीखने वाले मुड़कर नहीं देखते। कई सारे उदाहरण हैं, जो बताते हैं कि सफलता का बड़ा हिस्सा लक्ष्य-निर्धारण में जल्दी या देरी पर टिका है। महज आठ वर्ष की आयु में अमेरिकी तैराक माइकल फेलप्स ने तैराकी में ओलंपिक पदक जीतने का लक्ष्य साधा और आगे चलकर तेईस स्वर्ण समेत कुल अट्ठाइस पदक जीतकर ओलंपिक रिकॉर्ड कायम कर दिया। शिवाजी महाराज ने कहा था 'एक छोटा कदम लक्ष्य-निर्धारण की ओर बाद में संपूर्ण लक्ष्य हासिल करा देता है।' इसलिए सोच-विचार में समय गँवाने के बजाय लक्ष्य चुनिए और उड़ान भरना शुरू कीजिए।

(1) गद्यांश में लेखक ने प्रसिद्ध व्यक्तियों के उदाहरण क्यों दिए हैं? 1

(क) उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करने के लिए
(ख) सही उम्र में लक्ष्य-निर्धारण की महत्ता समझाने के लिए
(ग) उनकी तरह परिश्रम कर महान बनने के लिए
(घ) उनके जीवन के इतिहास से परिचित कराने के लिए।

(2) गद्यांश में प्रयुक्त 'उड़ान भरना' का अर्थ है— 1

(क) सपने देखना
(ख) कल्पना करना
(ग) हवाई यात्रा करना
(घ) कोशिश करना।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कथन (A) : अपने शौक को लक्ष्य और पेशा बनाने से सफलता सुनिश्चित हो जाती है।
कारण (R) : एक छोटा कदम लक्ष्य-निर्धारण की ओर बाद में संपूर्ण लक्ष्य हासिल करा देता है।

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

(4) अनुभवी व्यक्तियों का लक्ष्य-चयन के विषय में क्या मत है? 2

(5) स्कूली स्तर पर विभिन्न विषयों के साथ अन्य विधाओं को पाठ्यक्रम का हिस्सा क्यों बनाया जाता है? 2

उत्तर—(1) (ख) सही उम्र में लक्ष्य-निर्धारण की महत्ता समझाने के लिए।

(2) (घ) कोशिश करना।

(3) (ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(4) अनुभवी व्यक्तियों का कहना है कि लक्ष्य चुनना ही काफ़ी नहीं होता है, बल्कि उसे जितनी जल्दी चुना जाए, उतना ही बेहतर है।

(5) स्कूली स्तर पर विभिन्न विषयों के साथ-साथ खेल-कूद, नृत्य-संगीत जैसी विधाओं को भी पाठ्यक्रमों में जोड़ा जाता है, ताकि कच्ची उम्र में ही बच्चे अपनी रुचि के अनुरूप, जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ सकें।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (1 × 4 = 4)

(क) मौत से जूझने वाला मैं मर नहीं सकता।—सर्वनाम पदबंध छाँटिए। 1
(ख) निरंतर बहता हुआ पानी साफ़ होता है।—रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए। 1
(ग) जीतने वाले खिलाड़ी इसी शहर के हैं।—रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए। 1
(घ) यहाँ से चार किलोमीटर दूर हमारा विद्यालय है।—क्रियाविशेषण पदबंध छाँटिए। 1
(ङ) तुमने एकाएक इतना मधुर गाना क्यों छोड़ दिया।—रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए। 1

उत्तर—(क) मौत से जूझने वाला मैं।
(ख) विशेषण पदबंध।
(ग) संज्ञा पदबंध।
(घ) चार किलोमीटर दूर।
(ङ) विशेषण पदबंध।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (1 × 4 = 4)

(क) धनहीन व्यक्ति परिश्रम करके धनी बन सकता है।
(मिश्र वाक्य में बदलिए) 1
(ख) जो व्यक्ति परिश्रमी है वह पीछे नहीं रह सकता।
(सरल वाक्य में बदलिए) 1
(ग) चरित्र उत्तम होने के कारण लोग उसकी प्रशंसा करते हैं।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए) 1
(घ) वह फल खरीदने के लिए बाज़ार गया।
(मिश्रित वाक्य में बदलिए) 1
(ङ) मोहन ऐसा खिलाड़ी है, जो कभी फेल नहीं होता है।
(रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद बताइए) 1

उत्तर—(क) जो धनहीन व्यक्ति है वह परिश्रम करके धनी बन सकता है।
(ख) परिश्रमी व्यक्ति पीछे नहीं रह सकता।
(ग) उसका चरित्र उत्तम है इसलिए लोग उसकी प्रशंसा करते हैं।

© HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(घ) वह बाज़ार गया क्योंकि उसे फल खरीदने थे।

(ङ) मिश्र वाक्य।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) मानव-धर्म

(*ii*) सुपुत्र।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं *दो* का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) महान है जो आत्मा

(*ii*) ज़िले का अध्यक्ष

(*iii*) तीन राहों का समूह।

उत्तर—(क) (*i*) मानव का धर्म—तत्पुरुष समास

(*ii*) सु (अच्छा)है जो पुत्र—कर्मधारय समास।

(ख) (*i*) महात्मा—कर्मधारय समास

(*ii*) ज़िलाध्यक्ष—तत्पुरुष समास

(*iii*) तिराहा—द्विगु समास।

प्रश्न 6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* मुहावरों का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए—(2 × 1 = 2)

(*i*) आँखों में धूल झोंकना

(*ii*) खुशी का ठिकाना न रहना

(*iii*) टाँग अड़ाना।

(ख) नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित अंशों के लिए उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति लिखिए— (2 × 1 =2)

(*i*) एक-एक अक्षर अच्छी तरह पढ़ने पर भी बड़े भाई साहब की डाँट-डपट खानी पड़ती थी।

(*ii*) अध्यापक ने बच्चों से कहा अच्छी तरह समझ लो कि परीक्षा केंद्र में समय पर पहुँचना है।

उत्तर—(क) वह पहले भी कई बार पुलिस की आँखों में धूल झोंकता रहा है।

(ख) नीरज चोपड़ा द्वारा ओलंपिक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर देश की खुशी का ठिकाना न रहा।

(ग) हर बात में टाँग अड़ाना अच्छी आदत नहीं होती।

(ख) (*i*) घुड़कियाँ खाना

(*ii*) गाँठ बाँधना।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— (5 × 1 = 5)

खींच दो अपने खूँ से जमीं पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(1) काव्यांश में 'रावन' किसका प्रतीक है? 1

(क) अधर्म के मार्ग पर चलने वाले का

(ख) असत्य के मार्ग पर चलने वाले का

(ग) भारत के प्रति शत्रुता-भाव रखने वाले का

(घ) भारत के प्रति सद्भावना रखने वाले का।

(2) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)—देश की रक्षा का दायित्व केवल सैनिकों का है।

कारण (R)—देशवासियों को राम-लक्ष्मण के समान राष्ट्र रूपी सीता की रक्षा करनी चाहिए।

(क) कथन (A) सही है तथा कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(3) 'खींच दो अपने खूँ से जमीं पर लकीर'—का आशय है— 1

(क) देश के लिए न्योछावर होने का उदाहरण रखना

(ख) रक्त-रंजित युद्ध में बढ़ चढ़कर भाग लेना

(ग) रक्त-रंजित युद्ध से बचने का प्रयास करना

(घ) देश हेतु आत्म बलिदान की ज़रूरत न होना।

(4) 'साथियो' संबोधन से किसे संबोधित नहीं किया गया है? 1

(क) देशवासियों को

(ख) साथी सैनिकों को

(ग) भावी सैनिकों को

(घ) प्रवासियों को।

(5) काव्यांश में किसके हाथों को तोड़ने की बात की गई है? 1

(क) देश के प्रति गलत मंशा रखने वाले की

(ख) देश के प्रति उदार मंशा रखने वाले की

(ग) सीता का अपहरण करने वाले व्यक्ति की

(घ) सीता को अपमानित करने वाले व्यक्ति की।

उत्तर—(1) (ग) (2) (ख) (3) (क) (4) (घ) (5) (क)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए— (5 × 1 = 5)

राज-कपूर ने एक अच्छे और सच्चे मित्र की हैसियत से शैलेंद्र को फ़िल्म की असफलता के खतरों से आगाह भी किया। पर वह तो-एक आदर्शवादी भावुक कवि था, जिसे अपार संपत्ति और यश तक की इतनी कामना नहीं थी, जितनी आत्मसंतुष्टि के सुख की अभिलाषा थी। 'तीसरी कसम' कितनी ही महान फ़िल्म क्यों न रही हो, लेकिन यह एक दुखद सत्य है कि इसे प्रदर्शित करने के लिए बमुश्किल वितरक मिले। बावजूद इसके कि 'तीसरी कसम' में राजकपूर और वहीदा रहमान जैसे नामज़द सितारे थे, शंकर-जयकिशन का संगीत था, जिनकी लोकप्रियता उन दिनों सातवें आसमान पर थी और इसके गीत भी फ़िल्म के प्रदर्शन के पूर्व ही बेहद लोकप्रिय हो चुके थे, लेकिन इस फ़िल्म को खरीदने वाला कोई नहीं था। दरअसल इस फिल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने का गणित जानने वाले की समझ से परे थी। उसमें रची-बसी करुणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज़ नहीं थी।

(1) राजकपूर ने शैलेंद्र को किस बात से आगाह किया था ?

(क) फ़िल्म का किसी को समझ न आने वाली बात से

(ख) फ़िल्म से कोई आर्थिक लाभ न मिलने वाली बात से

(ग) फ़िल्म निर्माण में होने वाली परेशानियों से
(घ) फ़िल्म की संभावित असफलता के खतरों से।

(2) 'तीसरी कसम' फ़िल्म का दुखद सत्य क्या था ? 1
(क) फ़िल्म के लिए खरीददार का न मिलना
(ख) लोगों का फ़िल्म को न समझ पाना
(ग) फ़िल्म का रूपहले परदे पर न पहुँच पाना
(घ) फ़िल्म को प्रसिद्धि न मिल पाना।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1
कथन (A)—'तीसरी कसम' फ़िल्म का खरीददार कोई नहीं था।
कारण (R)—इसके गीत फ़िल्म के प्रदर्शन के पूर्व ही लोकप्रिय हो गए थे।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) गद्यांश के संदर्भ में स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए— 1

स्तंभ-I	**स्तंभ-II**
1. एक अच्छा और सच्चा मित्र	I. शैलेंद्र
2. आदर्शवादी भावुक कवि	II. शंकर-जयकिशन
3. लोकप्रियता सातवें आसमान पर	III. राजकपूर

विकल्प :

(क)	1-II	2-I	3-III
(ख)	1-III	2-I	3-II
(ग)	1-III	2-II	3-I
(घ)	1-I	2-III	3-II

(5) गद्यांश में आई पंक्ति - 'दो से चार बनाने का गणित' का अर्थ है— 1
(क) अधिक-से-अधिक धन कमाना
(ख) संख्याओं को जोड़ने का हिसाब
(ग) अधिक-से-अधिक मुनाफ़ा कमाना
(घ) संख्याओं को गुणा करने का हिसाब।

उत्तर—(1) (घ) (2) (क) (3) (घ) (4) (ख) (5) (क)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— (2 × 3 = 6)

(क) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए कि अंग्रेज़ सरकार ने कलकत्तावासियों द्वारा मोनुमेंट पार्क में आयोजित सभा को रोकने के लिए क्या-क्या प्रयास किए? **2**

(ख) 'मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दीं।'—कथन का क्या आशय है? **2**

(ग) 'झेन की देन' में जापान में अधिकांश लोगों के मानसिक रोगी होने का क्या कारण है? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? **2**

(घ) 'आपसी फूट के कारण भारत इतने वर्षों तक दूसरों का गुलाम रहा।'—क्या आप इस कथन से सहमत हैं? 'कारतूस' एकांकी के आधार पर कारण सहित उत्तर दीजिए। **2**

उत्तर—(क) अंग्रेज़ सरकार ने कलकत्तावासियों द्वारा मोनुमेंट पार्क में आयोजित सभा को रोकने के लिए अनेक प्रबंध किए थे। पुलिस कलकत्ता के प्रत्येक स्थल पर तैनात की गई थी। शहर के हरेक मोड़ पर गोरखों और सार्जेंट की ड्यूटी लगाई गई थी। सुबह से ही सभी पार्कों और मैदानों को पुलिस ने घेर लिया था। सभा में भाग लेने वालों को कानून का विरोधी मानकर गिरफ़्तार किए जाने का नोटिस जारी कर दिया गया था।

(ख) धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, पशु, मानव, पर्वत, नदी, समुद्र आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है, परंतु इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी स्वार्थ बुद्धि का प्रयोग करके बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। उसने वनों को काटकर और समुद्र को पीछे धकेलकर बड़ी-बड़ी इमारतें बना दीं और न जाने कितने ही परिंदे-चरिंदों को बेघर कर दिया।

(ग) जापान के लोग अकसर मानसिक रोग से ग्रस्त रहते हैं। उनके मानसिक रोग से पीड़ित होने का कारण कार्य की अधिकता तथा अमेरिका से आगे बढ़ने की होड़ है। इसी होड़ के कारण वे एक महीने का काम एक दिन में पूरा करना चाहते हैं। यही कारण है कि वे मानसिक रोगों की चपेट में आ जाते हैं।

(घ) हम इस कथन से सहमत हैं कि आपसी फूट के कारण ही भारत इतने वर्षों तक दूसरों का गुलाम रहा। भारत पर पहले मुग़लों ने शासन किया और फिर व्यापार करने के बहाने से भारत में दाखिल हुए। अंग्रेज़ों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाकर वर्षों तक भारत को गुलाम बनाकर रखा।

'कारतूस' एकांकी में भी वज़ीर अली आपसी फूट के कारण ही अपने ही राज्य से भागकर छिपता रहा और अंग्रेज़ों को देश से बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास करता रहा। अंग्रेज़ों ने प्रलोभन देकर शासकों के मध्य फूट डालकर वर्षों तक भारत को गुलाम बनाए रखा।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (2 × 3 = 6)

(क) तोप अपना परिचय किस रूप में देती है? अपने शब्दों में लिखिए। **2**

(ख) मीरा कृष्ण की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? उनका लक्ष्य सांसारिक सुखों की प्राप्ति क्यों नहीं है? मीरा के पद के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) 'आत्मत्राण' कविता की पंक्ति 'तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में' का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। **2**

(घ) कवि ने दधीचि और रंतिदेव के नामों का उल्लेख करके हमें किस बात की प्रेरणा दी है? **2**

उत्तर—(क) तोप पर्यटकों को अपना परिचय देते हुए कहती है कि अपने ज़माने में वह बहुत शक्तिशाली थी। बड़े-बड़े योद्धाओं के हौंसले उसने पस्त कर दिए थे; उनकी धज्जियाँ उड़ा दी थीं। उसकी शक्ति के आगे बड़े-बड़े वीर नतमस्तक होते थे।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (CBSE)

(ख) मीरा श्रीकृष्ण की चाकरी इसलिए करना चाहती है ताकि वे अपने आराध्य के समीप रह सकें। दिन-रात उनके दर्शन कर सकें। उनके प्रति अपना भक्ति-भाव प्रकट कर सकें। उनका सान्निध्य पाने के लिए उनके बाग-बगीचे सँवारना चाहती हैं। कहने का भाव यह है कि वे इस प्रकार उनकी भक्ति-भाव रूपी जागीर को प्राप्त कर सकेंगी।

(ग) उपर्युक्त काव्य पंक्ति द्वारा कवि रवींद्रनाथ ठाकुर कहना चाहते हैं कि वे सुख के दिनों में भी प्रभु का स्मरण बनाए रखना चाहते हैं, जबकि सामान्य व्यक्ति दुख की घड़ी में ही परमात्मा का स्मरण करते हैं और सुख प्राप्त होने पर ईश्वर को भूल जाते हैं। कवि सुख-दुख को समभाव से वहन करने हेतु ईश्वर की कृपा दृष्टि चाहते हैं।

(घ) कवि ने दधीचि और रंतिदेव के नामों का उल्लेख करके हमें त्याग व परोपकार की प्रेरणा दी है। हमें सभी के हितों व समाज के कल्याण के लिए बड़े-से-बड़ा त्याग करने के लिए तत्पर रहना चाहिए।

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए— (3 × 2 = 6)

(क) ''लोगों की ज़ुबान से घटनाओं की ज़ुबान ज़्यादा पैनी और असरदार होती है।'' 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **3**

(ख) खुशी से जाने की जगह न होने पर भी, लेखक को कब और क्यों स्कूल जाना अच्छा लगने लगा? **3**

(ग) टोपी ने मुन्नी बाबू के बारे में कौन-सा रहस्य छिपाकर रखा था और क्यों? विस्तार से समझाइए। **3**

उत्तर—(क) हरिहर काका के बारे में गाँववालों की राय थी कि हरिहर काका अब बूढ़े हो गए हैं, बुढ़ापे में उनकी देखभाल कौन करेगा? अत: हरिहर काका को लेकर गाँव में दो वर्ग बन गए। एक वर्ग के लोग जो पारिवारिक संस्कारों में बँधे हुए थे, उनका कहना था कि हरिहर काका को अपनी ज़मीन अपने भाइयों के नाम लिख देनी चाहिए, क्योंकि मरने पर वे ही तो मुखाग्नि देंगे।

दूसरे वर्ग के लोग वास्तव में लालची और चटोरे किस्म के थे, जो ठाकुरबारी में जाकर इकट्ठे हो जाते थे और साधु-संतों के साथ बैठकर हलवा-पूड़ी खाते थे। ऐसे ही लोगों का कहना था कि हरिहर काका को अपनी ज़मीन ठाकुरबारी के नाम लिख देनी चाहिए।

(ख) लेखक के लिए स्कूल खुशी से जाने वाला स्थान नहीं था क्योंकि शिक्षकों की डाँट-फटकार और पिटाई के कारण लेखक के मन में एक भय-सा बैठ गया था। इसके बावजूद जब उनके पी०टी० सर स्काउटिंग का अभ्यास करवाते थे, विद्यार्थियों को पढ़ाने-लिखाने के बदले उनके हाथों में नीली-पीली झंडियाँ पकड़ा देते थे और विद्यार्थियों से परेड करवाते थे।। पी० टी० साहब के संचालन में विद्यार्थी लेफ़्ट-राइट परेड करते हुए अपने आपको किसी फ़ौजी से कम नहीं समझते। इस कारण से लेखक को स्कूल जाना अच्छा लगने लगा था।

(ग)मुन्नी बाबू टोपी का बड़ा भाई था। वह कबाब खाता था और सिगरेट पीता था। एक बार टोपी ने मुन्नी बाबू को रहीम कबाबची की दुकान पर कबाब खाते देख लिया था। इस बात को छुपाने के लिए मुन्नी बाबू ने टोपी को इकन्नी की रिश्वत भी दी थी। इस रिश्वत का तो टोपी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने यह भेद घरवालों को नहीं बताया, क्योंकि वह चुगलखोर नहीं था। इसलिए उसने अपने घरवालों को इसकी जानकारी नहीं दी थी।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए— (5 × 1 = 5)

(क) जब हम चार रनों से पिछड़ रहे थे

- खिलाड़ियों की मनोदशा
- दर्शकों की मनोदशा
- प्रयास और परिणाम

(ख) देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव

- हमारा देश और संस्कृति
- विदेशी प्रभाव
- परिणाम और सुझाव

(ग) मित्रता

- आवश्यकता
- कौन हो सकता है मित्र
- लाभ

उत्तर—(क) हमारे विद्यालय की क्रिकेट टीम का डी०ए०वी० पंचकूला विद्यालय की टीम से विक्रम स्टेडियम में मैच चल रहा था। अंतिम ओवर था। दोनों टीमें अच्छा प्रदर्शन कर रही थीं। मैच रोमांचक मोड़ पर पहुँच चुका था। जीतने के लिए केवल छह रनों की आवश्यकता थी। दोनों टीमों के कप्तान जीत प्राप्त करने के लिए अपनी-अपनी टीम को प्रोत्साहित कर रहे थे। तभी डी०ए०वी० विद्यालय की टीम ने दो रन और बना लिए। हम चार रनों से पिछड़ रहे थे। अंतिम दो गेंदों में हार-जीत का फ़ैसला निश्चित था। मेरे दिमाग में अपने कोच की बातें गूँजने लगीं—खेलो, जी भरकर खेलो। यह समय फिर नहीं आएगा। दर्शकों की नज़रें भी हमारे खेल पर टिकी हुई थीं। तभी अचानक सामने से आती गेंद जैसे ही मेरे बल्ले से टकराई, उछल कर दर्शकों के मध्य जा गिरी। सारा स्टेडियम दर्शकों के शोर और तालियों से गूँज उठा। अंतिम गेंद के साथ ही हम मैच जीत चुके थे। मेरे आत्मविश्वास ने हमें विजयी बना दिया।

(ख) हमारा भारत देश अपनी सांस्कृतिक विशेषताओं के लिए विश्व-भर में प्रसिद्ध है। भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन व समृद्ध संस्कृति है। अनेकता में एकता ही इसकी मूल पहचान है। अध्यात्म, सहिष्णुता, अहिंसा, धर्मनिरपेक्षता, परोपकार, मानव-सेवा आदि भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ हैं। किंतु आज की युवा पीढ़ी पर विदेशी संस्कृति का प्रभाव अधिक है। पाश्चात्य सभ्यता की चमक-दमक व स्वच्छंद आचरण युवा पीढ़ी को अपनी ओर अधिक आकर्षित करता है। आज की पीढ़ी अपने संस्कारों, रीति-रिवाज़ों व नैतिक मूल्यों को भुलाकर विदेशी रंग में रँगती जा रही है जिस कारण भारतीय युवाओं का चारित्रिक पतन होता दिखाई दे रहा है। जबकि विदेशी लोगों का रुझान भारतीय संस्कृति की ओर देखा जा सकता है। कई विदेशी लोग भारतीय संस्कृति से इतने अधिक प्रभावित हैं कि वे अपने देश को छोड़कर सदा के लिए यहीं बस जाते हैं। विदेशी प्रभाव के कारण ही हमारे देश में संयुक्त-परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है। अपनी संस्कृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने बच्चों तथा युवा पीढ़ी को कहानियों, चित्रों व कलाकृतियों के माध्यम से इसकी विशेषताओं से समय-समय पर अवगत

करवाना होगा तथा भारतीय संस्कृति की उपयोगिता से परिचित कराना होगा।

(ग) मित्रता और सच्चा मित्र जीवन में किसी वरदान से कम नहीं है। जब किसी के मन में अपनेपन और सौहार्द्र का भाव हो तो उसे मित्रता कहते हैं। मित्रता के अभाव में जीवन सूना और दुखमय हो जाता है। मित्र का होना जीवन में खुशी, उमंग और आत्मविश्वास का संचार करता है। हर वर्ग के मनुष्य के लिए मित्रता आवश्यक है। विद्यालय जाकर सबसे पहले बच्चा भी मित्र बनाने का प्रयास करता है। सच्चे मित्र पर आँखें मूँदकर विश्वास किया जा सकता है। वह एक भाई और एक शिक्षक के समान होता है। जहाँ वह बुरे समय में सहारा बनकर सही राह दिखाता है, वहीं बुराई से सावधान भी करता है। वह मानो एक वैद्य के समान हमारी परेशानियों का इलाज भी करता है। कुछ लोग अल्पकालिक परिचय को मित्रता का नाम दे डालते हैं। उनके धोखा खाने की संभावना अधिक होती है। वहीं कुछ लालची और स्वार्थी लोगों से मित्रता करना भी हानिकारक हो सकता है। सच्ची मित्रता प्रत्येक दृष्टि से आदर्शपरक होती है। चरित्रवान आदर्श व्यक्ति से मित्रता करना सौभाग्य की बात होती है।

सदाचारी और बुद्धिमान
मित्र हों ऐसे विद्वान।

प्रश्न 13. आपसे अपने बचत खाते की चेक-बुक खो गई है। इस संबंध में बैंक-प्रबंधक को उचित कार्यवाही करने के लिए 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—सेवा में,
प्रबंधक
इंडियन बैंक
दिल्ली

विषय—चेक-बुक खोने के संदर्भ में

महोदय

निवेदन है कि मैं (क०ख०ग०) आपके बैंक में खाताधारक हूँ। मेरा बचत खाता क्रमांक 20656436206 है। पिछले सप्ताह घर बदलते समय मेरी 20 पन्नों वाली चेक-बुक कहीं खो गई है। उस चेक-बुक में अभी 10 चेक बकाया थे। मेरी चेक-बुक संख्या 075041 से 075060 थी। कृपया अगली सूचना तक मेरे बचत खाते में से किसी चेक का भुगतान न करें तथा एक नई चेक-बुक ज़ारी कर दें।

धन्यवाद
भवदीय
क०ख०ग०
63, मॉडल टाउन
दिल्ली
20/04/20XX

अथवा

नगर निगम को 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए जिसमें नालियों की सफ़ाई एवं कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का सुझाव हो।

उत्तर—परीक्षा भवन
दिनांक : 09/09/20XX
सेवा में
स्वास्थ्य अधिकारी
करनाल नगर निगम
करनाल

विषय—नगर की सफ़ाई हेतु पत्र।

महोदय

मैं करनाल मॉडल टाऊन का निवासी हूँ और इस पत्र द्वारा आपका ध्यान अपने क्षेत्र में फैली हुई गंदगी की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। इस क्षेत्र की सफ़ाई-व्यवस्था अत्यंत खराब है। सफ़ाई कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। बरसात का मौसम होने के कारण यही कूड़ा बरसात के पानी के साथ नालियों में जा रहा है जिसके कारण नालियाँ भी बंद हो गई हैं। हाल यह है कि अब वही गंदा पानी सड़क पर भी भरने लगा है। चारों ओर बदबू और कीड़े-मकोड़ों का राज स्थापित हो गया है। इस क्षेत्र से आना-जाना अब दुर्लभ-सा हो गया है।

नालियों की सफ़ाई न होने व गंदगी के कारण भयंकर बीमारी फैलने की आशंका उत्पन्न होती जा रही है। अत: आपसे अनुरोध है कि आप इस क्षेत्र के स्वास्थ्य निरीक्षक को उचित हिदायतें देते हुए रुकी नालियों व कूड़ा-करकट को साफ़ करवाने के साथ-साथ कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी अवश्य करवाएँ ताकि कोई बीमारी न उत्पन्न हो सके व हमारे क्षेत्र के निवासी स्वस्थ रहें।

आपकी अति कृपा होगी।
धन्यवाद
भवदीय
क०ख०ग०

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह के आयोजन के लिए आपको संयोजक बनाया गया है। विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों के लिए लगभग 60 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। 4

उत्तर—सूचना

डी०ए०वी० विद्यालय, आगरा

दिनांक : 12 नवंबर, 20XX

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि 29 नवंबर, 20XX को हमारे विद्यालय में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत लोकनृत्य, मूक अभिनय, नाटक व अन्य कई कार्यक्रम होंगे। जो भी विद्यार्थी इन कार्यक्रमों में भाग लेना चाहता है, वह अपना नाम शीघ्रातिशीघ्र विद्यालय की प्रबंधक कमेटी में लिखवा दें। नाम देने की अंतिम तिथि 16 नवंबर, 20XX है।

अभिलेख
समारोह संयोजक

अथवा

विद्यालय में छुट्टी के उपरांत फुटबॉल खेलना सीखने की विशेष कक्षाएँ आयोजित की जाएँगी। इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा अपना नाम देने हेतु सूचना-पट्ट के लिए लगभग 60 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

उत्तर—

क०ख०ग० विद्यालय, करनाल

सूचना

दिनांक : 20 अगस्त, 20XX

फुटबॉल प्रशिक्षण हेतु

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हमारे शारीरिक शिक्षा शिक्षक श्री ओ०पी० शर्मा द्वारा विद्यालय की छुट्टी के उपरांत प्रतिदिन सायंकाल 4.00 बजे से 6.00 बजे तक फुटबॉल की विशेष कक्षाएं आयोजित की जाएँगी। फुटबॉल सीखने के इच्छुक विद्यार्थी 26 अगस्त तक अपने नाम खेल सचिव को लिखवा दें। फुटबॉल प्रशिक्षण का कार्य 1 सितंबर, 20XX से आरंभ होगा।

अ०ब०स०

(खेल सचिव)

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए— (3 × 1 = 3)

विद्यालय के 'अहंग समूह' द्वारा प्रस्तुत ताजमहल नाटक के बारे में नाम, पात्र, दिन, समय, टिकट आदि की सूचना देते हुए 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

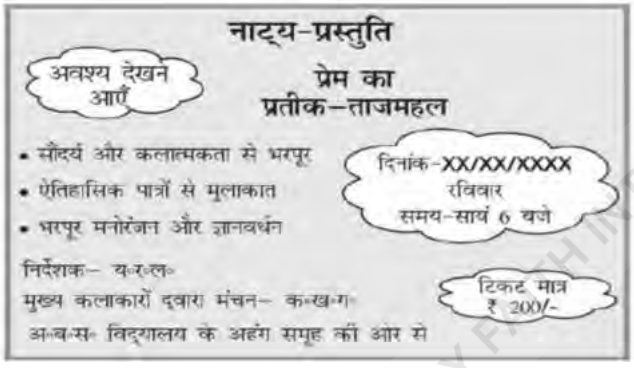

अथवा

अपनी दुकान को किराए पर उठाने के लिए 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

प्रश्न 16. 'जहाँ चाह, वहाँ राह' विषय पर लगभग 100 अथवा शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—'जहाँ चाह, वहाँ राह'

पिछले कुछ वर्षों से माधोपुर गाँव में पीने के पानी की समस्या गहराती जा रही थी। ग्रामवासियों को पीने का पानी दूसरे गाँव के कुओं से भरकर लाना पड़ता था क्योंकि उनके गाँव का तालाब गंदगी व रख-रखाव की कमी के कारण सूख चुका था। गाँव के सभी लोग बहुत परेशान थे। एक दिन गाँववालों ने इस समस्या का समाधान करने हेतु एक सभा का आयोजन किया और निर्णय लिया गया कि गाँव के सभी युवा श्रमदान करके अपने गाँव के पुराने तालाब को पक्का बनाएँगे ताकि वर्षा ऋतु आने पर इस तालाब में पानी भर सकें और पानी की इस समस्या से मुक्ति मिल सके। दूसरे दिन केवल रामू को छोड़कर कोई भी श्रमदान हेतु नहीं आया। रामू ने अकेले ही तालाब की साफ़-सफ़ाई का कार्य शुरू कर दिया। उसे काम करते देख धीरे-धीरे गाँव के सभी युवा तालाब की साफ़-सफ़ाई में लग गए। सबने मिलकर कुछ ही दिनों में तालाब को और गहरा पक्का कर दिया। वर्षा ऋतु आने पर तालाब पानी से लबालब भर गया और इस प्रकार पानी की समस्या हल हो गई।

अथवा

नौकरी की खोज के लिए एक प्रभावशाली ई-मेल लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

To : ztz@xxxx.com

CC BCC : ...>>>>

विषय—संकाय पद के लिए

श्रीमान/सुश्री

मैं आज आपके कॉलेज में एक सहायक के रूप में नौकरी हेतु आवेदन कर रहा हूँ। मुझे आपका नाम डॉ० ..... ने दिया था जो दिल्ली विश्वविद्यालय में मेरे प्रिय प्रोफ़ेसरों में से एक थे।

मेरे पास दिल्ली विश्वविद्यालय से स्वदेशी अध्ययन में स्नातक की डिग्री है और मैंने अपनी डिग्री पूरी करते समय कुछ कक्षाओं में अध्यापन कार्य में शोधार्थियों की मदद की। साथ ही मैं दिल्ली में पी०एच०डी० कार्यक्रम हेतु संवाद करने के लिए उत्सुक हूँ। हो सकता है कि हम इस लक्ष्य के साथ एक मीटिंग की योजना बना सकें। मैंने अपना बायोडाटा भेज दिया है। साझा किए गए विचारों के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ और शीघ्र ही आपसे एक जवाब के रूप में एक सूचना प्राप्त करना चाहता हूँ।

प्रथम नाम अंतिम नाम

मेल पता .....

Holy Faith New Style Sample Paper–11

(Based on the Latest Design & Syllabus Issued by CBSE)

कक्षा—दसवीं

विषय—हिंदी (कोर्स-बी)

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश— इसके लिए Holy Faith New Style Sample Paper—1 देखें।

खंड—क

(बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक/अति लघूत्तरात्मक प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

उन दिनों मैं अपने छात्रों को आनुवंशिकी पढ़ाया करता था। उस समय मैं मांसपेशियों की कमज़ोरियों पर भी कुछ प्रयोग कर रहा था। इन प्रयोगों से ही 'एपिजेनेटिक्स' की विधा निकलकर आई थी। मैं मूल कोशिकाओं के प्रतिरूप तैयार करता था। ये मूल कोशिका की एकदम ठीक नकल होते थे। इन प्रतिरूपी कोशिकाओं को मैं एक-एक करके अलग करता और इन्हें अलग-अलग वातावरण में रखता, अलग-अलग बरतनों में।

इस संस्कार में रखी कोशिकाएँ हर 10-12 घंटे में विभाजित होती हैं। एक से दो हो जाती हैं। फिर अगले 10-12 घंटे में दो से चार और फिर चार से आठ। इसी तरह दो हफ्ते में हज़ारों कोशिकाएँ तैयार होती हैं। फिर मैंने तीन भिन्न वातावरण में कोशिकाओं की भिन्न बस्तियाँ तैयार कीं। इन 'बस्तियों' का रासायनिक वातावरण एकदम अलग-अलग था। ठीक कुछ वैसे ही जैसे हर व्यक्ति के शरीर का वातावरण अलग होता है और एक ही शरीर के भीतर भी कई तरह के वातावरण होते हैं। अलग-अलग वातावरण में भी रखी गई इन कोशिकाओं का डी०एन०ए० तो एकदम समान था। उनका पर्यावरण, उनका वातावरण भिन्न था। जल्दी ही इस प्रयोग के नतीजे सामने आने लगे।

एक बरतन में उन्हीं कोशिकाओं ने हड्डी का रूप ले लिया था, एक में मांसपेशी का और तीसरे बरतन में कोशिकाओं ने वसा या चर्बी का रूप ले लिया। यह प्रयोग इस सवाल का जवाब ढूँढ़ने के लिए किया था कि कोशिकाओं की किस्मत कैसे तय होती है। सारी कोशिकाएं एक ही मूल से निकली थीं। तो नए सिरे से यह सिद्ध हुआ कि कोशिकाओं की आनुवंशिकी नियति तय नहीं करती है। जवाब था; परिवेश; पर्यावरण; वातावरण।

(1) लेखक ने मांसपेशियों की कमज़ोरियों पर कौन-सी विधा खोजी थी ? 1

(क) जेनेटिक्स (ख) एपिजेनेटिक्स

(ग) प्रोजेनेटिक्स (घ) गाइनोलॉजी।

(2) लेखक ने कितने वातावरण में भिन्न बस्तियाँ तैयार कीं ? 1

(क) एक वातावरण में (ख) दो वातावरण में

(ग) तीन वातावरण में (घ) चार वातावरण में

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A)— 'एपिजेनेटिक्स' मांसपेशियों की कमज़ोरियों पर आधारित है।

कारण (R)— 2 से 3 घंटे में कोशिकाएँ विभाजित हो जाती हैं।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) गलत है,लेकिन कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) लेखक ने आनुवंशिकी के प्रयोग के लिए सर्वप्रथम क्या किया ? 2

(5) लेखक ने किस प्रश्न का उत्तर समझने के लिए यह प्रयोग किया था ? 2

उत्तर— (1) (ख) एपिजेनेटिक्स।

(2) (ग) तीन वातावरण में।

(3) (ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(4) लेखक ने आनुवंशिकी के प्रयोग के लिए सर्वप्रथम मूल कोशिकाओं के प्रतिरूप तैयार कर भिन्न-भिन्न वातावरण में रखना आरंभ किया।

(5) कोशिकाओं की किस्मत कैसे निश्चित होती है ?— इस प्रश्न का उत्तर समझने के लिए लेखक ने यह प्रयोग किया था।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—(3 × 1 + 2 × 2) = (3 + 4) = 7

नारी केवल कामिनी नहीं, जगद्धात्री भी है, अलंकरण-मात्र ही नहीं, समाज को जीवंत बनाने वाली प्रेरणाशक्ति भी है। आज जनमानस इस दृष्टिकोण से वंचित है। नारी इतनी शक्तिहीन नहीं है। माता बनकर उसकी शक्ति परोक्ष रूप में अपने बालकों के चरित्र-निर्माण में कार्य करती है। प्रिया रूप में वह समस्त दया, करुणा, ममता और माधुर्य का उपहार देकर पुरुष को उसके कार्य-क्षेत्र के लिए नई ऊर्जा प्रदान करती है। विद्या बुद्धि में गार्गी तथा अपाला बनकर और शौर्य में लक्ष्मीबाई एवं चाँद बीबी बनकर उसने अपने तेजस्वी रूप का परिचय समय-समय पर दिया है। स्वदेश में ही नहीं, विदेश में भी ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं। जॉन ऑफ़ आर्क ने एक साथ आत्मिक बल और शारीरिक बल के समन्वय से ऐसी ज्योति जलाई

जो युगों-युगों तक उनका नाम अमर रखेगी। इतिहास के पन्ने इस बात के साक्षी हैं कि नारी ने केवल चौका-चूल्हा ही नहीं सँभाला, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर घोड़े की पीठ पर चढ़कर रणक्षेत्र में भी वीरता का परिचय दिया और अपनी मर्यादा की रक्षा के लिए आततायियों को धूल चटा दी।

(1) माता के रूप में नारी का महत्वपूर्ण कार्य है— 1

(क) पालन-पोषण करना (ख) परिवार सँभालना

(ग) दया-ममता बिखेरना (घ) चरित्र-निर्माण करना।

(2) (*a*) नारी केवल कामिनी है। 1

(*b*) नारी को समाज में जीवंत बनाने वाली प्रेरणा शक्ति माना गया है।

(*c*) नारी परोक्ष रूप में बालकों के चरित्र निर्माण में कार्य करती है।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर नारी के शक्ति रूप के मूल विचारों वाला विकल्प चुनिए—

(क) केवल (*a*)

(ख) केवल (*b*)

(ग) केवल (*a*) और (*c*)

(घ) केवल (*b*) और (*c*)

(3) विद्या-बुद्धि में किन नारियों ने तेजस्वी रूप दिखाया है ? 1

(क) लक्ष्मीबाई एवं चाँद बीबी ने

(ख) सीता और सावित्री ने

(ग) द्रौपदी और गांधारी ने

(घ) गार्गी और अपाला ने।

(4) इतिहास के पन्ने किस बात के साक्षी हैं ? 2

(5) नारी किस रूप में पुरुष को ऊर्जा प्रदान करती है ? 2

उत्तर—(1) (घ) चरित्र-निर्माण करना।

(2) (घ) केवल (*b*) और (*c*).

(3) (घ) गार्गी और अपाला ने।

(4) इतिहास के पन्ने इस बात के साक्षी हैं कि नारी ने केवल चौका-चूल्हा ही नहीं सँभाला, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर घोड़े की पीठ पर चढ़कर रणक्षेत्र में भी वीरता का परिचय दिया।

(5) नारी प्रिया रूप में दया, करुणा, ममता और माधुर्य का उपहार देकर पुरुष को उसके कार्य-क्षेत्र के लिए नई ऊर्जा प्रदान करती है।

खंड—ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (4 × 1 = 4)

(क) मुझे नई और नीली शर्ट चाहिए। —वाक्य में से विशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए। **1**

(ख) कंपनी बाग के मुहाने पर रखी गई तोप पर छोटे-छोटे बच्चे सवारी करते हैं।—रेखांकित पदबंध का प्रकार लिखिए। **1**

(ग) तुम तेज़ी से दौड़कर क्यों नहीं जाते ?—रेखांकित पदबंध का प्रकार लिखिए। **1**

(घ) सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूरी पर रुक गए।—वाक्य में क्रिया पदबंध छाँटिए। **1**

(ङ) मुसीबतों का सामना करने वाला वह भयभीत नहीं हो सकता। —रेखांकित पदबंध का प्रकार लिखिए। **1**

उत्तर—(क) नई और नीली शर्ट।

(ख) संज्ञा पदबंध।

(ग) क्रिया विशेषण पदबंध।

(घ) रुक गए

(ङ) सर्वनाम पदबंध।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए— (1 × 4 = 4)

(क) निकोबार द्वीप के विभक्त होने की एक लोककथा आज भी दोहराई जाती है। (मिश्र वाक्य में) **1**

(ख) समुद्र से चलकर ठंडी बयार तताँरा को छू रही थी। (संयुक्त वाक्य में) **1**

(ग) गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा। (सरल वाक्य में) **1**

(घ) लड़कों का एक झुंड था, जो पतंग के पीछे-पीछे दौड़ा चला आ रहा था। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद बताइए) **1**

(ङ) कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिलने पर भी बड़े भाई साहब चुप रहे। (संयुक्त वाक्य में) **1**

उत्तर—(क) जो निकोबार द्वीप के विभक्त होने की कथा है, आज भी दोहराई जाती है।

(ख) समुद्र से चलकर ठंडी बयार बह रही थी और तताँरा को छू रही थी।

(ग) प्रभावी गायन के कारण वह अपनी सुध-बुध खोने लगा।

(घ) मिश्र वाक्य।

(ङ) कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिला, परंतु बड़े भाई साहब चुप रहे।

प्रश्न 5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए— (1 × 2 = 2)

(*i*) पत्र-व्यवहार (*ii*) चक्रधर (*iii*) अष्टसिद्धि।

(ख) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए— (1 × 2 = 2)

(*i*) नीला है जो कमल (*ii*) दान के लिए पात्र।

उत्तर—(क) (*i*) पत्र से व्यवहार—तत्पुरुष समास।

(*ii*) चक्र धारण करने वाला अर्थात् विष्णु—बहुव्रीहि समास।

(*iii*) आठ सिद्धियों का समाहार—द्विगु समास।

(ख) (*i*) नीलकमल—कर्मधारय समास।

(*ii*) दानपात्र—तत्पुरुष समास।

प्रश्न 6. (क) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए— (1 + 1 = 2)

(*i*) पानी-पानी होना (*ii*) सिर पर कफ़न बाँधना।

(ख) किन्हीं दो रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए— (1 + 1 = 2)

(*i*) मुझे..........मत समझना, मैं तुम्हारी हर चाल समझता हूँ।

HOLY FAITH INTERNATIONAL (P) LTD.

(*ii*) तुम तो हर छोटी-बड़ी बात पर.....लेते हो।

(*iii*) भारतीय सैनिकों ने दुश्मन की सेना के.....दिए।

उत्तर—(क) (*i*) जब पिताजी ने रघु को उसके दोस्तों के सामने फटकारा तो वह पानी-पानी हो गया।

(*ii*) भारतीय सैनिक शत्रुओं से मुकाबला करने के लिए अपने सिर पर कफ़न बाँधे रहते हैं।

(ख) (*i*) उल्लू

(*ii*) मुँह मोड़

(*iii*) छक्के छुड़ा।

खंड—ग

(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित *पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए* प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए—

(1 × 5 = 5)

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(1) सबसे बड़ा विवेक क्या है ? **1**

(क) शास्त्रों का ज्ञान होना
(ख) संसार के रहस्य का ज्ञान होना
(ग) मनुष्य-मात्र को भाई समझना
(घ) ईश्वर का अस्तित्व मानना।

(2) स्वयंभू पिता का तात्पर्य है— **1**

(क) परमपिता परमेश्वर
(ख) पालन-पोषण करने वाला
(ग) परिवार का मुखिया
(घ) स्वयं को पिता मानने वाला।

(3) मनुष्य-मनुष्य में बाहरी अंतर क्यों दिखाई देता है ? **1**

(क) रूप-रंग के अंतर के कारण
(ख) विचारों के अलग होने के कारण
(ग) विभिन्न जातियों में जन्म लेने के कारण
(घ) कर्म के अनुसार फल भोगने के कारण।

(4) सबसे बड़ा अनर्थ है— **1**

(क) भाई-ही-भाई को सम्मान न दे
(ख) भाई-ही-भाई का कष्ट दूर करे
(ग) भाई-ही-भाई का दु:ख दूर न करे
(घ) भाई-ही-भाई को अपना सहायक माने।

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए— **1**

(*i*) कवि सबका ईश्वर एक मानता है।
(*ii*) कर्म के फल के अनुसार मनुष्यों में बाहरी भेद होता है।
(*iii*) सभी मनुष्यों को बंधु समझना ही विवेक है।
(*iv*) मनुष्यों को मनुष्य का कष्ट दूर नहीं करना चाहिए।
(*v*) मनुष्यों को आपसी द्वेष रखना आवश्यक है।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए—

(क) (*i*), (*ii*), (*iii*)
(ख) (*i*), (*iii*), (*iv*)
(ग) (*ii*), (*iii*), (*v*)
(घ) (*iii*), (*iv*), (*v*)

उत्तर—(1) (ग) (2) (क) (3) (घ) (4) (ग) (5) (क)।

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(5 × 1 = 5)**

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। ततााँरा का मन इन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। ततााँरा को देखते ही वह फूट-फूटकर रोने लगी। ततााँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज़ लगातार ऊँची होती जा रही थी। ततााँरा किंकर्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी।

(1) पासा गाँव में किस पर्व का आयोजन किया गया? **1**

(क) 'पशु-पर्व' का (ख) 'पुष्प-पर्व' का
(ग) 'संगीत पर्व' का (घ) 'शक्ति-पर्व' का।

(2) ततााँरा का मन कार्यक्रमों में क्यों नहीं लग रहा था? **1**

(क) कार्यक्रम रुचिकर नहीं थे।
(ख) वह थक गया था।
(ग) वह वामीरो को ढूँढ़ रहा था।
(घ) उसे भूख लगी थी।

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— **1**

कथन (A)—ततााँरा को देखते ही वामीरो खिल उठी।

कारण (R)—वामीरो की माँ ततााँरा और वामीरो को देखकर गदगद हो उठी।

विकल्प :

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(4) वामीरो कहाँ छिपकर खड़ी थी ?

(क) लोगों की भीड़ में
(ख) एक पेड़ के पीछे नारियल झुंड में

© HOLY FAITH INTERNATIONAL PVT. LTD.

(ग) दीवार के पीछे

(घ) पशुओं के झुंड के पीछे

(5) गद्यांश के संदर्भ में स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए—1

	स्तंभ-I	स्तंभ-II
1.	पशु पर्व का आयोजन	I. वामीरो की माँ
2.	विह्वल हो उठा	II. पासा गाँव
3.	आग-बबूला हो उठी	III. ततांरा।

विकल्प :

(क)	1-I	2-II	3-III
(ख)	1-III	2-I	3-II
(ग)	1-II	2-III	3-I
(घ)	1-II	2-I	3-III

उत्तर—(1) (क) (2) (ग) (3) (क) (4) (ख) (5) (ग)।

प्रश्न 9. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। 2 × 3 = 6

(क) इस पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है ? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं ? **2**

(ख) बंगाल के नाम पर क्या कलंक था ? उन्होंने इसे किस प्रकार धोया ? **2**

(ग) दरअसल 'तीसरी कसम' फ़िल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने वाले की समझ से परे है। इसकी करुणा से क्या अभिप्राय है ? **2**

(घ) ''हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए।'' 'झेन की देन' पाठ से उद्धृत लेखक का यह कथन वर्तमान परिस्थितियों में कहाँ तक सत्य है ? क्या आप इससे सहमत हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए। **2**

उत्तर—(क) लेखक के अनुसार यह शिक्षा व्यावहारिक नहीं है। यह एक तरह की रटने वाली विद्या है अर्थात रटंत ज्ञान है, जिसमें समझ में कुछ भी नहीं आता है केवल रटना पड़ता है। इसलिए कहते हैं न 'रटंत विद्या फलंत नाही' अर्थात रटने वाली विद्या कभी भी नहीं फलती है। यहाँ लेखक के मुताबिक केवल उत्तर-पुस्तिका के आधार पर छोटे भाई का मूल्यांकन किया गया है। जबकि किसी भी बच्चे का मूल्यांकन केवल उत्तर-पुस्तिका भर से ही नहीं किया जा सकता है। हम उनके विचारों से पूर्ण रूप से सहमत हैं, क्योंकि इस प्रक्रिया में छात्र का पूर्ण रूप से मूल्यांकन नहीं हो पाता है। अर्थात लेखक के अनुसार बड़े भैया केवल उसकी उत्तर-पुस्तिका से ही उसका मूल्यांकन करते हैं। इसी कारण प्रस्तुत प्रक्रिया में छात्र का पूरा मूल्यांकन नहीं हो पाता है।

(ख) बंगाल के नाम पर यह कलंक था कि कि संपूर्ण देश अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध पूरे जोश के साथ संघर्ष कर रहा था, परंतु बंगाल में वह जोश और उत्साह दिखाई नहीं दे रहा था। 26 जनवरी, 1931 के दिन सुभाष बाबू के नेतृत्व में बहुत बड़ा जुलूस निकालकर, उन्होंने सरकारी आदेश और कानूनों का उल्लंघन करके अपने साहस और संघर्ष का परिचय दिया। इस प्रकार उन्होंने अपने ऊपर लगे कलंक को धो दिया।

(ग) लेखक का आशय यह है कि फ़िल्म 'तीसरी कसम' एक संवेदनशील फ़िल्म थी। इसकी करुणा व संवेदना फ़िल्मों से पैसा कमाने वाले लोगों की समझ में आने वाली नहीं थी। जिस फ़िल्म में दर्शकों के मनोरंजन के लिए पर्याप्त सामग्री होती है, उसे फ़िल्मों के खरीददार हाथों-हाथ खरीद लेते हैं। इस फ़िल्म में भावनाओं और संवेदनाओं की प्रधानता थी। फ़िल्मों से पैसा कमाने वालों के लिए संवेदनाओं व करुणा का कोई महत्व नहीं होता। इसी कारण इस फ़िल्म को कोई खरीददार नहीं मिला।

(घ) हमारे समस्त प्रयास वर्तमान के लिए ही होने चाहिए क्योंकि वर्तमान काल ही सत्य है। भूतकाल बीत चुका है और उसकी खट्टी-मीठी बातों में उलझकर वर्तमान को व्यर्थ गँवाना नासमझी है। जबकि भविष्यकाल के रंगीन सपने देखते रहने से श्रेष्ठ है अपने वर्तमान का इतना सदुपयोग करना कि भावी जीवन की समस्त गुत्थियाँ स्वयं सुलझ जाएँ।

प्रश्न 10. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए। 2 × 3 = 6

(क) कंपनी बाग में रखी तोप की क्या विशेषता है ? वह कब और क्यों चमकाई जाती है ? **2**

(ख) पर्वत प्रदेश में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है, परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन में क्या कठिनाइयाँ उत्पन्न होती होंगी ? उनके विषय में लिखिए। **2**

(ग) ''मनुष्य मात्र बंधु है'' —कथन से आप क्या समझते हैं ? **2**

(घ) कबीर की किसी साखी के आधार पर बताइए कि कबीर किन जीवन-मूल्यों को मानव के लिए आवश्यक मानते हैं ? **2**

उत्तर—(क) कंपनी बाग में रखी तोप की यह विशेषता है कि कभी अंग्रेज़ों ने इसका प्रयोग हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को दबाने के लिए किया था। कुछ समय पश्चात एक दिन ऐसा भी आया कि इसी तोप को अपना मुँह बंद करना पड़ा और अब वह केवल पर्यटकों का मनोरंजन करती है। आज यह तोप भारत की धरोहर है, जिसे खूब सँभालकर रखा जाता है तथा साल में दो बार (*i*) पंद्रह अगस्त, (*ii*) छब्बीस जनवरी को इसे चमकाया जाता है। यह सदा हमारे वीरों और बलिदानियों की याद दिलाती रहती है।

(ख) पर्वत प्रदेश में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना, बढ़ जाता है। वहाँ क्षण-क्षण प्रकृति अपना वेश बदलती-सी नज़र आती है। कभी धूप चमकती नज़र आती है, कभी सूर्य बादलों की ओट में छिप जाता है, कभी प्रकृति का सुहावना रंग दिखाई देता है तो कभी इतने घने बादल छा जाते हैं कि पर्वत तक अदृश्य हो जाते हैं। मात्र झरनों का शोर सुनाई देता रहता है। अचानक घनघोर वर्षा होने लगती है। नि:संदेह पर्वतों की प्रकृति के ये बदलते दृश्य पर्यटकों को आकर्षित भी करते हैं, परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के लिए यह मौसम कठिनाइयाँ उत्पन्न करता है। वर्षा ऋतु में बादलों का फटना, चट्टानों का खिसकना, बरफ़ीले तूफ़ानों का आना कई बार गाँव-के-गाँव तबाह कर देता है। चिकित्सा-सुविधाओं का न पहुँचना, संचार व्यवस्था का ठप्प होना, सड़कों का टूटना आदि ऐसी अनेक समस्याएँ हैं। जिनका सामना इन पर्वतीय अंचल में रहने वाले लोगों को करना पड़ता है।

(ग) 'मनुष्य मात्र बंधु है' कथन का अर्थ है कि संसार के सभी लोग 'भाई-बंधु' हैं अर्थात मनुष्य-मनुष्य के बीच में जाति-धर्म, क्षेत्र, भाषा या रंग के आधार पर कोई भेद नहीं होता है। मनुष्य के मन में विश्व-बंधुत्व की भावना को प्रबल बनाने के लिए प्रयासरत रहना आवश्यक है।

(घ) कबीरदास जी का मानना है कि हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो हमारे हृदय के अहंकार को मिटा दे, जिसमें हमारी विनम्रता झलकती हो, क्योंकि ऐसी वाणी द्वारा ही आपसी भाई-चारे की भावना का संचरण हो सकता है। मधुर वाणी बोलने वाला न केवल अपने शरीर को शीतलता

प्रदान करता है, बल्कि सुनने वाले को भी आत्मिक सुख-प्रदान करता है। कठोर वचन बोलने से, जहाँ हमारे मन में आक्रोश उत्पन्न होता है, वहीं मधुर वचन हमारे हृदय को शांत एवं आनंदित कर देते हैं।

प्रश्न 11. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए— (3 × 2 = 6)

(क) 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों ? **3**

(ख) आज की शिक्षा-व्यवस्था में विद्यार्थियों को अनुशासित बनाए रखने के लिए क्या तरीके निर्धारित हैं? 'सपनों के-से दिन' पाठ में अपनाई गई विधियाँ आज के संदर्भ में कहाँ तक उचित लगती हैं? जीवन-मूल्यों के आलोक में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **3**

(ग) आप कैसे कह सकते हैं कि हरिहर काका संयुक्त परिवार के मूल्यों के प्रति एक समर्पित और प्रेरक मानव थे? पठित पाठ के आधार पर समझाइए। **3**

उत्तर—(क) 'अम्मी' शब्द के प्रयोग पर टोपी के घरवालों की बड़ी ही कट्टरवादी प्रतिक्रिया हुई। सभी भोजन करना छोड़कर टोपी की ओर देखने लगे। उनकी परंपरावादी, कट्टर दादी ने इसे इस घर की परंपराओं और संस्कारों का अपमान माना और वे खाने की मेज़ से उठ करके चली गईं तथा जब टोपी की माँ रामदुलारी को यह पता चला कि टोपी ने किसी मुसलमान लड़के से दोस्ती कर ली है, तो उसने टोपी की बहुत बुरी तरह पिटाई की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टोपी का परिवार बहुत ही कट्टरवादी ब्राह्मण परिवार था और उनके अंदर धार्मिक कट्टरता कूट-कूटकर भरी थी।

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ के अनुसार विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए उन्हें डराया जाता था। छात्र पी०टी० के अध्यापक से बहुत डरते थे। वे छात्रों को बुरी तरह मारते-पीटते थे। उनके व्यवहार को दिखाने के लिए पाठ में 'खाल खींचने' जैसे मुहावरे का प्रयोग किया गया है। उस समय की शिक्षा पद्धति में डाँट-फटकार की बहुत अहमियत थी। शिक्षा भय की वस्तु समझी जाती थी। मुरगा बनाना, थप्पड़ मारना, झिड़कना और डंडे मारना, उस समय ऐसे कठोर दंड थे कि जिनसे बालकों को न केवल शारीरिक कष्ट होता था, बल्कि उन्हें मानसिक यंत्रणा भी दी जाती थी। वर्तमान शिक्षा-प्रणाली में इस प्रकार के दंड की कोई भूमिका नहीं है। अब छात्रों को मारना या पीटना कानूनी अपराध है। आजकल बच्चों को सुधारने के लिए मनोवैज्ञानिक तरीके अपनाए जाते हैं। इन तरीकों से उनके अंदर अनुशासन, आदर-भाव, सहयोग, परस्पर प्रेम, कर्मनिष्ठा आदि गुणों का विकास होता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार दिए जाते हैं। तनावमुक्त एवं शांत सौहार्दपूर्ण वातावरण में दी गई शिक्षा अधिक जीवनोपयोगी सिद्ध होगी।

(ग) हरिहर काका अपने चारों भाइयों के साथ संयुक्त परिवार में रहते थे। हरिहर काका के दो विवाह हुए थे, परंतु उनकी कोई संतान नहीं थी। उनकी दोनों पत्नियों की मृत्यु हो चुकी थी। परिवार की साठ बीघा ज़मीन में से पंद्रह बीघा ज़मीन हरिहर काका की थी। भाइयों ने अपनी पत्नियों को काका की उचित देखभाल करने का आदेश दे रखा था, परंतु वे उसे मानती नहीं थीं। काका को बचा-खुचा भोजन परोस देती थीं, यहाँ तक कि तबीयत खराब होने पर भी उनकी उचित देखभाल नहीं होती थी। इतना सब कुछ होने के बाद भी काका अपने भाइयों के साथ ही रहना चाहते थे, क्योंकि वे संयुक्त परिवार के मूल्यों में आस्था रखते थे। किंतु काका के भाइयों और उनकी पत्नियों ने काका को घर में कैद रखा और ज़मीन के कागज़ों पर ज़बरन अँगूठा लगवा लिया। हरिहर काका परिवार के स्वार्थ को समझते थे, फिर भी वे अपने परिवार के सभी सदस्यों से प्रेम करते थे।

खंड—घ

(रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5 × 1 = 5)

(क) सार-सार को गहि रहे, थोथा देय उड़ाय
- सूक्ति का अर्थ
- कथन का स्पष्टीकरण
- समाज के लोगों में संबंध
- वैचारिक अभिव्यक्ति

(ख) हस्तकला तथा शिल्प
- भूमिका
- इतिहास
- वर्तमान स्थिति
- भविष्य

(ग) मधुर वचन है औषधि
- वाणी की मधुरता सबको प्रिय
- मधुर वाणी एक वरदान
- प्रभाव
- आवश्यकता

उत्तर—(क) सार-सार को गहि रहे, थोथा देय उड़ाय

'सार-सार को गहि रहे, थोथा देय उड़ाय' सूक्ति का अर्थ है सार्थक को अपना लेना चाहिए और निरर्थक या व्यर्थ को छोड़ देना चाहिए। कबीरदास जी द्वारा रचित यह पूर्ण दोहा इस प्रकार है—

''साधु ऐसा चाहिए जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहे, थोथा देय उड़ाय।।''

सज्जन के गुण सूप के समान होने चाहिए। जिस प्रकार अनाज साफ़ करने वाला सूप अनाज के दानों को एक ओर कर लेता हैं और भूसे को उड़ा देता है। उसी प्रकार इस संसार को भी ऐसे सज्जनों की ज़रूरत है जो सार्थक को बचा लेंगे और निरर्थक को छोड़ देंगे। समाज में अलग-अलग विचारधाराओं तथा मान्यताओं को मानने वाले व्यक्ति हैं। हमें समाज में ऐसे व्यक्तियों के विचारों को ग्रहण करना चाहिए जो हमें उन्नति की ओर लेकर जाएँ। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जो अपनी आवश्यकताओं और ज़रूरतों को पूरा करने के लिए समाज के अनेक लोगों से संबंध बनाता है। प्रत्येक व्यक्ति की सोच और मानवीय मूल्य अलग-अलग होते हैं किंतु सत्पुरुष उन्हीं गुणों को अपनाता है जो सार्थक होते हैं जिस प्रकार सूप भूसे को अनाज के दानों से अलग कर देता है, उसी प्रकार सज्जन भी गुण ग्रहण करते हैं और अवगुणों को छोड़ देते हैं।

(ख) हस्तकला तथा शिल्प

हस्तकला तथा शिल्प की अद्भुत सुंदर वस्तुएँ सदियों से सबका मन मोहती आई हैं। इसका इतिहास बहुत पुराना है। आदिम युग के मिट्टी के बरतन, खिलौने इत्यादि भी तो इसी के नमूने हैं। शिल्प समुदाय की गतिविधियों व सक्रियता का प्रमाण हमें सिंधु घाटी सभ्यता में मिलता है। आज भारत में मूर्तिकला, शिल्पकला, हस्तशिल्प, करघा, आभूषण एवं अन्य बहुत-सी कलाएँ प्रचलित हैं। आज

वर्तमान में पारंपरिक हस्तशिल्प पश्चिमी सभ्यता से भी प्रभावित है। लोगों में इसके प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ रही है। पश्चिम की नकल करने के फेर में लोगों ने बनावटी और कृत्रिम मशीनी वस्तुओं को पसंद करना शुरू कर दिया है। इस मूल्यवान कला का मर्म समझने वाले अब कम ही रह गए हैं इसलिए कलाकार भी अब अपनी कला से मुँह मोड़ने लगे हैं। आज थोड़ी जागरूकता तो अवश्य आई है परंतु इस दिशा में अभी और कार्य किया जाना बाकी है। सरकार ऐसे कलाकारों को आर्थिक सहायता और रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराती हैं। समय-समय पर हस्तशिल्प मेलों का आयोजन किया जाता है और प्रदर्शनियाँ लगाई जाती हैं। भरपूर प्रयास किया जा रहा है कि ये कलाकार अपनी कला से विमुख न हों।

(ग) मधुर वचन है औषधि

मनुष्य अपने भाव प्रकट करने के लिए अपनी वाणी का प्रयोग कर वार्तालाप करता है। यदि यह वार्तालाप मधुर वाणी में होता है तो सभी उसके प्रति मित्रता तथा सद्भावना रखने लगते हैं। यही वार्ता यदि कटुता भरी हो तो मनुष्य अपने लिए ही शत्रुता के बीज बो देता है। मधुर वचन सभी को प्रिय होते हैं। वाणी की मधुरता जहाँ कर्णप्रिय होती है वहीं नए मित्रों को आकर्षित करने वाली भी। मधुर वचन बोलने से दूसरे भी हमसे अच्छा व्यवहार करते हैं। टूटे और रूठे संबंधों को जोड़ने का काम भी मधुर वचन बोलकर किया जा सकता है। मित्रों में हुई गलतफ़हमी और रिश्तों में दूरी मीठे वचन बोलकर दूर हो सकती है। दु:ख से आहत व्यक्ति को मीठे वचन सुख तथा सांत्वना देते हैं। इसी कारण मधुर वचन को औषधि के समान कहा गया है। मधुर वाणी वास्तव में एक वरदान ही है। कटु वाणी जहाँ विनाश को आमंत्रण देती है वहीं मधुर वाणी से पराये भी अपने बन जाते हैं। हमें मधुर वचन बोलने का प्रयास करना चाहिए ताकि जीवन में हमें मित्रों का सहयोग मिलता रहे। वैर भाव और शत्रुता का नाश करने के लिए मधुर वचन उपयोगी है। शांतिपूर्ण जीवन जीने का एक उपाय मधुर वचनों का वचन है। इससे सभी प्रकार की कटुता, अहंकार और क्रोध का नाश होता है। कबीर ने भी कहा है—

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करे, आपहुँ सीतल होय।।

प्रश्न 13. आपकी छोटी बहन की पढ़ाई के साथ-साथ चलने वाली अतिरिक्त गतिविधियों में भाग लेने में रुचि नहीं है। उसे पत्र द्वारा ऐसी गतिविधियों के लाभ बताते हुए उनमें भाग लेने के लिए प्रेरित करें। (5 × 1 = 5)

उत्तर—परीक्षा भवन

दिनांक : XX/XX/XXXX

प्रिय बहन

सस्नेह!

आशा है छात्रावास में तुम मन लगाकर पढ़ाई कर रही हो। कल ही तुम्हारी सहेली की माता जी आई थीं। वे तुम्हारी पढ़ाई की तारीफ कर रही थीं। वे कह रही थीं कि विद्यालय की सभी अध्यापिकाएँ तुम्हारी लगन और मेहनत की प्रशंसा करती हैं। उन्होंने ही बताया कि कुछ अध्यापिकाएँ उन बच्चों को ऑल राउंडर मानती हैं जो पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहते हैं।

प्रिय बहन, मेरा भी यही मानना है कि ज्ञान केवल किताबों में ही नहीं होता। अपने आस-पास घटने वाली हर बात हमें कोई-न-कोई सीख देती है। अत: तुम्हें विद्यालय में होने वाले अन्य क्रियाकलापों में भी रुचि लेनी चाहिए। पाठ्यक्रम में सहायक गतिविधियों में भाग लेकर न केवल व्यक्तित्व में निखार आता है बल्कि लोगों को और अपने आस-पास के वातावरण को समझने का कौशल भी विकसित होता है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और ज्ञान क्षेत्र का भी विस्तार होता है।

आशा है तुम मेरी इन सभी बातों पर ध्यान दोगी और अन्य गतिविधियों में भी रुचि लोगी। हम सभी की तरफ़ से तुम्हें स्नेह और आशीर्वाद।

तुम्हारी बहन

क०ख०ग०

अथवा

दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले 'पैसा प्रधान' कार्यक्रमों द्वारा युवा वर्ग में बढ़ती धन लालसा का वर्णन करते हुए सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय को पत्र लिखिए।

उत्तर—परीक्षा भवन

दिनांक : XX/XX/XXXX

सेवा में

वरिष्ठ अधिकारी

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय

'क' क्षेत्र

'ख' नगर

विषय—दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले पैसा प्रधान कार्यक्रमों के संबंध में।

मान्यवर

सविनय निवेदन यह है कि आजकल दूरदर्शन पर 'पैसा प्रधान' कार्यक्रम अधिक दिखाए जा रहे हैं। कहीं कम समय में पैसा कमाने की चर्चा हो रही है तो कहीं बोलियाँ लगाकर लाभ कमाने की बात हो रही है। यहाँ तक कि दूसरे दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों में भी धन की चमक-दमक व्यावहारिक या वास्तविक जीवन से परे ही दिखाई जाती है। इस प्रकार के पैसा प्रधान कार्यक्रम युवाओं को उचित संदेश न देकर उनमें धन के प्रति लालच उत्पन्न कर रहे हैं। युवाओं को देश-प्रेम, विज्ञान और कृषि प्रधान कार्यक्रमों के बजाय इसी प्रकार के कार्यक्रम दिखाकर उन्हें पथभ्रष्ट किया जा रहा है जो अनुचित और देश के लिए अहितकर हैं।

युवावर्ग देश का भविष्य है। अत: उनके लिए ऐसे कार्यक्रमों का प्रसारण होना चाहिए जो उनका बौद्धिक विकास और चारित्रिक उत्थान कर सके। आपसे अनुरोध है कि इस प्रकार के अर्थ प्रधान कार्यक्रमों का प्रसारण बंद कर कुछ इस प्रकार के कार्यक्रम दिखाएँ जो युवाओं में नैतिक मूल्यों का विकास कर उन्हें सही मार्ग की ओर ले जाएँ। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद

भवदीय

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए— (4 × 1 = 4)

केंद्रीय विद्यालय में एक दिन के लिए 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। स्कूल नोटिस बोर्ड के लिए 60 शब्दों में सूचना बनाइए। 4

उत्तर— **सूचना**

केंद्रीय विद्यालय, जोधपुर

दिनांक : 18 अगस्त, 20XX

विद्यालय के संबद्ध विद्यार्थियों एवं अध्यापक-गण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 20 अगस्त, 20XX को प्रात: 10.00 बजे विद्यालय के प्रांगण में 'सिक्का लैब' की ओर से 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान करना सबसे बड़ा दान है। सभी से अनुरोध है कि रक्तदान करके मानवता के इस पुण्य कार्य में अपना योगदान दें।

क०ख०ग०

प्रधानाचार्य

अथवा

विद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दिनों में प्रात:काल क्रिकेट, बॉस्केटबॉल और वॉलीबॉल की अभ्यास कक्षाएँ आयोजित की जाएँगी। इसकी जानकारी देते हुए सूचना-पट के लिए एक सूचना 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर— **सूचना**

डी०ए०वी० पब्लिक स्कूल, कानपुर

दिनांक : 10 मई, 20XX

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दिनों में प्रात:काल सुबह 5.00 बजे से 9.00 बजे तक क्रिकेट, बास्केटबॉल और वालीबॉल खेलों की अभ्यास कक्षाएँ स्कूल के खेल मैदान में कोच की निगरानी में चलाई जाएँगी। इन खेलों में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपने खेल अध्यापक को अपना नाम दे सकते हैं।

आखिरी तारीख 18 मई, 20XX है।

क०ख०ग०

प्राचार्य

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (3 × 1 = 3)

विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 40 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए। 3

उत्तर—

अथवा

हिमाचल राज्य के पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 40 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर—

प्रश्न 16. 'लापरवाही की कीमत' विषय पर लघुकथा लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। (5 × 1 = 5)

उत्तर—लापरवाही की कीमत

राघव बहुत ही लापरवाह और आलसी लड़का था। वह अपने प्रत्येक कार्य को 'अभी क्या जल्दी है' कहकर अगले दिन पर टाल देता। एक बार उसके पिता ने उसे बिजली का बिल चुकाने के लिए पैसे दिए और कहा कि समय पर बिल भर देना। परंतु आदत से मजबूर राघव ने उसे सुनकर टाल दिया। दो दिन बाद अचानक रात को बिजली बंद हो गई। गरमी के कारण राघव से पंखे और ए०सी० के बिना एक पल भी बिताना दूभर हो रहा था। उसने बाहर निकलकर देखा तो आस-पड़ोस में सबके घर बिजली आ रही थी। तभी पिता जी ने उससे बिजली का बिल भरने के विषय में पूछा तो राघव बगलें झाँकने लगा, क्योंकि उसने बिल नहीं भरा था। उसकी अपनी लापरवाही के कारण उसे व उसके परिवार को गरमी में रात गुज़ारनी पड़ी। भविष्य में उसने काम को टालने की अपनी आदत छोड़ दी।

अथवा

आपका नाम मानव/मानवी है। आपने ऑनलाइन टेलीविज़न खरीदा है और अब आप उसके लिए विस्तारित आश्वासन (एक्सटैंडिड वारंटी) की सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु कंपनी के ई-मेल पते पर लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

From : maanvi@gmail.com

To : bajajelectronics@gmail.com

CC : copy

BCC : copy

विषय : टेलीविज़न के लिए विस्तारित आश्वासन हेतु

महोदय

निवेदन है कि मैंने (मानवी) आपकी दुकान से ऑनलाइन टेलीविज़न खरीदा है। यह बजाज कंपनी का है और इसकी कीमत 70,000/- है। इस टेलीविज़न के साथ मुझे तीन साल का आश्वासन मिला है। यह आश्वासन 21.3.2025 को समाप्त हो जाएगा। मुझे आपके कार्यकारी अधिकारी से पता चला है कि मैं अपने टेलीविज़न पर भी विस्तारित आश्वासन ले सकती हूँ। यह ई-मेल मैं आपको इसलिए लिख रही हूँ ताकि आप मुझे यह बता सकें कि मुझे कितने पैसे खर्च करने होंगे। यह विस्तारित आश्वासन टी०वी० के किन-किन हिस्सों के लिए दिया जाएगा ?

मैं यह भी जानना चाहती हूँ कि इसके लिए मुझे बजाज शोरूम जाना पड़ेगा या मैं ऑनलाइन पैसे देकर आश्वासन बढ़वा सकती हूँ। आशा है आप जल्द-से-जल्द मेरे ई-मेल का जवाब देंगे।

धन्यवाद

भवदीय

मानवी

दिनांक : 17.3.2024